विवादी का

राजपव

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 26] No. 261 नई बिल्ली, शनिवार, जून 27, 1987 (आषाढ़ 6, 1909)

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 27, 1987 (ASADHA 6, 19

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या थी लाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111--विण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

शक्त न्यामालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्य कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग (

नई विल्ली-110011, दिनांक 1 मई 1987

सं० ए० 38013/5/86-प्रणा० [ा-राष्ट्रपति, संघ लोक नेवा भ्रायोग वे के० ग० मे० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न रूप मे तद्दर्थ भ्राधार पर कार्यरन भ्रनुभाग भ्राधिक्री थी एच० सी० भर्मा को वार्मिक भ्रोर प्रणासनिक मुधार विभाग के का० आ० स० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की गर्नी वे भ्रनुसार, निवर्नन भ्रायु होने पर 30 भ्रप्रैल, 1987 के श्रपराह्म से मरकारी सेवा मे निवृत्त होने की सहर्ष श्रनुमित प्रदान करते हैं।

ण्म० पी० जैन ग्रवर स्चिव (का०प्रशा०) सघलोक सेवा ग्रायोग कों० घ० ब्यूरो का० व प्र० विभाग

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 जून 1987 सं० ए० 19014/15/84-प्रशासन-5-प्रत्यावर्तंक होने पर, श्री एस० धार० विश्वास, भा० पु० से० (ए॰ एण्ड एम० एस० पी० एस०), पुलिस ध्रधीक्षक, के० ध्र० ब्यूरो, विशेष पुलिप स्थापना, सिल्चर शाखा की सेवाएं दिनाक 30 ध्रप्रैल, 1987 पूर्वाह्म से ग्रसम नथा मेघालय सरकार को सौपी जाती हैं।

धर्मपाल भल्ला, प्रशासन म्रधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय मन्वेषण ब्यूरो

गृह मंद्रालय

पुलिस अनुसन्धान एव विकास ब्यूरो नई दिल्ली--110003, दिनाक 11 मई 1987 स० 3/4/87-प्रणा०-I---राष्ट्रपति, श्री एस० ए**च०** कुमार वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी, राष्ट्रीय विमान पत्तन प्राधिकरण को पुलिए ग्रनुधन्धान एवं विका क्यूरा में वरिष्ट वैज्ञानिक ग्रिधिकारी (इलैक्ट्रानिका) के पद पर दिनांक 1-5-87 (पूर्वाह्म) में प्रतिनिय्धित ग्राधार पर तीन वर्ष है लिये नियुक्त करते हैं।

दिनाक 4 जून 1987

मं० 3/9/81 प्रणा० J— श्री पी० जे० जोत्मक, खाई० पी० एक० (पड़ीका 1953) के उड़ी र राज्य में प्रत्या-वर्तन के परिणाम स्वरूप पुलि स्थान एवं विकास ब्यूरो, नर्ड दिल्लों के उस्तिवेशक (श्रीश०)के पट का कार्यभार दिनाक 31 मई, 1987 (अपराह्म) से सीप दिया है।

मं० 3/32/84-प्रणा० I--शि वी० जे० के० तम्पी, भ्राई० पी० एए० (एम० टी० 1962) के व्रिपुरा भरकार भ्रगरतला में प्रत्यावर्तन के फलम्बरूप पुलिए ध्रनुष्न्धान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली के उप निदेशक (भ्रनु०) के पद में दिनाक 29 मई, 1987 (पूर्वाह्म) को कार्यभार भौप दिया है।

भ्रार० एस० सहाय उप निदेशक (प्रशा०)

ग्रपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान नई दिल्ली-110055, दिनाक 27 मई, 1987 गं० 1/2/87-ग्राविद्यं—राष्ट्रपति, श्रीमती स्नेह लता टण्डन, वक्ता, राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, नई दिल्ली को ग्रपराध शास्त्र एव विधि विज्ञान संस्थान (गृह संत्रालय) नई दिल्ली में दिनांक 8-5-1987 पूर्वाह्न से २० 3000-4500/- के वेतनमान में ग्रगले श्रादेश जारी होने तक प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर रीडर (समाज शास्त्र) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> भार० एस० कुलकर्णी निदेशक

महानिदेशालय, कें० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 मई, 1987

स० ग्रो० दी० 1396/77-स्था०-1--मेवा में स्वैच्छिक निथिति होने के फलरबम्य नियम 43 (इत)(दि) तक रि० पु० बल, नियम 1955 के श्रधीन श्री के० एस० मेहता ने श्रपने पुलिप उपाधीक्षक/कम्पनी कमाण्डर, 76 बटा० के० रि० पु० बत के पर का कार्यभार दिनांक 24-5-1987 (ग्रपराह्य) में त्याग दिया।

सं० डी एफ़०-34/83-स्थापना (के० रि० पु० बल)--प्राप्ताम पुलिस से रिपेट्रीएणन होने के फलस्वरूप श्री हरदेव
सिंह, पुलिए उपाधीक्षक ने दिनांक 30-4-1987 (पूर्वाह्म)
से पुलिए उपाधीक्षक, 87 बटा० के० रि० पु० बल के पद
का कार्यभार संभाल लिया है।

मं० ग्रो० दो० 1900/84ग्रेजू———राष्ट्रपित, श्री भूपिन्दर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, 13 बटा० कें० रि० पु० बल का त्याग पत्र दिनांक 9-4-87 (पूर्वाह्म) मे सहर्ष स्वीकार करते हैं।

मं० ग्रो० दो० 1958/84-स्थापना—I— श्री एस० पी० गर्मा, पुलिप उपाधीक्षक, 18 बटा० के० रि० पु० बल का देहान्त दिनांक 9-3-1987 को 0730 बर्जे हो गया । तद्नुसार उन्हें दिनांक 10-3-1987 (पूर्वाह्न) में बल की गणना में निकाल दिया गया है।

मं० भ्रो० दो० 10/87 म्थापना—1—भी जे० पी० सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, के० रि० पु० बल की सेवार्ये आई० बी० (गृह मंत्रालय) को प्रतिनियुक्ति श्राधार पर दिनांक 5—4—1987 (ग्रपराह्म) से सौपी जाती हैं।

श्रशोक राज महीपति सहायक निवेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कायलिय नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1987

संव 10/22/84-प्रणाव [—-विभागीय प्रोन्नित समिति की सिफारिण पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अन्वेषकों/अन्वेषकों (सामाजिक अध्ययन) को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तक्ष्मीकी) के पद का कार्यभार नियमित श्राधार पर ग्रहण करने की तारीख, जोकि उनके नामों के सामने दिशा: कालम 3 में दी गई है, से अगले आदेशों तक प्रोन्नित द्वारा नियमित आधार पर ग्रम्थायः क्षमता में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तक्ष्मीकी) के पद पर सहर्ष नियक्षत करते हैं:——

ऋ मं ०	्नान/ राहक निदेश र इसनणना कार्य (तक्कीकी) के पद पर	कार्यभार ग्रहण करने	िस कार्यालय से तैनात किए गए एव
	नियमित प्रोप्नित से पूर्व धारित पद	की नारीख	मुख्यालय
1	2	3	4
1	श्री गमगेर सिंह,	8-12-86	जनगणना निदेशालर राजस्थान, जयपुर
	ন্ত্ৰথ सहायक निदेशक জন্মणना आर्य (नक्रनीकी),	(पूर्वाह्म)	
	जनगणना निदेशालः, राजस्थान		

	1 2	3	4
2	श्री श्रानन्द कुमार, श्रन्वेषक, भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	4-12-86 (पूर्वाह्स)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नर्ष्ट दिल्ली
3	श्री ए० एल० दास, तद्दर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तक्ष्मीकी), जनगणना निदेशालय, बिहार	9-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, विहार, पटना
	. श्री ठी० टी० वजानी, - स्रन्वेषक, भारत के महार्राजस्ट्रार का कार्यालय - नई दिल्ली	4-12-86 (पूर्वाह्म)	भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
5	. श्री के० के० श्रकोलकर, तद्दर्थ महायक निदेशक जनगणना कार्य (तक्रनीकी) जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र	3-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, वम्बर्इ
6.	श्री ग्रार० एन० पोंगुरलेकर, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई
7.	श्री एच० एस० मीना, तदर्थ महायक निदेणक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, बिहार	9-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेभालय, ब्रिहार, पटना
8.	श्री बाबू लाल, तदर्थ सहाप क निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार या कार्यालय	4-12-86 (पूर्वाह्म)	भारत के महारजिस्ट्रार का कायलिय नई दिल्ली ।
9.	श्री म्रार० एस० मीना, तदर्थ सटायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, राजस्थान	81286 (पूर्वा न्न)	जनगणना निदेणालय, राजस्थान, जयपुर
10-	श्री बी० पी० कटारिया, तदर्थ महाया निदेशक जनगणना कार्य (तानीकी), भारत के महारजिस्ट्रार हा कार्यालय, नई दिल्ली।	3-12-86 पूर्वीह्न	भारत के म <i>ारजिल्हार</i> का का र्यालय, नई दिल्ली
11.	श्री के० ग्रार० नारायण, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, कर्नाटक	8-12-86 (पूर्वीह्न)	जनगणना निदेशालय, कर्नाटक
12.	श्री श्रो० पी० श्राहजा, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय	4-12-86 (पूर्वाह्म)	भारत के महारजिस्ट्रार का कायलिय, नई दिल्ली
	श्री मुभाष गर्ग, तदर्थ महायक निदशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय	3-12-86 (पूर्वाह्म)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई ¶दिल्ली
	श्री एम० विद्यासागर, तवर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, पाण्डिचेरी	4-12-86 (पूर्वाह्म)	जनगणना निदेशालय, पाण्डिचरी

1 2	3	4
15. श्री सी० चंश्रवर्ती, तदर्थ सहायक निदेशक अनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय, निर्दे दिल्ली	3-12-86 (पूर्वाह्न)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली
16. श्री ए० के० सिंह, तद्यं सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तक्तिकी), भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय, नई विल्ली।	3-12-86 (पूर्वाह्न)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली
17. श्री एम० एल० साह, जनजातीय विभाग, गृह मंद्रालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर	301-87 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
18. श्रीमती सुमन पराश्वर, तदर्थ सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	6487 पू र्वाह	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्याक्षय नई दिल्ली
19. श्री ए० जी० भाम्करन, तद्यर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (सकनीकी जनगणना निदेशालय, तिमलनाडु	8-12-86), (पूर्वाञ्च)	जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रा
20. श्री के० बी० रोहतगी, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	5 5 8 7 पूर्वीह्न	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यासय नई दिल्ली
21. श्री एस० ग्रार० गर्ग, तद्यर्थ महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कायलिय, नई दिल्ली	3487 पूर्वीह्न	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली
22. श्री एन० एस० भटनागर, तद्दर्थ महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, गुजरात	3-12-86 पूर्वीह्न	जनगणना निदेणालय, गुजरात प्रहमदाबाद
23. श्री एम० वी० राय, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (नकनीकी), जनगणना निदेशालय, ग्रान्ध्र प्रदेश	8 - 12 - 86 पूर्वीह्न	जनगणना निदेशालय, श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद
24. श्री एच० के० बी० सिंह, तदर्थ महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी जनगणना निदेशालय, मणिपुर	8-12-86 पूर्वीह्न	जनगणना निदंणालय, मणिपुर, इम्फा
25. श्री बी० गंगाराजन, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीर्क जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु	8-12-86 ो), पूर्वीह्न	जनगणना निदेशालय, तमिस्नना डु, मद्रा
26. श्री निर्मल भट्टाचार्य, तदर्घ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीर्क जनगणना निदेशालय, श्रसम	9-12-86 ति), (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, असम, गाहा

1	2	3	4
27.	श्री जी० डी० सिंगल, तदर्थ महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, हरियाणा	5-12-86 पूर्वीह्न	जनगणना निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़
28.	श्री म्रार० एम० सिह, तदर्थ महायक निदेश र जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश	8-12-86 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
29.	श्री करन सिंह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, पंजाब	8 1 2 8 6 पूर्वीह्न	जनगणना निदेशालय, पंजाब, चंडीगढ़
30.	श्री वी० वी० एस० शास्त्री, तदर्थ सहायक निदशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, श्रान्ध्र प्रदेश	8-12-86 (पूर्वी ह ्स)	जनगणना निदेशालय, श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद
31.	श्री लखन सिंह. तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश	23-12-86 (पूर्वाह्म)	जनगणना निषेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
32.	श्री ए० के० पाल. तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, श्ररूणाचल प्रदेश	4-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, श्ररूणाचल प्रदेश
33	श्री के० गोपीनाथन, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, केरल	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, केरल, तिवेन्द्रम
34	. श्री के० बी० लखन पाल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, चण्डीगढ़, सघ राज्यक्षेत्र
35.	श्री जे० एल० मचाडो. तदर्थ महायक निदेशक जनगणना कार्य (सकनीकी) जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु	8-12-86 (पूर्वीह्न)	जनगणना निवेशालय, तमिलनाडु, मद्राम
3	6. श्री म्रार० नरायण तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु	8-12-86 (पूर्वाह्न्)	ु जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रास
37-	श्री बी० एल० टिक्कू, तवर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकौ), जनगणना निदेशालय, राजस्थान	8-12-986 (पूर्वाह्स)	जनगणना निदेशालय, रॉज्स्थान, जयपुर
38-	श्री जी० डी० भ्रप्रवाल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) , जनगणना निदेशालय, राजस्थान	8-12-86 (पूर्वीह्न)	जनगणना निदेशालय, राजस्थान, जयपुर
39	श्री एन० के० पुरोहित, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय. राजस्थान	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, राजस्थान, जयपुर

1 2	3	4.
40. श्री टी० डी० ग्रग्रवाल, (रूरल इलैक्ट्रिक काल्पोरेशन, लखनऊ में प्रतिनियुक्ति पर)	8-1-87 (पूर्वाह्म)	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
41. श्री जे० पी० बर्नेकाल, तदर्थ महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश	8-12-86 (पूर्वाह्म)	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
42. श्री एम० जी० मोहरिल, तदर्थ महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), े जनगणना निदेशालय, मध्य प्रदेश	8-12-86 (पूर्वास्त्र)	जनगणना निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल
43. श्री एस० एस० निकेत, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तक्कनीकी), भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	3-2-87 (पूर्वाह्म)	जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई
44. श्री भ्रार० एस० लाल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।	3-2-87 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय महाराप्ट्र, बम्बई
45 श्री के० एस० लिगदोह, तदर्थ महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, मेघालय	17-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, मधालय, णिलाग
46. श्री बुध सिह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (नकनीर्का), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशाललय, उत्तर प्रदेश, लखनक
 47. श्री राम कुवेर राम, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश 	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशाय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
48. श्री जसवन्त लाल, ग्रन्वेषक, ज़नगणन, निदेशालय, हरियाणा	13−1−87 (ग्रपराह्न)	जनगणना निदेशालय, संघ राज्य क्षेत्र चण्डोगङ्, चण्डीगङ्

वी एस० वर्मा, भारत के महारजिस्ट्रार

महालेखाकार (लेखा)-1, बिहार का कार्यालय राची-2, दिनाक 27 मई 1987

म० प्रशा०-पदोन्नति 339-40 — महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)-1, बिहार, रांची के द्वारा श्री म्रलबिनुस मिज, यनुभाग ग्रधिकारी को महर्प पदोन्नत कर महालेखाकार (लेखा एव हकदारी)-2, बिहार, पटना के कार्यालय मे

उनके लेखा प्रधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करने की तिथि से ग्रगले भ्रादेण तक स्थानापन्न रूप से लेखा श्रधिकारी नियुक्त किया है।

श्री म्रलबिनुस मिज ने महालेखाकार (ले०एव ह०)-2, विहार, पटना के कार्यालय में लेखा मधिकारी का पदभार दिनाक 6-4-87 (पूर्वाह्म) को ग्रहण किया।

स० प्रता०-पदोन्नति-348-49-प्रणा०-महालेखाकार (लेखाएवं हकदारी) 1 बिहार, राची के द्वारा, श्री रातीण चन्द्र सिन्हा, अनुभाग प्रधिकारी को शहर्ष पदोन्नत कर महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)-2, बिहार, पटना के कार्यालय में उनके लेखा श्रिधकारी के रूप में पदभार ग्रहण करने की तिथि में श्रगले श्रादेश तक स्थानापन्न रूप में लेखा प्रधिकारी नियुक्त किया है।

श्री स्तीश चन्द्र सिन्हा ने महालेखाकार (ले॰ एवं हु॰)-2 बिहार, पटना के कार्यालय में लेखा श्रिधकारी का पदभार दिनांक 18-3-87 (श्रपराह्म) को ग्रहण किया।

सं० प्रणा० पदोन्नति 357-58 --मह लेखाकार, (लेखा एवं ह्कदारी)-I बिहार, रांची के द्वारा, श्री राम रेनु बनर्जी, श्रनुभाग श्रधिकारी को सहर्ष पदोन्नति कर महालेखाकार (लेखा एवं ह्कदारी)-1, बिहार, रांची के कार्यालय में उनके लेखा श्रधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले श्रादेश तक स्थानापन्न रूप में लेखा ग्रधिकारी नियुक्त किया है।

श्री राम लेनु बनर्जी ने महालेखाकार (ले० एवं ह०)——
1, बिहार, रांची के कार्यालय में लेखा ग्रश्निकारी का पदभार
दिनांक 17—3—1987 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया ।

ह०/—-अपठनीय उप महालेखाकार (प्रणा०)

महालेखाकार (ले. व ह०) का कार्यालय, केरल

तिस्वनन्तपूरम, दिनांक 1 जून, 1987

सं० ले० व ह/का० स्था० (हक व रोकड़हाक 4-10-3 87-88--भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग के निम्नलिखित कर्मचारी म्रिधिवार्षिकी के कारण 30-4-1987 के श्रवराह्न से मेवानिवृक्त हो गये हैं।

श्री पी० जें० चार्वकी—न्वरिष्ठ उप महालेखाकार (केरल राज्य रोड परिवहन निगम में प्रतिनियुक्ति में) ।

> ह०/--अपटनं य महालेखाकार

निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय कार्यालय कलकत्ता-700001, दिनांक 25 मई, 1987

 π सं० प्रशा० $I/\pi I/\pi$ ा० प/470/511-12--निदेशक, लेखा परीक्षा केन्द्रीय, कलकत्ता ने निम्नलिखित सहायक लेखा-

परीक्षा श्राविकाल्यिं की 2375-75-3200-द० रोज-100-3500 रुपये के वेतनमान पर स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रीविकारी (ग्रुप 'क्र') के पद पर उनके नामों के साथ दिये गये तारीख में श्रगला श्रादेश जारी किये जाने तक निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय जन्मभना के कार्यांच्य में नियुक्त किये हैं।

ऋ सं∘ नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
 श्री मो० ग्रब्दुल वहाब श्री धीरेन्द्र नाथ बोम 	(पूर्याह्न मे) 26-3-87 30-3-87
	मुतील,

रक्षा मंत्रालय

उप नि० ले० परीक्षा प्रशा०

भारतीय श्रागुध निर्माणी सेवा श्रायुध निर्माणी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 25 मई, 1987

सं० 10/जी/87 -- राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित श्रिधि-कारियो को श्रागामी श्रादेश होने तक उनके नामों के सम्मुख दर्णाई गई तारीख से सहायक कार्येणाला प्रबन्धक (परि-वीक्षाधीन) के पद पर नियुक्त करते हैं --

ऋम संख्या	नाम	पदभार की तारीख
. सर्वेश्री		
01. एस० सी० गु	ता	20-12-85
02. के० के० पति		20-12-85
03. ए० के० गुप्ता	-	10-02-87
04. एस० के० मि	শ্ব	24-3-86
05. शैलेन्द्र नाथ		30-04-86
06. एम० एस० र	ाव	28-05-86
07, कुमारी डी० ः	प्रार० डीले	28-03-86
08 एम० के० मह	ापाव	2 5 -09-86
09. ग्रार० श्रार०	झा	05-08-85
10. डी० वी० रा	व	29-08-86
11 बी० रविन्द्रन		04-08-86
12. ग्रार० एस० इ	मा	05-08-86
13. संजीव किशोर	F	28-07-86

ऋम संख्या नाम	पदभार की तारीख	क्रम संख्या नाम	पवभार की सारीख
 मर्वश्री		सर्वश्र.	
14. श्रनिल कुमार	29-08-86	57. संजीब कुमार	26-02-87
15. ग्रार० वर्मा	01-09-86	58. श्रीमती मीता कुल्बे	02-03-87
16. एम० के० गर्ग,	28-11-87	59. सुशील कुमार [ँ]	05-03-87
17 घनस्याम दास	04-09-86	60. कुरियन मोहन जॉकब	16-02-87
18. बी० मुथु कृष्णा	16-08-86	61. एस० सी० माथुर	10-11-87
19. प्रदीप गुप्ता	28-11-86	v	
20. एच० एन० नागरले	26-12-86	62 चनन राम	06-03-87
21. पि० नरसिमहन	03-11-86	63. श्री प्रातुल गुप्ता	16-01-87
22. कैलाश नाथ	31-10-86	64. श्री मुकुल गौर	31-03-87
23. ए० सम्भुगम	05-08-86	65. श्री जी० डी० विवारी	30-07-85
24 रजनिश जोहरी	15-12-86		
25 एस० महन्ति	29-09-86		
26. काला प्रसाद	25-07-86	सं० 11/जी/87—-राष्ट्रपति मह	दिय निम्नलिखित ग्रीध-
27. गोविन्द मोहन	01-10-86	कारियों को भ्रागामी श्रादेश होने तक	
28. एन० शिवनन्वन	12-02-86	दर्शाई गई तारीख से सहायक कार्येष	
29. ए० के० नायक	16-02-87	के पद पर नियुक्त करते हैं:	()
30. जी० सीं० गाँउट	06-02-87		
31. टी० मिमोझी	04-02-87		-0 0
32. एस० के० सिन्हा	27-01-87	कम संख्या नाम	पदभार की तारीख
33. वी० ए० महेश	14-02-87		
34. पि० रामकृष्ण	30-04-86	सर्वश्री	
35. एस० मिरा <mark>जुर्दीन</mark>	16-01-86	01. ग्रार० भट्टाचार्या	15-12-86
36. तपन्नत बसु	01-08-85	02. पि० के० गर्ग	30-09-86
37. गोपाल सिंह	29-08-85	03ः भ्रार० गोपालकृष्णाः	23-09-86
38. सुनिल महाजन	16-02-87	04 एच० श्रार० विक्षित	17-06-87
39. ए० के० मण्डल	12-02-85	0 <i>5.</i> वाई० एस० पुण्डिर	04-02-87
40. महादेव तियारी	31-12-85	06. बी० एस० चौ हान	15-09-87
41. श्रार० एस० सिह	13-02-86	07. भ्रार० के० वाष्योने	27-08-86
42. बी० बी० मिन्हा	11-03-86	08. टी० के० घोषाल	29-09-86
43. एम० के० रामचन्द्रम	24-09-86	09. एस० के० घोष	27-08-86
44. जें० जेंड० वाकडे	20-03-86	10. एस० मुखोपाध्याय	30-09-86
45. बी० एन० रामकृष्णन	01-10-86	11. एस० राय चौधुरी	30-09-86
46. डी० एस० एम० गांगुली	30-09-86	12. एम० एस० मुखोपाध्याय	30-09-86
47.ए० बोजन	29-09-86	13. पि० एन० बिस्धास	17-09-86
48. एन० रामलिंगम	01-10-86	14. प्रितम सिंह	27-09-86
49. श्रर्जुन प्रसाद	19-12-86	15. बी० के० ध्रग्रवाल	29-08-86
•		16. भ्रो० एस० राठी	29-08-86
50. भ्रारून कुमा∵	21-01-87	17. धनिमेश देव	30-12-86
51. डां० म्रारे० के० नेगी	28-11-86	18. एस० के० भट्टाचार्मी	08-10-86
52∙ एन० एम० सेशाद्री	07-11-86	19. एम० पलानिभेलु	29-10-36
53 एम० एस० मस्के	03-10-86	20. पि० के० मिसरा	29-09-86
5.4. एस० चटार्ज्जी	01-04-87	21. एम० के० पल	08-10-86
55. बी ० के० मिश्र	30-03-87	22. श्रार० एन० तिवारी	08-10-86
56. के० वाई० वरापाने	09-02-87	23. एम० के० तिवारी	11-09-86

कम संख्या	नाम	पदभार की सारीख			
	सर्वेश्री				
2.4. श्रोम	। प्रकाश अग्रवाल	24-09-86			
25. विनं	दि कुमार	24-09-86			
26. मोरि	हेन्द्र सिंह	08-09-86			
27. एस	० <i>के ०</i> रे	30-10-86			
28. जी	० एन० सिंह	29-09-86			
29. राम	प्रकाश	30-09-86			
30. ए∘	दामोदरण	08-10-86			
31. गुर्रा	देप सिंह	05-09-86			
32. बी०	के० सरकार	01-10-86			
33. के० सुघाकरण .34. एन० रामाकृष्णनृन		29-11-86 23-10-86			
36. वी०	गजेन्द्रन	24-11-86			
37. टी॰	मुनि शनॄ करण	30-09-8 6			
38. टी०	के० मुजुमदार	15-10-86			
39. टी॰	एन० तिवारी 💎	29-12-8 6			
4,0. वी०	के० वास्निक	30-09-86			
41. ए०	मुनास्यामी	10-09-86			
42. श्रार	० परसु राम	31-12-86			
43 आर	० के० सुरी	25-02 - 87			
. 44. वी०	वी० राउ	25-2-87			
45. एस०	के० देव	26-03-87			

एम० ए० घलहन, संयुक्त निदेशक

पूर्ति विभाग \mathbf{q} र्ति तथा निषटान महानिवेशालय \mathbf{q} र्पित समुभाग \mathbf{q}

नई विल्ली, विनांक 3 जूनं 1987

सं० प्र-1/1(700):—-राष्ट्रपति ने स्थाई उपनिदेशक पूर्ति और स्थानापन्न पूर्ति निवेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) श्री एस० के० भट्टाचार्य, जो इस समय विश्व बैंक, नई दिल्ली के स्थानीय कार्यालय में प्रापण ग्रिभियन्ता के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं, ढारा केन्द्रीय सिवल सेवा (पैशन) नियमावली के नियम 48-(क) के भ्रन्तंगत ऐच्छिक सेवा निवृत्ति का दिमांक 2-3-87 का नोढिस स्वीकार कर लिया है श्रीर उन्ह दिनांक 2-6-87 2-126GI/87

के प्रपराह्म से सरकारी मेथा ने मेवा निवृक्ति के लिये अनुमति वेते हैं।

> एम० पी० बांगा, उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 जून 1987

सं० 3189 बी/ए-19012(3-एम० एल०)/85-19 बी:—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री मुकून्द बी० लोखण्डे को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 2000-60- 2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रू० के वेतनमान के वेतन में, श्रस्थाई क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 26-3-87 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3203 बी/ए-19012(3-एस० मी०)/85-19 बी:--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्रीमती स्वपना चक्रवर्ती को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रू० के वेतनमान के वेतन में, श्रस्थायी क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 27-3-87 के पूर्वाह्य से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3217 बी/ए-19012(3-एम० पी० सी०) 19 बी०:—डा० एम० पी० जाचरकर ने रक्षा प्रयोगशाला, रतान्डा महल, जोधपुर में प्रपनी स्थाई नियुक्ति के फलस्वरूप भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में रसायनज्ञ (कनिष्ठ) के पद से 2-1-87 के पूर्वाह्न से त्यागपत्र दे दिया है।

श्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

भारती खान ब्यूरो

नागपुर, विनांक 1 जून 1987

सं० ए-19011(121) 86-स्था० ए०-- विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री के० एम० राजु, अस्यक प्रसाधन अधिकारी, की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में अधीक्षक अधिकारी (अ० प्र०) के पद पर दिनांक 14-5-1987 के अपराह्म से पदोन्नति प्रदान की गई।

दिनांक 4 जून 1987

सं० ए० बै19011/103/86—स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री पी० डब्स्यू० मानकर, उप खनिज प्रयंशास्त्री (ग्रासूचना) की भारतीय खान ब्यूरो में खनिज अर्थशास्त्री (ग्रासूचना) के पद पर स्थाना-पन्न रूप में दिनांक 25—5—1987 के पूर्वाह्न से पदोन्नति की गई।

> जी० सी० शर्मा, सहायक प्रशासन ग्रधिकारी कृते महानियंत्रक

धकासवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1987

सं० 9/3/87—एस—2:— महानिवेशक, झकाशवाणी श्री एस० बानाजा, फार्म रेडियो रिपोर्टर को फार्म रेडियो ग्रधिकारी, ग्राकाशवाणी भद्रावती के पद पर रूपर्ये 2000—3500 के वेतनमान में 8—5—87 पूर्वाह्न से भगले ग्रावेशों तक नियुक्त करते हैं।

 श्री एस० बानाजा ने उसी तारीख को फार्म रेडियो अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

सं० 9/4/87-एस-2:--महानिवेशक, झाकाशवाणी श्री नर्रासह दास, फार्म रेडियो स्पिटेर को, फार्म रेडियो झिकारी के पद पर, झाकाशवाणी सम्बलपुर में रूपरें 2000-3500 के वेतनमान में 11-5-1987 (पूर्वाह्म) से आपले झादेशों तक नियुक्त करते हैं।

 श्री नरसिंह दास ने उसी तारीख को फार्म रेडियो मधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

> इन्द्र सेन पांघी, प्रशासन उप निदेशक कृते महानिदेशक

सूचना भीर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 27 मई 1987

सं० ए० 19012/4/87-ई-1:—श्री एस० एस० भौमिक, वेतन एवं लेखाधिकारी आकाशवाणी, कलकत्ता की विनांक 5-5-1987 के पूर्वाह्म से दो वर्षों की श्रविध के लिये पूच क्षत्राच निषाण केन्द्र, फिल्म प्रभाग कलकत्ता के लेखाधिकारी के रूप में प्रतिनिय्कित किया गया है।

> वी. आर. पेसवानी, सहायक प्रशासकीय अधिकारी कृते मृख्य निर्माता

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय नई विल्ली-110066, विनोंक 1 जून 1987

सं. ए. 19011/2 84-प्रशासन : - रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली के कार्यालय में लेखा अधिकारी श्री एम. के. गोस्वामी जो कि भारत के समाचारपत्रों के, पंजीयक के कार्यालय, नई दिल्ली में परिचालन अधिकारी के रूप में प्रतिनिधृक्ति पर हैं, की प्रतिनिधृक्ति की अवधि की समाप्त के परिणामस्वरूप उन्हें विनांक 31-5-1987 (अपराह्न) से उनके मूल कार्यालय में एत्त्व्दवारा प्रत्यावर्तित कर विया जाता है।

कृथा सागर, भारत के सकाचारपत्रों के पंजीयक

खाद्य एवं नागरिक भ्रापूर्ति मंत्रालय खाद्य विभाग, शर्करा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 जूम 1987

सं० ए० 20012/10/70/स्था० खण्ड-II--- प्रार्करा निवेशालय, खाद्य विभाग के निरीक्षण प्रधिकारी (शर्करा) श्री डी० पी० सक्सैना 31 मई, 1987 (प्रपराह्म) को वार्धक्य की भ्रायु प्राप्त करके सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

वी० लक्ष्मीरतन, संयुक्त सचिव (शर्करा)

कृषि मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 16 मप्रैल 1987

सं० ए० 19025/3/85—प्र-3/प० I—इस निदेशालय में श्री एस० आर० भीना द्वारा सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद से दिया गया त्याग पत्न दिनांक 1-12-86 (प्रपराह्म) से स्वीकृत किया गया है।

म्रनिता चौधरी, कृषि विमणन सलाहकार

परमाणु उजी विभाग

राजस्थान परमाणु बिजलीबर

राजस्थान, दिनांक 11 मई 1987

सं० रा० प० बि० घ/मर्ती/3(2)/87/स्य/308/— राजस्यान परमाणु बिजलीघर के मुख्य ब्रधीक्षक इस बिजलीघर के निम्नलिखित कर्मंचारियों को विनांक 1 फरवरी, 1987 पूर्वाह्म से बागामी ब्रादेश तक ब्रस्थाई तौर पर वैज्ञानिक ब्रिक्शिंगरी /ग्रेंड "एस बी" पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

संख्या भ्रधिकारीकानाम	वर्तमान पद	जिस पद पर नियुक्त किया
1. श्री सी० पी० छेनीबाल	वैज्ञानिक सहायक सी	वैज्ञानिक स्राधिकारी ग्रेंड एस बी
2. श्री जी० भार० जन्सारी		
 श्री चन्द्रेश क्यूर 	11	11
 श्री टी० म्रार० उपाध्याय 	11	,,
5. श्री रतन चटर्जी	7.7	,,
6. श्री एल० के० शर्मी	यंशानिक सहायक बी	,,

उपरोक्त ग्रधिकारियों ने वँज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रेड एस बी पद का कार्यभार दिनांक 1 फरवरी, 1987 के पूत्रिह्न. से संभान लिया है।

> एस० ज्ञियम्बकनाथ, प्रगासन भक्षिकारी (स्था०)

णु उर्जाविभाग

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762 दिनांक, 27 मई 1987

सं० ना० ई० स०/का० प्र भ/1603/1297:— नाधिकीय इँधन सम्मिश्र के प्रशासन के उपमुख्य कार्यपालक जी निम्न-लिखित अधिकारियों को ६० 2000-60-2300 द्व० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में नाभिगीय इँधन सम्मिश्र में प्रस्थाई हैसियत से स्थानापन्न नैज्ञानिक प्रधिकारी (एस बी) के रूप में उनके नामों के सम्मुख दशाई गई

प्रभावी	तिथियौं	से	श्रागामी	भ्रावेशों	पर्यन्त	मियुक्त	कर
है :—							

ऋमांक -	नाम	वर्तमान पद		वै० भ्र० (एस बी) के रूप में नियुक्ति की तिथि
—— - स	र्वश्री			
				(पूर्वा ह्न)
1 सी०ंप	र्च० ;वीर०	राघबुलु	वै० स०)सी)	1-2-87
2. के ०	लक्ष्मण राव		वै॰स॰ (सी)	1-2-87
ः जी०	वेणुगोपाल रा	व ————	वै०स०० (बी)	11-4-87

दिनांक 23 मई 1987

सं० ना० ईं० स/का प्र० भ/1281:—प्रशासन एवं लेखा के उपमुख्य कार्यपालक जी सहायक लेखाकार श्री किर्दिंड जगमोहन राजु को रू० 2000/— प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर रू० 2000-60-2300-द० रो.-75-3200 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर दिनांक 25-5-1987 से 23-6-1987 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्बंघटित हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ना० ई० स० काप्र० भ/0703/1282:—इस कार्यालय की ग्रिंघसूचना संख्याः ना० ई० स/का प्र० भ/0703/501, दिनांक 25 फरवरी, 1987 के कम में लेखा सहायक श्री चु० रा० प्रभाकरन की रू० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा मधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिमांक 22-8-1987 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्वघटित हो, आगे बढ़ाया जाता है.

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ/0703/1317:— इस कायलिय की अधिसूचना सं० ना० ई० स/का प्र० भ/0703/559 दिनांक 6 मार्च, 1987 के कम में सहायक लेखा हार श्री ना० भरतन की स्थानापन्न सहायक लेखा धिकारी के रूप में नियुक्ति को क० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर दिनांक 05-9-1987 पर्यन्त या आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिंह, प्रबन्ध रु, कार्मिक व प्रशास

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1987

सं० ए० 32013/1/86-ई०-ा/—राष्ट्रपति, मुख्यालय के श्री एन० नरेश, वरिष्ठ उड़नयोग्यता अधिकारी को दिनांक 5-5-87 (पूर्वाह्म) से छः (6) माह की भ्रविध के लिये यापव के नियमित भाधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, उपनिदेश ग/नियंत्रक उड़नयोग्यता को ग्रेड में तवर्ष भ्राधार पर नियुक्त करते हैं।

मुकुल भट्टाचाजी उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

सीमा शुल्क

स्थापना विभाग

मद्रास-1, दिनांक 3 जून 1987

सं० 1/87: एस० 2/1/87-स्थापना विभाग—शी प्रबद्धल ग्रजीज, पी० श्रीनियासन, पी० तंगमणि ग्रौर एम० श्रीनियासन, प्रवेन्टिव ग्राफिसर, सीमा गुल्क भवन, मन्नास, को स्थानापन्न रूप में ग्रधीक्षक पद पर पर्वोन्नति दी जाती है ग्रौर उन्होंने 10-3-1987, 20-3-87 गौर 10-4-1987 पूर्वाह्म (क्रमशः) कार्यभार ग्रहण किया है।

म्रार० जयरामन समाहती सीमा शुल्क

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा शुरुक एवं केन्द्रीय उत्पादन शुरुक नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1987

सं० 4/1987—श्री सी० वी० दुर्ध्या ने, जो पहले सीमा शुल्क मद्रास में सहायक समाहर्ता के पद पर तैनात थे, मंत्रालय के फा॰ सं॰ ए०-22012/17/87-प्रशा॰ 2 द्वारा जारी विनांक 31-3-87 के श्रावेश सं॰ 41/87 के अनुसार किनष्ठ विभागीय प्रतिनिधि के रूप में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक 11-5-1987 (पूर्वाह्म) में) नि॰ म॰ नि॰ सी॰ शु॰ तथा के॰ उ॰ शु॰ नई दिल्ली में सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण में दिल्ली स्थित न्यायपीठ में किनष्ठ विभागीय प्रतिनिधि के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 5/87—श्वी एल० सी० चक्रवर्ती, ने, जो पहले सीमा शुल्क, उत्पाधन शुल्क तथा स्वर्ण (नियंव्रण) श्रपीली भिधिकाण कलकत्ता से कनिष्ट विभाषीय प्रतिनिधि के पर पर तैनात थे, मंत्रालयं के दिनांक 31-3-87 फा सं. ए. 22012/17/87 प्रशासन 2 द्वारा जारी आदोश संख्या 41/87 के अनुसार किन. विभागीय प्रतिनिधि के रूप में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक 14-5-87 से (पूर्वाहन) में नि. म. न. सी. शु. तथा के उ. शु. नई दिल्ली में दिल्ली स्थित न्यायपीठ में सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय, अधिकरण में किनष्ठ विभागीय प्रतिनिधि के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एच. एम. सिंह महानिद्देशक निरीक्षण

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 मई 1987

सं० ए० 19012/1206/86-स्था० 5-मध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग श्री एस० पी० घोष, कनिष्ठ प्रभियन्ता को प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक प्रभियन्ता (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के वेसनमान में दिनांक 8-10-1986 की ग्रापराह्म से एक वष की ग्रावधि के लिये ग्राथवा पक्ष के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले ही पूर्ण ग्रस्थाई तथा तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुवत करते हैं।

दिनांक 2 जून 1987

सं० ए-19012/1/(44)/87-स्था० एक---मध्यक्ष केन्द्रीय जल ग्रायोग, विभागीय पदोन्नति समिति (समूह ख) की सिफारिशों पर श्री नरेन्द्रा सिंह, पर्यवेक्षक (बेंतार) को सहायक इंजीनियर (बेंतार) के पद पर वेतनमान ६० 20 0- 60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 में ₹यापना-पद्म क्षमता में नियमित भाधार पर 15 ग्राप्रैल, 1987 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते है।

श्री नरेन्द्रा सिंह 15 म्रप्रैल, 1987 से दो वर्ष तक परिवीक्षा पर रहेंगें।

> श्री महादेष ग्रय्यार श्रवर सणिव केन्द्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीवाबाद, विनांक 4 जून 1987

सं० 3-803/87-स्था० (मु० जल भू०) श्री बी० उमापधि को दिनौंक 9.4.1987 (पूर्वीहन) से श्राजले षादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भू-विज्ञानी, जी० सी० एस० (ममूह "ख") (राजपत्नित) पद पर मूल वेतन 2000/— रूपयें प्रतिमाह पर परिशोधित वेतनमान ६० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में ग्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है । उनका मुख्यालय के० भू० ज० बोर्ड राज्य एकक कार्यालय, रायपुर होगा।

सं० 3-804/87-स्था० (मु०अ०पू०)--श्री झमित सहाय को दिनांक 9-4-87 (पूर्वाह्म) से झगले झादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी औ० सीं० एस० (समूह ख) (राजपित्तत) के पद पर मूल वेत न 2000/- ६० प्रतिमाह पर प्रतिशोधित धेतनमान इ 2000-60-2300 द०रो०-75-3200-100-3500 में झस्थाई तीर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय के० भू० ज० बोर्ड, दक्षिण पूर्वी क्षेत्र भूवनेश्वर होगा।

सं० 3-805/87-स्था० (मु० ज० भू०):—श्री गुलाख प्रसाद को दिनांक 18-3-87 (प्रपराह्म) से ध्रगले प्रावेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी, जी सी० एस० (समूह ख) (राजपत्नित) के पद पर मूल वेतन 2000/- रु० प्रति माह पर परिशोधन वेतनमान रु० 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 में घरधाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय के० भू० जल बोर्ड, दक्षिण पूर्व क्षेंन, भ्वनेश्वर होगा।

बी० पी० सी० सिन्हा, मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग निर्माण महानिदेशालय

नई दिस्ली, दिनांक 2 जून 1987

सं० 5/4/82-ई० सी०-1— 1983 में हुई संयुक्त इंजीनियरी सेवायें परीक्षा के परिणामों के भाधार पर राष्ट्रपति निम्निलिखित व्यक्तियों को जो भ्रस्थाई पदों पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के भ्रधीन केन्द्रीय इंजीनियरी सेवायें समूह "क" में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में परि-बीक्षा पर नियुक्त करते हैं।

क०सं० नाम (सर्वश्री)	नियुक्ति की तारीख
 भ्रतुल के० रस्तोगी रमेश चन्द्र (भ्रनु० जाति) 	25-7-86 27-11-86

एस० एम० दास प्रशासन उपनिदेशक उद्योग मं<mark>त्रालय</mark> कम्पनी कार्य विभाग कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी अधितियम, 1956 श्रीर मैसर्स श्राभा एक्सण्तीसिब्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर के विषय में

ग्वालियर-474009, दिनांक 22 मई 1987

सं० 2267/पी० एस०/सी० पी०/540—कम्पनी प्रधितियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में
ऐतवद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स आभा एक्स-प्लोसिक्स आइवेट लिमिटेड, इन्दौर का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ग्वालियर-474009, विनांक 22 मई 1987 कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भौर मैसर्स सबेरा मार्केटिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल के विषय में

सं० 2182/पी० एस० /सी० पी/541—कम्पनी श्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के झनु-सरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स सवेरा मार्काटंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० करमाकर, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भीर गर्ग एण्ड कम्पनी प्रा० लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 27 मई 1987

सं० नं० जी/स्टैंट/969/1491— कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 बी उप धारा (3) के मनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से (3) मास के भ्रवसान पर गर्ग एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशस न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा भीर भ्रन्य कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सन्येन्द्र सिंह, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाजल, चण्डीगढ कम्पनी श्रिधितियम 1956 श्रीर माईका इतसुलेगन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेंड के विषय मैं।

कलकत्ता, दिनांक 1 जूद 1987

सं० 24969/560(5)—कम्पनी श्रिधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि माईका इनसुलेशक इण्डस्ट्रीज का नाम भाज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी भिधितियम, 1956 श्रीर विकास राय प्रोडक्श न प्राइवेट लिमिटेड कें विषय में।

कलकत्ता, विनांक 1 जून 🖟 1987

सं० 22786/560(5)— कम्पनी ध्रिधितियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचता दी जाती है कि विकास राय प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेंड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विश्वटित हो गई है।

कम्पनी मधिभियम, 1956 भौर एनुशिलन एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 19826/560(5)—कम्पनी स्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के स्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एनुशोलन एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड क नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रौर झवकन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 1 जून 1987

सं० 32099/560(5)— कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के मनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि झवकन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम भाज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी प्रधितियम, 1956 घौर धागाई प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं॰ 29185/560(5)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 5,60 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्**दा**रा सूचना दी जाती है कि आगाई प्राइवेट लिमिटेड का नाम प्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 भौर,ग्रान्ड पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 36816/560(3)— कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीखं से तीन मास के अवसान पर ग्रान्ड पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विभित्त न किया गया तो रिजस्ट्रार से काट दिया जागेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी भ्रधितियम 1956 भ्रौर के० दास एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 21615/560(5)——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतवृद्वारा सूचना दी जाती है कि के० दास एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेंड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 म्रौर शिव गौरव प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में ।

कलकत्ता, वि₁ांक 1 जून, 1987

सं० 28983/560(3):— कम्पनी प्रधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि शिव गौरव प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कस्पनी भ्रधिनियम 1956 श्रौर रतजन माईका इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जूर 1987

सं० 30387/560(5)—कम्पनी श्रिधििश्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा

सूचना दी जाती है कि रतजन माईका इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम धाज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधियम 1956 भौर पि० के० महान्नि इंजिनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, विनांक 1 जून 1987

सं० 27974/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की पधाा (5) के अनुसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि पी० के० महान्ति इंजीयिस का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उस्त कम्पनी विषटित हो गई है।

ंग्रानी **भ**धिनित्रमं 1956 श्रार पुषर प्राइवेट लिमिटेड विश्वम में

कलकत्ता, दिशांक 1 जून 1987

सं० 26869/560(5):— कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि पुथिधर प्राइवेट लिमिटेड का नाम भाज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 श्रीर हिन्दुस्तान ड्रंम मानुझाक-चारास प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 24605/560(5)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद्द्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान ड्रम मानुझाकचारारस प्राइवेट लिमिटेड का नाम प्राफ रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी भ्रिधिनियम 1956 भीर कालकाटा कुरियार सार्मिस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, विनांक 1 जून 1987

सं० 31771/560(5)— कस्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रसनुरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि कालकाटा कुरियार सामिस प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है। कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर रतजन डेबलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकता, दिशंक 1 जून 1987

सं० 37303/560(3)— कम्पनी अधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवसान पर रनजन डेबलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिया न किया गया तो रजिस्दर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जी० आर० एस० प्रसेसरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 1 जून 1987

सं० 36683/560(3)— कम्पनी प्रधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जी० आर० एस० प्रसेसरस प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्र से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कस्पनी श्रिधिनियम 1956 स्रौर प्रजीण बाइट वारस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, विनांक 1 जून 1987

सं० 28793/560(3)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रवीण बाईट वारस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी मधिनियम 1956 मौर एमेकिटिभ मैनेजमेंट कन्सलटेन्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 1 जून 1987

सं० 34371/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपघारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर एक्सेकटिभ मैनेजमेंट कन्सलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जायेगी।

कम्पनी प्रधितियम 1956 ग्रीर जैम पाबलिशसँ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून, 1987

सं० 32145/560(3)— कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर जैम पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा भीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

हर लाल, कम्पनियों का रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क स्समाहर्ता का कार्यालय: बम्बर्ছ-1 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भवन, महर्ष कर्व भाग,

चर्चगेट (पूर्व) : बम्बई-400,020

कन्द्रीथ सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में मैं, सोमनाथ थापा, उप समाहर्ता (का. एवं. स्था.), केन्द्रीय उत्पाद श्रूक, बम्बई-1, श्री पद्मलोचन गोपालन, निरीक्षक, मण्डल ''एच'', केन्द्रीय

उत्पाद शूल्क, बम्बई-1 को एतद् ब्हारा यह नेटिस देता हूं कि इस नोटिस के तामील किये जाने की तारीख से या यथास्थिति उन्हें नोटिस दिये जाने की तारीख से एक माह की अवधि समाप्त होने पर उनकी सेवाएं समाप्त कर दी जायेंगी।

> मोमनाथ थापा उप समाहर्ता (का एवं स्था.) केन्द्रीय उत्पाद शुल्कः बम्बर्ছ-1

फा. सं. 11/8 बी-35/85/529 बम्बर्ड, दिनांक 21 अप्रैल, 1987 पंजीकृत बाक से (पावती बोम)

प्रति

श्री पव्मलोचम गोपालन, निरीक्ष्म, कोन्द्रीय उत्पाद श्ल्क, व्वारा श्री एस. राजेन्द्रन, नं. 7, 8वीं गली, डा. स्ट्यारायन नगर, मदास-600,024

प्रति प्रेषित : सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद श्रूल्क, मण्डल ''एच'' बम्बई-1, उनसे अन्रोध हे फि श्री पद्मलोचन गोपालन निरीक्षक को यह सूचना भिजवा दे तथा उनकी दिनांकिक पावती इस कार्यालय को भिजवाने की व्यवस्था करें। स्थापना अनुभाग/गोपनीय अनुभाग

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

माथकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद अष्टमाबाद, दिनांक 7 मई 1987

मिदेश सं०पी० ग्रार० नं० 4452/I—-ग्रतः मुझे ए० के० सिन्हा

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मृत्य 5,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० जमीन क्षेत्रफल 959 वर्ग यार्ड + मकान श्रह्मदाबाद में टी० पी० एस० 3 है तथा जो एफ० पी० नं० 251-52-53 श्रादर्ण सोसायटी बी० नं० 34 1/2 शेर हर एक का में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में र्जस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908) का 16 के श्रधीन तारीख 30-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विष्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ं बाजार मूल्य, उनके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह शित्रवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उख्वदेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य आस्तियों को जिन्हों भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सर्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 3—126GI/87 (1) श्री महेन्द्र भाई कान्तीलाल शाह, 34, श्रादर्श सोसायटी, नवरंगपुरा, श्रहमदावाद-9

(भ्रन्तरक)

- (2) भगवती एसोसियेणन, चेयरमैन—श्री रजनी कान्त कान्तीलाल शाह, 32 रंगवा टावर, गुजरात कालेज के नजदीक ऐलीसक्रीज, ब्रह्मदाद्याद-6 (श्रन्तरिती)
- (4) भंगुवेन कान्तीलाल नानालाल शाह, सेववाला कान्तीलाल नानालाल शाह नलीनी महेन्द्र कान्ती लाल शाह, 34—श्रादर्श सोमायटी नवरगपुरा श्रहमदाबाद-9

(बह व्यक्ति जिसके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणं:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 959 वर्ग यार्ड सकान उन पर श्रादर्श सोसायटी वी नं० 34--1/2 वीन च \hat{s} जर्ड कीया शेर हर एकका टी० पी० एस० 3, एफ पी नं० 251-52-53 अहमवाबाद रजिस्ट्रेशन न० 15933/30-10-86

ए० के० सिन्हा सक्षप प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज—1, श्रहमदाबाद

नारीख: 7-5-87

प्रक्ष बाह्रं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर नायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4453/I—श्रतः मुझे ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उधित बाजार मुख्य 5,,00,000/৮ रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 959 वर्ग यार्ड + मकान ग्रहमदाबाद टी०पी० एस० 3 है तथा जो एफ० पी० नं० 251-252-253 ग्रादर्श सोसायटी बी० नं० 34 1/2 शेर में स्थित है (ग्रीर इसके उपावदा ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित

- है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कायलिय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30-10-86
- को प्वेक्ति सम्पत्ति के विकास बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का अन्तर्भ पान्कान स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——
 - (क) नेक्षण्य से हुन्द्री किसी नाम की वानस्त्र, अवतः अधिनियन के नचीन कर दोने के जलारक को वाधित्व भा कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए, जिल्लाका
 - (स) ऐसी किसी बाय था किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न बीधनियम के धनकर क्रीधिनवभ , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था क्रियान के प्रयोजना के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हे अधीन धिक्तिवित अधिनयों, अधिक क (1) श्री सिद्धार्थं महेन्द्रभाई शाह, 34—श्रादर्श मोसायटी, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-9

(भ्रन्तरक)

- (2) भगवती ऐसोसंशियन, चेयरमैन—श्री रजनीकान्त कान्तीलाल शाह, 32 रंगवाला टाघर, गुजरात कालेंज के नजदीक ऐलीसबीज श्रहमदाबाद-6 (श्रन्तरिती)
- (4) भंगुवेन कान्तीलाल नानालाल शाह, गेलवाला कान्तीलाल नानालाल शाह, नलीनी महेन्द्र कान्ती लाल शाह, 34 श्रादशे सोसायटी नवरंगपुरा श्रहमदाबाद-9

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्क्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्स) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की नवीथ सा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमें पद स्वान की तामील से 30 दिन की नवीथ, को भी वदी भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्तों और पत्तों का, जो उक्त विधि-निवम के बभ्याय 20-क में परिभाण्ति हैं। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में देवा गया हैं।

जनसंची

जमीन क्षेत्रफल 959 वर्ग यार्ड+ मकान उन पर श्रादर्ग सोसायटी, बी॰ नं॰ 34, 1/2 बीन घडेचणी कीया शेर हर एकका, टी॰ पी॰ एस॰ 3, एफ॰ पी॰ नं॰ 251-252-253 श्रहमदाबाद रिजस्ट्रेशन नं॰ 15934/30-10-86

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 7-5-87

मोहर ः

प्ररूप आहाँ. टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनिम, 1961 (1961 का 43) की भारा) 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद भ्रहमवाबाष, विनांक 7 मई, 87

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4454/I--ग्रतः मुझे, ए० के०

सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है।, की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 5.,00,000//- रु. से अधिक **हैं**

ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० ३, एफ ०पी० नं० 705, भ्रहमदा-बाद में ज न क्षेत्रफल है तथा जो 750 वर्ग याङ 🕂 पुराना🖁 मकान टी॰ नं॰ 29 ए॰ ब्राउन मिन्न मंडल सोसायटी में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीरुता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तरीख, 30-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अस्टरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर धीने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बापा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्त: अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) 🖷 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः —

(1) भरा भाई जंशवंतलाल, मानवेन्द्र जशवंतलाल, 29-ए, ब्राउन मील मंडल सोसायटी पालडी भहमदाबाद-7 देवांग जंगवंतलाल, 2 भचलायतन सोसायटी नवरंग पुरा, अहमवाबाद-9

(धन्तरक)

(2) विपिन चंपकलाल मेहता, हसम्ब चंपकलाल महता, कौलाशबीन नरोन्द्रभाई महिता, ब-3 और ब-5 परीमल बंधार्टमेन्ट राजनगर कल्क के नजदीक आंबावाडी, अहमदाबाद.

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध भ किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकरें।

स्प्रस्थीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वी नं० 29 ए बाउन मोद्र मंडल सोसायटी पालडी महमपाबाद, जभीन क्षेत्रफल 750 वर्ग यार्ड + मकान टी० पी० एस-3, एफ॰ पी नं० 705, एस॰ पो० नं० 29 ए० रजिस्ट्रेजन नं॰ 19036/4 दिनांक 30-10-86।

> ए० के० सिम्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मह्मवाबाद

तारीख: 7-5-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर काश्वेषत (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई 87

निदेश 'सं० पी०श्रार०नं० 4455/[—-स्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा

बम्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिस एकामोडेशन क्षेत्रफल 1645+
2033+ 1479 वर्गफीट एफ० है तथा जो एफ ब्लाक ए० ग्रौर
बी० पार्टए० बी० सी० ग्रंजारिया चेम्बर्स जामनगर में स्थित है
(ग्रौर इससे उपाबंद्ध अनुसूची मे ग्रवेर पूर्ण रूप से वर्णित
है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सी० एस० नं० 18, एफ०-1 के कार्यालय
जामनगर में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908) का
16) ग्रांधीन सार्या 18-10-86

की पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाबार बृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके उदय-जान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं काभक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्न-विश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिबक कप के कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से ∗ हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-पर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) मेसर्स ग्रंजारिया एस्टेट प्रायवेट लि॰, श्रंजारिया चेम्बर्स, के॰ पी॰ रोड, जामनगर

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री संजय सूरजनारायण सब्रवाल, श्रीमती सर्वन सूरजनारायन सब्रवाल, सूरजनारायन शिवनारायन ग्राणींघाद पार्क कोलोनी, जामनगर (ग्रन्तरिती)
- (3) सिन्डीकेट बैंक, ग्रंजारिया चेम्बर्स, के० पी० रोड़, जामनगर (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना करि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उर्क्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया म्वया है।

वन्स्ची

प्राफिस एकामोडेशन क्षेत्रफल 1645+2033+1479+ वर्गफीट 5157 वर्गफीट श्रंजारिया चेम्बर्स नाम से प्रचलित मक्षान में के० पी० रोड, जामनगर एफ० ब्लांक नं० ए० श्रोर वी० हिस्सा ए० बी० श्रौर सी० रजिस्ट्रेशन नं० 3233, 3234, श्रौर 3410/29-10-86

ए० के० सिन्हां ंसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) • ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदोबाद

तारीख: 7-5-87

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयोलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० पी० भ्रागर० नं० 4456/I---ग्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अने परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं श्रहमदाबाद टी जिंग एस 6 एफ जी नं 545 पैकी जमीन है तथा जिसका क्षेत्रफल 738 वर्गमीटर + मकान श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप स वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 23-10-86

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (कः) अंतरण संहृद्ध किसी माम की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

कतः कथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्री मनीश रसीकलाल गजरावाला, श्री जयेशल् रसीकलाल गजरावालां श्रीमती नंदाबेन रसीकलाल गजरावाला 4, लावण्य सोसायटी वासनाके नजदीक पालडी, श्रहमदाबाद

(श्रन्तरक)

- (2) शांतिवर्धक श्रपार्टमेंट मेम्बर्स एसोसीएशन मुख्य प्रमोटर--जतीन परसोक्तम दास बाह श्रोर श्रन्य सी-1, बीनीता श्रपार्टमेंट, मानेकवाण, श्रमदाबाद (श्रन्तरिती)
- (3) रिश्म पी० शाह, 18 वंसतकुंज न्यू शारवा मंदिर रोड, श्रहमदाबाद-7

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाहरें : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

भ्रहमदाबाद टी० पी० एस० 6, एफ० पी० नं० 545 पैकी जमीन क्षेत्रफल 738 वर्गमीटर मकान तीन पार्टस में बिक्री किया हुआ रजिस्ट्रेशन नं० 15662, 15663, 15664 23-10-86

ए०के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज–1, महसर्वाबाद

तारी**ख**: 7-5-87

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1 के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमवानाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० पी धार 4457/I—भातः मुझे ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन 513 वर्ग मीटर + मकान पैकी नार्थ साईड 181-25 वर्ग मीटर भौर बेसमेंट 25.645 वर्ग मीटर टी पी एस 3 एफ पी नं० 713 एस पी 30, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालाय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) श्रधीन विनांक 7-10-86

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बद्ध्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीम, मिम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) लिलताबेन सुकेन दी बेरया, समीर सु० दीवेरिया एच यू एफ गोकुल को० भ्राप० हा० सोसायटी मानेकवाग हॉलके पीछे एस एम रोड़, श्रहमदाबाद है (श्रन्तरक)
- (2) मेडीको एसोसेशियन, प्रमुख को हिमाशु शांतिलाल सार, 14-जैन को० श्रो० हा० सोसायटी ऐलीसभीज, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रहमदाबाद टी पी एस 3, एफ पी० नं० 713 एस पी नं० 30, (परीमल सोसायटी) पैकी जमीन क्षेत्रफल 513 वर्ग मीटर+ मकान पैकी नार्थ साईष्ठ 181-25 वर्ग मीटर बेसमेंट 25.645 वर्ग मीटर ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रेशन नं० 16976/7-10-86

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-5-87 मोहर:

इक्य बाह् . शी. एन . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से नभीन सुचना

KIKO GERM

कार्यासम, सहायक बायकर आवृत्त (निरीक्स)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० पी भ्रार 4458/I——श्रतः मुझे ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन तक्षम प्राधिकारी को वह विस्थास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जनीन क्षेत्रफल 513 वर्ग मीटर+मकान 492 वर्ग मीटर है तथा जो श्रहमदाबाद में टीपी एस 3 एफ पी नं० 723 एस पी नं० 30, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकर्रण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) श्रधीन दिनांक 7-10-86

को पूर्वोकत संपरित को उभित बाजार मूल्य के कम के व्यवसान प्रतिकृत के लिए बन्तरित की गई है और मुख्ने वह विश्वास मुख्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बचा पूर्वोकत संपरित का उभित बाजार मूल्य, उसके अध्वसान प्रतिकृत से, एसे क्रथमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निश्चितिल्ड उद्वेषय से उम्त अन्तरण विचत में वास्तविक क्य ने कांचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अविनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीचित व्यक्तियों अर्थात् ⊈— (1) श्री क्षेमेन्द्र वीरमीत दीवेरीया, श्रीमती सुधावैन क्षेमेन्द्र दीवेरीया, श्री मालव क्षेमेन्द्र दीवेरीया एच० यू० एफ० श्री कुतंल क्षेमेन्द्र दीवेरीया एच० यू० एफ० गोकुल को० श्रो० हा० सोसायटी मानेकबागी कोलफी पीछे, एम एम रोड श्रहमदाबाद

(ग्रन्सरक)

(2) मेदीको एसोशियेशन, डा० हिमांशु णांतिलाल शाह, 14 जैन को० श्रो० हा० सोमायटी लि०, ऐसीसबीज श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिको करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थान को सम्बन्ध में कार्य भी वासीय हं---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीच वें
 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वा की तारीन के 30 दिन की जविष, को की
 कविष बाद में संज्ञान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
 व्यक्तियों में ते किसी न्यक्ति दुसारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशिक की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का करें ने !

नग्त्ची

श्रहमदाबाद टी पी एस 3, एफ पी नं० 713, एस पी नं० 30, खंकी जमीन 513 वर्ग मीटर+ मकान का हिस्सा क्षेत्रफल 492 वर्ग मीटर श्रहमदाबाद हिस्से में बिकी किया हुश्रा रजिस्ट्रेशन नं० 16977, 16978, 16979, 16980 7-10-86

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 7-5-87

मुख्य केन्द्र . टी . द्यु . द्यु , न्यास्त्राच्य अस्त

नायकर निधनियम, 1961 (१961 का 43) की धारा 269-व (1) में सभीन बृह्मना

REPORTED FOR

कार्यात्रम, शहायक जायकर मान्यतः (विरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मई, 87

निदेश सं० 4745/II/87-88--श्रतः मुझे ए० के० सिन्हा

बायकर अधिनिषय, 1961 (1961 का 43) (चिस्ने इसकें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का अपने हैं कि स्थावर बंपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 43 भीर 44, बाधमीं पुरा, बड़ोधा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) श्रधीन दिसाक 27-1-87

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दस्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार स्व्य, उसके ध्रथमाय प्रतिफल से, एसे ध्रथमाय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया श्या प्रतिफल, निम्नसिवत उद्वदेश से उक्त बन्दरण कि जिला में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों अभित्:--

- (1) श्री जमीरभाई महेता भी सजीवकल एड चेरिटेबल ट्रस्ट, ग्रान्ट रोड, बम्बई-400004 (ग्रन्तरक)
- (2) मे० सिक्कि स्ट्रनचर्स प्रा० लि०, 351, श्रन्दुल रहमान स्ट्रीट, बम्बई-400003

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पृत्रांचित संन्यतित से अर्थन से तित्य कार्यमाहिया करता हुं।

तक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध के कोई की कार्जन :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की वर्षण या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि वाद में सम्माप्त- होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी कन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताकारी के शक्त सिकात में किए जा सकोंगे।

न्धकांकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंतों का, जो सक्त अधिनयम, को अध्याम 20-क में बचा परि-भाषित हीं, यही मधी होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुस्ची

मिसकत जो मे० मराराणी शास्तरादेवी टाकीज के नाम पर है जिसका सं० नं० 43 श्रीर 44 है सब रजिस्ट्रार बडौदा में 735 नं० पर दिनांक 27-1-87 को रजिस्ट्रई किया गया है।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

विनांक: 8-5-87

मोइर :

प्रकप नाई. टी. एन, एस.=---

कायकर क्षिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाउँ। 269-व (1) में सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सञ्चायक आयकत् नाय्क्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 8 मई, 1987

निदेश सं० 4746/₊1/86-87--श्रतः. मुझे, ए० के०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

जिसकी सं जिसीन श्रीर मकान सं 984/1/67 है तथा जो सयाजीगंज बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाद इ श्रनुस्चि में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता श्रिध कारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीजररण श्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-1-87 को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रवमाय प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास अत्तं का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पण्डा प्रतिकृत से विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पण्डा प्रतिकृत से विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पण्डा प्रतिकृत से विश्वास से विश्वास पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखत उचुवरेस से उचित कन्तरण लिखित के बासाविक स्प से किथित नहीं किया गया है ध्रामा विश्वास से विश्वास स्प से किथित नहीं किया गया है ध्रामा विश्वास से स्वास करने से किथित नहीं किया गया है ध्रामा से सामाविक स्प से किथित नहीं किया गया है ध्रामा सिक्त स्प से किथित नहीं किया गया है ध्रामा से स्वास से स्प से किथा से किथा पर से किथा पर से किया गया है ध्रामा सिक्त स्प से किथा से किया गया है ध्रामा सिक्त स्प से किथा से किया गया है ध्रामा से किथा से किया गया है ध्रामा सिक्त से किया गया है से किया गया है से क्रास से किथा से किया गया है से क्रास से किथा से किया गया है ध्रामा सिक्त से किया गया है से क्रास से किथा से किया गया है से क्रास से किथा से क्रास से क्रास

- (क) क्लारण से हुई किसी बाय की वावत, जक्त अधिनियम वो अधीन कहा दोने को बन्तारक वी सावित्य में क्सी कहाने वा कससे रूपने में स्थिभा को सिए; बॉर/या
- (क) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपान में स्विधा वी लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----

(1) श्री प्रेमीलाबहन जयन्तीलाल पटेल, जी 53 डी० डी० फ्लैंट कालेज पोस्ट ग्राफिप के पास न्य दिल्ली-110019

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सनमुख सीतपलानी 13, संपतराय कालोनी 9, सत्यम श्रवार्टमेंट, श्रवकापुरी बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी नाक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर सम्भावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति स्वारा, मशोहस्ताकारी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जां अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द पी

जमीन ग्रीर मकान जो संयामीगंज बडौदा में स्थित है सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में दिनांक 2-1-87 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 8-5-87

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याधय, सहायक वायकार बाबुक्त (निद्राक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदावाद, दिनांक 8 मई 1987

निदेश सं० $4747/I_{\rm I}/87-88$ —भ्रतः मुझे, एं० के० सिन्हा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कारखाना मर्वे नं० 428 श्रौर 529 है तथा जो माजलपुर बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-9-86

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था तिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मफललाल इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज लि॰, नरीमान व्वाइंट, बम्बई-400021

(धन्तरक)

(2) पेडमार्टस इंजीनियरिंग लि०, विश्वामिल रोड़, लालसागर पास बड़ीदा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्पी

कारखाना जो माजलपुर बड़ौदा में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 428 श्रीर 589 है सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में दिनांक 19-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज–1, श्रहमदाबाद

दिनांक¹: 8-5-87

मोहर्;

प्ररूप आइ. टी. एन. एस------

जाबकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सहकाई

कार्याजय, सहायक मायकर नागुक्त (निर्द्वीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1987

निदेश सं० 4748/II/87-88—ग्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5.00.000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 314, जमीन गोखा, है तथा जो बडौदा में स्थित है (भ्रौर इसके उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय बडौदा में रजीस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तार्विख 23-10-86

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रश्यमान प्रतिक्तस के लिए अंतरित की-गई है जाँद मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे रश्यमान प्रतिकाल का वन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और बन्दरक (जन्तरकों) और अस्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्दरण के लिए तय शया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उन्त जन्तरण विश्वत सम्तरण की सिए सम

- (क) अंतरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों गृहों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती व्यास प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

बरः बरः, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की जनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) विवर्धन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

- (1) श्री मनुभाई मोतीभाई पटेल, गोखा, बडौदा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाष भाई मगनलाल दोशी, भावती टेनामेंट रिफाईनरी रोड, बडौदा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध भें कीई भी बाक्षप हुन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 134 है जो गोखा बडौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बडौदा में 9095 नं० पर दिनांक 23-10-86 को रजिस्टर्ड की गई है।

> ए० के० सिन्ह्। सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 8-5-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० 2बी/37ईई/37939/86-87—म्ब्रतः मुझे, एम० एस० राय

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 4, मंगल स्मृति खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2-9-86 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात है— (1) वंदना द्रेडर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीमोहन सिंह सभारवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी त्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

"शाप नं० 4, जो मंगल स्मृति चित्रकार धूरंदर रोड़ खार बम्बई-400052 में स्थित है।

धनुसूची जैसा की कि० सं० ध्रई/24ी/37ईई/37939/86-87 प्रीर जो सक्षम प्राथिकारी बम्बई द्वारा विनांक 2/9/86 ो रजीस्टर्ड किया गया ।

एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 12-5-87

प्रक्ष बाइ^{र्}. टॉ. एन<u>. ए</u>स-=----

जाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

क्श्यतिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० श्रई--- 2बी/37ईई--- 37940/86-- 87--- मतः मुझे, एम० एस० राय

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'ज कर अभिनियम' महा गया हैं), की भारा 269-ज अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० शाप नं० 3, मंगल स्मृति खार बम्बई-52 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 2-9-86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्ह है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उक्त वीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शुर/या
- (स) ऐमी किसी बाय या किसी धन या अन्त अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1°57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निह;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) बंदना ट्रेडर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरपाल सिंह सभरवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्थन के थिए कार्यनाह्यां सुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाकीप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यां क्रां क्यां क्

स्थब्दिकरण:---इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुस्ची

णाप नं० 3, जो मंगल स्मृति चित्रकार धूरंदर रोड़ खार बम्बई-400052 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्राई-2बी/37ईई/37940/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकरी बम्बई ब्रारा दिनांक 2-9-87 को रजिस्टर्ड किया गया।

एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 12-5-87

प्रकृप काइं.टी.एन.एस ,------

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत खरकार

भागांचय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मई 1987

निवेश सॅ० प्रई-2बी/ 37ईई--38257/86-87-

श्रतः मुझे, एम० एस० राय

बायक ए विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उस्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं प्रलैट नं 61ए, गुलमोहर, खार बम्बई-52 में स्थित है (धार इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) भौर जिसका करारतामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के खर्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसकी स्थ्यमान प्रतिफल का प्रेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिक कल, निस्नतिशित उद्वेष्य में उन्त अन्तरण निश्वित में बास्त- विक क्य से किथत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की, वाशत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उद्यक्ष वचने में सुविधा के सिष्टू और/वा
- (था) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्म आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जर, उक्त जीभीनयम की धारा 269-ग के जनूसरण बैं, मंं, उक्त जीभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) कै जभीन, निम्निलिसन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स विजय दीप डेवलीपमेंट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति एच० मेहता श्रीर श्रीमती रसीला बेन एस० मेहता।

(भ्रन्तरिती)

को तह सुचना वादी कालो पूर्वोक्त संपृत्ति को वर्णन को विद्य कार्यवाहियो सुक्त करता हो।

उन्त धन्यति के बर्चन थे तस्वन्थ में कीई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त ध्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए वा सकोंने।

स्वक्षिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो खक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

गन्स्यी

प्लैट नं० 61ए, गुलमोहर प्लाट नं० 152, अंक्शन भ्राफ एस० व्ही रोड, श्रौर नववा रोड खार बम्बई-400052 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा की कि सं० श्रई-2वी/37ईई/38257/ 86-87 श्रौर ओ सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक .12-9-86 को रंजीस्टर्ड किया गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बी, वस्बई

तारीख: 12-5-87

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भं (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 श्रप्रैल, 1987 निदेश सं० के 11/86-87—श्रतः मुझे वी० के० सिंगल

ानदरा स० क 11/86-87—श्रतः मुझ बा० क० सिगल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हो

ग्रौर जिसकी सं० ग्रारणी नं० 187 है तथा जो राजन्वानगर ग्रौरेंगा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रौरेंगा (इटावा) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16)के ग्रधीन तारीख 22-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेदिय से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विभिनियम के विभीन कर देने के बल्दरक वै दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधां के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मोतीलाल पुत्र महेश्वर दयाल, मौजा राजन्दान नगर, फें० श्रटसू श्रौरंगा, इटावा (श्रन्तरक)
- (2) श्री सेत्रा राम पुत्र दीन दयाल राजपूत, श्री राम गोपाल पुत्र चेतराम राजपूत, श्री जालिम सिंह पुत्र राम दयाल राजपूत श्री गोपी नाथ पुत्र णिव दयाल राठोर श्री हरप्रकाश पुत्र मोतीलाल श्रीमती शार देवी पत्नी श्री शिवप्रकाश नि० नगला राणा मौजा राजन्दान नगर श्रौरैया इटावा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्साक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकिस्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रारणी नं० 187 रकवर्ड राजन्दान नगर श्रौरैया इटना

> बी० के० सिंगल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 21-4-87

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.--

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 23 धप्रैल, 87

निदेश सं० एम 1118/86-87--श्रतः मुझे वी० के०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 514 श्रीर 516 है तथा जो तिलपटा करनवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दादरी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 4-9-86

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित आजार मूल्य, उसके रहममान प्रतिफल से एसे रहममान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिहास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विदेश से उक्त अन्तरण जिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्निसिंख व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीराम फाइबर्स वि० कार्यलय एक्सप्रेस बिल्डिंग 9/10 बहादुर शाह जफ्फर मार्ग नई दिल्ली द्वारा० एस० श्रार निल्यान।

(भ्रन्तरक)

(2) एस॰ ग्रार॰ एफ॰ निष्पोडेन्सो लि॰ द्वारा श्री ग्रमिताभ 9/10 बहादुर शाह जफर मार्ग, दिल्ली। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए - कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्कक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

खसरा नं० 514 व 516 तिलपता करनवास। वी० के० मिगल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 23-4-87

प्रकथ आहाँ .टी .एन .एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 ग्रप्रैल, 1987 निदेश सं० एम/1119/86–87—न्प्रत: मुझे वीं० के०

अग्रयकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्मास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्ब

5,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी से. 5/9-ए हैं तथा जो रूप नगर, विल्ली में श्रौर जिसकी सं. 5/9-ए हैं तथा जो रूप नगर, विल्ली में श्रौर जिसकी सं० खेती भूमि है तथा जो रूपरौला (दादरी) में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दादरी रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख 29-9-86

को पूर्वा किस सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्हरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सपति का उपित अजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एमें ध्रयमान प्रतिफल से, एमें ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिती (अंतरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषम से उक्त बन्तरण निविद्य में वास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आग की बाबत, ज़क्स आधिनियज्ञ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अरुपे या उत्तस अवने में सुविधा के निए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाब या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें किधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

- (1) मेसर्स स्रमृत फूड्स प्रा० लि०, जी० टी० रोड़, गाजियाबाद डायरेक्टर एम० के० भसीन। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स समतल कलर लि० 50-51 कम्युनिटी सेन्टर, न्यू फ्रैन्डस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 4.5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की लागेन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो खबत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

खेती भूमि,ग्राम छारौला त० दादरी गाजियाबाद । वी० के० सिंगल सक्ष्मेम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख : 23-4-87 मोहर:

प्रक्ष बाइ . टी. एन. एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्याज्ञय, सहायक आयक्तर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनाक 23 ग्रप्नैल 1987 निदेश सं० एम/1120/86-87--ग्रन मुझे वीं० के० सिंगल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है'), की भार $269-\omega$ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्ता, जिसका उचित वाजार मूल्य 5,00,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसको मर 148-75 है तथा जो हाजीपुर में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दादरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 18-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से क्षम के द्रश्यमान प्रतिष्ठल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिष्ठल स, एम द्रश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अमरिती (अतिरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिकित उद्देश्य में उन्त अतरण लिखिल में कार्यकिक हो से किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अभिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चान्निए था छिपाने में सुविधा से तिए:

भक्त: अय, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिं। व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री तारीफ मिह, बेडेमिह, दलपत मिह, गनपत मिह, दुलिया मिह मुपुत्र श्री हरकरन मिह नि० तुगलकाबाद, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ महर्षि नगर, गाजिया-बाद द्वारा समीर सिन्हा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आधाप :---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा से जिल्मी व्यक्तिस स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी औ पास लिकित में किए जा सकीगे।

स्पन्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो अर्थ होगा, जो उन्न अध्याय में दिया गया है।

भ्र**नुसूची**

148-75 हाजीपुर तहसील दावरी, गाजियाबाद।

वी० के० सिगल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

ेतारीख: 14-5-87 मोहर: प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) सी धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, बिनांक 23 भ्रप्रैल, 87 निदेश मं० एम 1121/86-87--भ्रतः मुझे बी० के० मिगल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 5.00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० खसरा तं० 351, 338/2 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गाजियाबाद रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और आंरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्बलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तत नियम हे अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी हरने या उस्से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थ:, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र , उक्तं अधिनियम की धारा 209-ग के अन्सरण में, मैं, उक्तं अधिनियम की धारा 200 भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित अधितयों, अधीत् :-- (1) श्री लालचन्द्र एंड सस 13/1 बुलन्दशहर रोड़ इन्डस्ट्रियल एरिया गाजियाबाद पार्टनर श्री देवराज ग्रानन्द व श्री बिमल ग्रानन्द सुपुत्र श्री लालचन्द नि० 128 गांधीनगर गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) महेन्द्रा एण्ड एसोनिएटस प्रा० लि०, द्वारा श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री लल्लू सिंह नि० 166 लोहियानगर, गाजियाबाद:

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां छरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्चत स्वार सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो- उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खसरा नं० 351 व 338/2 गाजियाबाद

वी० के० सिगल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीका)

तारीख: 14-5-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कॉनपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल 87

निदेश सं० ए.म०/1123/86-87--- ग्रतः मुझे बी० के० सिंगल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 7 खनरा नं० 40/2 है तथा जो चकमग रौक्षा (दादरी) में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दादरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मितम्बर 86

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सरुपा पुत्र श्री किशोरी, निवासी—चकमगरौला मौजाबाद, जिला फरीदाबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री वीरेन्द्र, राकेश, रिखी पुत्रमण जम्मू, सुरेन्दर, राजू नि० ग्राम सालारपुर खादर प०/न० दादरी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयावत शब्दों और पवाँ का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाता नं०—7 खमरा नं० —40/2 गांव—चकमगरौला तहसील दादरी ।

वी० के० ग स**क्षम** प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायु**ग्ल** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 23-4-87

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मई 87

निदेश सं० धार ये सी नं० 1/87/88—-ध्रत: मुझे टी० गोरखनाथन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/৮ रहे. सं अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 10-1-125/1 है, जो मासाब टैन्क हैदराबाद में स्थित है (और में इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खेरताबाद हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-86 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान अतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत. अध उत्यत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) माहाराज करण पिता लेट राजा महबूबकरण मलवारा पैलेस चारमीनार इस्ट हैंदराबाध-2
- (2) लेम्फटनन करनल (रिटायर्ड) इकबोल करण पिता राजा मद्यबूब करण, घर नं० 10-2-287/ 1/7, भातिनगर, हैदराबाद ।
 - (3) श्री युवराज करण पिता लेट राजा म**हबूब** करण बैंक श्राफिसर, युनियन बैंक श्राफ इंडिया बंजारा हील्स हैदराबाद ।
 - (4) श्री सरताज करण पिता लेट राजा महबूब करण, रीजनल मैनेजर, बैंक श्राफ बडौदा, मत-वाला पैलेस, चारमीनार इस्ट, हैदराबाद-2।
 - (5) श्री शिवराज करण पिता लेट राजा महबूब करण मातवाला पलेस, चारमीनार इस्ट, हैवराबाव
 - (6) श्री मती श्ररुणा गुप्ता पति श्री व्ही गुप्ता कोलाबा, बाम्बे ।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स सूजना रीसोर्टस प्रा० लि०, रीप्रजेटेंड बाह मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एन० रामी रेडडी घर नं० 10-3-311/12, कस्टल हील्स, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आपे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित् में किए जा सकर्गे।

स्यक्ष्यीकरण:—इसमें प्रैयुक्त सम्यों और पर्यों का, को अक्ष विधिनयम के बध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विमा प्या हैं।

अनुसूची

घर नं० 10-1-125/1 मासाब टैंक हैदराबाद रिज-स्ट्रीकृत बलेख नं० 2107/86 तारीख 3-9-86 रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी खैरताबाद, हैदराबाद ।

टी० गोरखनाथन सक्षम_़ प्राधिकारी स**हा**यक <mark>प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 4-5-87

प्रक्य नाइ. टी. एन. एस. -----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६०-भ (1) के सभीन संचना

भारत सम्कार

कावालयः, सहायकः भायकर लायक्तः (निरोक्षण) म्पर्जन रेंज, जयपूर जयपुर, दिनांक 14 भ्रप्रैल, 1987 निदेश सं०: राज०/महा० भ्रा० भ्रर्जन/2707--श्रत:

मुझे सुधीर चन्द्रा

बाबकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख 5,00,000/⊦ रु. से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो जयपूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्व भ्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है) सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय जयपूर में श्रायकर श्रधि नियम 1961 की धारा 269 ए बी सितम्बर 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्मत्ति का उचित बाकार मुख्य. उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंचार प्रतिकत से अभिका ही और जंतरका (बंतरका) बीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्दोष्य सी उक्त वंतरण सिवित में कास्ट्रविक रूप में करियत नहीं किया गया हैं ;--

- रिक्ती अन्तरण सं हुइ' किसी आय की बाबत, जबत सधिनियम के सधीन कार दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या एससे बचने मे सुविधा के लिए; वर्षि या
- (क्षा) ए सी किसी साथ या किसी धन या अन्य अगरितयाँ को, जिन्ही भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) पे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण `में, में', जक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्थातः ---

(1) श्री दिनेश चन्द्र ग्रग्नवाल, 41, सी लाजपत मार्ग, ग्रशोक्षनगर जयपूर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स श्राजाद बोडी बिल्डर्स, जोरावरीमह गेट श्रामेर रोड़, जयपूर।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करफे पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्विया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यव में प्रकाशन की तारींच से अ वि की अर्वाध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 बिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त भ्यवित्रधों में सं किसी व्यक्ति एवाना,
- (ख) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ष्ठित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास पिक्ति में किए आ सकती।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

जमीनमय निर्माण स्थित जोरावरसिंह गेट, ग्रामेर रोड् जयपुर

मुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14 भ्राप्रेल, 1987

प्रारूप लाइं.टी.एम एस.-----

कायकार बिश्वितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

धारत प्रस्कार

कार्यातय, सहायक भाषकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बंगलौर बंगलौर, दिनांक 27 श्रप्रेंल 87 निदेश सं० मी'० श्रार० 62/50229⊷-श्रतः मुझे श्रार० खाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/। रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा को पाचवी क्रास मल्लेक्वरम बंगलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाधीनगर, बैंगलोर रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल से बिश्व हैं और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरित (अन्तरितियाः) के बीच एसं अन्तरक के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबसा, उक्स बाधानक के बाधान कर धाने के बन्साइब के वाक्रिक में कभी करने या उत्तसे क्याने में स्विधा वी विद्या आदि/का
- (क) एंसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आरतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नंजम्मा और श्री एच० सी० सूर्यनारायण रात्र चेरिटेबल ट्रस्ट नं० 2, बी स्ट्रीट; ईस्ट लिक रोड़, थर्ड कास मल्लेक्व॰म, बंगलौर~3 पि० ए० होल्डर्स। एच० एस० नागराज (2) एच एस गुरूनाथ।

् (ग्रन्सरक)

(2) मेसमं कोजि होम्म प्रा० लि० नं० 4, 12वां कास, ध्राठवीं मैन, मल्लेश्वरम, बेंगलीर-3 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस ते 30 विन की अविधि, कां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्भ किसी सन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उच्छ जभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया शबा है।

नन्त्वी

(दस्तावेज सं० 1939/86-87 ता० 29-9-86)

सब सम्पति जिसका पुराना नं० 13, 14, 15, 27 28 और 29 और नया नं० 3, 4, 5, 63, 64, 65, और नया मुनिसितल नं० 3, पाचवां कास मल्लेक्बरम, बंगलीं में स्थित है जिसकी विस्तार्ण 184.66 स्कवेयर मी० है और जिस सम्पति का पूरा विवरण क्रय पन्न ता० 29-9-86 में विखाया गया है।

श्रार० भा**रद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बंगलौर

तारीख: 27-4-87

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जैन रेंज, बंगलीर बंगलीर दिनांक 18 मार्च 87 निदेश सं० सी० ग्रार० 62/5024/86-87--ग्रतः मुझे ग्रार० भारद्वाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 162 है तथा जो कंडोलिम बारडेंज ना० गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 4-9-86

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मंल्य, उसके काशमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध्य की बाइत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (च) एती किसी आय या किसी धव या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किथा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मेसर्स उमर हाउसिंग इस्टेट डवलपमेट श्ररगनाईजशन प्रा० लि० इंडिया हौस नं०-2 केप्स कार्नेर बम्बई-400036 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स कुन्ति प्याकेजिश प्रा० लि० मेहता हौस । फलोर, बम्बई समाचार मार्ग, बम्बई-400023 (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्ला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 162 उप डिविजन नं० 1 एस० किवेस वाडों कंडोलिम विलेज बारडेंज तालुक गोवा में स्थित हैं जिसका विस्तीर्ण 3850 वर्ग मीटर है जो सम्पत्ति का पूरा विवरण क्रय पन्न तारीख 6-6-85 के शड्यूल में विखाया है।

> श्राप्य भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 18-3-87

मोहरः 🗱

प्रक्य बाइ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रम, सहायक नायकार नाय्यत (निरीक्षम)

म्रर्जन रेंज, बगलौर

बंगलौर, दिनांक 26 मार्च 1987

निदेश सं० डी० श्रार० 1787——श्रतः मुझे श्रार**०** भाग्द्वाज।

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उबद अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नथीं कि सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 5.00,000/⊢ रुक. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 25/4 है तथा जो वालपाडू सत्तारी ता० गोवा में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक 15-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को बन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (गर्तरकों) और अंत-रिती (जंतरितियों) है जैस एंसे जंतरक के लिए तय पाया क्या प्रतिक्रम जिम्मिविधित उच्चेक्य से उक्त अंतरण किविब में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी नाम या किसी भन या कन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वौ प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए का, क्रियाने में सुनिधा के लिए।

- (1) मेमर्म सत्तारि क्याश्यू इन्डल्ट्री वालपाइ सत्तारि गोवा। (श्रन्तरक)
- (2) मेमर्स जगदेव भ्रार० पगम भ्रण्ड सन्स, संक्षेतिम गोदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह तुषना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिए कार्रशाहियां शुरू करता हुं।

वक्त बन्दत्ति के क्वीन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप :----

- (क) इत न्यवा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब बें
 45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धि स्पन्तियों पर
 ब्वाम की तामील से 30 दिन की संवधि, को बी
 वबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व बै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वाचीकरण : इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वस है।

ग्रनुसूची

दस्तावेज सं० 1415/ 86-87 ता० 15-9-86 सब 5000 वर्ग मीटर विस्तीर्ण सम्पत्ति में स्ट्रकचर्स बिल्डिंगस मेशोन्म यार्ड पल्यान्म मोटर्म श्रादि जो सर्वे ने 25/4 वालपाइ विलेज सत्तारि तालुक गोवा जिला में स्थित है जिसका पूरा विवरण मेल अग्रीमेट ता० 28-7-86 का शेष्ठयूल में विखाया है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

ातः कवा, उपल विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उभत विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों जभीत् ह—— 6—126GI/87

विनांक :-26-3-87

प्रक्त बाइ. टी. एन. एच. ----

चायकर क्रीधीनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरॉक्सण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलीर

अंगलौर, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रार० 2345/86-87--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारदाज,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसवा उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1214 है तथा जो एच० ए० एल० स्टेज एक्सटेनशन में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक 2-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रित्तकत के लिए जन्तरित की गई है और मूर्ज यह विश्वास करने का सार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मितिबत उद्योग्य से उक्त अंतरण निकित बें जास्तिक क्य के किए तय प्राया है 4—

- (क) जनसरण से हुई किसी आप की बावस, उक्त विशिव्यव के जभीन कर दोने को अम्तरक बी विश्वित्य को कभी करने या उससे तकने में मृतिधा के लिए; की र/या
- (ख) एसी जिसी आयं या किसी धन या अस्य आस्तियों का', विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) क अधीर, निम्नलिकिए व्यक्तियों, बर्धातः :--- श्री एन० नारायण पै० 2-ए०; क्लोवर श्रपार्टमेंटस,
 कफ पेरेड कोलाब, बाम्बे-40005।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री सुरेश नाडगिर 'गिरिवर्णन' गिरिनगर बंगलौर (श्रन्तरिती)
- (1) श्रीमती प्रतिबा वि० पै०
- (2) श्रीमती वि० एन० पै०
- (3) श्री प्रदीप एन० पै०

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वाना कारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के कि कार्यनाम्हियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय 45 विन की जनमि या तत्संबंधी व्यक्तियों प स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, खों : बक्धि बाद वें सनाप्त होती हो, के भीशर मृ.... व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस : 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकोंगे।

रच्याकरण ६—६तमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषि इं, वहीं वर्ष होया को उस प्रध्याय में है. प्या हैं।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1792/86-87 ता० 2-9-86 सब सम्पत्ति में बिल्डिंग नं० 1214 एमा० ए० एल० II स्टेज बंगलौर में स्थित है जिसकी विस्तीर्ण 5400 वर्ग फीट और पूरा विवरण सेल ग्रीमेंट ता० 7-8-86 का मेडियूल में दिखाया है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

विनांक :-13-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बेगलूर

बेगल्र, दिनाक 13 मार्च, 1987

निदेश सं० भ्रार०-2349/86-87—-श्रत. मुझे, भ्रार० बाज,

रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 9-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का ए है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य)0,000/- रा. से अधिक है

र जिसकी म० 11/3 है तथा जो ग्राग्कंपनहल्ली, बेगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्राग् पूर्ण से विणत , रिजिंग्ड्रीकरण अधिनियम (1908 (1908 वा 16) के पन, दिनाक 15-9-86

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान फल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिकाल से अधिक हैं और अंतरक (अतरको) और अतरिती रितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा फल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित विक हुए से कथित नहीं किया गया हैं.—

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे कवने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) धीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात :—

- (a) श्री एम० क्षेत्र पाल, सुपुत्र स्व० नागम्मे, न० 16, 9वा 'ए' मन, 5-ज्लाक, जयनगर, बेगलूर (b) श्री एम० तुलसी दाम सुपुत्र स्व० नागम्मे, न० 244, 6वां मेन, 4था ज्लाक, जयनगर, बेगलूर
- (c) श्रीमती एम० पुट्टम, पत्नि सी० श्रार० नारायणम, नं० 12-टी, 4था "टी" ब्लाक, 33वॉ ऋास, 11वॉ मेन, जयनगर, बेगलूर।
- (d) श्रीमती एम० सुगुण, पत्नि एस० बी० लक्ष्मण द्रेव, न० 11, ईस्ट सर्किल रोड, वि० बि० पुरम, बेगलूर

- (c) श्रीमती एम० रमामणि,पत्ति एच० एम० वेकट्ट स्वा-मप्प, ई-2, लावित्ति रोड, , त्यू टाउन, भद्रावित, शिमोगा, जिला।
- (2) श्रीमती एस० बी० नागमणि, न० 68, ग्राशोकां पिल्लर मेन रोड, ॥ न्लाक, जयनगर, बेगनूर।
- (3) श्रीमती एम० बी० रामानुजम्मा, पत्नि एच० एन० मुनिस्वामी गाँडा, न० 125, ॥, मेन, पार-वितपुरम, वि० बि० पुरम, वेंगलूर।
- (4) श्री एस० वी० लक्ष्मण देव, नै० 11, ईस्ट सिकल रोड, वि० वि० पुरम, बेंगलूर।
- (5) श्री एस० वी० गोविन्दराजु, पत्नि लेट एस० वेनटप्प, न० 12, श्रांटो हाउस, जन टेपल गेड, वि० वि० पुरम। बेगलूर।

(श्रन्तरक)

2. (1) श्री सी० गोपालन पुत्र श्री पी० के० पाणिकर नं० 508, गउतमन पार्क, ग्राग्० बी० रोड, बेगलूर-560004 (2) पी० एस० रामैय्या मुपुत्र लेट श्री पी० ब्रालकृष्णय्या, न० 3, शेपाद्वि रोड, बेगलूर-560-009 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी जाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दी और पद्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गाया है।

अनुसूची

दस्यावेज स० 1796/86-87 विनाक 15-9-1986 सब सम्पत्ति, जिसकी सर्व सं० 11/3, अरेकेपनहिल्ल, कसब होबलि, बेगलूर दक्षिण गालून, बेगलूर में स्थित है। जिसकी विस्तीर्ण 4 एकर्स आंर 12 गुटास आंर जिस सपत्ति का पूरा विवरण सेल अग्निमेट दिनाक 22-8-1986 का भेड्यूल में दिखाया गया है।

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज, बेगल्र

दिनांक: 13-3-1987

मोहर.

प्रकल् भार्च सी. एन. एस. ----

बायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के जभीन सूचना

न्नारत सरकार

कार्यालंब, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1987

निदेश म नं० मी० भ्रार.०-62/50227/86-87—-मृतः, मृह्गे, भ्रार० भारहाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 67 है तथा जो जालहिल्ल, बेंगलूर उत्तर ताल्लुक में स्थित है (स्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, दिनांक 10-9-86

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरण के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया, था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन. विम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थाता :---

- (1) श्रीं पापण्ण सुपुत्त स्व० रंगप्प (2) श्रीमती सोण्णम पत्नि पापण्ण, (3) श्रीमती लक्ष्मम्म पुत्ती पापण्ण (4) श्री रामचन्द्र सुपुत्त पापण्ण, (5) श्रीमती सोरम्म पुत्ती पापण्ण, (6)श्री गोविन्द राजू पुत्र पापण्ण (7) श्री रमोशा पुत्र पापण्ण, (8) श्री ग्राशोका पुत्र पापण्ण नं० 67, जालहिल्ल विलेज, श्रणवन्तपुर, होबलि, बंगलूर उत्तर तालुका (ग्रन्तरक)
- (2) रिव०फर० म्यात्यू कीचिरा पुत्न जोसेफ कुरियन, • क्लेरेशियन सेमिनार नं० 28/12, 18वां क्रास रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-560055।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोर्ड भी बाखेंप ---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुगरा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववुष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के यास सिचित में किए का मकाने।

स्पष्टोकरणः - इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाष्टित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं 2287/86-87, दिनांक 10-9-1986) सब ग्राप्रिकत्चुरल संपत्ति नं० 67, जालहिल्ल विलेज, यग्रावन्तपुर होबलि, बंगलूर उत्तर तालुक मे स्थित है। जिसकी विस्तीर्ण 3 एकर्स ग्राँर 35 गुंठास है। (15,681.51 वर्ग मीटर्स), जिसकी पूरा विवरण ऋयपत्र ता० 10-9-86 के ग्रोड्यून में दिखाया है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 13-3-1987

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बाधकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बभीय भूचना भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनाक 13 मार्च, 1987

निदेश सं० सी० भ्रार० 62/50228/86-87—श्रतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० 67 है तथा जो जालाहिल्ल, बंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बंगलूर उत्तर ताल्लुक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18-9-1986

स्ने पृथोक्त संस्पत्ति के उणित बाजार मृत्य ए अन्न के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का मृत्य प्रियस्त से अधिक है और मंतरक (अंतरका) और वंचरिती (सन्तरित्यों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया शिवफ्स, निम्निजितित उद्देश्यों से स्वत अध्यरण जिल्हित के स्वत्यकार कर से स्थित महीं किया नवा है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-चित्रक की अधीन भर बोर्ग के बन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयायनाथ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के चिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामण्ण पुत्र स्व० रंगपप्प, एस० नं० 67, जालहल्लि विलेज, यणवन्तपुरम, शबलि, बंगलूर उत्तर ताल्लुक।

(भ्रन्तरक)

(2) Rev. Fr. म्यसू किचिरा, पुत्र जोसेफ कुरियन क्लेरेशियन सेमिनिरि, नं० 28/12, 18वां कास रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-55

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायवाकियां करता हुं।

उस्त तन्यति के वर्षन वै सम्बन्ध में कोई नी बालेंप :---

- (क) इस ब्यान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्ध स्थितियों में हे किसी व्यक्ति वृत्यारा;
- (क) इस सूर्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास विवित में किए जा सकतें।

स्वकाकरण:---इसने प्रयुक्त कर्को नीर वहाँ का, को क्वक अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिशावित ही, वहीं अर्थ होना, को उस अध्याय में विदा क्या है।

नन्स्ची

(दस्तावेज 2289/86-87 दिनांक 18-9-86।) सब एग्निकल्बरल सपत्ति एस० नं० 67, जालहिल विलेज, यशवन्तपुर, होबल्लि, बंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है। जिसका विस्तीर्ग 3 एकर्स ग्रौर 37 गुंटास (17,021.84 वर्ग मीटर्स) ग्रौर जिसका पूरा विवरण ऋय पत्र ता० 18-9-1986 के शैड्यूल में दिखाया है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक . 13-3-1987 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० सी० भ्रार०-62/50207—स्प्रतः मुझे, म्रार० भारद्वाज प

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000// रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी 16/2, 17/2, 178/2, 19/2, 19/3 श्रौर 29/4 है तथा जो दौंडुगुब्बी विलेज होमकोटे तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 18-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे द्रश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बम्स्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० सी० नारायण पुत्र स्व० पी० सी० गोविन्दन नं० 169, वसन्तनगर, I-क्रास, बंगलूर-560052

(ग्रन्तरक)

(2) रिव० फर० जेम्स कुट्टि मक्कल रेक्टर, नारबरटैन सोस।यटी नारबर्ट, हाउस, मानतवाडि, केरला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अंविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्ताँबेज 1420/86-87 दिनांक 18-9-86) सब एग्निकल्चरल संपत्ति का विस्तीर्ण 9 एकर्स ग्रीर 23 गुंटाम, सर्वे नं० 16/2, 17/2, 18/2, 19/2, 19/3 29/4 घोष्ट्रगुब्बी विलेज, बिदरहिल्ल होसकटे तालुक, बंगलूर जिला में स्थित है। जिस संपत्ति का पूरा विवरण ऋय पत्र ता॰ 1-9-86 का णेड्यूल में विखाया गया है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहामक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- बंगलुर

दिनांक: 13-3-198**7**

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिसांक 4 मार्च, 1987 निदेश सं० 1769/86-87—अतः मुझे, श्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

द्रौर जिसकी मं० 807, 808,812/1 है तथा जो 4था वार्ड के० धार० रोई, दावणमे, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रमसंघी में ग्रीर पूर्ण रूप में योंगत है)

रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय वावणगेरे में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 24-9-86 को पूर्वीक्स सम्पत्ति को जिसत बाजार मल्य से कम के ध्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का जिसत बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रितिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिस (अंतरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जिल्ला निरम्नितिकत उद्देश्य में उक्स अन्तरण लिखिस में द्रास्तिवक रूप से अधिक हमें किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती बेगम उजराबी पत्नि स्व० जि० काजा मोइद्दीन (2) श्री जी० के० ब्रब्दुल रहमान (3) श्री जी० के० महमद समिउल्ला, (4) श्री जी० के० महमद जियाउल्ला, (5) श्री जी० के० ख़लीलुल्ला, (6) श्र जी०के० मोहमद तहे- रुल्ला, सब श्री जी० के० मोइद्दीन के पुन्न हैं। डि० नं० 807, के० श्रार० रोड, दावणगेरे। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एन० वीरास्वामी, प्रो० मेसर्स ईस्वरि पिक्चर्स, गांधीनगर, बंगलूर-560009

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

दम्तावेज सं० 3474 86-87, दिनांक 24-9-86। सब सम्पत्ति, जिसकी डि० नं० 807, 808 भौर 812/1, 4था वार्ड, के० भ्रार० रोड, दावणगेरे में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम श्रधिकारी सहाचक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 4-3-1987

प्रस्प आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलर -

बंगलूर, दिनांक 30 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी० भार०-62/50214/86-87—श्रतः मुझे, भार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह धिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000//- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2/1 (पु० सं०है) तथा जो निष्ठफोई गार्डन रोड, निष्ठफोई गार्डन, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, णिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-8-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य सै कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निकित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गंभा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(6) (6) श्रीमती जन्चलकुमारी (2) श्रीमती ग्रमृत कुमारी (3) श्रीमती शकुन्तला कुमारी नं० 555, बंगाली बजार रोड, श्ररन्ट्र, मद्रास।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स बिहार मर्केन्टाइल यूनियन लिमिटेड (म्रार० भ्रो०) न० 15, ब्रेबोर्न रोड, कलकसा-700001 द्वारा 15 डारैक्टर श्री डी० के० हिम्मत सिनका नं० 55, एवेन्यू रोड, बंगलूर-560002

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करकों पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज 1656 86-87, दिनांक 27-8-86) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 2/1 (पुराना नं० 2) मिडफोर्ड गार्डन रोड, मिडफोर्ड गार्डन, मुनिसिपल डिबीजन 'नं० 60 बंगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक: 30-1-1987

जक्य गाइ. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (भिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 4 फरवरी 1987

निदेश सं० सी०म्रार०-62/50217/86-87—-म्रतः, म्रार० भारक्षाज,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूस्य 1,00,000/- रेट. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 15/16 है, तथा जो सेंट मार्क्स रोड, बगलूर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 26-9-86

को पूर्वोक्त सम्पर्तिः के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रतिमत से अभिक्ष है और अंतरक (अंतरका) और अतरिती (अन्तरित्वा) के अभ एसे अन्तरण ने लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उवत अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य जान्तियों की जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) हो अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् '—~
7—126GI/87

1. (1) बर्ट मेरिलिया रोसरा पिन्टो डियाम ई मिरान्डा 15/16, मेट मार्क्स रोड, बंगलूर-560001 (2) मारियो ही पी० मिरान्डा 1ए, श्रान्टमाउन्ट रोड, मुम्बई-400026

(मन्तरक)

2. मैंसर्स प्रस्टें ज इस्टेट्रम श्रीर प्रापर्टीज, द्वारा पीटी श्रार श्री ईफेन रजाक, नं० 6, कर्माणयल स्ट्रीट, बंगलूर-560001

(अन्तरक)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पास के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से िंग्सी क्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किली अन्य अवित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाइ तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अन्स्ची

(दस्ताबेज स०1717 दिनांक 26-9-1986 ।

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 15/16, सेंट मार्क्स रोड कार्पोरेशन डिबीजन नं० 60, बंगसूर में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगसूर

धिनांक 1 ?-1987

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी, 1987

निवेश सं० सी० ग्रार०-62/50196/86-87—ग्रतः मुझे ग्रार० भारक्षाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 12/1 है तथा जो रिश्वमण्ड रोड, बंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय शिवार्जा नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 कार्री) के श्रधीन, दिनांक 1-9-1986

को प्वांकित सम्पत्ति के जियत बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कि संपरित का जीवत बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के निए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) सईवा मिर्जा (2) जेयन मिर्जा नं ० 15/1, ब्रन्टन रोड कास, अंगलुर।

(ग्रन्तरक)

(2) मैमर्स रिचमण्ड टावर्स द्वारा राम० गोपालकृष्णय्या चेट्टि, न० 523, गरुत्मान पार्क, बसवनगुडि, बंगलूर-560004

(श्रन्तरिती्)

(3) स्टेट बेंक आफ मैसूर (2) हिन्द रैक्टिफायर्म लिमि., (3) सुन्दर एण्ड कं० (4) जे० बक्शी एण्ड कम्पनी (5) इन्डियन कन्टेनर टर्मिनल लिमि. टेड, (6) आर्ज इम्पोर्ट इण्डिया, 12/1, रिचमण्ड रोड, बंगलूर-560025

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष भिक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास सिखित में किए जा सकागी।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रन्सूची

(दस्तावेज सं० 1384 दिनांक 1-9-1986)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 12/1 रिचमण्ड रोड, बंगलूर सिटी में स्थित है।

> श्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक: 6-2-1987

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी, 1987

निदेश सं० सी०म्रार०62/50197/86-87—श्रतः, मुझे, म्रार० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 122 है तथा जो बिश्नमन्गला लेग्नाउट एच० ए० एल० II स्टेज बंगलूर-560038 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय शिवाजीनगर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-9-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पब्रह प्रतिशत स अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरित (अंन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति वास्तिवक रूप से किथत नहीं गिक्या गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अधं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री नारायण प्रसाद 320ई, 46वां स्ट्रीट, भ्रपार्ट-भेट-6ए, न्यूयार्क (यू० एस० ए०) द्वारा मेजर पी० जे० राजन (रिटायर्ज)

(मन्तरक)

(2) शिल्ट्रान इलैक्ट्रानिक्स एण्ड इन्जीनियरिंग (प्रा॰) लिमिटेड, 37/10, किन्निहोम रोड, बंगूलूर-560052

(ब्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा संकोगे।

स्पष्टीकरण .--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, बही अर्थ होगा जो उसं अध्याय मे दिया गया है।

बन्स्ची

दस्तावेण सं ० 1402, दिनांक 1-9-1986

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 122, बिन्नमन्गला लेक्साउट एच० ए० एक०-५1 स्टेज, बंगलर मे स्थित है।

> श्रार० भारकाज यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, बंगलूर

विनांक: 6-2-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1987

निर्देश सं० डी॰ग्रार० 1786/86-87—म्नन: मुझे, भार० भारकाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं। क्योर जिसकी सं 114 है, तथा जो कंडोलियम, बारडेज.

भौर जिसकी सं 114 है, तथा जो कंडोलियम, बाग्डेज, गोवा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 15-9-1986। बेंगलुर।

- को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम से कम स्वमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया एया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्मिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मर्ती वरजिला फ्लोरा श्रवरेव पररा, आरडेज, मो व्य (श्रन्तरक)
- (2) नेसर्स कफोरट रीजेन्सी इन्न (प्रै॰) लिमिटेड सी/श्रो मेसर्स मतीश धूमें एंड को॰ 209, निजारि भवन, नियर नेपचून होटेल, पणिज, गोवा-403001।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए __ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समीप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी। न्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

(दस्तावेज सं० 1414/86-87 तारीख 15-9-86) सब संपत्ती का नाम 'इयान्डो' ग्रडमेसीरग 12,525 स्को० मीटर्स, सर्वे नं० 114, कंडोलिम, बारडेज तालूक ग्रौर उप-जिला, गोवा जिला में स्थित है, जिम मंपत्ती का पूरा विवरण, अग्रीमेंट तारीख 27-8-86 का शेड्यूल में प्रस्तुत किया है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेंज, बंगलुर

तारीख: 10--2-1987

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की - धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० सी०म्रार० 62/50219—मतः मुझे, भारताज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ज के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/। रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 1 है, तथा जो प्रिमरोस रोड बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन शिक्षाजीतगर बेंगलूर में तारीख 29-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से शुर्क िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तरत अधिनियम, ति धन जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धना धार्या किया जाना धाहिए था, कियाने में सुविधा के विद्:

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री विब्ह्यारक चलुव कुमार सुनुत्र लेट श्री वीब्सीक राजा रतनम, नंक 5/2, रिचमंड रोड, बेंगलूर-560025।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हुमेरा बेगम (2) श्री एम० एच० निसार श्रहमद, नं० 187, II कास, 4था मेन रोड विवेक नगर, बेगलूर पी०ए० होल्डर श्री एच० श्रबदुल हमीद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों चर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य बिक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकरें।

स्थळहीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1733/86.87 तारीख 29-9-86) सब संपत्ती का मकान 1, कारपोरेशन नं० 60, प्रिमरोस रोड, बेंगलूर मे स्थित है जिसका पूरा विवरण ऋय पत्न तारीख 29-9-86 के शेड्यून में दिशास है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 6-3-1987

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस . -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, विनांक 6 मार्च 1987

निषेश सं० सी०श्रार० 62/50220—श्रतः मुझे, स्रार० मारद्वाज,

कावकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परधात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1 हैं, तथा जो प्रिमरोस रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधि नियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-9-86, शिवाजी नगर बेंगलूर। को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के स्वयमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विक्रम की कवीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; कार/पा
- (क) होती किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, ज्याने में सृविधा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तिस्थों, अर्थातु:—— (1) श्री वी॰श्नार॰ चालुव कुमार एस/श्रो लेट वि॰ सी॰ राजा रननम, नं॰ 5/2, रिचमंड रोड, बेंगलुर-560025।

(मन्तरक)

(2) श्री महमद इकबाल एस/ग्री० श्री हाजी ग्रहमव श्रवदुल रहफ (2) श्री श्रहमद गाइब ,एस/ग्री० श्री महमद इकबाल, नं० 15, इनप्यान्ट्री रोड, बेंगलूर-1।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हु"।

उपस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वदिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर स्थावर साम्पत्ति में हितबद्ध किसी किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीक रण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नित अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है.

अपृस्ची

(दस्तावेज सं० 1734/86.87, तारीख 29-9-86) सब संपत्ती का नं० 1, कारपोरेशन नं० 60, प्रिमरोस रोड़, बेंगलूर में स्थित है, जिसकी पूरा विवरण ऋष पत्न तारीख 29-9-86 का शेड्यूल में दिखाया है।

> भारः भारक्षाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलुर

तारीख: 6-3-1987

प्रक्य आहे. टी. एस<u>.</u> एस.-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचनी

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलर

बंगलूर दिनांक 6 मार्च, 1987

निदेश सं० सी०ग्रार० 62/50218—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारताज.

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रुत से अधिक है

भीर जिसकी सं० 23 से 29 है, तथा जो मैंट मारकस रोड़ बेंगलूर में स्थित है (भ्रीर इस से उपाधन्न श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीत शिवाजी तगर, बेंगलूर 26-9-86, तारीख

को पूर्वित्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकीं) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित च्व्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बायत, उसर नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या िकसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) के अभीन, निम्मिजिक्त स्थितिस्यों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती टी॰एम॰ डिसौजा, 29; सैंट मारक्स रोड, बेगलुर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स श्रीसधन जैन भवन, 18/1, श्रान्धरी रोड, बेगलूर-560-027।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और अपदी का, जा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मादिया गणा हो।

मनुसची

(दस्तावेज सं० 1720/86-87 तारीख 26-9-86) स्थिर संपत्ती, जिसकी म्युनिसिपल नं० 23, 24, 25, 26, 27, 28 श्रीर 29 श्रीर जो सैंट मारक्स रोड, बेंगलूर में स्थित है।

गार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्षर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, बंगसूर

नारीख : 6-3-1987

प्ररूप आइ. . . . एन . एस . -----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन सुवना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० सी०भार०-62/50222---म्रतः मुझे, म्रार० भारद्वाज,

शायकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण के कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1,00,000//- रा. से अधिक हो

भौर जिसकी सं० 90ए है, तथा जो बूलूर विलेज मंगलूर में स्थित है (भौर इस में उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधितियम 1908(1908 का 16) के अधीत हेड क्याटर्म मंगलूर सिटि में तारीख 17-9-86,

को पुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का ध्यरण है कि ब्याप्नों कर संपत्ति का टीकत बादार मूक्य, उसकों इदयमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल को प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित ज्वव द्य में उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तबिक रूप से के बत

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत, सक्त **अधिनियम के अधीन कर द**ेने के अन्तरक के **बायित्य में कमी करने या उद्यक्ष वचने में सुविधा** के लिए; और/या
- (क) एसी किसी साथ या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिनाने में स्विधा से निए;

अतः अव , उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अभीन , निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीर :---

(1) लें कर्नल जेरालंड जें कोनसाल्वस, सुपुत लेट जान मी ब्रिंग् गोनसाल्य 3/2, मगरत रोड, बेगलूर-560025 पी ब्रिंग् होलंडर श्री प्याटरिक इंब्जें प्यास सुपुत्र, प्रेडरिक प्यास, ह्याट इल, मंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वरसन प्रमोद ब्यास सुपुत्न, प्रेडरिक ब्यास, कोट्टारा क्रास, मंगलूर, 'ब्राड वाटर' 5, होट-ल्यान्डस, मिएर, व० ब्रिडज केटि 139, सररे, इंगल्यांड।

(ग्रन्तरिती)

क्ये महत्त्वमः जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुत्रों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए या सकेंगे।

स्वयद्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पर्दों का, को उक्त जीवनियमः, को जध्याय 20-का में परिभावित हैं, वहीं कर्य होनेग को उस अध्याय में दिया नवा है।

ज्ञासनी

(वस्तावेज सं० 974/86त87, तारीख 17-9-86)

स्थिर संपत्ती नं० 90ए, बूलूर विलेज, बूलूर वार्ड, मंगलूर सिटि काप्रोरेशन में स्थित है जिसकी विस्तीर्ण 47 1/2 मेन्टस का भार०एस० न० 65.3ए, टी० एस० नं० 1548/3ए है, जिस संपत्ती का पूरा विवरण ऋय पत्न तारीख 17-9-86 शेडयूल में विखाया है।

श्रार० भारब्वाज सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (**निरीक्षण) श्र**र्जन रेंज,** बंगलूर

नारीख: 6 4-13-1,987

प्ररूप बाह टी. एन . एम . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिशंक 6 मार्च 1987

निदेश स० सी०ग्रार० 62/50213—म्प्रत मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवन अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निषणस करने का कारण है कि स्थावर मन्यि , जियका उचिन बाजार मृत्य 1,00,000/- रापये से अधिक है

स्रौर जिसकी स० 36/2 36/3, स्रादि है, तथा जो बेरसद्र, उत्तरहल्ली होविल बेगलूर मे स्थित है (स्रौर इम से उपाबद्ध स्रनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण स्रिधित्यम 1908(1908 का 16) के स्रधीन तारीख जयतगर, बेगलूर मे 29-9-1986,

को पूर्वितित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक्त के जिल्ल जन्मित को गई हैं और मुक्ते यह किस्तास करने ना कारण हैं कि मधापूर्वित्त सम्मित्त का उचित नाजार पूज्य, उश्रद्ध क्षण्यमन प्रिक्ति के एसे इस्तान प्रिक्ति के शब्द प्रतिकृत संगिषक है और अग्रस्क (जग्रकों) और संवितिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क्ष) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्क बिधिनियम के बभीन कर देने के बन्तरण के दर्शियत्व में कभी करने या उसके बचने में सृविभा अर/या
- (अ) ध्रेसी किसी बाय दा किसी धन या बन्य व्यक्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर जाधनियम 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) में प्रश्न बनाओं अन्तरिती व्यार प्रकार महा किया गा किया जाना वाहिए था, ाक्रवान वा माउका की निक्ष

बत अय, ना निधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मी, उन्हार बीनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क संधीत. निध्नतिस्थित व्यक्तियाँ, वर्षात् ह— 8—126 GI/87 (1) मेसर्स मोरजोरिया प्राडक्टस (प्रा०) लिमिटेड न० 4, बनेरगठ रोड, बेगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स बेगलूर होसिंग डेवलपंभेट ग्रौर इनवेस्टमेटस न 85/1, 'शिव शक्ती' के०एच० रोड, बेगलूर 560027। (श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , खों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिंधिनयम क अध्याय १० क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्पन्दिं।

बन्स्थी

(दस्तावेज स॰ 1406/86-87, तारीख 29-9-86)

रिथर सपत्ती जिसकी सर्वे न० 36/2, 36/3, 37/1, 37/2 (37/2 ए, ग्रौर 37/2बी) 37/3 ग्रौर 37/4, बेरसद्र विलेज, उत्तरहल्ली होविल, बेगलूर दक्षिण तालूक मे स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बगलूर

तारीख: 6-3-1987

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 थ (1) के नधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

अंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश मं ० 2077/86-87—श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अभिनियम' सहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,009/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी मं० 41/1, 41/3, 42/2, है, तथा जो उटोरडा सालसिज, गोवा में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-9-86, ।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्त्रह दिवात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी अप की अव्यक्त । उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वीयस्य में कमी करने मा उससे वचने में सृष्धा के सिए; और/या
- (स्व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियामे में सुविधा के लिए,

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियों. सर्थात् :—

(1) 1 श्री मारकल कारवालहो ग्रलियास मारकल ग्रांटो-नियो शेटानी कारवालहो, 2 श्रीमती इलडा मेरि रेवोल्लो, ग्रारोस्मिम, गोवा, 3 श्रीमती एमेक्युएल हेलेना इ० कारवालहो 4 म्यान्युएल सिपलिसियो कारवालहो, पणजि, गोवा।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स महराणि गेस्ट हौम (यूनिट म्राफ़ लगूना रेस्टोरेंट) जे-16, हाज-खास, नयी दिल्ली-110016।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृत्रोंक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी बन्धि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्वित्यों में से किसी म्वित् बुवाय;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की शारीका के 45 दिन के मीसर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किशी बन्य व्यक्ति ब्वारा वभोहस्ताक्षरी के शव तिकिस में किए वा सकेंगे।

स्वाधीकरण: - इसमें प्रवृत्त सन्यों साँड पूर्वों का, वो बनर अधिनियस से अध्याद 20 क में परिश्राधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिगा भैसा हैं हैं

ननुसूची

(दस्तावेज सं० 616/86-87, तारीख 29-9-86)

सब श्रम्रिकलचरल संपत्ती का नाम "नाभ्रो ध्रफोरमेन्टो-डि प्रैचास", विस्तीर्ण 32,725 सस्वि मीटर्स की मर्वे नं० 41/1, 41/3, 42/2, उटोरडा विलेज, विलेज पंचायत उटोरडा-मजोरडा-ध्ररोस्सिम, तालूक भ्रौर उप-जिला सालसिट ध्रौर गोवा जिला में स्थित है जिसका पूरा विवरण क्रय पत्र तारीख 23-9-86 के शेड्यूल में विखाया है।

> भ्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलर

तारीख: 10-3-1987

प्रस्प बाई ही पुन पुत्र हा हा हा हा है

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन

भारत संदुकाङ

कार्यामय. तहायक बायकर बाय्क्ट (निडीक्स)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर दिनांक 28 श्रप्रैल 1987

िनदेश सं० सी०घ्रार० 62/50202—श्रतः मुझे, घ्रार०। गरद्वाज,

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के वचीन सक्तम प्राधिकारी को सह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पद्धि, विश्वका उचित शावाद नृस्व 5,00,000//- रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० 55, 56, 58, 59 हैं, तथा जो बेल्लारि रोड, वेंगलूर में स्थित है (श्रीर इस में उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 10-9-86 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्र हैं और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उस्वर्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अशिषानियम के अधीय कर दोने के सन्तरक के बासिस्व में कभी करने या उससे बचने में सूरिधा के लिए; और /या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचाय (1) के जभीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात :---

(1) मेसर्स बिन्नि लिमिटेड नं० 65; ग्रारमेनियन स्ट्रीट, मद्रास-600 001 रेप्रेसेंटेड बाई श्री० एच० ग्रार० कामत पैनान्स डाईरेक्टर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एस० एच० टी० लिमिटेड नं० 36, कन्निगयाम रोड, बेंगलूर-52, रेप्नेसेंटेड बाई श्री एन० स्वामिनाथन, डाईरेंक्टर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

रुक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाराय ह--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपीत्स में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, थां उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

(दस्तावेज सं० 1540/86-87 तारीख 10-9-86) सब संपत्ती पर जमीन ग्रौर बिल्डिंग का मुनिसिपल कारपोरेशन नं० 55, 56 (Part), 58(Part), 59 ग्रौर 60 (Part), बेल्लारि रोड, बेंगलूर में स्थित है, जिसकी मुनिसिपल डिविजन नं० 82 (पुराना डिविजन नं० 86) ग्रौर जिस संपत्ती का पूरा विवरण ऋय पत्न तारीख 10-9-86 में पूरा दिखाया है।

न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 28-4-1987

प्रस्थ बाह् ,डी. एश. एस 🕐 -----

वायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वन्त

बाह्य सहस्रह

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 28 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० सी०ग्रार० 62/50216—-श्रन. मुझे, श्रार० भारद्वाज.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शुक्क प्रथात् 'उन्न किपिनियम' कहा गया है), की बारा 269-छ के स्थीन सक्षम प्राध्यक्षरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6,7 श्रीर 8 है, तथा जो विक्टोरिया रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रांकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 25-9-86,

का पूर्विक्त संगरित के उचित वाजार मन्य से कम के दश्यमान प्रिफिक को लिए अन्तरिती को गई और मूफ्ते यह विद्यास करने की कारण है कि मधापनीकत सम्पत्ति का स्थित नाजार मूच्य, ज्यके दश्यमान प्रिक्तिक से, एोसे अन्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रिक्ति से अचिक ही और अन्यरक (अन्यरकी) और अन्दारकी (अन्तरिक्षी) के बीच ऐसे अन्यरम के लिए ६५ पास यस प्रतिफल निम्मां शिवा उद्देष्य से उच्य कार्यम् निश्चित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है, ——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उनस अधिरितमस के नधीन कर वेचे की अन्तरफ धी धीमल में कभी करमें या उसवे क्याने में धृष्किल क सिष्; भार/मा
- (ख) एसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्याच-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाह्य वा कियाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती वि० गीता, पर्ला, श्री एस० सुरेंद्र तं० 1, चर्च स्ट्रीट, बेंगलूर-1।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स एरोनाटिकल डेबलपमेंट एजेन्सी, ए कि एक एनक क्याफस, बेलूर; बेंगलूर-37 रेप्नेसेंटेड बाई श्री केंक अरवमुदन; टरेकटर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ जाक्षेप .---

- (क) इस मुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 विस को अपति या तत्त्व त्यी व्यक्तिसमां पर सूचना की दायौध स 36 विन की भवीं के खाँ औं अविध बाद में मुकाल होती हों, के शीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मीश में हिसबद्ध किना कर्य अधिक ध्वारा अधाहस्ताकारों के वाज लिकित में किए या मर्ली ।

श्वक्यविकरण .---हसमाँ अगुभत छ आं कार पर्यो छत, जा उच्क अभिनिषम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, नहीं वर्ष हत्ना, को उन अध्याय मी दिया प्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1693/86-87, तारीख 25-9-1986) ग्रेडयून 'ए' संपत्ती—सब संपत्ती कि विस्तीर्ण 380.16 मीटर है श्रौर जिसकी कारपोरेशन नं० 6, 7 श्रौर 8, विक्टोरिया रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलूर-47 में स्थित है।

शेडयूल 'बी' मपनी—जिस में 4 पलार्स का बिलडिंग कनिम्मिटिंग श्रांफ 7 प्लैं्म श्रीर बिलट एरिया 8865 स.बे॰ फीट है जिस में 4 नंबर्ध का कार पार्राक्रग जो है, श्रीर जिसका पूरा विवरण ऋष पत्र नारीख 25-9-86 में पूरा दिखाया है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगबर

तारीख : 28-4-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.....

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बगलूर

बगलूर दिनांक 1 मई 1987

निदेश स० मी०श्रार० 62/50231—प्रत मुझे, श्रार० भारद्वाज,

ायलर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी में० 84, 84/1 से 84/5 है, तथा जो महालगाधि रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इम से उपाबद्ध श्रम्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-9-86,

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार गूल्य से काम केंद्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मझ यह विश्वास करने जा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सन्य उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के लाभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा क सिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) मंसर्न बारटन सन गौर कपनी (प्रा०) लिमिटेड न० 84, महात्मागायी रोड, वेगतूर-560001, रेप्रेसेटेड बाई श्री एम० एस० मेहता, मेनेजिग डाईरकटर।

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स सदर्न इनवस्टम न० 65, मोटिएत रोड, एगमोर, मद्राम-8 रप्रेसेटेड बाई पारटनर श्री प्राभान कमल। (ग्रन्तरिती)
- (3) 1. मेसर्म ब्रिटिश फीजिकल लैंब लिमिटेड 2. मसर्म जुराइ एगो केमिकलम लिमिटेड 3 मेसर्स बारटन कोट हाटेल न० 84, महात्मागाधी रोड, बेगलूर-1।

(वह व्यक्ति जिसके स्रधिभाग में सपत्ति है)

(4) 1 श्रोमती एन० नबूचिंदु 2 श्री राजकुमार नबूबेंद्वि

> (यह व्यक्ति जिसके बार मे श्रधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मा में किसी व्यक्ति द्वास,
- (स) इप स्वता के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्री के पास सिस्ति में किए या सकेंगे।

स्मष्टिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कर्ष क्षेत्र के

अन्स्ची

(दस्तावेज रा० 1342/86-87, तारीख 1-9-1986) सब सपत्ती के बाग का पुरान मुनिसिपल न० 9, नया न० 84 में सब कनस्ट्रम्शन श्रीर प्रेमिंगम बेरिंग मुनिसिपल न० 84/1, 84/2, 84/3, 84/4 श्रॉंग 84.5, महात्मागाधी रोड, सिक्ल स्टेशन, डिबिजन न० 60, बेंगलूर में स्थित है, जिस सपत्ती कि पूरा विवरण, श्रसैनमेट डीड तारीख 28-8-86 के शेंडयूल में दिखाया है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बगलुर

तारीख : 1-5-1987 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना-1

पूना दिनांक 10 भ्रप्रैल 1987

निदेश सं० $37/\frac{2}{3}$ ई/498686-87—ग्रतः मुझे, अजनी-

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास क्रने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5 00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या फ्लेट नं 16 दुसरा मंजला बिलिंडिंग नं II 6-ए कैन् ल रोड पुणें है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रायकर ग्रिधिनयम 269 की धारा ए बी के ग्रिधीन तारी श्र 26 दिसम्बर 1986। को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफ्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भवा अतिक के दिस्मी अधिक से स्वाप्त के सम्मी अधिक से सम्मी अधिक से सम्मी अधिक के सिम्मी अधिक से सम्मी अधिक सम्मी अधिक सम्मी अधिक सम्मी अधिक सम्मी अधिक सम्मी अधिक से सम्मी अधिक सम्मी अध

- ्रिक) सम्बरण से शुद्र किसी नाम की नामस्त्र उपय विविधियम के नगीन कर योग ने वन्तरण की श्रीवरण में कभी करने वा उन्नये वाचा में वृतिया के किए: क्षीर/वा
- (व) एंसी किसी वाज या जिसी वन ना जन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर जिन्हिनयम, 1922 (1922 का 11) ना उनक अधिनियम, वा धन-कर जिनियम, वा धन-कर जिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंखनार्थ अन्तरिती झनारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थान :---

(1) मेसर्स मकवाना बादर्स भौर कंपनी 441 सोमवार पेठ पुण-11 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुखबन्तिसग सहगर श्रीर इतर 1170/431 रेबेन्यू कालोनी पुणें-5।

(म्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करका 🕊 📳

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के एक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दाकरण :---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यो का, जो उम्म अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक $37-\frac{4}{5}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-4-1987

भक्ष बाह[्]ं टॉ_ल एवं, प्य_ाक्कक्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) में स्वीन प्रका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज—1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्वेश सं० श्रई-1सी//37ईई-13025/85-86:-- श्रतः, मुझे, जी० पी० गुजराती,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िंबरे इसमें इसके परचात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, प्रतीक्षा, वर्ली, बम्बई-18 में (स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित (है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-10-1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य वे कन के स्ववाद प्रटिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का कारण वाकार मृष्य, उतके व्ययमान प्रतिफल की, एवे व्यवसान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) की अपनितरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाम या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उथत बिधिनियम, यः थव-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थवा वा या किया बाना वाहिए वा क्याने के सुविधा के बिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) स्काय बिल्ड प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोमल गृल सेतपाल।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना चार्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त संपर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की सरिभ या एत्सम्बन्धी व्यक्तियों 43 स्वता की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी सविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हिन्। बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बता है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 701, जो प्रतीक्षा, प्लॉंट नं० 7ए, मौलाना भ्रब्दुल गफार रोड, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई—1सी/37ईई—10887/85—86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 27-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1सी, बम्बई

तारीख : 5-6-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वस (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना-1 पूना, दिनांक 9 श्रप्रैल 1987 निदेश सं० 37ईई/4189/86-87;--श्रनः मुझे, श्रंजनी र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम क्षरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. में अधिक हो

श्रांर जिसकी संख्या संपत्ती संव नंव 642, हिल्सा नंव 642/4 तथा 5 बिविजाडी, है तथा जो पुगे से ल्यित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची से प्रंप्य पूर्ण रूप से विणित है), रिजिल्ड्रीकर्ती अधिकारी के भाषांलय, सहापक आयक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजंत रेंज आयक्त प्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए, वी के अधीन, नारीख 10 नवस्वर 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आग्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्तिथा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री जनार्दन ग० रगादला, चेयरमेन, श्री प्रसन्ना सह गह रचना मंस्था लि० द्वारा, उमेशाठेलर्स, सेवा सदन विल्डिंग, पुणे-30।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनोहर सदाशिव, म० पाटील, 13, जेधा नगर, बिबविवाडी पुणे-37!

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टो करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

[जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्षं० 37-ईई/41'89/86-87 जो 10 नवम्बर, 1986 को महापक स्रापकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज, पुणे के दक्षार भे लिखा गया है]

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज ,पूना

तारीख: 9-4-1987

हरूप बाहें , डी. पन , पस्.-----

बायकारु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा (1) के बधीन स्वना वाहस सहस्काह

कार्याक्षर, महायक गायकर गायकर (निरीजन)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 14 श्चर्पैल 1987 निदेश सं० 37-ईई/4550/86-87—अनः मुझे, अंजमी कुमार,

नायका किपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवान 'जनत किपिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही जिल्ला सम्पन्ति किपका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सं० सं० नं० 198 तथा सं० सं० नं० 470 शनिदार पेउ, पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपान्छ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ना श्रीधिनारी के कार्यालय, सहायक श्रीयकर श्रीधिनयम 1961 की धारा ए, वी के श्रीधन, तारीख 28-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतोरत को गई है और मूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके एथ्यमान प्रतिफल से एसे एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उन्त अन्तरण जिकित वै वास्तिक एव से क्षित मही नाम चना है —

- (क) अन्तरण संहूर्य किसी आग की बाधता. उक्त अधिनियम के वर्षीण कर बोने के बन्तपुक के समित्व में कमी करने या छब्छे बन्तने में सुविधा की सिए; शीर्/मा
- ंध) श्रेमी किसी बाय शा किसी धन या बन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय लायकर विधिनियम, 1922 '१९22 का १1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती जुवारा प्रवट नहीं किया गया भा सा किया जाना कालेहर था, छिपाने में मृविधा हो किए:

अतः क्षतः अपनिवास की भारा 269-म में मन्सरम में, में उक्त बार्धानयम की भारा 269-म की उपभारा (1) ने कर्ना विकास किला का किलाने, जम्मी कर -9—126GI/87

- (1) श्री श्रीधर विठल दास, द्वारा प्रावेईट ट्रस्ट, 17 रामचंद्र पं०पंडित, पंत ग्र० बावडेकर, 'राजप्रमाद' ४/5 ताराबाई पार्क कोल्हापुर 27, प्रमाद प० रायरीकर, 470/498 शनिवार पेठ, पुण-30। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्म के०डी० कन्सट्रक्णन्स, 8/2, सदाशिव पेठ, रवि बिल्डिंग, पुणे-30।

(भ्रन्तरिती)

को वह सुचना भारी करके पूर्वीचल संपरित में वर्षन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिव की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की बनिधा, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख डं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींचे.

वन्स्ची

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कैं० 37ईई/4550/86-87 जो 28-11-86 को महायक ग्रायकर ्प्रायुक्त (निरीक्षणी), ग्रर्जन रेंज, पूर्णे के दक्तर में लिखा गया है।)

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेंज, पूना

तारीख: 12-4-1987

कला अवस्तु हो एव स्थ -

बरमण र बोचिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा पराध-ध (३) ने अधीन गवरा

भारत सरकार

शयालय, महायक आयकर-आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 14 भ्रप्रैन 1987

निदेश मं \circ 37 \$ \$ / 4731/86 - 87 — ग्रन मुझे, ग्रजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

र जिसकी संख्या दुकान न० 5, ग्रारोरा टावर्स, 9 मीठि र सार्ग, है तथा जो पुणे में स्थित है (र्थार इससे अड अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री को श्रधितारी के बार्यालय, सहाराव श्रायवर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, श्रायार श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ए, बी के श्रधीन, तारीख 7-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्प्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाचा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई जिल्ली नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1950 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनाथ अतिरिक्षी द्वारा प्रकट नहां किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मों मृतिव क किए;

अत अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियाँ, अर्थाता :— (1) श्री णरन प्रगोदर्भ, मिनिः गॉल, 2 ईंग्ट स्ट्रीट, भूणे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमत विकासता, योज कोहली, शक्ति कुर्ज, 1 !-वी-6, बो क्लब मार्ग, पुणे।

(भ्रन्निरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त संगति के अर्थन के सब्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील सं 30 दिन की अविध, जे भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी लन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास पिरियण में किसा जा सकींगे।

न्यथ्दीकरणः—६समं प्रयुक्त शब्दा और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

[जैसा कि रजिस्ट्रीकृत किं० 37ईई/4731/86-87 जो 7-12-86 को सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, पुणे के दक्षार में लिया गया है।]

> श्रजनी कुमार सक्षय प्राधिकारी गटा : स्राण र प्रायुक्त (निर्शक्षण) प्रजन रंज, पूना

तारीख 14-4-1987 मोहर:

प्रस्था बाह्ये हु टी , एवड्, एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मार्व सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेज, पूना
पूना, दिनांक 3 श्रप्रैल, 1986
निदेश सं० 37 ईई/8294/86-87--ग्रतः मुझे,

अंजनी कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 207, गाय यखडा, तह० तवेली. जिला पूने हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रमुची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजेन रेज, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन दिनांक नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से आधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंति गित्या) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्शब्दों से उन्त अन्तरण निजित म बास्मिक रूप में कथित नहीं किया गया है '——

- (क) जन्तरण संहुद्दं किसी आय को बायतः, उक्त जिपिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थीत् :—

श्री सरोण जे० गाधा,
 1-बी, नीलदेह रोड, जमगैदपुर, और
 श्रीमती एमी ए० वजाज,
 बी-18, महारानी बाग, न्यू दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रतुर संगताती एण्ड एसो०,
 श्रतुर फाउन्डेशन हाउस,
 4 डा० श्रम्बेडकर रोड, पूने-9

(भ्रन्तिशती)

को यह सुचना जारी करके पर्वोक्त सम्पति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मों किये जा सकेगे।

रपष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्कत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। अर्थ होगा, जो उस अध्याप ा दिया गया है।

अन्स्ची

जैस कि राजर्म्द्रकृत ऋ० 37 ईं 4274/1617 जी नवस्बर, 1986 की महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तरों में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

बिनांक: 3-4-1987

प्रचल बाह् .टी.युग.युह्न . ------

बान्छर वीप्रतिगत , 1961 (1961 का 49) की बारा 269-प (1) के नपीन सुषका

नाइत रहाना

कार्यामंत्रं, तहायक नायकर वान्वदः (रिगरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना,

पूना, दिनांक 13 श्रप्रैल, 1987

निदेश सं० 37ईई/4686/86-87---- प्रतः मुझे अंजनी कुमार

नायकए मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके एक्वार् 'उस्त मिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269- क से अभीन सक्तम प्राधिकारों की, यह विस्थात करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

ह कि स्थावर संपात्त । उसका उपचेत बाजार 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सब प्लाट नं० 11, फ० प० नं० 35, ट०प० स० नं० 1, एरंडणी, पुणे हैं, तथा जो पूण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूणे रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन दिनांक 5-12-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के विकत बाजार मूल्य से कम के अवधान प्रतिकत के सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अध्य है कि विष्यापूर्वोक्त सम्मन्ति का अधित बाधार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिकत से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत कः पंत्रह प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाना वंशा प्रति-क्या विम्नविधित उन्हरेक्ट से उन्तर बम्तरण निश्चित में बाल्स-विक्य कम है कवित नहीं विद्या पत्रा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चे बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---- व० ग० नितसुरे,
 34/11, एरंडवर्णे, पूर्ण-4

(भ्रन्तरक)

 मै० मुमा इजीनियरिंग प्राइ० लि०, 93/2ए, एरंडवणे, पुणे-4

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए _ कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त राज्यात्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी स्थित, वृवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितवद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्स में किए का सर्वेगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनयम के अध्याय 20-क में प्रथा परिभाषिस है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा वया है।

भ्रत्पृची

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० स० $37 \frac{1}{2} \frac{1}{8} / 4686 / 86-87$ जो 5-12-86 को सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

दिनांक: 13-4-1987

प्ररूप आहु .टी.एन.एस.-----

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 9 भ्रप्रैल, 1987

निदेश सं० 37 ईई०/8109/86-87--- श्रतः, मुझे, अजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आराए हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित शाकार मृज्य 1,00,000//- रा. से अधिक हो

और जिसकी स० स० नं० 209/v/2 (पी०टी०) 209-बी/ 2, 210, v/2, 210/v/5-7, 206/9, और 20/3, पचपारक ही, ठाणे, हैं तथा जा ठाणे में स्थित है (ग्री॰ इसमें उपाब ब्र श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिशिकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायक (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, श्रायक श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिशीन दिनाक 20 दिसम्बर, 1986

को प्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एने दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से जिनक द्रें और अंतरिक (अंतरिक्यों) के बौच एमें उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा पन्तरण कहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय कां वायबा, उपव अभिनियम की जभीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ध) एसी किसी बाद या किसी धन या अन्य बास्तिः।
 का, जिन्हें भारतीय आयकर किंधिनयम, 1922
 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनूसरण में, में, तक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) के प्रधीन निम्ननिषित व्यक्तियों, अर्थात् --- मै० जय ट्रेडिंग, क०
 प्लाट न० 463, टाऊन प्लानिंग, स्कीम,
 1 ला पोखन्ण रोड, ठाने ।

(अन्तरक)

 संजय फैंमिली ट्रस्ट, केन्न्यण्याफ/367 ऋतुराज 6वा रोड, चेबुर, बम्बई-79

(श्रन्तरिती)

का यह सुचना भारी करके पूर्वोक्स सम्पक्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अवाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील सं 30 दिन की अवदि, जो भी
 अविध नाद में सभाष्य हाती हा, के भीतर प्रविक्त
 व्यक्तिया में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त न्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति भें किए या गकेंगी।

लाष्ट्रीकरणः — इसके प्रयुक्त सन्दों कीर पदों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्यक्ष 20 क में परिभाषित है, वहां अर्थ हलेगा जो उस करवाय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री फ़्त कि० स० 37ईई/8901/86-87 जो 20 दिसम्बन्न, 1986 को सहायक भ्रायकर भ्रापुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, पूना के दक्तर में निखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनाक: 9-4-1987

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

पूना, दिनांक 6 अप्रैल 1987

ग्रर्जन रेज, पूना

निदेश सं० 37ईई/6614/86-87—श्रत, मुझे, ग्रंजनी कूमार क्षायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि न्धायर संवास जिसका उचित बाजार मन्य

5,00,000/- रु. में अधिक हैं

श्राँग जिसकी मं० श्रो०पी० नं० 324, फाइनल प्लाट न० 2,
एस० नं० 479, हि० नं० 4, टी०पी० एस० नं० 1, पचपाखडी,
ठाने हैं, तथा जो पूना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में श्राँग जो पूर्ण स्प से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के
कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज,
श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
दनांक 1 नवस्वर, 1986

को पूर्वांक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त नपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पितफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिभत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हथा से किया गया है——

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए, और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिक व्यक्तियों, अथित् प्रू मैं० सवानी अदर्स,
 6/7, स्वास्तिक चेम्बर्स, पी० डिमेल्लो रोड,
 बम्बई-1
 (अन्तरक)

मै० उत्पल कन्स्ट्रक्शन कं०
 24, ग्राकेंडीया, 195 नशीमन प्वाइंट्,
 बम्बई-27 (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता **ह**ं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सरग्रन्थ में काई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख गं 45 विन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ए स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वितरण. — इसमे प्रयोज शब्दों और पदों वा, जो ७. अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० सं० 37ईई/6614/86-87 जो 1 नवम्बर, 1986 को सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> ग्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, पूना

दिनांक 6-4-1987 मोहर : प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 13 श्रप्रैल, 1987

निदेश सं० 37ईई/8115/86-87—-श्रत:, मुझे,

अंजनी कुमार:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000 ∕- रु. से अधिक है

और जिसकी संव सव नंव 515, घर नंव 1, नया सव नंव 78, घर नं ।, मायदर, थाने है, तथा जो थाने में स्थित है (और इससे उपाबद्व ऋन्सूची में और जो पूर्णरूप से अणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, आयकर स्रविनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अजीन दिनांक 20-12-1986

ो पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान ातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास उरमे का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का ंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए. और/या
- (स) ए`सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीद्वाराप्रकटनहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री दिलीप कमार, चिमनलाल मानीर, स०न० 515, घर नं० 21, मायंदर, थाने ।

(श्रन्तग्क)

थ्री महेश लीलापर दोलकिया, सं० नं० 515, घर नं० 1, भायंदर गांव, थाने ।

(श्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ए से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

अनुसूची

(जैमा कि रजिस्टीकृत ऋ० मं० 37ईई/8115/86-87 जो 20-12-86 को सहायक भ्रायकर आगुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, पूर्ण, के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक आयक श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 13-4-1987

प्रकार बाह्र की एन एस ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

aled Semin

द्धावीसय, सद्वायक जामकार जागुक्त (निर्देशका

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 13 ग्रप्रैल, 1987

निदेश सं० 37ईई/760/86-87—यत, मुझे, ग्रंजनी कुमार बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे प्रसर्वे दस्त पर्यात् (उक्त विभिनियम) वहा गया ही,, की बारा 269-ख के अभी स्था शांधकारा । ति विभाग काने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, पिराका उलित जाजार मृज्य 1,00,000/- रु. स अधिक है

श्रौर जिसकी सं गट न 59/1 (पार्ट), 59/21, 59/17, 59/28, 59/29, 59/22, 59/24, जितलसार, मतपाडा, थाने है, तथा जो थाने में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर शि ५७ मा में नियत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में महायक आपकर श्रायुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, आपकर श्रायुक्त स्विनियम, 1961 की आरो 269 क.स के अधीन दिनाक 29-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुभ्ने यह विद्यास करने का जिल्ला के करने का जिल्ला के किए जिल्ला हो ए हैं उत्यमान प्रतिफल के रम्बह प्रतिकात के रम्बह प्रतिकात से बिधक हैं और मन्तरक (बन्तरका) बार बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच धोड़े बन्तरक के लिए तम समाम गया प्रतिकात, दिन्तिविद्य ल स्थार्थ हैं जिल्ला कन्तरक के क्षाम गया प्रतिकात, दिन्तिविद्य ल स्थार्थ हैं जिल्ला कन्तरक के क्षाम गया प्रतिकात, दिन्तिविद्य ल स्थार्थ हैं जिल्ला कन्तरक के क्षाम गया प्रतिकात कर का स्थार्थ के स्थार्थ के जिल्ला कन्तरक का स्थार्थ कर स्थार्थ के स्थार्य के स्थार्थ क

- (क) बंधरण वं हुई किली बाप की नायस, क्यस स्थिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक बी स्थित्य में कनी करते या उससे क्यने में ज़्विभा के जिए: स्थि/मा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों की बिना भारतीय आक्रमण अधिनयभा, 1922 (192 का) प्रति प्रति का प्र

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- 1. श्रीमती कौनुदी प० कोठारी, डाय^{ने}क्टर मै० ड. हाह्याभाई एण्ड कं० प्रा० लि० 9, एलोरा शोषिस सेन्टर दफ्तरो मार्ग, मलाट (इ.), बम्बर्ट- 97
- 2 श्री प्रताप राम नदताल कोठारी, 9, एलोरा शोपिंग संन्टर, दफ्तरी मार्ग, मलाड (इ) बम्बई-97 ।

(भ्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

की बह स्थना बारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्ट संपरित के वर्षन के संबंध के कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस मूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अगीव बाद य समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी यित्त द्यारा;
- (म) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उना स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्पितन व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि बित में किए लगा कार्य ?

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

arardi.

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि सं० 7601/86-87 जो 29-11-1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक गायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पुना

दिनाक 13-4-1987 मोहर :

एकप् थार्च . ट्री . **एन् . एन**्। जनननन नानक

श्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शौ भारा 260 में (1) के सभीन सुचना

बाइन स्टब्स

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

श्रौर जिसकी सं० नं० 86/1, 77/1 से 5, 88/1. 2. 5, 7, 8, 9, 10, 15, 11 श्रौर 89/2, 3, 4, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13; 14, एस० नं० 86/2, 3, 4, 5, 6, 8 सिरा व्हीलंज, दहिसर है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन जिल, सब रिजस्ट्रीर, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26 निवस्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वायमान शितफार के लिए जन्तरित की नर्क हैं जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया वय प्रतिफल, निम्निविधित तद्वे के से उच्त जन्तरण निम्निविधित तद्वे के स्था यथा हैं —

- (क) अन्तरण सं हुई कियी आय की वायत, उक्त अधिनियत्र, संबंधीन अर पोने अं अल्परफ सं दायित्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में स्विधा से मिए; बीर/का
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, शहनहाँ भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धन-कर अधिनियम, १५57 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरियी धुवारा प्रकट नहीं किया या धा आ किया बाजा काहिए था, खियाने में साजनार्थ है लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--10—126GI/87

- श्री बृजमोहन खभा श्रौर इतर,
 मैं० राजमस पहरचन्द, जाँली, भवत नं० 2,
 7 स्यु मरिन लाईन्स, बम्बई-20
 (ग्रन्तरक)
- मैं एस के डाइंग और प्रिटिंग वर्क्स,
 रिसक निवास, 75, एफ लेड,
 मरीन ड्राइब, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पृजांक्त उच्यक्ति के वर्षन् के दिव् कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बालेय --

- (क) इस स्थान के राजण्य में प्रकाशन की सारीस से 45 विन् भी प्रथित में स्टब्स्टियों पर स्थान की पानील से 30 विन की सर्वीय, की भी किसी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त अर्थ स्थानें में ले किसी व्यक्तिस व्यवस्था.
- (व) इस ब्रंडण के राज्यम में प्रकारक की तारीश है 45 डिम में फ्रेंडर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितवश्व क्रिकी मन्य कर्मिक श्वास स्थाहरताबाही में शक जिनक में निस्त जा स्वीचे ।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, सो उस्ते विश्वीनवम, से सभ्याम 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं सथं होंगा, वो उस सभ्याम में विका भूमा हैं।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के सं० 37ईई/7472/86-87 जो 26 नवम्बर, 1986 को महायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनीकुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (ि⊤रीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 6-4-1987 मोहर:

अ**क्य जाह**े. टी.; थ्य. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना पूना, दिनांक 6 श्रप्रैल 1987

िंदेश सं० 37ईई/334/86-87—श्रत: मुझे, श्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं एस नं 114/1, शिगवे बहुल, देवलाली कैम्प, ता श्रीर डिस्ट्रिक्ट नासिक है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायकर ग्रायकर प्रायकर ग्रायकर ग्रायकर

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिं यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री बसंत के० भांटिया, वृन्दावन, पहला माला, 44, वालासि र को-ग्राप० हा० सो० एम० वी० रोड, कादिवली, बम्बई-67 (श्रन्तरक)
- श्री लालचन्द टी० गजरिया,
 भाटिया श्रादर्ग को-श्राप० हा० सो० लि०,
 सी-6, कांदीवली गापिंग सेन्टर,
 दतवी रोड, कान्दीवली।

(भ्रन्तरिप्ती)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में ळिए जा सकरें।

स्वष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगसची

जैसा कि रिजस्द्रीकृत कि सं० 37ईई/335/86-87 जो 10 नवम्बर, 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक: 6-4-1987

प्ररूप बाहु . टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 6 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० 37ईई/8058/86-87---श्रतः मुझे श्री श्रंजनी, कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० प्लाट न० सी-36, ठान, पंचपाखडी, ता० ठाने हैं, तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन दिनाक 16 विसम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान श्रातिफास को लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूल, उसके स्थमान प्रतिफाल से एसे स्थमान प्रतिफल का ब्रूह प्रतिकार स अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के श्रीय एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया श्रीतफास निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण श्रिक्ति में शास्त्रीविक रूप ने कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने भें सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की भिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा से सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ब्रिटानिया इन्डस्ट्रीज, लि० मेकर टावर, 'ई' 19 वाँ माला, कफ परेड, बम्बई-5

(ग्रन्तरक)

 रिव फोझन फुड्स प्रा० लि०, नीलम मेन्यन, लैमिग्टन रोड, बम्बई-4 ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।}

मनुसूची

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/8058/86-87 जो 16 दिसम्बर, 1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनीकुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

धिनांक: 6-4-1987

परूप बार्ड. टॉ., एन. एस., -----

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

MAN WAS THE

कार्याजव, तहायक वायकर बाय्क्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 श्रप्रैल 1987

निदेश सं० 37ईई/7473/86-87--- ग्रतः मुझे, श्री श्रंजनी कुमार,

कायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त निभिन्यम' फहा पना है), की भाषा 269- का निभीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में निधक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 227, गांव पंचपाखडी, जि० ठाने हैं तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रीधीन दिनांक 25 दिसम्बर, 1986

भा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिर्म या वाह किया गया है क्रिक्ट

- (क) जन्तरण से हुइं किसी नाय की नानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अद्
- (क) एसी किसी नाम या भन वा नत्य बास्तियों को, जिल्ही भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नमा वा किया वामा चाहिए था, कियाने में श्रीभा के देवए;

भतः थम, सन्त अधिनियम की भारा 269-त की जन्तरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— महाबीर द्रस्ट, एन्ड श्रवर्म, यूनाइटेड, इंडिया, बिल्डिंग, दूसरा माला, सरपी० एम० रोड, बम्बई-1

(श्रन्तरक)

 मै० श्रीपाल, कन्सट्रवशन कं०, यूनाइटेड इंडिया, बिल्डिंग, सरपी० एस० रोड, बम्बई-1

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता कः।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्तेप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्थानतारों पड़ सूचना की तामील में 30 दिन की कविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थान्तयों में से किसी क्यक्ति बुवाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाकृत में निर्माण सकोंगे।

स्वव्हीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, वो उक्त श्रीभीनयम, के शभ्याय 20-क में परिभाष्ट्र है, वहीं जर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गुंधा है।

अनुसूची

जसा कि रजिस्ट्रीकृत क० मं० 37ईई/7473/86-87 जो 25 दिसम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार ग्नेसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 9-4-1987

मांहर :

मक्य बाह् . टी . एश . एस . --------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (†) भें नभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (र्निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 श्रप्रैल 1987

निदेश मं० 37 ईई |298|86-87----- प्रतः मुझे, अंजनी कुमार,

नाथकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० स० नं० 68, सातवली, तह० बसई, थाने हैं तथा जो थाने में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण स्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिवारी के वार्यालय सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के जिए अन्तर्ित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वात्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण सं हुई किसी भाग की वावत, नक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के व्ययित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/था '
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा जी सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित स्यिक्तयों, अधीत :--- श्रीमती प्रेमा बाई बासन कामत, स० नं. 60, सातवली, तह० बमई, थाने ।

(ग्रन्तरक)

मैं० तुंगारेश्वर बिल्डर्स,
 332/34, मुंशी नाथ स्ट्रीट,
 बम्बई-1 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 किन की अवधि या तस्त्राख्या व्यक्तियों पर नृचना की तासीस से 30 विन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पत्तियों में ने किसी त्यिक्त व्यक्तिए.
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पयों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस स्पन्नाय के विवाह गया हैं।

वन्स्ची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० सं० 263/86, जो ग्रक्तूबर, 1986 की दुश्यम निबन्धक, बसई, के दफ्तर में लिखा गया है।)

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 13-4-1987

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंअ, पूना

पूना, दिनांक 3 ग्रप्नैल 1987

निदेश सं० 37ईई/3960/86-87—श्रतः मुझे, भंजनी कुमार,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000// रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं सं नं 132 ए, |2ए |2 |1, सी िटी िएस नं 2687, गां भावुं ही, डित वेली, तह पूने है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), श्रजंन रेज, श्रायकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन दिनांक 1 नवम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्यव्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्रीमती लारा गो० मुत्ता,
 102, बालकृष्ण 44, तिलक रोड,
 णान्ताऋज, (प०), मुम्बई।

(भ्रन्तरक)

 गणामा होटेल्स प्रा० लि० गणाभा, भुवन, बालजी लडना रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-10

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धीं और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि सं 37ईई/3960/86-87 जो 1 नवम्बर, 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रर्जन** रेंज, पूना

दिनांक: 13-4-1987

बक्त बाहुं, हो, एवं, एवं, -----

बावकर विधिमयम, 1961 (1961 का 43) जी बारा 269-व (1) के बंधीन ब्यान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर बायुक्त (निरक्षिण) -

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 6 श्रप्रेंल 1987

निर्द्रोग सं० 37ईई/4568/86-87--- ग्रतः मुझे, श्री श्रंजनी

बायकर भौधीनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-श में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उणित बाबार मृत्य 5,00,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 346, न्यू 251/52, (जूना), सिंध, को ब्राप-हा० मो ब्रींघ, पूने है, तथा जो पूना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, /सब रजिस्ट्रार, में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 29 नवम्बर, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के अध्यमान विकास को सिए सम्तरित की नद्दी है और मुक्ते यह विद्यास श्रदने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार शूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का रम्बह प्रशिवात से मिथक ही और मंतरक (मंतरकों) जोर नंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविवित उवदारेय सी उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नगरन से ह्या किसी नाव की सावत, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा अं थिए; बीर/वा
- (क) ए`सी किसी बाग या किसी भन या बन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या चक्त विभिनियम, वा भन-कर मिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया जाना थाहिए था, छिपाने से ल विकास के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उत्कत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. डा० नारायण प० सहिता, श्रौर डा० कालिदास सी० सहिता फ्लैंट नं० ३ ग्रीर 7, सुखसागर बिल्डिंग, 621, खार पाली रोड, बम्बई। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रंजना भू० गुप्ता, श्रौर श्रीमती शांता देवी एस० गुप्ता, 521, सिंध, को-ग्राप० हाउसिंग सो० लि०, भ्रोंध, पूने -7

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुवना बारी करके पूर्वोक्ड सम्पत्ति के वर्षम के बिए कार्यवाद्यियां सुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीय वं 45 दिन की बविध या तत्त्वंत्रंभी व्यक्तियाँ पर त्यना की तामीस वे 30 दिन की न्दर्भ, वो भी ब्बरिय बाव में समाप्त होती हो, के शीवर प्रवेकित व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति पुनाय;
- (य) इस क्षमा ने प्रात्नम् में प्रमान्य की वारीन से 45 विज् के भीवर उक्त स्थावर सम्परित में हिंब-बबुध कियी अन्य न्यन्ति हुवारा, वभोहस्ताकरी के शक किश्वित में किए या वकीये।

लक्कोकरण :---इसमें प्रमुक्त सन्तां और यदी का , को उन्ह करिश भिवम के बभ्याव 20-क में परिज्ञायत है, बहुरी कर्ष होगा, यो उस कथ्याव में दिया गर्धा ga i

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/4568/86-87 जो 29 नवम्बर, 1986 को सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> प्रजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पूना

दिनांकः 6-4-1987

प्रकप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**य के अधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 6 श्चप्रैल, 1987

निदेश सं० 37ईई/4517/86-87—ग्रनः मुझे, श्री अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 4-5 श्रांर 5-ए, नाथलोर रोड, पूने, सी० टी० एस० न० 4+4/1, है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजिन्ट्रीकर्तर्भ श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रिष्ठण) अर्जन रेज, श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन दिनाक 28 नवस्वर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल की पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती [बंतरितिबां] से बीच एसे अंकरण के किए तथ पावा नवा प्रतिक कस निम्मकिश्वित उद्देश्य से उक्त कन्तरण सिवित के बास्तिक कम से कश्चित नहीं किया गया है कन्न

- हुंचाँ धन्तहरू हो हुन्द्र किसी भाष की वायुष स्थय अधिनियम के नभीन कर दोने के बन्तरक के शिविश वी कमी करने वा स्वयंत्र वचने वी सुविभा के किस् और/या
- (क) क्षी किसी नाव वा किसी भग वा बन्य कारिस्तर को, विन्दें भारतीय बावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा कि का बामा चाहिए वा, कियान वे क्षीवार के लिए;

अतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '—— श्री एन० के० पदमजी,
 नायलोर रोड,
 ग्राफ मगलदाम रोड, पूने।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० पूने लेण्ड प्रा० लि० 7, मोलेदिना रोड, क्लोबर सेंटर, पूने-1 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां सुरू करका हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (ॐ) इत सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश थे 45 दिन की नगींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभान की तामीस से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा,
- (स) इत सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा मधोहस्ताकारी के पास निकास में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकि रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त काँचनिवस, के अध्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होना थो उस अध्याय तें दिवा नवा हैं।

भनुष्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत फ० सं० 37ईई/4515/86-87 जो 28 नवम्बर, 1986 को सहायक प्रायकर प्रायक्त, (निरीक्षण) प्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

स्रजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, पूना

दिनांक : 6-4-1987

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.—

अभयकर अभिनियम, 1961(1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 10 भ्रप्रैल, 1987

निर्देश सं० ए०सी०माई०/एक्य-रेंज-4/कल०/87-88/08-

श्रतः मुझे श्राई० के० गायेन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० है, तथा जो श्रीरामपुर, हुगली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में झौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-9-1986

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार पूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल के पृत्ते प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरफ को दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---11---126GI/87 1. प्रापुमना स्टील लि०

(ग्रन्तरक)

2. हिन्दुस्तान डेवलपमेन्ट कं० लि०,

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 8.92 एकड़ बामुनारि, <mark>थाना श्रीरामपुर, जिला</mark> हगली।

दलिल सं० 1986 का 3960।

श्राई० के० गायेम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

चिनांक 10-4-1987

प्रकृप कार्ष, टी. एन्. एवं.-----

श्री शुलकाम श्रह्मक प्रवंशन्य ।

(ग्रन्तरक)]

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुचना

2. म० डायमन्ड प्रोपर्टीस ।

(भ्रन्तरिती)

नारत सरकार

कार्याक्षय, सञ्चायक बायकर बायुक्त (निर्देशिक)

ध्रजीन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता. दिमांक ८ ध्रप्रैस, 1987

निदेश सं० ए० सी०माई०/रेंज-¹¹/कल०/87-88— मृतः मृत्ते भाई० के० गायेन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का शारक हैं कि स्थानर संपरित, जिसका दिवत नामोर मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० 2 है, तथा जो सी० शाई० टी रोड, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से प्रणित है) रजिस्ट्रीकर्ती मधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 26-8-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रव्यमान भित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्र्यमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंथरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिबक रूप में कियत नहीं किया प्रसा है ॥——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावस उक्त जिल्ला नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- थि) ऐसी किसी अाय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क ज्योजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया यया भा या किया बाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा से किए;

कतः अष, उकतं आधिनियम की धारा 269-म के अभूसरण में, मैं,, अवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना कारी करके प्रशेक्त संपरित के वर्षन में सिप कार्यवाहियां कड़ता हुः।

उनत संबक्ति में नर्बन के संबंध में आहे भी बाजीय ध---

- (क) इस स्वाम के राज्यक में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जनित्र या तत्त्रस्वन्त्री व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविभ , वां भी अविभ बाद में संभाष्त होती हो . के भीतर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तियाँ सुवारा;
- (क) इस स्प्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए का सकरि।

स्पर्दशिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कायकर अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ण होगा को उस कथ्याय में विषया गया है।

वन्त्वी

2, सी० श्राई० टी० रोड, कलकत्ता पर 2823 व० फु० 2 मंजिल, मकान परिसर सहित श्रवस्थित है।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **ग्रायु**क्त (निरीक्षण') ग्रर्जन रेंज-II, कलकक्ता

षिनांक 8-4-1987 मोहर : प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर बिजिनियक, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज--।-- कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 30 मार्च 1986

निदेश सं० एहम्बी०/80/धार-॥/कल०/86-87--सेम्र श्रतः मुझें, ग्राई० के० गायेंन,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 राजा है तथा जो सन्तोष रोड कलकत्ता में स्थित है । और इससे उपाबद्व ध्रनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण ध्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, विमांक 26-6-86

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निच्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई फिसी जाय की बाबत, उक्त जिध-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अवस्तियों को , जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , का भन-कर अधिनियम , का भन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जला चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :—

(1) मि॰ सुरचीत गांगुली

(मन्तरक)

(2) मे॰ मल्टीराइज टावर्स प्रा॰ लि॰ । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्सः सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविधत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्यारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयानत शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विभा गाया है।

वन्स्यी

16 राजा सन्तोष रोड, कलकसा पर 2 वि० 8 का जमीन ग्रवस्थित है ।

> भार्श्व० के० गार्येन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-॥, 54, रफांग्रहमद किंदवई रोड, कलकता--16

दिनांक : 30-3-87

दक्ष बाहे र् एक एक ,

भावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-ए (1) के नधीन क्षाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन रेंज-4, कलकसा

कलत्ता, विनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-1V/कल०/19 यतः मुर्झे, श्राई० के० गायेंन,

वावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) विश्वं इसमें इसके पश्चात् 'उनत निर्धानियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-व के अभीन सक्त प्राधिकारी को यह विवक्त कारने का कारण हैं कि स्थावद वस्पत्ति, विश्वका उचित् वानार नृस्त् 1,00,000 रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 16, हैं तथा जो राजा सन्तोप रोड, कलकसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में और पूर्णे रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, कार्यालय, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 26-6-1986 का पूर्वेक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिकल सं, ए'से स्थमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक का निम्मिनियत समुद्देश्य से उच्च बंदरण कि बिक्त में बास्तिवक स्थ से कार्यल में सामानित के बार्या की किया प्रशे हैं :--

- (क) बन्तरण में हुई किसी जाय की वावस, उक्त विभिन्निय की स्थीन कह दोने की अन्तरक क दासित्य में कनी करने या बससे व्यन में सुन्धि। के पिए; बरि/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना वाहिए था, खिपाने से बाविभा के सिए;

अतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, अक्ट अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती रतना गांगुली ।

(भन्तरक)

(2) मे॰ मल्टीराइज टावर्स प्रा॰ लि॰ । (श्रन्सरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पृषेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता पर 2 वि० 4 क० जमीन ग्रवस्थित है ।

> श्राई० के० गायेंन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II 54, रफी**ग्रहमव किववई** रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 30-3-1987

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज- , कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987 निदेश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/86-87 श्रतः मुझें, भ्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ फे अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्षास करने का रण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उष्यित बाजार मुख्य 5,00,000/-रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं० 32ए है तथा घो न्यू रोड कलकत्ता में स्थित है। (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और,पूर्णरूप से वर्णिक्ष है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रंधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 28-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए रीजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दक्षिण ताल्क, बंगलूर में भारा 269ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्म्का/ को पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेकित सम्पत्ति को उपित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एेसे दश्यमान प्रतिफल को पन्क्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उप्वदेय से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए, के लिए, और/बा
- (स्त) एेसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियोँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया थायाकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अय, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) ब्रिटिश एयरवेज प्रा० लि० को०

(ग्रन्तरक)

(2) कनक पैकेजिंग प्रोडक्टस प्रा० लि० क० (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारी सं 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जासकोंगे।

स्पद्धकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

32, ए, न्यू रोड कसत्ता पर 1 बि० 5 क० 7 छ० 32 ब ० फू ० जमीन एवं मकान का 1/4 अंश धवस्थित है।

> भाई ० के० गायेंन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंजर-।। 54, रफीभहमद किदबई रोड,

कलकसा--- 16

विनांक : 30-3-87

प्रस्प बाह्र व्ही प्रश्नाप्त ,-----

जावकर जीवनिवन, 1961 (1961 का 43) की बंद्रा भारा 269-न् (1), ने जवीन क्वना

and domin

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षक) $% \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} +$

कलकत्ता, विनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० एक्बीं० 83/ग्रार-II/कल०/86-87--यतः मुक्तें, श्राई० के० गायेंन,

मापकार विधिषियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विख्वात करने का कार्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वाचार मुख्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 32ए है तथा जो न्यू रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) दिनकि 26-6-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपवात बाकार भूष्य से कम के क्यावात प्रतिफल के लिए बन्तरित की बहु है तौर गुफ्ते वह विश्वास करने का कारण है कि धवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपवित बाबार मृश्यः, उसके दश्यभाग प्रतिफल से, एसे दश्यमाग प्रतिफल का नम्मह प्रतिशत से निधक है और जन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितात) से बीच एसे अन्तरण के विष् दश्य शाया गया प्रतिफल, पिम्नीसित उप्रोधिय से उपक कन्तरुष लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्बरण ने हुंद्व किकी बाय नहीं. बावब , काव विविध्य में भ्योब कहा को में क्लाइक की बाहित्य में कवी कड़ने वा बढ़ने के बृद्धिया के सिए; और/या
- (स) एती किसी जाप वा किसी धन वा अन्य आस्तियों की, विन्हें भारतीय जान-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत अधिनियम, वा चन-कार अधिनियम, वा चन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोचनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नृहीं किया गया था वा शिक्षा नामा भाविष्य था, कियाने में स्विधा में सिए;

मतः वस, उच्छ वरिभीनयम की धारा 269-न के वस्तरण में, में, उच्छ अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) ब्रिटिन एयरबेज पक्लिक लि॰ क॰

(भ्रन्तरक)

(2) कनक इन्बैस्टमेंट्स लि०

(श्रन्तरिती)

को यह स्थना पारी करफो प्रविक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां सुरू करता हुं।

उन्तर संगीला को वर्षन को संबंध में कोई भी बार्बंप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की समिष या उत्संबंधी व्यक्तियों ... पूचना की सामीत से 30 दिन की अनिष, जो भी समीप नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों ये से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किशी बन्ध व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षणी के पा सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वकाषिरणः -- इसमें प्रयूक्त सम्बाँ और पदाँ का, जो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

32ए, न्यू रोड कलकत्तापर 1 वि० 5 के० 7 छ० 32 व०फू० जमीम एवं मकान का 1/4 अंग्राध्रवस्थित है।

> ग्राई० के० गायेंन संज्ञम फ़ाधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकसां--16

बिनांक: 30-3-87

प्रकथ नाई .ही.एन.एस. -----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की मधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निवेश सं० एक्बी० 84/झार—II/कल०/86—87—यतः मुझें, ग्राई० के० गार्येन,

जायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपय से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 32ए है तथा जो न्यू रोड कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 26-6-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निणिकत उच्चेष्य से उच्च अन्तरण जिल्हित बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जवः, उत्तत अभिनियम क्यं भारा 269-ग के जन्सरण कें, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिल स्यक्तिकों, अभीत :---

- (1) ब्रिटिश एग्ररदेव पश्चिक लिं० क० (ग्रन्तरक)
- (2) वर्शनलाल एक्सपोर्ट लि॰ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसजब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अगुलुची

32ए न्यू रोड कलकत्तामपर 1 वि० 5 क० 7 छ० 32 व० फू० जमीन एवं मकान का 1/4 ग्रंश ग्रवस्थित है।

> श्राई० के० गार्येन सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज—II, 654, रफीश्रहमद किदवई रोड, क्लकत्ता—16

विमांक : 30-3-87

बोहर:

प्रकप भाइ. दी. एन . एस . ------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बायुक्त बस्कार

कार्याज्ञय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $\mathbf{x} \hat{\mathbf{y}} \hat{\mathbf{y}} + \hat{\mathbf{t}} \hat{\mathbf{y}} - \mathbf{H} \mathbf{I}, \quad \mathbf{x} \hat{\mathbf{y}} \hat{\mathbf{y}} \hat{\mathbf{y}} = \mathbf{H} \mathbf{I}$

कल्ला, दिगांक 30 मार्च 1987

निवेश सं० एक्की० 85/ग्रार-II/कल०/86-87----यतः मुर्झे, ग्राई० के० गार्येन,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें समके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 2'69-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को धह विश्वास करने का बारल हैं कि स्थावर सन्धित्त, चित्रका उचित्र वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जी/6/9 है तथा जो श्रिलपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है। श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीम, दिनांक 2-6~86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रुक्त, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्कह प्रतिकात से विभक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण में जिसित बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- कि वन्तक्षण से हुई जिल्ली भाष की बावत क्ष्मक अधिरियम से बचीव कह दोने से सम्प्रदक्त हैं अधिरय में कभी कहते वा उत्तर्व वचने में सुविधा के जिए; बीड़/था
- (का) एसी किसी नाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खें लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-

(1) स्टैण्डर चार्टर वैंक

(ग्रन्सरक)

(2) दि॰ ग्रासाम को॰ (इण्डिया लि॰) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादिया करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से 45 दिन की जनकि या तत्मस्वन्धी स्पिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीस र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जी/6/1 मलीपुर रोड; कलकत्ता पर 2500 व०फु० क्षेत्र श्रवस्थित है ।

> ग्राई० के० गायेंन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकसा--16

विनांक: 30-3-87

अक्न आहे. टी. एन. शस.------

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज को अभीन सूचना

सारत तरकार

कार्बाजन, सहायक आयकप आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० एक्वी०/86/ग्रा-1] कल०/ 86-87--- यतः मुक्के, भाई० के० गायेंन,

जाबकार अभितित्रम, 1961 (1961 आह #3) (जिले हिसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 आ के जानीन सक्षम प्राधिकारी को, अह जिल्हास करने का कारण है कि स्थायर सभ्यत्ति, जिल्हाका छिन्त बाजार मृस्य 5,00,000/r रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 10, है तथा जो बर्झमान रोड, कलकत्ता में स्थित है भीर इससे उपायद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजित है रौजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, विनाक 2-6-86,

का पूर्वोक्त सम्मित के जिलत बाकर भूका हो कम के क्यमान विकास के सिए अन्तरित की गई ही और अमूने यह विकास करने का कारण है कि संभवपूर्वोक्त सम्मित का जग्मत बाजार मुख्य, उसके क्यमान प्रतिफल के ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय प्रक्र ग्रां अन्तरिका जिल्ला के किए तय प्रक्र ग्रां अन्तरिका जिल्ला के किए तथ प्रक्र ग्रां अन्तरिका जिल्ला के किए तथ प्रक्र ग्रां आदिका जिल्ला के किए तथ प्रक्र मान्तरिका के किए तथ कि कि को बास्तिक के से के विकास की किया है :---

- (क) जन्तरण से हुर्फ किसी आव की बावरा, उक्त अधिनियत की जभीन कर होने को अन्तरक के बाबिरण यों कसी करने या उससे वचने तो सुविधा के लिए; और/वा
- (क) येसी किसी आव वा किसी भन वा अन्त ः आस्तिवीं की, विन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा किया जाना काहिए था, क्रिपान में स्विधा के लिए; '

अतः जन्म, उस्त विधिनियम की भारा 269-ग की अगूलरण में, मैं, उपल विधिनियम की भारा 259-ण की उपभारा (1) को अभीम, निक्निलिखित व्यक्तियों, जर्भात् :—— 12 —126GI/87 (1) एलेनकारी प्रनेपर्टीज लि॰।

(बन्सरक)

(2) श्री नारायन प्रसाद कजरिया एवं अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सप्पृत्ति को अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

व्यव कमिति के वर्षन के वर्षभ में कोई मी वासीप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपन औं प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पूर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त में ते किसी व्यक्ति बनारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्वस्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्तिय में किए का सकारी।

रुक्क देशः च्या प्रयुक्त सन्दों और पदों का, हो खड़कर अधिनियमं, के अध्याय 20 के में परिभावित हुँ, वही अर्थहोगा घो उत्त जभ्याय में दिया गवा हुँ।

अनुसूची

,10, **पर्धमा**न रोड कलक्सा पर 1537 वर्ष्य क्षेत्र ग्रवस्थित है ।

> भाई० के० गार्येन (सहायक आयक्षर भागुक्त निरीक्षक) भज़ेंन रेंज-II, 54, रफीब्रहमद किदवई रोड, कलकता-16

विनांक : 30-3-87

मोधर :

प्ररूप नाइ .टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज-^{II}, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्चे 1987

निदेश सं० एक्वी० 87/श्रार-/कल०II/86-87--यसः मुझें, श्राई० के० गार्येन,

बायकर प्रीधिणियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की भारा 269-ख है अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच हैं कि स्थावर संवत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/~ रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 98 एन है तथा जो निलनी रंजन एकन्यू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय भार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनाक 30-6-86,

को प्रांचित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्थयभान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विद्यास करने का कारण है कि बधाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकी इद्यमान प्रविक्षण से एसे इद्यमान प्रतिकाल का देख्न प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्मालिखित उद्वदेष्य से उन्तं अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उकत अधिनियम के बड़ीय कर दोनें के अस्तरक के दायित्व में कजी करवे वा उसते बचने में सुविधां के लिए; जौर/सा
- (व) एली किती बाब वा किती धन वा जन्य बाल्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त बीधियम, वा बनकार अधिनियम, वा बनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अबल्जिनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के खिए।

जतः व्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ. बर्धात् :— (1) डा॰ बारीदबरन चटर्जी

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स साक अपार्टमेंट प्रा० लि०

(भ्रन्तरिती)

(3) डा॰ रामलाल बी॰ एल॰ हीला । (बह व्यक्त जिसके झिंधभीग में सम्पत्ति है)

को यह त्यमा जारी कारके पृत्तीयत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उपत सम्परित के बर्जन के संबंध में कोई भी माध्येप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का जी उक्त अधि-नियमें के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

68 एन० ए० ब्लाक-ई नलीनी रंजन एवेन्यू कलकत्ता पर 7.44 का जमीन सहित दो मंजिला मकान भ्रवस्थित है ।

> ग्राई० के० गायेंन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-II, 54, रफी ग्राह्मस किरवर्ष रोड, कलकत्ता---16

विनोक : 30-3-87

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस.-----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकता, दिनांक 30 मार्च 1987

निर्देश सं० ए० सी०-88/शार०-11/कल०/36-87 श्रतः, मुझे श्राई० के० गायन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 23 ए है तथा जो डी० एच० रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे पाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से विणित है) रिजम्द्रीकर्त्ता अधिकारी कार्यलय के सक्षम प्राधिकारी कार्यलय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूम्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्तृष्ट प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती पुष्पा बोस

(ग्रन्तरक)

2. मे० ए० मि० इस० इन्टरप्राईज

(मन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथांक्त संपत्ति को अर्जने के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वितियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्किरणः ---इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

23 ए० डी० एच रोड़, कलकत्ता पर 3 का छ 10 ब० प० जमीन भवस्थित है।

> ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1¹ 54, रफी श्रमहृद किंदवाई रोड, कलक्ता-16

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारीख: 30 मई 1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर श्रीधीनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भूगीन बुगना

पार्थं सहस्रोह

कार्यालयः, सहायक मामकर मायुक्त (निरीक्षण)

द्मर्जन रेंज-II कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निर्देश सं० ए०सी ०-89/ब्रार०-II/कल/86-87 यतः मुझे भाई० के० गायेन,

नायकेर अधिनियमं, 1961 (1961 को 43) (जिसे इतमें इसमें पर्श्वात् 'उर्कत निधनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269 क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से बिधिक हैं

भौर जिसकी सं० 2 है तथा जो राजा सँन्तों रोड़ कलकत्ता में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनूसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता मधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण घिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीखं 26-6-1986

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम से हुन्दी किसी बांध की बाबस. संस्थ विधियन से क्षीय कर वार्ष में संसरक के ट्रीक्स में क्सी करने वा करते नवार्ष में स्विधा में किस. शेर/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों अही, विश्व आरतीय वायक र अधिनियन. 1922 (प्रकृष्ट का 11) ना उपत अधिनियन. वा का की की प्रविचन का 1957 (1957 का 27) के प्रकृष्ट विधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रकृष्ट नहीं किया गया भी या किया जाना चीहिए था, डिजाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, जैं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-में की उपभारा (1) के बभीन, जिम्मीसीसित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. बिहार एजेस्ट्रेस लि०

(ग्रन्तरक)

(2) युनियन नामाईई इंडिया लि॰

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंटके पूर्वोक्तः सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त संपरित के बेबेन के सम्बन्ध में कोई भी बाबार :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तटलें की व्यक्तियों वर प्रवास की दायी के विश्व में वर्ष की दायी के वर्ष की वर्य की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्ष की वर्य की व
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी कैं पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणें:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मगुलुची

8 रोज़ा सन्तीय रोड़ कलकत्ता, पर 22^{6} व० फु० क्षेत्र ग्रवस्थित हैं।

> भाई० कें० ृगाग्नेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II 54, रफी श्रहमद किदबाई रोड़, कलकत्त-16

तारीख: 30 मार्च 1987

वेंक्य बार्च न बीज हैंके श्रेषक mass

नावकर विविविवयः,, 1981 (1981 का 33) वहीं

भारा 269-व (1) के बधीन त्वका

(1) रेनोकस कमसियल्स लि०

(ग्रन्सरक)

(2) श्री श्रीशंकर जिव (दियती)

(अन्तरिती)

भारत वरकार

कार्यान्य, बहायक नायकर नाय्यत (विद्वासिक)

म्रजैन रेज-II कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 30 मार्चे 1987

निर्देश सं० ए० सी० 90/मारं०-II कल ०/86-87---यंत. मुझे, श्राई० के० गायेन,

...जर मौंपनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें ने परचात् 'राज्य अधिनियम' ऋडा गया ह"), अनी अपर्यु 69-च के नभीन तक्षत्र प्राधिकारी की, यह विक्यास करनी ा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्क ,00,000 ∕- रुः. से अधिक है

और सिजकी सं० 2 है तथा जो राजा सन्तोस रोंड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर, पूर्णरूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-कारी मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के **म**धीन तारीख 2-6-91986

ो पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित् बाजार मूल्य से कम् 🕷 । इत्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कपुने का कारण है कि जनापूर्वोक्त सम्पत्ति की संचित जानाए [स्य , उत्तको व्यवमान प्रविक्रम से , एते क्रयमान प्रतिक्रम सा पंद्रह प्रतिसत से विभक्त है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब गया गया प्रति-क्स निम्मीसिया अपुरोस्य से उस्त मेंतरम सिविया में नास्त्रीयक .म से कथित नहीं विकादनाहै ह—

- (क) बन्दरम् में हुई किसी भाव की दावत, सकत **अभिनियम को अभीन कर दोने को कलाएक क**े दायित्व में कामी करने वा उससे बचने में त्विधाः के निए; वरि/वा
- (क) एंदी किंदी गाँव या किंदी पन या जन्य केंद्रितया। का, विन्हें भारतीय नाय-कर विधिसियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धनकर **वरी**पनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थकरुतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था कर किया पाना पाहिए था कियाने में सुविधः न विषय

बद्धाः वयः, उत्ततः वीधीयययं की गार्गः 269-म के वयुष्ट्रक , में, उच्य विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा 😘 अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , वर्धत् :---

को बहु स्थना बारी करने पूर्वोक्त सन्मत्ति के वर्षन के निक कार्यवाहियां करता 🗲 ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बङ्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ति वित में किए वा बकेंगे।

स्वश्रद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्यों का, को उनक अभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषिक **है, बड़ी वर्ष होंगा 'को उस अभ्याय में** किया नवा है ।

अनुसूची

8, राजा सन्तोस रोड, कलकत्ता पर 1981 व०पु० क्षेत्र/मकान प्रवस्थित है

> श्राई० के० गायेम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेज-II 54, रफी झहमद किवनाई रोड, कलकसा-16

तारीखं रै 30 मार्च 1987 मोहर:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 30 मार्चे, 1987

निर्देश सं० 91/ग्रार ०-कोल० 86-87—ग्रत: मुझे, ग्रा० के० गायेन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 90 है तथा जो बर्खवान रोग्न, कलकत्ता में स्थित है। (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 2-6-1986

को पृथांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रितिफल से एसे रूपमान प्रितिफल का पंद्रह प्रितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पीया प्रितिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री एलेनवारी प्रायशंज लि॰

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्यामादेवी कजरिया एंव भ्रन्य । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिदबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, 'वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

90 वर्द्धवान रोड कंत्रकता पर 3990 वर्ष्युः मकान, कमरा श्रवस्थित है।

> ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकता-16

तारीख 30-3-1987 मोर्ह्रर :

प्रथम् बार्षः टी., एन., एक्. ------

नायकर मधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीन सूचना

CIET BETE

कार्यात्म, सङ्घायक बायकर बायुक्त (निक्रीक्रण)

ग्रजैन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 10 ग्रप्रैल 1987

निर्देश सं० 2457/एसीक्यूकोल/87-88--यतः, मुझे, भ्राई के० गायेन,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) े (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- इत. से निक है

श्रीर जिसकी सं० 17 है तथा जो वालीगंज पार्क रोड, कल स्थित है में और, इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में जौ पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कल: में रिस्जिट्रीकरण बिधिमियम, 1908 (1908 का 16) के साधीन तारीख 30-9-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार कृष्य से का के सम्बन्धन प्रितिक्त के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सम्पर्ने का कारण है कि नभापुर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का एंसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिकात से अभिक हो और अंतरण के लिए तम पंत्र प्रतिकात (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पंत्र प्रा प्रतिकात, निम्नितिक्त क्ष्य से उच्च कृत्यरण कि विश्व की बास्तिक रूप से कि विश्व की बास्तिक की बास्तिक रूप से कि विश्व की बास्तिक की बास्तिक रूप से कि विश्व की विश्व की बास्तिक रूप से कि विश्व की विश्व क

- (क) बंतरण से हुई किसी शाव की वावत उक्त वीय-निवस के बधीन कर सेने के जन्तरक के द्यायित्व में कामी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए वीर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों क्ये, विक्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकल्पार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा की निए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त किधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) एघुरेंट इनबेष्टमेन्ट को० लि०,
- (अन्तरक)
 (2) ए० जे० एन्टारप्राइजेज लि०,
 (अन्तरिती)

को सुब्ध प्रवास प्रसद्धी समझी पृथ्यीयक सम्पृतित को अर्थन को सिक्ष कार्यवादियां सुक अञ्चल हुई।

अवड सन्मरित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि ना सरकम्बन्धी व्यक्तियों प्र प्या की दानीय से 30 दिन की नवधि, के और वदिन नाव में समान्य होती हो, के और प्रविद्य व्यक्तियों में से किसी अर्थित दुवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के मीकर उक्त स्वावर सम्बद्धि के हिस्बबुध किसी बन्द व्यक्ति क्याच्य वशोहकाक्ष्मी के शब विवित में किस वा दुर्शोंगे।

अनुसूची

फ्लाट नं०---3 एन जेस 3075 व०फु० डीड नं० [-12299 ता० 30-9-1986

> श्नाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 54 रफीश्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता—16

तारी**यः** 10-4-1987

अक्ष बार्च अ दी । पून . पूर .,------

अप्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन क्वम

नारत तरकार

कार्यासय, सञ्चयक शायकर वाव्यत (विरीक्षण)

प्रजैन रेंज-III,कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2458/एक्यू०ग्रार-III कल 87-88—यत: मुझे, भाई० के० गायेन,

बायकर निधिनयम 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का स्टर्स है कि स्थावर कमित, विस्ता क्रिका बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 17 है तथा जो वालीगंज रोड, कलकत्ता, में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध भनूसूची में भीर पूर्णेरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ती भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मैं रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 30-9-1986

को प्रॉक्त कलाति के उचित वाचार मृश्य से कन के क्यमल प्रतिफल के लिए जंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वभान्वींबत सम्मत्ति का उचित वाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल का निष्क प्रतिचत से विभक्त है और जंतरक (जंतरकी) और वंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे वन्तरण के निए तय नाया गया प्रति-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिली जान की नाक्त उपके धाँध-जियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; गौर/मा
- (थ) एंसी किसी बाग या किसी धन या बच्च आस्तियों की, चिन्हुं आरतीय वायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनवन, या 'चन-क्रफ ब्रोचनिक्रक' 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया थया आ वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा की लिए;

भारत: श्राम, "इन्स्य विधिनियम भी भारा 269-न में, नन्दर्भ हों, में, इन्स्य क्रिमिन्सम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निज्ञासिया व्यक्तिमील मंग्री के क्रिमा (1) एक्रेट इनबेष्टमेन्ट कम्पनी, लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) नेदारनाथ साहारिया

(भ्रन्तरिती)

कां बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। हुनक सम्बद्धित के अर्थन के सम्बन्ध वे कोई भी जालने र—

- (क) इस स्थान की राज्यक में प्रकारन की तार्रीय 45 दिन जी सप्रथि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्यान की ताबील से 30 दिन की स्थित, वो ... व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति इसारा;
- (क्रा) इस अपूजना को राजधन मों अकामान की तारीब जो 45 विज को भीकर उपन स्थानार संगरित को विकास संयुध् किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, सभोइस्टाकारी ... वाच किस्तित को किए का सकोन।

श्वक्रीकरणः चन्द्रवर्णे प्रयुक्त कर्ना वीर पहाँ का, जो श्रमण स्रीपित्रक को सम्बंद 20-क में प्ररिक्तिकत हूँ, नहीं सर्थ होगा को उस सम्बंद में दिला सदा हुँ।

वनसूची

फ्लाट नं∘ 15, श्रेस 3750 व॰ फु॰ **डीड** नं**॰ I** 1230 ना॰ 30-9-1986

> ग्नाई० के० यायम. सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक श्रयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 र् 54, रफीग्यइमद किंपबाई रोड कलकत्ता-16

ता**रीय** 10-4-1987 मोहर:

इस्य बाइं् टों् एत्य पुराञ्चलकार

बाधकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की नाडा 269-व (१) के बधीन स्वना

भारत प्रहारक । आयोजय, यहायक गावकार गावकार (विद्वीकार)

प्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैलं 1987

निर्देश मं० 2459/एक्यू०ग्रार-III/कल०/86-88--यत: मुझे, ग्राई० के० गायेन,

मानकर निर्धानमम्, 1961 (1961 का 43) (सिन्धे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियंत्र' कहा गया है), कौ भारा 269-स के नभीन सक्तम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति विसका उचित बाबार मुक्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भोर जिसकी सं० 17 है तथा जो वालिगज पाक रोड, कलकता में िश्वत है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकता में, रजिह्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 27-9-86

को पूर्वेक्स संपत्ति के उभित बाबार मृन्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

हैं और मूझे यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे-दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंत-रक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-रण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से सकत बंतरण निचित में वास्त्रीयक क्य ते क्षित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय क्षायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या चक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, जियाने में सुनिधा में सिस्तः

बतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उत्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् :—~ 13—126GI/87 (1) एकुरेट इनबेहटमेट कम्पनी लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) भ्रामा हिम्मतिमहका

(भ्रन्सरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

उक्त राम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्धप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृष्ना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त हाती हो, ये भीतर पूर्वे करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा:
- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनज्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त क्षिधितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुस्ची

फ्लाट नं० 1 एन, ट्रो तल्ला, 3075 वर्गफुट, प्रेमिन्स नं० 17. बालिन्ज पार्क रोड, कलकत्ता ।

> श्चाई० के० गायेन) सक्षम प्राधिकारी महायक श्वायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-III 54, रफीश्रहमद किदवाई रोड, कलकक्ता-16

तारीख 10-4-1987 मोहर:

क्ष्म बार्ष है सी , एमें हुए हैं स्टब्स्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नेथील युक्तदा

सारत तरकार

कार्यासय, तहारक जायकर बाय्यत (विराधानी

म्रर्जन रेंजग्∏ा कलकत्ता, कलकत्ता, दिनाक 10 म्रप्रैंल 1987

निर्देश सं० 2460/ए० सी०/एक्यू० श्रारा[िकोल/86-88— यत: मझे, श्राई० के० गोयन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269- इस अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य

5,00,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० 17 है तथा जो बाली गज पार्क रोड, कलकसा स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ध्रनूसूची में श्रीर पूर्ण कर्प से वर्णित है,) रजिम्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलिकाना में रस्जिट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-9-86

फो प्वोंक्त सम्पत्त के उकित बाबार भूम्य से कम के अवस्थान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूम्य, उसके क्रयमान प्रतिफल के एते क्रयमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से अधिक है और यह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मलिखित उक्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं- किया गया है:---

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाब की बाबते_{ं।} सकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृतिभा वी किए॥ और/वा
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्न अधिनियम, बा अध-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा वी विकास

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) ऐक् रेट इबेस्टमे कम्पनी लिमिटेड

'(ग्रन्तरक)

(2) भाषा गुप्त

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाश्विमां करता हूं।

ब बदा सम्मरित के बर्धन के संबंध के कोई भी आक्षेप क्र---

- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारीज ते 45 विन की जनिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी? से 30 दिन को अविध, थो भी जन्धि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति वृवाहा;
- (ब) इस, त्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वह वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट न० 5 एस, छयनला 3750 वर्गफुट, प्रेमिसेस नं० 17 कालिगज पार्क रोड, कलकत्ता।

> श्राई० के० गार्येन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

नारीख 10-4-1987 मोहर :

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत श्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जावकर आयुक्त (निर्दालक)

श्चर्जन रेंज-^III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 श्चर्यैल, 1987

निर्देश सं० 2461/एसी० क्यू० स्नार०-III/कल/87-88---यतः मुझे, स्नार० के० गायेन,

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-च के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मूस्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 17 है तथा जो वालीगंज पार्क रोड, कलकत्ता में स्थित है। (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री-करण श्रधिमियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिनांक 29-9-1986

की पूर्णेक्त सम्मिति के उपित धाषार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल सं, एसे स्थमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बाल्स बिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वन्तरम् सं हुई किली वाव की बावत, अक अधिनियम कं अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एती किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बागुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना डाहिए था जियाने में स्विधा को जिए;

भतः जय, उसत अधिनियम की भारा 269-म चै अनुसूरण में, में, उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- (1) एकुरेट इनवेस्टमेन्ट कं० लि०

(भ्रन्तरच)

(2) श्रीमती मंजुषा श्रग्रवाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथिक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हः---

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की शारीख वे 45 विव की जनिथ या तत्सन्वन्थी व्यक्तियों पर स्वता की ताजील से 30 विन की वनिथ, थो थी जनिय वाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राचपन में प्रकासन की शारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए था सकों गे।

स्पत्रकोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो जनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना वो उस अध्याय में दिया गया है।

मगतची

फ्लैंट नं० 4 क्षेत्र 3075 व॰ फु॰ डीड नं०-[12077 ता॰ 29-9-1986 ।

> भ्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड कतकता-16

तारीख: 10-4-1987

प्ररूप बार्ड. टी, एन, एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-III,कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2462/ए स्वू०भ्रार-UI/कल 87-88-- यतः मझे भ्राई० के० गायेन,

कायकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं 17 है तथा जो बिलगज पार्क रोड, कलकना में सिथत हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध प्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के ग्रधीन तारीख 30-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कि अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) ऐकुरेट ईनबेस्टमेट वम्पनी लिमिटेड
- (भ्रन्तरक)
- (2) दि कोहिन्र दि कम्पनि लिमिटेड

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्द फ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयूवत शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया ही।

नम्स्ची

फ्लाट नं , 45, पाच तन्ला, 3750 वगफुट, प्रेमिसेस नं , 17 बालिगंज पार्क रोड कलकक्षा ।

> अ।ई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजIII-54 रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 10-4-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैल, 1987

निर्देश सं० 2463/ए० सी क्रिक्यू० द्वार-III/87-88—यतः 'मुझे ग्राई० के० गायेन,

गायकर अधिनियम, 1961 '1961 का 43) (जिसे इसमें सके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 169-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 80 है तथा जो कल जमें स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं) रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कार्लाकन पार्क, कलिकाता में रजिस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 13-9-1986

ने प्रवेशित सम्परित को स्वित बाबार ब्रंब से कम के कारमान कि फान को निए अंतरित की मुद्दें हैं और मुख्ये यह विश्वास हिंचे का कारण है कि मधाप्योंकरा सम्परित का उपित बाबार ल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती बन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को निए तय पाया नया .ा प्रतिफन निम्नित्यित स्वयोंक को ज्या नंतरण विविद्ध में स्वाहिक कर से कायब बहाँ किया स्वाहिक कर से कायब बहाँ किया स्वाहिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् 4—

- (1) ब्राटित प्रपाटिम प्राइवेट निमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) गुडरिक ग्रप लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान में शावपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों - वह स्थान की तामील से 30 दिन की जबीं थे, जो भी जबीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतह प्रविका व्यक्तियों में से किसी क्यांचन स्वारा
- (क) इन स्वना के राजपन में प्रकावन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति के किस जा सकेने।

स्वयाधिहरणः--इसमें प्रयुक्त काम्यों कीर पड़ों का, को उक्त विभिन्निय को कथ्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं वर्ष होगा थे। उस कथ्याय में विका यथा हूँ।

अपृस्ची

प्लाट नं० 5 बी, छयतल्ला प्रेमिसेस का नं० 8 सी, कुईस पार्क, कलिकाना।

> श्चाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-III 54, रफीभ्रहमव किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 10-4-1987

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

काविषय, सहायक आवकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन् रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैल 1987

निर्देई स० 2464/ए१यु० रेज-III/व ल०/87-88— यतः मझे, आई० के० गायेन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सर्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 5,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 137 है तथा ओ श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रार० न० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय श्रार० न० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय श्रीर० न० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-9-86 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उच्य अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के धायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत. अब, उच्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उच्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) रिचन्द्र नाथ बोस

(भ्रन्तरक)

2 वि० एत० ब्रापार्टमेन्टस प्राईवेट लिमिटेड (ब्रन्तिरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की उनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उत्तर अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 10 काठा 12 छटार 4 वर्गफट, प्रेमिसेस न० 137, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता ।

> ग्राई० के० गोयेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 10-4-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-च (1) ने सचीन सुखना

BIST SERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैल 1987

निर्देश सं० 2465/एक्यू०२ें०^{III}/कल/87-88--- भ्रतः मुझे; श्राई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 7/2, है तथा जो चक्रवेरिया रोड नार्थ) कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूणुरूप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख

त्रे पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास उरने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित नाजार ूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का ... प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया .तिफल, निम्नलिखित उद्दोश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आध की बाबता, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वयः उद्ध अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, इक्स अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) है अभीन, निम्नलिखित स्पिक्तयों, अभीत् हि—

(1) हिरालाः। मिटि एवं स्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) राजेन्द्र कुमार हुगार एवं अगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों ता सम्पत्ति कं वजन के सिए कार्यत्राहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्थान के राजवन में प्रकासन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिक्ति में किये का सकोंगे

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त मि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

पलाट नं० 1 ए, 2620 बर्गफुट, प्रेमिसेम नं० 7/1, चक्रबेरिया रोड, (नार्थ), कलिकाना।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्राजेन रेज-III 54, रफीश्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

नारीख•: 10-4-1987

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2466/एक्यू०रे-^{III}/कल०/87-88— थत: मुझ, भ्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3 है जो श्रायम साईड रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अन्सूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 30-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान गितफल का पन्दृह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिशी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृभित नहीं किया गया है:---

- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विपा के लिए;

(1) सारिन भटटाचार्जि

(भ्रन्तरक)

(2) कान्ति देवी सराफ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

दो तस्ला बिस्डिंग, प्रेसिसेस नं० 3, ध्राययम साइड रोड कलकत्ता।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, अर्थातः :—

तारीख: 10-4-1987

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर गायुक्त (निर्मक्षण) ग्रर्जन रेज-III, कलकत्ता,

कलकत्ता, विनाक 10 ग्राप्रैल 1987

निर्देश सं० 2467/ए क्यूरें ज-III/०कल ०/87-88--- यत. मुझे, श्राई० के० गायेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 16 है तथा जो लि० रोड, कलकता मे स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध धन्सूची में ग्रीर पूर्णकत मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रार० ए० कलकता में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 30-9-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक क्प से किथत नहीं शिक्या गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए.

नतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, गिन्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) बलराम राय

(अन्तरक)

(2) नम्रता ट्रेडिंग (प्रा०) निमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख च 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

uradi

एक तल्ला बिल्डिंग, कमांड एरिया 633.37 बर्गमिटर। प्रेमिसेस नम्बर 16, लि० रोड, कलकत्ता।

> ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 10-4-1987

प्रकृष् वाद् .टो .एन .एस . ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के नचीन सुचना

नारत संस्कार

भार्यालय , महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 श्रप्रैल 1987 निर्देश सं० ए० पी० एक्यू० रेंज-III/कल 12468/

1987-88- यतः मुझे, श्राई० कें० गायेन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य

1,00,000 / राज्य अधिक हैं श्रीर जिसकी सं 18 है तथा जो लि. रोड, कलकत्ता स्थित है। श्रीर इससे उपायद्व अनुसूची में श्रीर, पूर्णरूप में विणित है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-9-86 को

करे प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहसमान हितफाल के लिए अन्तिरत की गई है और कुके यह विक्वास करने का कारण है कि यथा प्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहममान प्रतिफल से, एसे स्थममान प्रतिफल के रन्द्रह प्रित्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बैच एस अन्तरण को लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से अधिक विकास वहीं किया गया है है—

- (१४) अन्तरण में हुई निक्किल्डाय की धावत, उपत लिधिनियम के अधीन कर दोने के उत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के-लिए; कोर्-काः
- (च) ऐसी किसी जाग मा किसी धन या अन्य आफिल्यों का, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं त्क्या गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने यो सुविधा के लिए:

जहः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ो अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) बलराम राय

(भ्रन्तरक)

(2) हेलगरम डेबलपमेंट एव कन्स्ट्रवणन कम्पनी लि० (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्कत सम्बन्धि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी स्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तिया में संकिसी व्यक्ति खुनारा;
- (क्ष) इ.स. सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्मति में हिल विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त सिक्ति में किए आ सकतेंगे।

स्वच्छीकरणः—इसमं प्रयुक्त शब्धों और पर्दों का, जा उनसे अधिनियम, दें अध्याय 20-क में परिभरिषण है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वन्स्यी

दो तल्ला बाडी, प्रेमिसेस नम्बर,-18 लि० रोड, कलकत्ता। 692.78 वर्गमीटर।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड कलकता-1.5

दिनांक 10 श्रप्रैल 1987 मोहर : प्ररूप भार्षः टी. एन. एस.-----

बेल्डेक्टर बॉफ्सिनयम, 1961 (1**961 का 43) क**ैं ८ 269~च (1) के बफीन स्चिना

भारत सरकार

कार्याच्या सहायक भायकर जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी० रेज ¹¹¹ कल० 11469 1987 88---श्रतः मझे, श्राई० के० गायेन

मायकर औपरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी सं 5 है तथा जो डोमार पार्क, कलकत्ता में स्थित है। शौर इससे उपाबध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है। रिजस्ट्री-कत्ता अधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकपु। में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख 16-9-86 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारन को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतुष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहूर्ष किसी बाय की बायत उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए: और/धा
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में मृविधा के लिए,

बार श्रेंब, अक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, भीं, उस्ता अभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभित्र निम्नसिवित व्यक्तियों, अभीत :---

- (1) केरिट मारेन एव कोमानि प्राईवट लिमिटेड (श्रन्तरक)
- (2) केरिट प्रापरटिचा प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन को अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठीकर व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राज्यण म प्रकाशन की ताराख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिश्वत में किए का सकी। .

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्ष गमा है।

अन्स्ची

प्रेमिसेस नामवार-5 डोमार पार्क, कलकत्ता-जमीन 17 कट्टा 11 छटांक एवं 20 वर्गफुट।

> ग्राटि० के०गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कलकता-1 छ

दिनांक। 10 श्रप्रैल 1987 मोहर:

HE FRE STO TO STO SECTIONS

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

बारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 भ्रप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी०/एथमू रेज III कल/2470/1987— 88—यतः, मझे, श्राई० के० गायेन

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इतके परचात 'उक्त लिधिनियमं कहा पदा ही, की पारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

- हैंग्री क्यारण वे सूत्र मिन्सी बाद की बादश करत अधि-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में क्षामी करने या उससे वचने में सुनिया के निए बीक्ट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, विन्हुं शास्त्रीन आवक्तर स्वितियम, 1922 (1922 को 11) वा उन्तर स्वितियम, दा धन-कर स्वितियम, ता धन-कर स्वितियम, 1957 (1957 को 27) के स्वोधनार्थ कर्यारी द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था का किया साथा वास्त्रित् वा, क्याने भें सुविधा गया है।

कत किन, उत्तर अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीचिखित व्यक्तियों, अधीम् :--- (1) भार०पी० प्रापर्टीज प्रा० लि०

(श्रन्तरक)

(2) श्री भगवती प्रसाद केडीया

(ग्रन्तरिती)

को यह कुचना चाड़ी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के किस कार्यवाहिया हरू करता हुं।

बन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाकोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोगे।

[°] स्पट**ोकारण:—-इ**समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० — 1ए डीड नं० —I 11648 ता० 17—9—86

> भाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेज-^{II}, कलकत्ता-16

दिनांक: 10 ग्रप्रैल 1987

THE REAL PLANTS

वाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन ब्याना

STATE STREET,

कार्यासय, बहायक सायकर सामुक्त (निर्द)सर्प) भर्जन रेज-कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 10 श्रप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी० रेंज 111 कल० 12471-1987-88--श्रतः, मुझे, श्राई० के० गायेन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ रुपये से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 8सी है तथा जो कुइन्स पार्क, कलकत्ता में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्णरूप से विणित है। रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-9-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिया वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की नई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् वाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल के, एवे ध्रममान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एवं अन्तरण के तिए तय पाया जवा प्रतिफल, निम्निजिधित उन्तरिय से उकत अन्तरण कि बिच के वास्तरिक रूप से किया निम्निजिधित उन्तरित की स्थान कि दन्तरित की वास्तरिक रूप से किया नहीं किया गवा है दन्त

- (क) नंतरण वे हुई किसी भाग की बाबत, उक्त वृद्धिनिक्त के वृधीन कर दोने के बन्त पुरु के साबित्य में कमी करने या उससे बचने सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी यन वा अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर विश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधित्यम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोगनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे सिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) भार० पी० प्रापर्टीज प्रा० लि०
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री श्रोम प्रकाश साहारिया

(ग्रन्तरिती)

को यह त्पना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुई ।

बक्त तम्मरित के बर्चन के श्रम्भाभ में कोई भी बालेप हा-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुदारा:
- (ख) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकने।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त विभिन्दमः के अध्याय 20-क में परिभाषिक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

नपूर्वी

प्लाट नं० 4 बी क्षेत्र—138, 66 वर्ष मीटर डीड नं० —^I 11541 ता० 12—9—86

> म्रार० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर मायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

दिनांक: 10 मर्गेल 1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 ग्रप्रैल 1987

निर्देश स० ए० पी०/एक्यू० रेज III/कल/2472/1987– 88---श्रत , मुझे, श्रार० के० गायेन शयकर अधिनिचर , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम

आयकर अधिनि गरं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिस की स० 8/5ए हैं तथा जा लीला राय सारणी, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर, पूर्णरूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1938 का 16) के ग्रधान, ताराख 28-9-76

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के रूथमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित योजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से ऐसे रूथमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धर्थ से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्नि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या धन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया वाता आहिए का किया ने में सुविधा के निष्;

्ह श्रीब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, पक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभार (1) के अधीन, निम्नीसिंख, व्यक्तियम, अर्थात क्र-

(1) श्री रतन लाल मोरे

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स तिरुपति प्राजेक्टस प्रा० लि०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तार्रीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितसव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा विया गया है।

मनसची

जमीन--6 कट्ठा 11 छटाक 19 वर्ग फु० डीड न०--- I 12111 ता० 28--9--86

> ग्नाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3 कलकत्ता-16

दिनाक . 10 भ्राप्रैल 1987 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नरेन चन्द्र सुचान्ति धौर धन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीम्ती विमला देवी बिलानी

(ग्रन्तरिती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज 111 कलकता

कलकत्ता, विनाक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सुरु ए० पी० रेज III कल / 2473-1887-88-श्रत मुझे, श्राई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ्सके पददात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं के स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 5,00,000/- रुपये से अधिक हैं

धौर जिसकी स० 111 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, क्लक्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावध श्रनुस्ची में श्रीर, पूर्णस्प से क्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रधीन, तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सके बश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पा। गया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है '---

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की धावत, उकत अधिनियम को अधीम कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ो, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ो अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- का यह सूचना आरो करके पूर्वों क्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

जक्त सम्परित के अर्जन में सर्बंध में कोई भीआक्षेप .---

- (क) इस म्पाना के राजपन भी एकाणात की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन भी वर्तीच, ओ भा बाधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

मन्त्री

दो तल्ला मकान भीर जमीन कुल 18 कद्ठा 12 छटांक 16 वं० फुट

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज-^III कलकत्ता-16

विनोक: 10 भ्रप्रैल 1987

प्ररूप नाइ. टी. एत. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाबुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 भ्रप्रैल 1987

निर्वेश मं० ए०पी० रेंज III कल्।1987-88--यतः, मुझे, झाई० के० गायेन

आमकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 3 है तथा जो बाराक्षो लेन, कलकत्ता में स्थित है। भीर इसने उपावद्ध अनुभूची में और, पूर्णक्ष में वर्णित है। रजिस्ट्रीकत्ती भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-9-86

को पूर्वोक्त सम्मिति के उभित साजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्रवास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेष्य से उपत बन्तरण लिक्ति में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की वाबत, उच्छ नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो गोपीनाय सरकार

(ग्रन्तरक)

'(2) श्री सन्दीप कुमार झुनझुनवाला

(भन्तरिती)

को बह म्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उन्त स्म्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की शारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्चना के राजण्य में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति च्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित्त में किए जा तकांगे।

स्पक्तीकरणः — इसमं प्रयास्त कव्यों और पर्यो का, जा उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिभाषित ह⁵, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

वो तस्ला मकान भौर जमीन 7 कट्ठा, 12 छटांक 35 व० फुट

भाई० के० गायेत मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, कलकत्ता 16

दिनाक: 10 भन्नेल 1987

(1) श्री प्रह्लाद राई खेतवात प्रस्प बाह् .टी. एन. एस .. -------

(भ्रन्तरक)

(घ्रन्तरिती)

बायकड वरिवरिवर्ग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यीन स्वना

नारत सरका

धार्यांगम, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-III, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैल 1987

पी०/रेंज-111/कल 1987-88--यतः, निर्देश स० ए० मुझे, भ्राई० के० गायेन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्जितः वाणार मृत्य 5,00,000 /⊬ रा. मे अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 19ए हैं तथा जो भारत बोस रोड, कलकता मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर, पूर्णरूप से वर्णिन है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय स० ग्रा० ग्रा० निरीक्षण धर्जन रेज-3 मे, रजिस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 30-9-86

को पूर्वीक्त सन्पत्ति को उचित वाकार मृत्य से कम की उथयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापुर्वोक्त संपत्ति का उपित वाबार मृत्य,, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल में **पंक्रह प्रीक्षणत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती** (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फज, निम्नसिवित उद्देश्य हे उक्त अन्तरण विवित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया क्या है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चे सिए; श्रीर/श
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ 🖏, जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 2*7*) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया नया थायाकियावाना पाहिए था, कियाने में सुनिधा 🕏 सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा. 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्निशिलित व्यक्तियों, अर्थात् :---15-126GI/87

को वक्क सूचना जारी करको पूर्वों क्ल सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

(2) श्रारिजिमा ट्रेडिंग कं० लि०

जकत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पहु सुचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जा भी नवीं भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थापर संपत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकों ने।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित 'हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

फ्लाट नं० 2 ए क्षेत्र---3400

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3 कलकत्ता-16

दिनांक : 10 अप्रैल 1987

प्रकृत् नार्षः हो । इत । इत् , -----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षिण)

ग्रर्जन रेज-III, कलकला

कलकत्ता, दिनाक 10 भ्रप्रैल 1987

निर्देश मं० ए० पी०/रेज $I^{\dagger}I/\pi$ ल/1987-88---यत , मुझे, श्राई० के० गायेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 00,000/- रु से अधिक हैं

श्रौर जिस की स० 90 है तथा जो राजावमन्त राय रोड, कलकत्ता, स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर, पूर्णक्य से वर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 29-9-86

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने के। कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित अन्वार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्षचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपान में स्वीक्ष्य चे शिवह;

च्च अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण व्या, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभागा (1) को सभीन निस्तिविक्त स्वक्तितां, अधीन —— (1) कुमारी सुभरा दत्त और अन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनोज मीहन घोष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में, किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जिमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

वमुस्ची

तीन तल्ला मकान भीर जमीन फीड नं० I 12085 ता० 29-9-86

> म्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-3 कलकत्ता-16

दिनांक : 10 अप्रैल 1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कायणिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैल 1987

निर्वेश सं० ए० पी०/रेंज-III/कल०/87-88--यतः मुझे, भ्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 70डी है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधकारी के कार्यालय ए० 2 ए, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 29 सितस्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वासिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तक अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री विश्वनाथ पाल एवं भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) ईयेसामि टावर्स (प्रा०) लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्शनित विक्ताों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुमुची

670 वर्गफुट जमीन, 70डी, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता ।

श्राई० के० गायेन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

दिनांक: 10-4-1987

धक्य मार्ड डॉ. पन्. एस.. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक वायकर बाब्क्ट (निर्दाक्षक)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 ग्रप्रैल 1987

निर्देश म० ए० पी०/रेज- /कल०/87-88--यतः मुझी, श्राई० के० गायेन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 48/1बी है तथा जो लीलाराय सरणी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 30 मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उच्क अन्तरण लिखित मा वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, दिश्याने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्रीमनी समिना सिही।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मूर्यकान्त महेण।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण मं प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति मं हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — - इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कुल जमीन--11 कठठा, 4 छटांक, 6 वर्ग फुट डीड नं०--1 122 32 ता० 30-9-1986 ।

> श्राई० कॅ० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज— में स्टिक्ट

दिनांक: 10-4-1987

प्ररूप बाह् हो पूर्व पुरवात स्टब्स्टरराज्यसम्बद्ध

भावकर मधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

बारत बरकार

1 1 14

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्तन)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2479/एक्यू० भ्रार-III/क्वन०/ 87-88---यतः मुझे, श्राई० के० गायेन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 रु० से ग्राधिक है

भौर जिसकी सं० 20 1 है तथा जो ग्राणुतोष चन्द्र एवेन्य में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय स० श्रा० श्रा० निरीक्षण श्रेर्जन रेज-3 मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 30 सितम्बर 1986

- को पूर्वोक्स सम्पस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रांतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पस्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) बन्तरम से हुइ किसी बाय की बाबता ने उक्त विधिनियम के बधीन कर धने के अन्तरक बी दायित्य में कसी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
 - (क) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा वे सिए।

अतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की, अनूसरण कों, मीं, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को सभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभिति ४—— (1) मिगमा।

(ग्रन्तरक)

(2) बी० एल० सन्स दूस्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अत्रिध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाट सिखित में किए जा सकरो।

स्वयाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उतकः विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 2। क्षेत्र—2100 वर्गफुट।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3,कलकसा

दिनांक: 10-4-87

अरूप बार्ड. टी. एन , एस , -----

आयकाउ निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 में (1) के नभीन स्वता

भारत चहकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कसकत्ता, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1987

निर्देश सं० 2480/एक्यू० म्रार-III/कल०/87-88-यतः मुशे, म्राई० के० गायेन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पांचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2.69 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसका सं 2/5 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इसके उपाबड अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यानय सक्षम प्राधिकारी मे, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 13 सितम्बर 1986 स

को पूर्वोक्स सम्मित् के उपित बाबार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियां की, जिन्ही भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतिरी वृदारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था छिपाने में सुनिधा के निए।

(1) सामसन डेबलेपमेंटस प्राईवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) भ्ररावली होल्डिंग्न प्राईवेट लिमिटेड । (भन्तरिती)

की अह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के श्रेमंभ में कोई भी मार्थण :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वाम की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सम्बद्ध किष्मित्रम् के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नम्बर ए, श्रगरतला, प्रीमिसेस नम्बर—2/5 सरत बोस रोड, कलकत्ता ।

श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्तः अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

दिनांक: 10-4-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2481/एक्यू० ग्रार- II/कल०/87-88--म्रत:, मुझे, ग्राई० के० गायेन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमं इसमें प्रवाद (उक्त अधिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं 67 है तथा जो यतीन दास रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 13 सितम्बर 1986।

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरक भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रनिमां सेन गुप्त।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स अर्रावद टावर्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के तिक् कार्यनाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बुर्वन के संबंध में करेड़ी भी बाबोप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकीं ।

स्वक्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो हज्ज विधिनियम के अध्याय 20-क में परिकारिक है, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

तीन तल्ला पक्को मकान । क्षेत्र—7 कठ्ठा 5 छटांक 29 वर्ग फीट ।

> आई० के० गायेन नक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, फलकत्ता

दिनांक: 10-4-1987

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकसा

क्लक्ता, दिनांक 10 भ्रप्रैल 1987

निर्देश सं० 2482/एक्यू० ग्रार-III/कल०/87-88--यन. मुझे, ग्राई० के० गायेन

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परशाल् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख भें अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 5,00,000/ रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है तथा जोली रोष्ट, कलकत्ता में स्थित है, (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, स० श्रा० श्रा० निरोक्षण श्रर्जन रेंज-3 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 22 सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उषित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे सिए;

(1) राज कार्माणयल और ग्रन्य ।

(भ्रन्तरंक)

(2) ज्ञानेस्वः प्रमाद स्रप्रयाल यार अस्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यनुसूची

फ्लैंट नं० जीए । क्षेत्र—4256 व० फु०

> श्रार्ड० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3,कलकत्ता

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण, मंं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिशत व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 10-4-1987

इस्प बाईं.टी. एन. एस. -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन सूचना

आरत हरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आग्वत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कल कत्ता, दिनांक 10 स्रप्रैल 1987

निर्देश सं० 2483/एक्यू० श्रार $-I_{II}$ /कल०/87-86—श्रतः मुझे, श्राई० के० गायेन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 17 है तथा जो बालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के नार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 30 सितम्बर 1986।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ब्रुच, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण के जिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण के जिला से अधिक क्ष से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, ज़ावल, छक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या एससे बजने में श्रीकथा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भरा- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किए गया था विस्त अपन बाहिए १७ कियाने ए रिक्याने रिक्यान

- (1) एकुरेट इनवेस्ट लिमि कम्पनी लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) बागारिया ग्रपार्टमेट प्राईवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाकोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकने।

स्पच्ट करण: — इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत व्यक्तिसमा, के अध्याद 20 का में परिभागित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में सिका पर ही.

उन्स्ची

प्लाट नम्बर 35, चार तल्ला, 3750 वर्गफुट, प्रीमिसेस नम्बर 17, बालीगंज पार्क रोड, कलकत्ता ।

> ग्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, कलकत्ता

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :--16—126GI/87

दिनांक: 10-4-1987

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की **भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना**

भारत तस्कार

कार्थालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 ग्राप्रेल 1987

निर्देश सं० 2484/एक्य० ग्रार-ा∏कल०/87-88---यतः मुझे, ग्राई० के० गायेन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00,000/- प्र में अधिक ही

श्रार जिसकी मं० 17 है तथा जो बालीगंज पार्क रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रार इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, भ्रार० ए० कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनाक 30 सितम्बर 1986।

का प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बित्कल के लिए अन्तरित की गई और मृझं यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्नलिसत में बास्तिक कप से कथित नहीं कवा गया है है—

- (क) कलारण में हुई किसी बाय की बाबता, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्टारक के बायित्य में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा श्रे लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिनाने में स्थिधा वे विष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) एक रेट इनवेस्टमेट कस्पनी लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) इंडियन स्टेट प्राईवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को वह बूचना बारी करके पूर्वोक्त संस्थित से वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

बनत सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरु-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी से पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्भी

फ्लैंट नम्बर 2, एन० तीनतल्ला, 3075 वर्गफुट, प्रिमिसेस नम्बर 17 बालीगंज पार्क रोड, कलकत्ता ।

> ग्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, क्लकत्ता

दिनाक: 10-4-1987

प्रकल बाह्री, ट्रॉ. एव .एक ..-------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) औं भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

ब्रास्त संस्कार

कार्यासय, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--3, कलकत्ता •

कलकत्ता, दिनांक 10 भ्रप्रल 1987

निर्देश मं० 2485/एक्यू० श्रार-।।।/कल०/87-88---यतः मुझे, श्राई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 11ए है तथा जो पाम एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 13 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह बिश्वास करने का कारण है कि यभापर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरक के बिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्निसिंगत सब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बनारण वे हुई कियी बाव की बावता उनके बिधिनयन के बधीन कर देने के बन्हरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचाने में तुबिधा शामित्व के बिए; बरि/या
- (च), एसी किसी नाव का किसी भन का कस्य काहिस्तयों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्यार में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् : (1) के० एन० प्रापटीज प्राईवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हर्राजद्र सिंह नाडना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के जिए कार्येनाहियां शुक्र करता हूं।

बक्त संस्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र हु---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे

रचक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुस्ची

प्लाट नम्बर 5 ही, छ:तल्ला, 1927 वर्गफुट, प्रेमिसेस नम्बर 11ए, पाम एवेन्यू, कलकत्ता ।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम-प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, कलकत्ता

दिनांक: 10-4-1987

प्ररूप बाह्र टी. एन. एसं.-----

(1) लामटाईन प्रापर्टीज लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र सेयाया।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 प्रप्रैल 1987

निदेश म० 2486/एक्य्० ग्रार-III/कल०/87-88--यत

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा से अधिक है

ग्रांर जिसकी मं० 2/6 है तथा जो शरत बाम रोट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिनारी के बार्यालय मक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाब 13 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शरमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रह्म, उसके श्रथमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ६——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की क्षांबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व मो कमी करने या उससं बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन बा बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— कोर यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
 न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थ हस्ताक्षरी के पाम तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेम नम्बर 6, तीन तल्ला, 1564 वर्गफुट, प्रीमिसेस नम्बर, 2/6, सरत बोस रोड, कलकत्ता।

श्चाई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण), श्वर्णन रज-3, कलकत्ता

दिनाक: 10-4-1987

इक्ष्य बाइ'.टी.एन.एस. -----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक कायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जेन रेंज−3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देग म० 2487/एमपू० आ:-III/कल०/87-88--यत मुझे, श्राई० के० गायेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसमी स॰ 2/6 है तथा जो सरत बांस रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरेण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गद्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्योध्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की दावत, उक्त विध-निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदिए था, जियानों में सुविभा के लिए

बत: जब, स्थत जीधीनयम की धारा 269-ग के जनसरक मे, में,, स्वत सिधितयम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सधीन, निस्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---- (1) मैं ० लान्सटाईन प्रापर्टीच लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) दीपकलाल दोशी एवं भ्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी नाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयूक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय ,20-क में परिभाषित हैं, कहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र नम्बर--8, तीन तल्ला, 1458 वर्गफुट, प्रेमिसेस नमम्बर 2/6 सरन बोस रोड़, कलकत्ता ।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, कलकत्ता

दिनांक: 10-4-1987

प्रथम बाह्" हों. एवं पुरु

भागकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 289=व (1) के अभीन सूचना

भारत श्ररकार

फार्यालय, सहायक बायकर नाव्क्य (निर्देशक)

ध्रर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1987

निर्देश सं० 2488/एक्यू० ग्राम्-III/कल०/87-88---यतः महो, ग्राई० के० गायेन,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त निधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बन्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 89 है तथा जो डा० मेघनाथ साहा सरणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावस उक्त अधि-अधिकेनयम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे जनने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कष्म, उक्त अभिनिवम, की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) नुपेन्द्र नाथ गांगुली और प्रन्य ।

(अन्तरक)

(2) संदीप कुमार श्रग्रवालं।

(भ्रन्तरिती)

को यह तृत्रना दारी करको पूर्वोक्तः सब्बद्धितः को अर्थन वं ∤लए कार्यवक्रीहर्यो सुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र ह---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुवना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी अयिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को दास निस्ति में किसे का सकती।

स्थव्याकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा यस हैं।

मम्सूची

जमीन—-15 कठ्ठा, 15 छटांक, 3 वर्ष फुट । डीड नं०--I-11526 ता० 11-9-86 ।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारी**ख** 10-4-87 . मो**हर** : प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सन्धना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी०/रेंज/कलकत्ता I /1987-88:---यतः, मुझे, श्राई० के० गायेम,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणं है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 70 डी है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कलकत्ता में, रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (18908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से ए'से द्वरयमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) केबीच एसे अन्तरण केलिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेश से उन्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबबा, अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम ; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक्षं, उक्त अधिनियम, की भारा 2.69-गके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्ननिसित व्यक्तियों, अर्थाक् ः--

(1) ब्रह्मनाथ पाल एवं भ्रत्य ।

(श्रन्तरक)

(2) इयेसिम टानयाल (प्रा०) लिमिटेड) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप .---

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना को राजपन्न में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुज्यी

,670 वर्ग फुट, दोतस्ला, प्रेमिमेस नम्बर 70-डी०; हिम्दुस्तान पार्क, कलकत्ता ।

> भ्राई० के० गायेन. सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 10-4-1987

मक्य बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैल 1987 निर्देश सं० ए०पी० 2490III/श्रर्जन रेंज-:/87--88:----श्रतः मुझे, श्राई० के० गायेन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख क्रे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं, कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/⊬ उपये में अधिक हैं

और जिसकी सं० 70 डी है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाब इ धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-9-1986

को पृथंक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गर्द है और मुफ्ने यह विक्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, एमें रुप्यमान प्रतिप्तन का पन्यह श्रीतशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिक्ष (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) करतरक में हुई किसी बाब की बावत सकत जीध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने वा उसके वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी छाय या भन या अस्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922- (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनाथ अन्तिरित्विवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चीहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री विश्वनाथ पाल एवं भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) ईयेसपि तावयारस (प्रा०) लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के लि, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी बाधीप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलयप्प किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्तीक रणः --- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, वा उस-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. वो उस अध्याय में दि... नवा हैं।

अनुसूची

670 वर्ग फुट जमीन, दोतल्ला, प्रेमिसेस नम्बर-70ड़ी, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता ।

श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 10-4-1987

रेड्डी,

प्रकथ बाहें.दी एन .एए . -----

अध्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा , 69-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास-17 मद्रास-17, दिनांक 6 मई 1987 निदेश सं० 11/सितम्बर,/86:--श्रतः मुझे, ए० ग्रार०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

> (क) अन्तरन तं हुई कितीं बाव की वावत उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के ब्रावित्य में क्यी कर्ष या व्यवसं बच्चने में स्विधा के निष्ठ; बार/मा

का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 त्रिक्त का 11) या उक्त अधिनियम 1922 त्रिक्त का 11) या उक्त अधिनियम प्राधनय र आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अर्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिनाने के श्रीक्रम के लिए

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनृतरण मों, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 17—126GI/87 (1) श्री एन० गनेशमूर्ति और ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स पेरावसिडेस इन्डिया लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पद सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त बड़्यों और पदों का, वो उद्

वगृस्यी

कृषि भूमि-एस० सं० 29/1, 29/2ए, 29/2, 29/4, 30, 31, 32, 34, 35, सोमानकुप्पम गांव, कडालर । (कडालूर दस० सं० 1929 तक 1932, 1934 और 1939/86)।

ए० श्रार० रेड्डी, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षण सहायक श्रायकर (ग्रायुक्त), ग्रर्जन रेंज—II, मद्रास—17

तारीख: 6-5-1987

प्रसम्प बाइ . टी. एन . खस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-II, मद्रास-17

मद्राम-17, दिनांक 6 मई 1987

निदेश सं० 33/सितस्बर/86:——श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी,

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ए के अभीत स्था प्राधिकारी को, यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर मस्यक्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

1,00,000/- र.. स आधक हैं
और जिसकी स० 267, नथा जो है श्राब्बाटस्परि माउन्ट
रोड, मद्रास में स्थित है (और उसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप
से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल
दस० सं० 1309/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1986
को पूर्वोच्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिख्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उस्के दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नितियत उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में
वास्तिविक रूप से क्रिश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उन्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाबित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किरी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं फिया गया का या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुदिधा के लिए;

अतः अतः, उत्तत अधितियम को धारा 209 ग के अनुसरण मी, मी, उत्तत अधितियम की धारा 209 प की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निसिखित बित्तक्यों, अधितु :---- (1) श्री मत्या साई सेन्द्रल ट्रस्ट।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्म बालाजी कन्स्ट्रक्सन्स ।

(ग्रन्तर्ग्ता)

को यह सूचना जारी करके पर्वाक्त सम्पत्ति है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सपरित के वर्जन के संजभ में कोड़े भी बाओप .---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरि।

स्वक्कीकरणः—हममं प्रयुक्त गब्दो और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि और मकान--सं० 267, "ग्रब्बस्टविर मछन्ण्ट रोड्, मद्रास (मद्रास सेन्द्रल-दस सं० 109/86)।

> ए० स्रार० रेड्डी, सक्षम प्राधिकारी.

(निरीक्षण महायक ग्रायकर ग्रायुक्त), ग्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 6-5-1987

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भायूक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेज-11, महास

मद्रास, दिनाक 1 मई, 1987

निदेश सं० 1/सितम्बर,/86.——ग्रनः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4/139, साउथ स्ट्रीट वेस्ट चि० ए० टी० नगर है. जो मद्रास में स्थित है (और इसम उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सौंडापेट दस० सं० 3000/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण म हुंद्र किसी आय की आवत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियाँ की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री जयन्थी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जानकी रामाचन्द्रन ।

(भ्रन्तरितां)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया ग्याया है।

अनस्ची

भूमि और मकान---मं० 4/139, माउथ स्ट्रीट वेस्ट पि० ए० टी० नगर, मद्रास । सौदापेट--दस० सं० 3000/86 । ए० प्रार० रेड्डी, गक्षम प्राधिकारी, निरीक्षण महायक प्रायकर श्रायकर श्रायका ग्राप्यका, ग्राजन रेज-11, मद्रास-17

दिनांक : 1--5-1937

प्ररूप आ**द**े. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांशय, नहायक वार्यकर वार्यक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-14, मद्रास-17

मद्रास-17, दिनांक 30 श्र**प्रै**ल 1987

निदेश सं० 9/सितम्बर/86:---श्रतः मझे, ए० ग्रार० रेड्डी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके प्रकार उपना अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सभान अधिकाणी का, या रिश्वण कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 477 ग्रीर 482, मउण्ट रोड़, नन्डनम, मद्राम 32 है, जो मद्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मन्नास, साउथ दस-स० 3015/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को प्रांक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यान प्रतिक्रण के निरंप अन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथाप्तोंकत सम्मत्ति का उचित बाजार अक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अक्षिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के सिए सब ।।

स्मारिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के सिए सब ।।

स्मारिती वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (७) बन्तरण से इर्ड किती बाब की बाधत, उक्त अधि-जियब के बधीन कर बने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; बार/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियीं को जिन्हों भारतीय आयकर धांधनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था वा किया वाना वाहिए था, छिपाने में सावधा के विष्;

आत: अव, अवस अधिनियम की धारा 269-ए है अनुवरण यो, यो, अवस्य अधिनियम की धारा 269-ए की स्थापार (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री मेसर्स शिवराज मोटार्स लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कें० ए० सुर्लमान ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कायाना हुए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ों भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में म किए जा सकोंग।

स्वस्तीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

नग्पूची

भूमि श्रीर मकान-सं० 477 श्रीर 482, मउण्ड रोड़, नन्डनम, मदास । (मदास साउथ---दस० स० 3015/86)।

ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षण) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) भर्जन रेंज-II, मद्रास-17

नारीख: 30-6-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की **269-च** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक । मई 1987

निदेश सं्० : 12/सितम्बर/86:—श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी,

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमक पहचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं स्थिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० सं० 35, 37 थक 40/2, श्रौर 47/2, सोमान कुष्पम गाव, है, जो कड़ालूर तालुक, माउथ श्रारकाट जिला में स्थित हैं (श्रौर इस र उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण घ्प विजत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कड़ालूर दस० सं० 1935 श्रौर 1936 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 17) के श्रीमन, तारीख सितम्बर, 1986

का पूर्व करा सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान वितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विज्यास करने का कारण है कि यथापूर्व कत सम्पत्ति का उण्यत वाजान भूगा, उसमें दृश्यमान प्रतिकल मं, एस दश्यमान प्रतिकल ना पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 री. १. १८ का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पी० वी० कमलाकुमार ग्रौर श्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स युरथान्स इण्डिया लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि---एम० सं० 35, 37 तक 40/2, श्रौर 47/2, सोमान कृष्पम गाय, कड़ालूर तालुक, साउथ श्रकीट जिला । (कड़ालूर—दम० स० 1935 श्रौर 1936/86) ।

ए० ग्रार० रेड्डी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त) (निरीक्षण) ग्रजन रंज-11, मद्रास-2

तारीख: 1-5-1987.

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम् , सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-।।, मद्रास-17 मद्रास-17, दिनांक 30 श्रप्रैल, 1987

निदेश मं० : 28/मितम्बर/1986:—श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इस्वें इसके परवात 'नकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, दिसका उचित बाजार मुख्य 5,00,000/- रहा से अधिक हैं

ष्ट्रौर जिसकी सं० 477 ग्रीर 482 मउन्ड रोष्ट्र, नन्डनम, मद्रास-35 है तथा जो मे स्थित है (ग्रीर इसके अनुबन्ध मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मद्रास, साउथ—दस० सं० 3016/86 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मितम्बर, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के क्रमधान श्रीतफल व लिए अन्तरित की गई है और मृशं यह विद्वास करने का कारण है कि सभाप गैंक्त सम्पत्ति का उपित वाजार कृष्य, उसके क्रमधान श्रीतफल से, एसे क्रममान श्रीतफल का उन्द्रह श्रीतबात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-रिती (अन्तरितियों) से बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आण की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी भन या बन्त बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किला गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

(1) शिवराज मोटार्स लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) एन० एम० श्रसिना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर धूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति इसारा;
- (ध) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्यारा, अभोइस्ताकारी के पास जिसा में किसे का सकते।

क्षंच्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, को उक कृष्याय में दिशा प्या ही।

अनुसुची

भूमि ग्रौर मकान—सं. 477 ग्रौर 482, मउन्ड रोड़, नन्डनम मद्रास (दस० सं० 3016/86)।

> ए० ग्रार० रेड्डी, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायु त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-॥, मद्रास-17

हार अब, एक पितियम की धारा 269-ग के अनसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

तारीख: 30-4-1987.

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

(1) हुकमाबाई लोगताइन श्रीर श्रन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० म्रार० कंस्ट्रक्शन्म ।

(भ्रन्तरिती)

भागभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-ध (1) के अधीन संभा

भारत सरकार

कायालय, महाप्रव, आयकर आयूक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेज, मद्रास-17 कलकता, दिनांक 30 मई, 1987

निदेश सं० : 16/सिनम्बर/86 — श्रतः मुझे, ए०

धार० रेड्डी,

जायकर जीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 260-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार म्र्व्य 1,00,000/-राप्य ने अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 6, फर्स्ट स्ट्रीट, विजयरागवा रोड़, टी० नगर, है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इस । उनावद्ध अनुसूचे में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, टी० नगर, दस सं० 1382/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 17) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं विद्या भया था किया जाना चाहिए था, छिपान में गुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपंत्रि के अर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिन-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि श्रौर मकान—सं० 6, फर्म्ट स्ट्रीट, विजयरागावा रोड़, टी० पगर, मद्रास; 17।

> ए० श्चार० रेड्डी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्वर्णन रेजि—॥, मद्रास—17

तारीख: 30~4-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-॥, मद्रास-12

मद्रास-17, दिनांक 30 भ्रप्रैल, 1987

निदेश सं० : 31/मिनम्बर/1986:—अतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 5,00 000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं 19, कथिडाल गाईं रोड, मद्रास-6 में तथा जो में स्थित है (श्रीर इसके श्रनुबन्ध गें र श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मद्रास सेंस्ट्रल—दस सं 1288/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधी । सितस्वर 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, लक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 26ए-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ग्रक्थर फातिमा बेगम श्रौरश्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्म स्टार्लिंग ऐलाक्ट्रानिक्स प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

संपद्धीकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपूर्वी

भूमि धौर मकान—सं० 19, कथिट्र ल गार्डेन रोज़, मद्रास-6 मद्राम सेन्ट्रल दस—सं० 1288/86)।

ए० श्रार० रेड्डी, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज⊷।।, मद्रास

तारीख: 30-4-1987.

्रमोहर :

व्यक्त नार्र_{िक} हो_{ल पुरस् क्रम्यान्य}

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **४१ए 269-५ (1) के बभीन स्थना**

नाउत क्षकत्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
धर्जन रेंज-2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1987

निदेश सं० 32/सितम्बर/86 — ग्रतः मुझे ग्रार० रेड्डी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000√/- रु. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० 501, मउण्ड रोड, मद्राम में स्थित है भीर इसमें उपाबक्क धनुसूची में ग्रीर पूर्ण से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मद्राम मन्द्रल दस० मं० 1166/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर 1986।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीपक्ष्म के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह निश्वास करने का कारण है कि बजाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिक्ष्म से, एसे स्थमान प्रतिक्ष्म का पंद्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीज एसे अंतरण के निए तय पाया गमा प्रतिकृत , निम्निजिसित उच्चेत्य से उच्चेत अन्तरण निवित्त से बास्त्विक स्प में स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वं हुर्र जिली कान की बानत, अनत निपिन्त्य के ब्योन कड़ दोई के बंबहरू के बाजिए वे कजी करने वा बन्ते वचने में सुविधा के मिए; स्टि/वा
- (क) होती किसी नाय या किसी धन वा नम्य नास्तियों की, विन्हें भारतीय श्रायकर निमिनिक्स, 1922 (1922 को 11) या उन्तर मधिनियम, या व्यव-कर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोक्तिय अतिरिती देवारा प्रकाट नहीं किया गढ़ा वा या किया वाला प्राहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए)

(1) श्री ए० जे० जलालुदीन।

(ग्रन्तरक)

(2) ए० कोथण्डरामा रेड्डी ग्रीर श्रम्य।

(ग्रन्तरिती)

को नहें बूचका बा<u>री</u> करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के नर्बन के निर्क कार्यवादियां कुक करता हूं।,

उक्क तस्मील के जर्बन को सम्बन्ध में कोई भी वास्रोप :----

- (क) इस त्यमा के राजपण में प्रकाशन की शारीय छ 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्थानतमों पर स्थान की तामील से 30 विन की जनभि, जो भी समित में समाप्त होती हो, जे भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना।
- (क) इस स्वना के राजपव में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-क्वम किसी स्थानिय क्वारा. नशोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना जो उस अध्याय म दिसा बदा है ।

बनुसूची

भूमि सं० 501, मउण्ड रोड, मद्रास (मद्रास सेन्द्रल दस० सं० 1166/86)

> ए० श्रार० रेड्डी मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-17

मंत्र वर्ष, इन्स विकित्यम की भारा 269-ण के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (६) ते यथीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् । —— 18—126GI/87

विनाक :-30-4-1987 मोहर :- रेड़ी।

प्रकम बाह् . ट्री . एन . एव 🚉 ---- эन---

Charles of the Control of the Contro

बायकर कीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन कुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर बायुक्त (निरीक्शक)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मदास, दिनांक 1 मई 1987 निदेश सं० 34/सिनम्बर/86—श्वतः मुझे, ए० श्चार०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
शौर जिसकी सं० 16 बोईस रोड़, मद्रास है जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रुप से बिजल है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यात्म मद्रास सन्द्रल दसर सर्व में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधियम (1908 का 16) के श्रश्रीस दिताव सितम्बर 1986 का पृथीक्षक सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के दर्यमान प्रतिकत के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास उरन का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थामान प्रतिकत को प्रतिकत के सिए अंतरिक की गई है और अंतरका (अंतरको) और अंतर

ासी (अनरिशियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्ती तक्षित उद्दोध्य से उक्त अंतरण सिक्तित से

शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🖫 🗝

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, बक्त बाँध-रियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में खुकिया के जिए; बाँद/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भार चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

बतः वव, त्रवतः विभिनियम की भारा 269-ए के वमुसरण एं. में. एक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन : निमालिखित व्यक्तियोः, अर्थात् :--- (1) मत्या साई ट्रस्ट।

(2) महेन्द्र चन्द्र ग्रीर ग्रन्यो।

(ग्रन्परिती)

(भ्रान्तरक)

कां ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की शामील में 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब स 45 दिन के भीतर स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित के किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण'-- धनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

सनुसूची

भृमि भ्रौर मकान सं० 16 वोइस रोड, मद्रास (मद्रास नेन्ट्रल ६स० म० 1338/86)

> ण्० श्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रास

दिनाक 1-5-1987

अक्न बाई .टॉ.एन.एवँ :, ------

नायंकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधींन हेंचिन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज--2, मद्रास मद्रास, दिनाक 1 मई 1987

निदेश स० 35/सिनम्बर/86---ग्रनः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसर्वे इसर्वे इसर्वे इसर्वे इसर्वे उक्त अधिनियम कहा गया है), की भाष 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारे मूस्य रा 1,00,000/- से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक स० 109 स० वि थिक्सनी। पिल्ले रोड, टी० नगर, है जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर, दस० सं० में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूस्य से कम के क्यमान वित्रक्ष को लिए बन्तरित की गई हैं बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि गंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उच्त कन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबतः, उसत अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किमी जीय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, किन्ह्' नारतीय आय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त मिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, कियाने में बृद्धिया के किए;

र्ग क्षा भग्न क्या विभिन्न की पास 269-म की अपूरण भें , में , उसता अभिनियम की भारा 269-म की अपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

(1) कुम कुम पटेल।

(भ्रन्तरक)

(2) अभिला एन० मा श्रौर अन्यों।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बा<u>री</u> करके प्रशेषक सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यनाहिमां सूक करता हूं।

जनत सम्पर्शिकों बर्जन हों संबंध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इसं क्याना के प्राथमन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी वर्षीय वाद में सजाप्त होती हो, के शीवर पूर्वांक्छ न्यक्तियों में से किसी स्थाबत व्याख;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्थ किसी मन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पांच निस्ति में किस वा सकोंने ।

स्यव्यक्तिकरण :- --इसमी प्रयुक्त करूवों और पदों का, थों उनसे विभिन्नियम को कंप्याय 20-क जो परिभ्रोकित ही, वहीं वर्षों कोणा, जो उस कंप्याय जी दिशी गया ही।

मनुसूची

भूमि श्रीर मकान ब्लाक सं० 109 सं० 8 तिरूमलै पिल्लै रोड, टी० नगर मद्रास —17 (टी० नगर दस० स० 1590/86)

> ए० श्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-2, मद्रास

दिनांक :-1-5-1987

प्रक्ष बाद्, टी. एन्. एस _------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) वो वधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजॅन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 मई 1987

निवेश सं० 36/सितम्बर/84—ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपए से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 83 जी० एत० छोट्टी रोड, मद्रास-17 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजर्म्झकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय टी० नगर दस० स० 1520 ग्रार 1521/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक सितम्बर 1986

- को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
 - (ख) एंमी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) राजकुमारी जग्गा।

(表 行事)

(2) ग्रडण्मोहि भौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

भा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यशिहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि भ्रीर मकान सं० 83 जी० एन० छोट्टी रोध मद्रास— 17 (थाउजन्डलइस दस० सं० 1521/86)।

> ए० भ्रार० रेड्डी सक्षम[्]प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, **मद्रा**स

विनांक: 1-5-1987

प्रकृष् आर्षः दी. एतः एतः -----

बायकर विभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 स्रप्रैल, 1987 निदेश सं० 38/सितम्बर/86—प्रत: मुझे, ए० स्रार० रैंड्डी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 636, माउण्ड रोड, श्रीर सं० 6 है तथा जो श्राजिज मुल्क 5वीं गली थाउजण्डलइस, मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, थाउजण्डइस दस सं० 497/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के एक्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुश्ने यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से एके दृश्यमान प्रतिफन के वन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एके अन्तरण के निए तब बाबा गया प्रतिफन, निम्निसिक्त जब्दक्य से उकत अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बायदा, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या सससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, छिपाने में स्विधः के लिए;

अतः अब, उमत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की अभीन, निम्नीलीयत उम्मीक्समों, अभीत् :---- (1) श्री के एम भोइदीन

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री हबीब मोहम्मद सितिग ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री सैयद प्रब्दुल हग ग्रीर मन्य। (वह क्यक्ति जो संपत्ति का ग्रिधिभोग कर रहा हो)—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उनक करनीत के अर्थन के करनाथ में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की जनिष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामीक से 30 दिन की व्यक्ति, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

भूमि म्रोर मकान सं० 636, मण्णा सालै म्रोर सं० 6, म्राजिज मूल्क 5वी गली, थाउजण्डलङ्म, मद्रास, थाउजण्ड-लङ्म दस सं० 497/86)

> ए० भ्रार० रेड्डी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, मद्रास

दिगांक: 30-4-1987

प्र**प्रम नार्ह**्, टी., एग्., पुरा_क प्रस्तानकहत्त्रास्त्रा

बाबकर वॉपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्षीन स्वीता

बार्ज सरकार

श्रातीयम, सहारक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेज-2, मदास मद्रास, दिनांक 1 मई, 1987

निदेश सं० 40/सितम्बर,/86—अतः मुझे, ए० आर० रैङ्की

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के गभीन सक्षम प्राभिकारी की, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000 // ⊤रु. से अधिक हें

ग्रीर जिमकी सं० 155 का डाम्बाक्कम हइ रोड, मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय थाउजन्डलइसन्दस सं० 468/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनांक सितम्बर, 1986 मैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ना लिखत उच्चे से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिबक रूप से किवत (ही किया गया है:---

- [क] अन्तरम वे हुए विभिन्न बाव को बाबरा, क्यर विविध्यत के अभीभ कर दोने के खंडरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, चिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा'या किया जाना वाहिए था, चिपाने में सुविधा के लिए;

अप अष्ठ. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की, अनुसर्भ भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---

- (1) श्रीमती रिजया निजर श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद हसन और श्रन्य। (भ्रन्तरिती)

का वह स्वना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता ह्यू।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध कों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वता के रावपन के प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्संत्रीओं व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती,हों, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (ब) इस भूजना ने श्रवपत्र में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन के भीतर उनत् स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष विश्वी अर्थ व्यक्ति वृंबीय नथीहस्ताक्षरी के यात सिविसं में 'किए वा सकेंगे।

लाक किरण: --- इसमें प्रयुक्त वाकों बार नहीं का, जो वाकें वाधिनवान, के बध्यान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि ग्रीर मकान सं० 155, कोडाम्बाक्कम हह रोड, मद्रास (धाउजन्डलहस-धस सं० 468/86)

> ए० ग्रार० रैड्डी सक्षम प्रोधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, मद्रास

दिनाक: 1-5-1987

मोहरः :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांचय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, विनाक 1 मई, 19 87

निदेश म० 41/मितम्बर/86—-ग्रन. मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृल्य 1.00 000/- रा. से अधिक हैं

1,00 000/- र. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० 14, फर्स्ट स्ट्रीट, शाक्टर थिरूमूर्ति कगर,
मद्रास-34 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर
पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय
थाउजण्डलइस-दम मं० 472/86 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकियम
(1908 (1908 का 16) के श्रवी (दित में ि £म £ दे 26 9 18
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार यूल्य से कम के दरयमान
श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास
करने वा कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मन्य, उसके दश्यमान श्रितिफल से एसे दरयमान प्रतफल का
पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अनरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया
श्रतिफल निम्निलिश्वत उत्रदेश्य से उक्त बन्तरण जिल्हित में
शास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एरेरी किसी आय या किसी धन सा अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पिक्तयों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती रहमत ग्रलिया श्रौर सनिहा ट्रस्ट । (ग्रन्तरक)
- (2) जयाम ट्रम्ट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए भार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारण की तारीख ते 45 दिन की अविधि वा सरसबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिता में हितबय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

भूमि भ्रौर मकान सं० 14, सैकण्ड स्ट्रीट, खाक्टर खिरू-मृति नगर, मद्रास (याजजण्डलइस-दस सं० 472/86)

> ए० ग्रार० रैड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रास-17

दिनाक: 1-5-1987

मोहर 🗵

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा) 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई, 1987

निदेश सं $_{p}$ 42/सितम्बर/86—श्रतः मुझे, ए० श्रार० रैं ह्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- कः से अधिक है

ष्पौर जिसकी मं० 16 वाल्स गार्श्वन फर्स्ट स्ट्रीट, नुंगम्मबाक्कम, है तथा जो मद्राम-6 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध भनभूची में श्रौर धार पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय थाउजण्डलइस-दस सं० 475/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सिनम्बर, 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आव की बाबता, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्क में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिविक व्यक्तियों हु अर्थात :---

(1) श्रीमती के० परमानन्दी बाई।

(भन्तरक)

(2) सधक हमीद थाका भौर भन्य। (भन्तरिती)

को सह सूत्रमा जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी जाकोप :--

- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तब्र्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्सूची

भृमि ग्रौर मकान स० 16, वाल्स गाईन फर्स्ट स्ट्रीट, नुगम्मवाक्कम, मटास (धाउजण्डलइस-दस सं० 475/86)

> ए० मार० रैड्डी मक्षम प्राधिकारो महायक स्नायकर सायुक्त (निरीक्षण) सर्जेन रेंज-2; मद्राम-17

दि (146 : 1-5-1987) सोक्टर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायफर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० 43/सितम्बर/86--प्रतः मुझे, ए० ग्रार० रैंड्डी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं आर एस लं 2936/5 तिरुवल्ली केणि हुड रोड, है तथा जो मद्रास-5 में स्थित है (स्रोर इसमें उपान्बस अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता. स्रिधकारी के कार्यालय, तिरुवल्ली केणि-दस सं 891/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया हिक्का, निम्मतिष्ति उद्यास्ति से अव्वर्ष अन्तरण दिलाध वासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंधरण से हुई किवी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीप कर दोने के बंबरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः भव, उप्त सभिनियम, की धारा 269-ग में अनुसरक में, मी, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रो एल० के० एस० गनि।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एस० मरवाह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करले पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

भूमि भौर मकान सं० 5, श्रमुद्दीन खान बहादुर स्ट्रीट, तिरुवल्ली केणि, मब्रास-5 (तिरुव:ल्लि केणि दस सं० 891/ 86)

> ए० श्रार० रैड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 1-5-1987

प्रकल नाइ ुंदी. एत., एस. ------

भाषकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269²म (1) के मधीन स्वना

CITY STATE

कावींलय, सहावक जायकर जाय्क्स (निर्रीक्रण) भर्जन रेंज-2, मन्नास

मद्रास-, विनांक 1 मई 1987

मिवश सं० 44/सितम्बर/86——श्रतः मुझे, ए० श्रार० रैड्डी,

आयंकर जीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ज के मधीन सक्तन प्राधिकारी को वह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिब्दका स्थित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो कादर नवाज खान रोड, महास में स्थित है (और इससे उपाबद ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय थाउजण्डलइस-दस सं० 81/87 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पुर्वोक्त सम्मत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित कीं गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि वजापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित वाजार मृत्य, उसके ६वयमान प्रतिफल से ऐसे ६वयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशत से निधक है बीर जन्तरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं बन्तरक के लिए तय पाया जया बहुतिफल, जिम्मीविधित क्यूबरेय से उसत बन्तरन जिहिश्य में बास्तीवक रूप से कथित नहीं स्थित गवा है के—

- (क) अंतरण वे हुई किसी बाव की वाववा, खबत वीधनिवन के जधीन कर दोने के बंबुक के समिरण में काली कड़ने या उससे क्यमें में सुविधा के-लिहा; बॉव/सा
- (व) ऐसी किसी अब वा किसी वन वा कर कार्रिसमी को, जिन्हीं भारतीय नावकर किशीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किशीनयम, या वश-कर किशीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ के कोरियों वृद्धारा प्रकट नहीं किया गया वा काशीक्या जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सरत थय, उपच सीमनियम की भारा 269-में में स्तुत्तरण थे, सी_ल उपरा नीमनियम की भारत 269-में की उपभारा (1) के सभीत, निकासिद्धित के स्तुताल के स्व (1) डाक्टर ई० सोमाशखर

(ग्रन्तरक)

(2) ैसर्स चैतन्य बिल्डर्स और लीजिंग प्राईवेट लि॰ (भ्रम्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारको पूर्वोक्स सम्मन्ति कं वर्षन के जिए कार्यकाहिया कारता हो।

उचत स्व्यक्ति के कर्कन के सम्बन्ध में कोई भी कार्का ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारींच वे 45 दिन की जनींचे या तत्त्रजनमी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारींच वे 45 विन के भीतर अनत स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा, अधोइस्ताक्षरी के वास सिसीयत में निजये का सकीये।

न्यश्र्मीकरण '---इरामों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उपत सीधनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना वो उस सध्याय में विदा गया हैं.

वन्त्रज्ञी

भूमि और मकाम सं० 12, कादर नवाजखान रोड मद्रास (थाउजण्डलइस-दस सं० 81/87)

> ए० भार० रैड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, मद्रास-17

विनांक: 1-5-1987

प्रस्थव आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 भग्रेल 1987

निवेश सं० 2/सितम्बर/86—स्त्रतः मुझे ए० आर० रैड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक सं० 15 टी० एस० सं० 6 और 7 (पार्ठ) है तथा जो वेलचेरा गांव, मद्रास मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, सैदापैट-दस सं० 1068/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए से स्थ्यमान प्रतफल का पद्गह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ग्रें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, ज्ञिम्निखित व्यक्तियों, व्यक्षीत्:——

- (1) श्री ए० जी० कुरणन और सूराजा चि० कुरुप। (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स भूपति इन्बेस्टमेंटस और फाइनान्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्परकीकरण: --- १ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान अलाक सं० 15, वेलचेरी गांव , मब्रास (सैदापेट-दस सं० 1068/86)

ए० भार० रैड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-17

दिनांक: 28-4-1987

प्ररूप आई. टी, एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मन्नास

मब्रास, विनांक 22 भन्नेल, 1987

निदेश सं० 18/सितम्बर/86—श्रतः मुझे, ए० म्रार० रैडी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० 9, पधानाभन स्ट्रीट, टी॰ नगर,
मद्रास-17 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध धनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय
टी॰ नगर-दस स॰ 1476/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक
सितम्बर, 1986

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान भित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए.तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्दोदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेर के अन्तरक के दायित्व में ककी करने या उद्धते वचने में सुविधा के लिए; और√या
- (का) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) । अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० ची० गजपति ग्रौर ग्रन्य।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती एम० मोहना सन्थानम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपश्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सं संधी यिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भाषर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहृत्र किसी सम्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के था... निवित में किए जा सकी थे।

साष्ट्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिं गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 9, पण्यनाभन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17।

(टी॰ नगर-इस सं॰ 1479/86)

ए० म्रार० रैड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 22-4-1987

±ोहरः

प्रक्रम आहें.टी.एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

भ्रजीन रेज-2, मद्रास मद्रास, दिनाक 28 प्रप्रेल 1987

निदेश सं० 19/सितम्बर/86---श्रत मुझे, ए० श्रार० .

रैड्डी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्ष्म पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सन्यिस, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क से अधिक है

और जिसकी स० 14, 15/1, है तथा जो साउथ वैस्ट बाग रोड, टी॰ नगर, मद्राम-17 में स्थित है (और इसमें उपाब इ प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, टी॰ नगय, दस स॰ 1303और 1304/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिगाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि मन्तिक के से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तिरिती दवारा पंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी० राजेंश्वरी श्रम्मा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रजय बाई

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविव 41 तर्लम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित क्यां करा में स किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) (स र्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्य फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिख्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान स॰ 14, 15/1, साउथ वेस्ट बाग रोड, टी॰ नगर, मब्रास-17 (टी॰ नग τ -दम सं॰ 1303।और 1304/86)

ए० भ्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मब्रास-17

विनाक: 28-4-1978

मोहरः

प्रकार बाह्र ही. एवं. एसं. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्पना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मेद्रोस मद्रास, दिशांक 28 अप्रैल, 1987

निवेश सं० 20/सितम्बर/86—श्रतः मझे ए० श्रार० रैंड्डी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परधात 'उभत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राविकारी की, यह विख्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- राज से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० 32 है तथा जो उण्णामलै श्रम्माल, स्ट्रीट टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय टि० नगर-दस सं० 1344/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधी;, सितम्बर, 1986

को धूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृत्य में कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और प्रके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार भूक्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरन के खिए तम पाया नया प्रति-क्य निम्निविद्य स्वृथेस्य से उच्च मन्तरम मिक्सि में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की जायत, उक्त अधिनियम के अधील कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी केंग्ली या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस् अधिनियम, 1922 का 11) या अवस् अधिनियम, या भनवार अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती दुवारा प्रकट नहीं किया एया या या किया जाना थाहिए था, छिनाने मा स्विभा के तिस्;

कत: अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती जी० श्रार० कृष्णाम्मा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी

(भ्रन्तरिती)

वर्ष पूर्व प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रमुख्य वे अर्थन पे जिल्ले कार्यवाहियां करता हूं।

तक रामात्व के वर्षन के राज्य में कोई श्री वार्षप्र-

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकी ।

स्थानिकरणः - इसमें प्रयुक्त कर्मा कीर पत्तों का, वा अवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गर्य है।

ननसूची

भूमि ग्रौर मकान सं० 32, उण्णामलै ग्रम्माल स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17 (टी० नगर-वस सं० 1344/86)

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी स्हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास-17

विनांक: 28-4-1987

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

कायकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 28 धप्रैल, 1987

निदेश सं० 23/सितम्बर/86—अतः मुझे, ए० आर० रैडी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000//- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 75 है तथा जो लाइड्स रोड, रायापेट्टा, मद्रास-14 में स्थित है (भौर इससे उपाबद में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राबिकारी के कार्यालय, मैलापुर_ दस सं० 1579/86 में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीनः 1986

को पूर्वीकत सम्मित के अधिक वाकार बूक्य से कान के स्ववक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्व पावा गया प्रतिफल, न्यिनलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कांचित नहीं किया गुवा है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त निभानियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जेर्सर/वा
- (व) एवी कियी बाव या कियी वन वा बच्च आसितवीं की विन्हुं भारतीय वायकर विवित्तियम, 1922 (1922 का 11) था उन्तः विभिन्तियम, या वन-कर विभिन्तियम, 1957 (1957 को 27) की प्रमोचनार्थ मन्तरिती हुनारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने थे मृतिका की किया है।

बतः शर्व, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए के बनुस्रण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए की जिपभारा (1) के बभीन, निश्वीक्षेत्रिक स्थितितां, वर्षात् ; (1) श्री एम० अनताफ अहमद

(बन्तरक)

(2) श्री बी० ए० एफ० कूल्हो धौर म्रन्य। (म्रन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस बूजना के राजपन के प्रकारन की तारींक है

 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी .

 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए वा सकींगे।

स्वक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उन्न अध्याय में दिका गया है।

अनस्यो

भूमि झौर मकान -75, लाइड्स रोड, रायापेट्टा, मद्रास-14 (मैलापुर-इस सं० 1579/86)

> ए० भार० रैड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, मद्रास-17

दिनांक: 28-4-1987

मोहर 🕾

(1) श्रीमती ए १० लक्ष्मी भ्रम्माला प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भानुमति सुन्द्ररामन

(भ्रन्तरिती)

ज्ञायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

क⊮र्यालग्, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 ग्रप्रैल, 1987

निदेश सं० 25/सितम्बर/86—ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रत. से अधिक **है**

भौर जिसकी सं० 25 है तथा जो श्रभिरामापुरम-IIIस्ट्रीट, मद्रास 18 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर दस सं० 16/8/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन, सितम्बर, 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को दश्यमान प्रतिकास के लिए कृत्तुरित की गुई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उस्के दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्लरितियों) के बीच एसे बस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित सब्देश्य ते उक्त अन्तरण दिलखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया ड⁴ ध---

- (क) अन्तरण से हुद्दे किसी भाग की बाबत, **उ**क्त नियम को मधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बीर/या
- एक) एसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भनकर विभिनियम,, 1957 (1957 का 27) प्रश्रीजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भागाकियाजाना माहिए था, छिपाने में सुविधा भी चिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण **कों.** में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीतः विकासित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद् कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पर्श के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कर्ग।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्षः शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ५ रिभाषित हैं, बही अरथे होगा जो उस अध्याय म दिया भवा है।

अगृतुची

भूमि धौर मकान सं० 25, भभिरामापुरम III-स्ट्रीट, मद्वास-18

(मैलापूर-दस सं० 1618/86) प

ए० भार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास-17

विनांक: 22<u>,4</u>-1987

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 27/सितम्बर/86—अतः मुझे, ए० स्रार० रैडडी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उत्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 260-स के अभीन सक्षम अधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला अभिन हाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 8 है तथा जो िष्हिवथी ग्रम्म : स्ट्रीट, रामाकृष्णा ागर, मद्राम-4 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी
के कार्यालय, मैलापुर-दस स० 1521/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन,
दिनांक सितम्बर, 1986

को प्वोंबन सम्पत्ति के उचित दादार मृन्य म कम के क्षयमान मित्रफल के लिए जन्तरित के ए गर्द हैं जोर मक पह विद्वार स्टब्स को कारण हैं कि स्थाप्बादन सम्मति दा उदि हैं होता क्षय का उपके स्थापन प्रतिफल में, एम क्ष्यमान प्रतिफल का ए लिए के बाव हैं और जारक (जतरका) और अन्तरिती (अतरिति कों) के बीच एक अन्तरम के लिए तम पाया ममा प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सविधा के लिए; और/या
- .क) ज्सी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थीत् :-20-126GI/87

(1) श्रीमती जानकी ग्रम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शैख जाफर ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरितीमे

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकरेंग।

स्पष्टोकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि ग्रौर मकान सं० 8, थिरुविथी श्रम्मन स्ट्रीट, रामा-

ए० श्रार० रेड्डी मक्षम प्राधिकारी महायक गायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-॥, महास ।

दिनांक: 22-4-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन नेंज-र्रा, मदा

मदारः, दिनांक 22 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 29/ितम्बर/86—श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम

आयकर अभिनयम, 1961 (1961 की 43) (जिस इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 457 (डब्ल्य्०) इन्द्रा नगर है तथा जा तिस्विन्सपुर, मदाः में स्थित है (श्रीर इःसे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, मदा ; साउथ~द ; सं० 3160/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) वे स्थीन, दिनांक ितम्बर, 1986

के प्वांक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रितिणल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियां) के बौच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उध्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ. अर्थात :---

- (1) श्री पीट केंट रामन श्रौर केंट जीट वेकटेण्वरन (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मृत्दरी परमानाभन (सन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पिन के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुन्ना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्थत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, यही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

भूमि ग्रौर मकान-प्लाट सं० 457 (डब्ब्य्०) इन्द्रा नगर, तिरुवान्मिपुर गांव, मदास।

(महा: गहथ-इ: सं० 3168/86)

ए० द्यार० रैड्डी ;क्षम प्राधिकारी हायक द्यायकर द्यास्ता (तिरीक्षण) द्यर्जन ३ ५-11 सदा ५1७

दिनांक: 22-1-1987

मोहर .

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज-11 मद्राप

मद्राप, दिनाक 28 अप्रैल, 1987

निर्देश सं० 30/ितम्बर/86—श्रत मुझे ए० श्रारं० रेड्डी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रापा से अधिक हैं

ग्रीर जिन्नी संब्द्धाट संब 19 ग्रीर 20 है तथा जो तिम-बान्मिपुर गाव मदाभ में स्थित है (भ्रीर इ.से उपाबद्ध प्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मदा : राउथ-द : संब 3259/86 से भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक ितस्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **दश्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझा यह विश्वास करने का कारण

है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित पाजार मृल्य, उसक दृश्यमानप्रतिफल् से, ऐस दृश्यमान प्रतिपत्त के पन्द्रह प्रतिश सं अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (को अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्च अणि-नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मार/या
- (ख) एसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

शतः थरा, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती एच० णान्ताकुमारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० एम० रवि प्रकाण

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो करक पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतम प्रविक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस्त्र से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **है।**

अनुस ची

भूमि स० 140 (प्लाट स० 19 श्रीर 20), तिह- वान्मिपुर, मदा ।

छ० श्रीर० रैड्डी ंक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेंज-]], मद्रास

दिनाक : 28-4-1987

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/37-जी/9-86/192— ग्रतः मुझे,वी० के० मगोत्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मिनियम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार भूस्थ 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एम० 545है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक स्तिम्बर, 1986

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का शारण है कि यभापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बच्चह्य सं हुई किसी बाय की बावर , उक्त विधियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायिल में क्वी क्यूने या प्रस्ते वचने में स्विधा के लिए; वीर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निषिनयम, या भन-कर निषिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेजर एउ० एस० मुब्दी अल्यान मेजर सर्वण गांव सेहोरा तहमील बिलानपुर जिला रामपुर यू० पी० वर्तमान एउ० 54इ, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा अटारनी हरचन्द सिंह।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी सुरजं≀त कौर पुत्री सरदार गज्जन िह ग्रीर कुमारी निमरत मुन्दी सुपुत्री हरचन्य सिह निवासी मेहैरा तहसील बिलापपुर, रामपुर, यू०पी०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

सकत सम्परित के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:---

- (क) इस सूच्या के राज्यत में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविभि का उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामीस सं 30 दिन की अविधि, को भी वविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस श्वना के रावपण में प्रकाशन की सारीख म 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्मत्ति में हित-वक्ष किसी जन्म स्थानत ह्यारा, वधोहन्साक्षणी के गास निश्चित में किये वा सर्केंगे।

स्थळीकरण:--- इतने प्रयुक्त सम्बाधिर पर्योका, वा अक्त विधिविषम के सभ्यात 20-क में परिवाधित हो, बहुरि वर्ष होगा को उस अभ्यात में विधा गया हो।

सन्स्ची

प्रथम खुड प्रापर्टी न . एय-545, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

तादादी 570 वर्ग गज पूर्ण क्षेत्र 1800 वर्ग फिट।

वीं० कं० मगोस्रा ाक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7,नई दिल्ली

दिनांक: 11-5-1987

प्रकृप आई. हो. एन. एस. ------

श्राधकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की ং এওএ-ছ के अधीन सुचना

¥ारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्**वत (निरक्षिण)** श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०एक्यु०-7/37-जी/9-86/ 166:---श्रतः मुझे, वी०के०सगोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भ्रमके पण्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिह बाजार मृस्य 5,00,000/- रु. स अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं ० एस-62. ग्रेटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित ह), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधयनयम, (1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वीवत सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में अस्तिवक कप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की बाबत, उक्क नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियो, अर्थात :---

(1) मैसर्स वाजिदसंस एक्सपोर्ट लिमि० द्वारा डायरेक्टर श्री ध्रब्दुल कादिर सुपुत्र श्री ध्रब्दुल वाजिद, डी-8, कालिदी कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विमल किशोर जैन 2 रीता जैन 3 मिसेज कविता जैन 4. डेज: जैन 1490, कूचा सेठ, दरीबाकला, चांदनी चौक, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थटीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की था उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० एस-62, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली-48 नादादी 300 वर्ग गज ।

वी० के० मंगोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज--7, नई दिल्ली

तारीख: 11-5-87.

सोहरः

वेक्ष वार्ष्य की . एक . युक् _-------

भाषकेर सर्गिनितम, 1961 (1961 का 43) की भार भारा 269-व (1) के वर्षीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयन्कर आय्क्ल (नरीक्षण) म्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० प्राई० ए० मी० एक्यू०-7/37-अी/9-86/ 190 ---भ्रतः म्झे, वी० के० मगोत्रा,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके द्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एस−189, ग्रैटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्भूची मे भ्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय राजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

की प्रतिकृत सम्परित की उचित बाकार मृत्य म कम के दश्यमान करन का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अस्म , उसके करवमान प्रतिकर्त से , एसे दश्यमान प्रतिकल का **ान्यह प्रतिचत से स**िभक **है बरि, अतरक** (अनरकों) और अन-रती (मेंतरिंतिमी) के भीर्ष ऐसि मैंतरेण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्पेत्रिक इप म राधित नहीं किया गया हूं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दाने के जलरक अ बाबित्य में खमी कारने या उससे दचने में सुविधा में सिम्; बीर∕वा
- (क) एंडी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य वास्तियाँ को, चिन्हें भारतीय आध्यक्तर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा जर्नेत विभिनियम, वा भेन-कर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ अंतरिती बुधारा प्रकट नहीं किया **गया था या किया जाना चाहिए था, डि**ड्याने र्रे स्विधाके लिए;

(1) मैंसर्स गेबरील गारमेट स (प्रा०) लिमि० एस-14, ग्रेटर कैलाग-2, द्वारा डायरेक्टर **डब्**लू माहली सुपुत्र भ्रार० डी० माहली नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जय नारायण गुप्ता, 2985, कुचा मई दास बाजार, सीनाराम, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

कां बहु स्वना बारी कारके प्योंक्त सम्पत्ति के वर्षन् के जिब् कार्यवाहियां करता है।

रक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध के फोर्ड भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस 45 दिन की जवभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवीप बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इत्त सुच त के राजपत्न प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति प्रवास, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित् में किये का सकेंगे।

स्वकारिकरण:---इसमाँ प्रयुक्त श्रम्यों और पद्यों का, जो स्वरु अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होता करें उस अध्याय में विका नया है।

एक फ्लेट बिल्डिंग का भाग प्लाट न० 189, ब्लाक एस० कुल तादादी 300 वर्गगण।

> वी० कें० मगोत्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 2.69-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन , निम्नलिसिस व्यक्तियों , अर्थात् :---

तारीख: 11-5-87.

प्ररूप आई.टी.एन.इस.-----

बावकर विभिनियम, 1961 (1**961 का 43) की** धारा 269-व (1) के विभीन सुवना

भारत सरकार

अमेलिय, तहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/

157:---ग्रतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस 474, ग्रैटर-कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत सं अधिक है कोर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्दोश्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्कृष्टिक रूप से क्रिंथत की किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा, के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय आ किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) ा रात तीर्धानयम, या धनवर अस्तितास, या धनवर अस्तितास, 1957 (1957 का 27) को असंवराश अन्तिरती वृतारा अन्यः नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए.

- (1) श्री इन्दरजीत सिंह द्वारा जनरल एटोरनी शिवप्रसाद मित्तल, डब्लू-106, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गणपति एक्सपोर्ट लिमि० द्वारा एम० घोष मसजिद मोट, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारकाहिया करता है।

उच्छ सपलि के अजन के सबच बा काइ' भी काक्षण :---

- (क) ध्स सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की कारीया हा 45 दिन की बत्रिय सा तत्सस्बन्धी व्यक्तियों पर सूखना की तामील से 30 दिन की बब्धि, को भी जबधि बाद में ससाम्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट्र व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति होतारा;
- (ए) इस स्चना के राजयत्र में प्रकाशन की तस्रीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास अक्षोहस्साक्षरी के पास निश्चत में किए हा अक्षेगे ;

स्पष्टिनेकरण:--इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एस-474, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोता, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:——

तारीख: 11-5-1987.

प्ररूप आहाँ. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-7, नई दिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहावहचास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 5,00,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संराग-515, ग्रेटर कैलाग-2, है. तथा जो नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिस्ली मैं भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रश्णमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे उन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण जिल्लित वास्तिक रूप में किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय को धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के शियत्व मीं कमी करने या उससे बचने मी सिकिश्त के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिलित व्यक्तियों, अर्थाम् :-- (1) श्रोमती सरोज बड्डा पन्तो जयराम चड्डा, केणर सर्विस स्टेशन जी टो रोड़, जालधर पंजाब ढारा प्रथवनी कुमार।

(ग्रन्तरक)

(2) मीनाक्षी पुरी पर्ला। प्रगोक पुरो 36, शेख सराय, नई दिल्ली-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीक में 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की साभील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में में माप्त होती हा, के भीतर प्रवित व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति मं हितबद्ध किसी अन्य गिक्त द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मं किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयावन गव्दों और पदों का, जो अनन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रियर प्रोरसन नल खंड प्रापर्टी नं० एस-515, नावादों 550 वर्ग गज ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोता, सक्षम प्राधकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज∽7, नई दिल्ली−110 002

नारीख : 11-5-1987.

प्ररूप आई. टी. एन., एस. ------

बावकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन मचा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/ 159:--- श्रतः मझे, वी० के० मंगोत्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का ऋगरणं है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-515, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाबद्व ग्रनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अतिरित् की गई है और मुफ्ते यह विस्वास करने का कारण है कि गथापर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित को गम्तीबक रूप से क्षीयत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, बीर्धानयम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- 'क' गमी कि मी अप या रिमी धन या अन्य ब्रास्टियाँ वा, जिल्ले भानीय जायका क्रीभीन्यम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त विधिनियम बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) रूं प्रभाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

वतः अव,, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण कों, मीं, उवन अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात :--21-126GI/87

(1) श्रीमती सरोज चढ्ढा पत्नी श्री जयराम चड्ढा निवासी----केसर सर्विस स्टेशन जालंधर द्वारा श्रदारनी श्री श्रश्वनी खुराना।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्दर प्रकाश भाटिया, निवासी-41, शैलिस लिंकिंग रोड़, सान्ताऋज, वेस्ट बोम्बे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां गरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अधिकतयों भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शहत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा स्कोंगे।

स्थब्दोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो अवत विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मसा है।

ग्रन्यूची

तल खन्ड सामने का भाग प्रौ० नं० एस-515, तादादी 550 वर्ग गज, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता. सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं श्राई० ए० सी० /एक्यू०--7/37-जी/9-86/ 158:---श्रतः मझे, वं.० के० मंगोन्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-

और जिसकी सं एस-515, ग्रैटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), जिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मितम्बर, 1986

को पृत्रों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सरोज चड्डा पत्नी श्री जायराम चड्डा केशर सर्विस स्टेशन जी टी रोड़, जालंधर द्वारा एटोरनी ग्रशक्ती खुगना।

(ग्रन्तरक)

(2) मिसेज ग्रल्का पाठक पत्नी श्री केशव पाठक श्री केशव पाठक सुपुत्र श्री लें कें महानंद पाठक (रिटायोर्ड) 14, सिरीफोर्ट रोड़, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण: —— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसुची

रियर प्रोरणन प्रथम खंड, प्रापर्टी नं० एस-515, तादादी 550 वर्ग गज,ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),से श्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली-110002

तारीख: 11-5-1987.

त्ररूप माद्दी टी. एन एवा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निशीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्वेश सं० म्नाई० ए० मी०/एक्यू०/--7/37-जी/9--86/ 193.--यत. मुझे, वी० के० मंगोता,

जायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त जीभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित वाचार मृख्य 5,00,0≈0/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० एस-515, ग्रैटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली सामने का भाग में स्थित है (और इससे उपाब ब श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार जूक्य से कम के दक्यभान भीतफल के लिए जन्तरित की गई है जार मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सरुपति का उचित वाचार मृत्य, उसके दक्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान भित्रकल का पन्त्रह प्रतिकत से लिएक है जार जन्तरक (जन्तरका) जार जन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब नावा प्रतिफल निम्निलिक उच्चेष्य से उक्त जन्तरण जिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्लरण से हुई किसी जाय की बावत, उथक जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, जौर/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के किए।

अतः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सरोज चड्ढा, केणव सर्विस स्टेशन जी टी रोड़, जालधर द्वारा एटोग्नी श्रग्वनी खुराना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री माधव पाठक, 14, सिरी फोर्ट रोड़, नई दिल्ली । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांड्रों भी आअप

- (क) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, धों जी अविधि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर एवों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्तबद्ध किसी जन्म स्थावित ब्वास, जभोहस्ताकारी के पारु सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वाकारण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, को तकत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय मा दिस्स वसा है।

प्रमुख्ये

सामने का भाग, दूसरा खड, प्रायर्टी न० एस-515, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-5-1987.

इंक्य बाइ", टॉ., एम. एस. ४ - - ----

कायकर नीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन स्थान

शाहत बहुकान

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निट्रीक्रण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/ 164:--श्रत: मुझे, वी० के० मंगोता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एम-250, ग्रैटर कैलाण-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वेक्त संपरित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त नेपत्ति का उिचन बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रदिक्त, निम्निचिक्त उद्यदेश्य से उक्त पन्तर पारण निम्निक को बास्निविक रूप में किया गया है ----

- (क) अन्तरक हे हुई किसी नाम की नायत, उपक अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाओं के बृविधा अ सिए;

सतः तवं, तक्त व्यविगयम की धारा 269-ग में अनुसूर्य में, में, उक्त विधितियम की धारा 269-व की व्यवसार (1)

को अधीन, निम्नलिक्सित व्यक्तियाँ, अर्थात् :----

(1) श्री रूपिन्दरकोरा ए-902, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला नय्यर, 4, सरदार पटेल मार्ग, कटोनमेंट लखनऊ-226002।

(श्रन्ति (तां)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्षत्रस सम्मत्ति के शर्वन के संबंध में कोई भी शासेय 🖫 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्रथम खंड यूनिट प्रापर्टी नं० एस-250 ग्रीटर कैलाश-2, नई विल्ली।

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली-110002

तारीख . 11—5—1987. मोहर:

प्रस्तर मार्च टी. रत एच.--

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-प (1) में मधीर स्पना

नारत तरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंजं-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 मई 1987

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्भें इसके पण्डात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ए के वभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 5,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-46 2, ग्रैटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

का पृथोंक्त सम्पत्ति को उभित काकार मृत्य संकाध के क्षयकान प्रोतेफन के लिए अन्तरित की गई और मृभे यह विद्वास

करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्प्रतित का उचित भाषार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उस्त अन्तरण जिलित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुए किसी बाव की बाबए, स्वतः विधितिवृत् के ब्यीभ कार दोने के सन्तरक के समित्व में क्वी करने ना स्वतं नवने में वृतिचा के मिए; जोर/ना
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की किन्दु भारतीय आय-ऋर अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की अनुबक्तक बी, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (*) को अधीन, निम्नीलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मल्लिका राय चौधरी, एस-462, ग्रैटर कैला π -2, नई बिल्ली ।
 - (भ्रन्सरक)
- (2) श्री दिनेश बहल और मिसेज श्रनू बहल 32, हमजूंट नई दिल्ली।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना चाडी करके पूर्वीकत् कन्यरित के वर्धन के विक्र

उपन सम्मरित के नर्पन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस तुषना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन की जब्धि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जब्धि, जो भी स्वृद्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक स्वृद्धिता में से किसी स्वनितः बुकारा;
- (व) इत सुवान के राजपक में प्रकाशन की तार्रीकः वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकैंगे।

स्वकारिकरण — इत्रमें प्रयुक्त करतों और नवों का, जो उसक विधिनयम के बच्चास 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होता वो अस सच्याप में विका पका हैं।

अनुसूची

पर्टी नं ० एस-462, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली प्लाट 550 वर्ग गज पूर्ण केंद्र 3250. 38 वर्ग फीट।

> वी० के० मगोतां सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-7, नई विस्ली-110002

तारीख: 11-5-1987.

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० स्नाई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/ 160:---झत: मुझे, वी०के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रं. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं०.......है तथा जो एस-464, ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी बार्य या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) मल्हन बिल्डिरम, ई-588, ग्रैटर कैलाश-2, नर्ष दिल्ली।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाष भाटिया, एस-254, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पक्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

एक कमरा तादादीं $10' \times 15'$ प्रथम खंड श्रीर खुला देस बिल्डिंग नं०एस—464, ग्रेटरकैनाग—2, नई विल्लीं।

र्वा० के० मंगोता, सक्षम (श्रधिकारी), सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज∼7, नई दिल्ली⊶110002.

ता**रीख** : 11--5--1987

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

कामकर सभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धास 269-व (1) के सभीन स्वना

शास्त सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोंज~7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

. निर्वेश सं० म्राई० ए० सं।०/एक्यू०--7/37--र्जा/9--86/ 202:---म्रतः मुझे, वी० के० मगोत्रा,

कायकर अभिनित्रमं, 1961 (1961 का 43) (विकं एतके एतके एतके प्रक्ते प्रकार 'उक्त अभिनित्रमं' कहा गया हैं), की भाड़ा 269-च के बधीन सक्ता प्राधिकारी को वह निर्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित नाभार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० है तथा जो एस-175, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सिसम्बर, 1986

को पूर्वोचित सञ्चिति को अधित बाधार बूस के कम को ज्याबान प्रतिकास को लिए बंतरित की गई है और बूधों वह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य इसके अध्यान प्रतिकास से, एसे अध्यान प्रतिकास का बनाइ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (बनारितिकों) को बीच को अन्तरक से लिए तक बाबा नवा प्रतिकात, निम्निलिसित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक कम से स्विध्त बड़ी किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई िकारी आय की बाबत, उक्न अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी तन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय अधकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थवा एउ या किया भाना वाहिए था, फ्रिशन यो अधिका वे विक्

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में.. में , उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) रे प्रधीन, निक्निलिखिल व्यक्तियों , अर्थात् :--- (1) 1. कृष्णावर्मा पत्नी स्वर्गीय हरबंसलाल वर्मा,
 26, स्टानफोर्ट एवेन्यु,बुङ ग्रीन लन्दन एन∽22,
 2. राजीव वर्मा, 3. सुनीलवर्मा. 4. मिसेज सीमा मेहता।

(ग्रन्तरक)

(2) कल्पना प्रोपर्टीस एँड फाइनेस प्रा० लि० ई-316, ग्रेटर कॅलाग-2, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के किन कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाणन की तारीच है 45 दिन की जवभि या तत्संबंधी स्थानित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी अविभ जाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृष्टित स्थानित पाँ में किसी स्थानित हवारा;
- (थ) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय थें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त निश्चित में किस् या सकोंने।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिवा वया है।

अमृस्थी

एस-175, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली । तादादी 300 वर्ग गज ।

वी० के० मंगोता; सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

नारीख : 11−5−1987.

प्रचल मार्च . वी . एव . एव . ---:----

'नामकर गांभिनियम, 1901 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुवना भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/ 129:--अतः म्झे, त्री०के०मंगीता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्यास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रूट. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो एम-171, ग्रेटर कैलाग-2, मई दिल्ली प्रथम खंड में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यात्रय नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रेबीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाष्वों अस सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी जाप की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दापित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मास्विथा के किए।

ज़तः ज्ञान, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुकरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन : निम्निलिसित व्यक्तियों : अधीत् :----

- (1) मास्टर अमन नागराज द्वारा जनरल एटोरनी सतीण गंठ जी-1/16, प्रियागंज, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) सपन स्टेट प्रा० लिमि० के-4, ग्रीन पार्ट एक्सटेंशन नई दिल्ली द्वारा एटोरनी ग्रार० के० मग्गन सुपुत श्री ग्रार० एन० मग्गन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचन जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की बर्दीध या तत्संबंधी न्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क्ट में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

बन्स्ची

प्रथम खंड प्रापर्टी नं ० एस-171, नादादी 298 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोत्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायकक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षा), स्रजीन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

नारीख: 11-5-1987.

प्रारूप आहें. टी. एत. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुपना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जनरेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू-7/37-जी/9-86/ 174:--श्रतः स्झे, वी०कं० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस-315 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख सितम्बर, 1986

को प्त्रोंकित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम को स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोंकित मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच के एसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायत्वि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 22-126GI/87

(1) श्री हरिहर लाल मेठ, निवासी-एस-315, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेण कपूर, निवासी-डब्स्यू-112, ग्रैटर कैलाश-2, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी। त्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उब्बर्ग अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० एस-315, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, ङ्शाक 'एम' तावादी-1620 वर्ग फिट।

> वी० के० मंगोत्रा, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रोज-7, नई दिल्ली-110002

नारीख: 11-5-1987*.*

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, नहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-फी/9-86/ 132:---ग्रतः मुझे, बी० के० मगोल्ला,

कायकर मिंभनिक्य, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मिन, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/। रु. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० एस-89 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उताबस श्रनुपूची से शौर पूर्ण कर ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय नर्ष दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितस्थर, 1986

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रितिफ स के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ स से, एसे दृश्यमान प्रतिफ स का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ स, निम्निसिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण मं हुइ जिल्ली जान की बाबत, उनक निष्य के अधीन कर दोने के नन्तरक के तायित्व में शर्जी करने वा उसके वचने में सुनिधा के निष्ठ, कौड/वा
- (च) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यन्तियों, अर्थान्:—•

- (1) श्रीमोहिन्द्रा पाल खन्ना श्रौर श्रीमती नीलम खन्ना, निवासी-एस-89, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मंजय प्रमाद, निवासी-51, फ़ैंड्स कालंती, ईस्ट, गथरा रोड, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के बर्चन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत रूपित्त के वर्षन के सबध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्ति व्यक्तियों में किमी अयिक द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्यक्किस्न:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्यों का, वो उन्त अधिनियम के अध्याय १०-क में परिशाधिक ही, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया। गया ही।

अनसची

तादादी 300 वर्ग गज, 3 कमरे साथ में, 2 बाथरूम, 1 क्राईंग-कम-डाईनिंग रूम, 1 किचन, 1 स्टोर, क्राईव कार पार्किंग सामन लान और पीछ कोर्ट यार्ड, बना हुआ है। 1 बैंड रूम, मैजातिन फ्लोर, 1 ड्राईग-कम-ड्राइग रुम, 1 स्पेयर स्टेयकें ज प्रथम खन्ड, एक कमरा, 1 खुना बाथ, इक्ल्य्-सी एन्ड प्रथम खन्ड।

वी० के० मंगो**त्रा,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्राय_ुक्त ('निरीक्षण), ग्रार्जन रेंज-7, नई दिल्ली ।

तारीख: 11-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० एस-189 है तथा जा ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्री। इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तिरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भता. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा 11) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् ६——

(1) मैं श्वरिल गारमेन्टम (प्रा०) लिल, एम-14, ग्रैटर कैनाश-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती किरन कुमारी जैन पत्नी स्वर्श्यो सीतल श्रमाद जैन, निवासी-ए-3/89, पंचणील इन्कलेब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

ग्रन्युची ।

पहली मजिल, प्रो० न० एस-189, ग्रैटर कैलाश-2, उर्ड दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गज।

> वीत कें मंगोझा, सक्षम अधिकारी, महायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

नारीख: 11-5-1**9**87.

प्रकल बाहै, टी. एट. एक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

नारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्वेश स० धाई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/ 161:--धात मुझे, बी० के० मंगोन्ना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 511— ब्लाक एस ग्रैटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे पाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

कां पूर्वोक्त संपरित के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के सिए बन्तरित की गई है जीर मूखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार शृष्य उसके पश्यमान प्रतिकत है, एंडे दश्यमान प्रतिकत का विश्व का प्रतिकत का विश्व की विश

- (क्य) सन्तरभ वं दुर्द भिन्नी बाय भी वायक्त उपक मिनियम के विभीत कृद दोने के बन्चडक के दामित्य में कमी कर्तने या उत्तरे अभने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एस किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तिको को, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयाजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के किए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे जधीन, निम्निलिक्, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अमोमप्रकाश हांडा, ई- 319, उँटर वैलाश-2, नई दिल्ली।

(श्रन्सरक)

(2) वीग्ना गुप्ता, 2 मधु गुप्ता, 57, दरियागंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्षिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 511, ब्लाक एस तादादी 550 वर्ग गण प्रवासीय कालोनी ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोन्ना, मक्षम श्रिषकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज--7, नई दिल्ली--110002

तारीख: 11-5-1987-

प्ररूप मार्च . शी. एन . एस . -----

कामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्कना

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट नं० एस- 571, ग्रैटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सिनम्बर, 1986

का पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पद्रह ही जित से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (जन्तिशिस्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रश्त कल, जिम्मिति वे उद्देश्य से उक्त कत्रण लिखित में वास्तिवक कर में किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आब या किसी भन वा अन्य बास्तियां को, भिन्हें भारतीय आयकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधान गर्भ गन्तिर ती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ का या जिल्ला ताला का या जिल्ला साम का या जिल्ला का जिल्ला का जिल्ला का जिल्ला का जिल्ला का या जिल्ला का जिल

करा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री राकेश कपूर ग्रीर मैसीस नरिंद कपूर (एच यू एफ) द्वारा निन्द्र कपूर 163, गोल्फ लिक नई, विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एल० एन० जम्मी ग्रौर श्रीमिन नीलम सरणा निवासी—लाल मण्डी, श्रीनगर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारों करके पूर्वींक्त संपरित कें बर्जन के लिए कर्रायाक्रियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप 🚈 🗕

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी न्यक्तियों पर स्थाना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी की पास लिखित में किये जा सकारी।

स्यष्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अधे होंगा आं उस अध्याय में दिया गया है।

क्षन्स् ची

प्लाट न० एस-571, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मगोन्ना, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीत रेज~7, नई दिल्ली~110002

तारीख : 11-5-1987. मोहर याच्य मुहुरे, ही, राज राम् भारतस्थानस्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 मई, 1987

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/ 206:--ग्रत: मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रमात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के प्रान्त सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो दूसरा खंड एस-148, तादावी 306 वर्ग गज है तथा जो ग्रैटर कैलाश में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

की प्र्योकन सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतराल के लिए अन्तरित की गई हैं. और मूओ यह रिव्यक्त करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार अल्थ, अस्के दृद्यमान प्रतिफल से एसे दृद्यमान प्रतिफल का प्रस्तु शितथात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अतिरितिया) के बीच एक अन्तरण के लिए तद पाया श्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण विश्वित में आस्तरित कर एक की भव नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अपके की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ्ती किसी अध्य पा किसी धन या अन्य वास्तियी की, चिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) **वै क्योंन**ा विस्तिवित स्वित्तयों, अर्थातः—- (1) श्रीमती स्नेह दत्त एस-148, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) गुरप्रीत मिह, 89, ग्रानंदलोक, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

की यह भूचभा **वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्चन के निव्** कार्यकाह्य सुरू करता हुने ।

उभत राज्यांत्त के बचन क सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीष्ठस्ताक्षरी के पास निमित में किए वा सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में विका गया हो।

समयकी

दूसरा खड प्रापर्टी न० एम-148, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। तादादी 306 वर्ग गज।

> वी० के० मंगोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रेज-7, नई बिल्ली-110002

तारीख: 11-5-1987

प्रकृत वार्ष . टी.; एन. एस., ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुखना

भारक गरकार

भागीलय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 11 मई, 1987

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचार 'उक्त अधिनियम' यहां गया ही, की शारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राध्िकारी को, यह विस्वास करने का कारण ही कि स्थापर सम्यन्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी स० एस-148, ग्रैटर कैलाण-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर उससे उपावड़ श्रनुस्ची मै श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्रीफर्ता श्रीधकारी से कार्यातम नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीक तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दृश्यमान बतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुक्ते यह निरुवास करन का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्ह्यमान श्रीतफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृष्य बे उक्त अंतरण सिचित में बास्त्रविक रूप से कियत नहीं किया

- (७) ज्यारम वं हुई किसी बाय की वायर , क्या वाधिवियम के बुधीन कार दोने में ब्याह्मक में वाधिव्य में सभी करने वा अवसे वचने में सुविधा के सिए; शरि/वा
- (ख) । सि किसी आव या किसी भन वा अस्य जास्तियर को जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियो, अर्थाष् .— (1) श्रीमती साह दत्त पत्नी रवर्गीय श्री ए० के० दत्त एस-148, ग्रैटर कैनाश-2, कई दिल्ली ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री रिमन्दर सिंह मुपूत्र स्वर्गीय एस० दुर्नेव सिंह 89, थानद लोक, रई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह भाषा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति ने अर्थन् के सर्वभ में कोई भी बाक्षेप '--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय श्वारः
- (क) इस त्वमा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय श 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बब्ध किसी जन्म स्थापित ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी में पास निवित में किए जा स्कोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसम प्रयुक्त कड्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं क्यें हारेण का उस कथाय में किय-गया हैं।

अन्स्पी

एस-148, ौटर गैलाश-2 (प्रथम खड) 🖼 दिल्ली । तादादी 306 वर्ग गज ।

> वी० के० मगोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण), श्रर्जन रेज--7, नई दिल्ली--110002

तारीख 11-5-1987 **मोहर**: प्ररूप आर्थ, टी एन एस ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-- ७, नई दिल्ली

कायकार लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व क्लामे स्थान पर्यात (उत्त अधिनियम) कहा प्या ही, की धारा 269-के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित वाकार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक ही

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1004, 13, टामस्टाय मार्ग, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण नय में वर्णित है), सक्षम ग्राधिकारी के नार्यालय में भारतीय श्रायक्तर ग्राधिनियम 196! की धारा 269 क ख के श्राधीन, नारीख सितम्बर, 1986

को प्यांक्श सम्परित के उण्णित काणार मुख्य से कम के प्रयाम अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सपित का उण्णित बाजार मृद्य, उसके दर्यक्षा प्रतिकाल के, एंगे दर्यमान प्रतिकास का स्मार प्रतिकास के स्मार प्रतिकास के बाद प्रतिकास के सम्पर्क (अन्तर्कों) और बन्तरिश (बन्तरितियों) के बीच एंगे बन्तर्क के सिए तम पाया स्वा प्रतिकास निम्नितियों) के बीच एंगे बन्तर्क अन्तर्क सिए तम पाया स्वा प्रतिकास निम्नितियों के बीच प्रतिकास के सम्पर्क सिम्मित के सम्पर्क क्या से क्या स्वी क्षेत्र करा से क्या स्वी क्षा स्वा

- (छ) सन्दर्भ स हाई किसी बाब की बाबस उक्स आधि-नियम भी अभीन कर दोने भी कलरक से दावित्य थें कमी करने या उससे बचने में सृष्टिश के सिए; और/बा
- (क) एंसी किली बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर लिधिनयम 1000 (1922 की 11) या अवत अधिनियम, या धन- कर बिधिनियम, 1957 (1957 की 27) चे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निएए

अत अत, उक्त अधिनियम की भारा 269 व क जनसम्ब मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ए की जण्धारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सर्व श्री ग्रजीन सिंह दुग्गल, परमजीत सिंह दुग्गल ग्रीर इन्दरजीत सिंह पुदुग्गल बी-15, महारानीवाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तग्क)

(2) श्री मोहनजीत सिंह, 11-मथुरा रोड, नई दिल्ली-110014

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिष् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त कम्पांत के क्वान के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी विविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवार;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वा क्रम्स वीधीन्यम, के जध्याय 20-के में पीरशाविध हुँ, वहीं वर्थ होगा वं उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भ्राफिस फ्लेट नं० 1004, तावादी 696 वर्ग फीट 10वां खंड मोहन देव बिल्डिंग 143, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, महापुरु ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुकंन रेज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11—5—1987.

प्रकृष अहा. दी. एन . ए) स . ------

गाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

श्चर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1:00,000/- रास्ति अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 117 है तथा जो 7, टालएटा। गार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर उससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर प्री रूप से वर्णित है), सक्षम श्रीधवारी के कार्यालय में भारतीय आयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, तारीख सितम्बर,

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूराक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण वे हुइ किसी बाय आही बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ से कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्मियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्देत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अर्ड लिख:

जा कर, पान अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में, पान विधिनधार की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. जिम्मीलिखिन व्यक्तियां, अर्थात्:——
23—126GI/87

- (1) भ्रमल प्रोपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि॰ 115 धंमल भाग, 16-के जी० मार्ग, नई दिल्ली। (म्रन्तरक)
- (2) कुमारी स्वीता स्रमल यू/जी गोपाल स्रंसल 587-जोर बाग, नई विल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्क्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की शारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पार्ट निवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पस्तट नं० 117, 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली। वी० के० मंगोझा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्राजीन रंज-7, नई दिल्ली-110002

सारीय: 11-5-1987.

मोहरः

प्ररूपः अवर्षः दी . एव . एस . ------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली . . नई दिल्ली, दिनार 11 मर्ट 1987

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०~7/37ईई/9-86/ 211:—-ग्रन: मुझे, वी० के० मंगोता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- र से अधिक है

श्वार जिसकी गं० शाप नं० 138, नं० 5, भी गाजी हाता पोत, है त्या जा दिल्ती न पित है (प्रोर असे उपाबद्ध श्रमुसूची में प्रार पूर्ण स्व में बणित है), सक्षम श्रविदारी के कार्यालय में भारतीय प्राप हर श्रविनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रवीन, जारीख सितम्बर, 1986

को पूर्विका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के श्रामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्विक्त सीपिल्स का उाचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मृत्यह प्रतिशत से बीधक है और जन्तरक (अन्तरका) बार क्रम्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पांचा नया प्रतिकत, विम्निसियीं उद्देश्य से उस्त सम्बर्ध जिला क्या प्रतिकत स्था से किस्प नहीं किया ग्रामा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एंसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को प्रिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सृविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सोमदत्त बिल्डिरस प्रा० लिमि०, 56, कम्यूनिटी मेंटर, ईंग्ट ग्राफ कैलाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं डार्नामया मीमेंट (भारत) लिमि 11 वा यांड 15, बाराणम्बा रोड़, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सम्बना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त स्टिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्परित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---श्ममं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनसे अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

शाप नं० 138, प्रथम खंड नं० 5, भीकाजी कॉमा पलेस, नई दिल्ली क्षेत्र 336 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोत्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज~7, नई दिल्ली

तारीख: 11-5-1987.

प्ररूप आइ .टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-7, नई बिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 मई, 1987

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/ 213.--श्रुत मुझे, बी० के० मगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी कां, यह विस्वास करनं का का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०. है तथा जो णाप नं० 137 बी, प्रथम खड, 5-भी काजी कामा प्लेम में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण क्य से विणित है), सक्षम अधिकारी अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयय अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत-रिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप में किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचन में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, गक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मोबदत्त बिल्डिरस प्रा० लिमि० 50~कम्यूनिट मेटर, ईस्ट ब्राफ कैलाश, नई दिल्ली ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) डालमिया सीमेट (भारत) लिमि०, 11वा खड 15 बाराखम्बा रोट, नई दिल्ली ।

(ग्रन्नरिती)

को यह स्चना जारी करके प्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिथ् कार्यवाहिया करता हु।

जक्त सपित के अर्जन के सम्बन्ध मा कांई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में संक्रिमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण --- इसमें प्रयक्त राज्यों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में गरेश परिभा-ही, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया ही।

अभूसूची

शाप न० 137 बी, प्रथम खड, 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली। क्षेत्र 191 बर्ग फीट।

> वी० के० मंगोता, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेज~7, नई दिल्ली-110002

नारीख : 11~5~1987.

प्रकप साई. डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की भारः 269 व (1) के अधीन सूचना

बाह्य परकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-7, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०/-7/37ईई/9-86/216:—श्रतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनीत 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं है तथा जो गाप नं 137ए 5, भीकाजी कामर पलेस, दिल्ली में स्थित है (स्रार इसमें उपाब स्रनुसूची में स्रौंर पूर्ण रूप में विणित है), सक्षम स्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय स्रायकर स्रिधनियम 1961 की धारा 269 के, खं के स्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पृष्टिक्त संपत्ति के उसित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उसित बाजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्वरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उस्केष्य से उस्त अन्तरण लिखित में सस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) श्री सोमदन बिल्डिंग्स प्रा० लिमि०, 56, कम्यूनिटी सेटर, ईस्ट श्राफ कैलाण, नई दिल्ली ।
 - (ग्रन्तरक),
- (2) डालिमा मीमेट भारत लिमि०, 11वा खंड, 15 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सम्मना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि सा तत्सं होंगी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत प्रमित्तुयों से से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (एं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्बित में किए शा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

अमृत्यी

णाप नं० 137ए, प्रथम खंड, 5, भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली क्षेत्र 236 बर्ग फीट लगभग।

> वी० के० मंगोता, सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनां कः 11-5-1987.

प्रकृष नाइ. टी. एन. एस. -----

बाबकर कांधनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

FIRST REPORT

क्षयां नय, महायक मायकार वायुन्त (विरोधन)

ग्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली नर्ष्ट दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निदेश म० श्राई० ए० मीर्।एनयू०-7/37ईई/9-86/215--श्रतः मुझे, बी० के० मगोज्ञा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप सं० 137, 5, है तथा जो भीग काजी कामा पलेस दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक सितम्बर 1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रवृद्धेष्य से उक्त बन्तरण लिखत में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है "—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती ध्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा वे स्थिय

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनमरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) सोमदत्त त्रिल्डिंग्स प्रा० लि० 56, कम्युनिटी सेटग, ईस्ट <mark>ग्राफ क</mark>ैलाश, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) डालिमया सीमेट (भारत) लिमि० 11वा खण्ड, 15, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की दारी कें 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त के किए था सकेंगे।

स्यब्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

शाप सं० 137 प्रथम खण्ड सं० 5, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 130 वर्ग फीट ।

बी० कें मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

दिनाक : 11-5-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-7. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 मई 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86 217--श्रत: मुझे, बी० के० मगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम्' कहा गया है), की भारा 269-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से **जभिक है** और जिसकी स० शाप सं० 136ए, है तथा जो प्रथम खण्ड, 5. भीकाजीकामा पलेस दिल्ली में स्थित है (और इसस उपाबद्ध श्रनसूची मे पूर्णरूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय ध्रायकर श्रुधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रजीन दिनाक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का भव्द प्रतिवास से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया धितफल निम्नलिसित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया 🧗 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के असरक को दायिएक मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान। चाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिए;

वतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :--

(1) श्री सोमदत्त बिल्डिंग्स प्रा० लि० 56, कम्युनिटी सेटर, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) डालिमया सीमेट (भारत) लिमि॰ 11वा खण्ड, 15, बाराखम्बा रीड, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी**वा है** 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 वित की ववधि, जो भी बंबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (बा) इस सम्भाक राज्यक में प्रकाशन की तारीक खे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य बिक्त दुवारा अधोहस्त्रग्रक्षरी के पास लिखित में किए वास्कींगे।

लक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, अ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यया है।

वन्सूर्जी

गांप सं० 136ए प्रथम खण्ड 5, भीकाकी कामा पलेस, नई दिल्ली । क्षेच 118 वर्ग फीट ।

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण') श्चर्जन रेंज-7. नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-5-87

प्ररूप काईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-ध (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर धायकत (निर्धाण)

श्रर्जन रेज-7, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 मई 1987

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/ 210--श्रतः मुझे, बी०के० मंगीता,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क क अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं शाप सं 136. है तथा जो प्रथम खण्ड 5, भीकाजी कामा पलेस, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब इ धनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन दिनांक सिनम्बर 1986,

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और मंतिद्रिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यास वे हुए किसी बाव की वायस स्वयः विश्व-नियम की वधीन कर दोने के वस्तरक के दासित्व को कमी करने या अससे कलाने में सविधा के लिए; करि/वा
- (व्हें होती काल ना किसी नन ना अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय नाय-कर निमिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनता निमिन्यम, वा वय-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया जाना नाहिए था. कियाने में मुविभा से निक्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री मोमदत्त बिल्डिरम प्रा० लि० 56, कम्युनिटी भेटर ईस्ट धाफ कैलाश, नई दिल्ली, । (अन्तरक)
 - (2) शलमिया सीमेट (भारत) लिमि० 11मां पाण्य, 15, बाशासम्बा रोड, नई दिल्ली। (शन्तिनी)

को यह सूचना जारी करको पृवाँक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्बवाहियां कुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों शो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, वो जक्त निवित्यम के अध्याय 20 क में परिभाषित हों, नहीं अर्थ होगा जो जस अध्याद में दिवा जना हों!

मन्द्र्या

शाप सं० 136, प्रथम खण्ड, सं० 5, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 163 वर्ग फीट लगभग ।

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनाक : 11-5-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज--7, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 11 मई 1987 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/9-86/37ईई--ग्रतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदित बाजार मून्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी शाप सं० 139 है तथा जो प्रथम खण्ड सं० 5, भीकाजीकामा पलेस. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विशित है), कार्यालय में भारतीय प्राथकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में नास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) जे॰ बी॰ मार्टिनजे ए-1/230 सफदरजंग एंकलेव, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) डालिमिया सीमेंट भारत लिमि० 11वां खण्ड, 15, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध अविध बाद में समांप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिंग व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसुची

शाप नं । 139, प्रथमखंड 5, भी का जी कामा पलेस नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली -110002

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 11-5-87

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत तरकार कार्याणय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/10-86/ 287--अत: मुझे, बी० के० मंगीता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू० जी०एफ-8, नं० 4, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), मक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयण्डर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कंख के प्रधीन दिनांक अन्तुबर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्टार करने का कारण है कि यथापूर्योग्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में सासविक रूप से किथान नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24—126GI/87

(1) राजधानी बिल्डिस श्रो० मेहता लिमि०, 13-14 खण्ड, ग्रात्माराम हाउस-1, टालस्टाय मार्गे, नई दिल्ली ।

(ग्रन्त रक)

(2) नील इण्टरनेशनल सूट बी-300, 309, सोमवत्त चेम्बर-1, 5, भीकाजी कामा पलस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की उनिधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वांक्ष विक्ताों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिकाधित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

भग्त्यौ

णाप सं०यू० जी०एफ-8, सं० 4, भी काजी कामा पलेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 352 वर्ग फीट ।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनाक: 11-5-87

मोहर .

प्ररूप आई.टी.ऐन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 11 मई 1987

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/10-86/259—— ग्रतः मुझे, वी० के० मंगोता. गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह°), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 ,00 ,000 ∕- रु. से अधिक हैं

और जिसकी फ्लैट सं० 208, प्लाट सं० 4, है तथा जो भीकाजी कामा पलेस, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन दिनाँक प्रक्तवर 1986.

को पुर्वाक्ति संपत्ति को अचित बाजार मल्य से कम को क्यमान प्रतिफेल है लिए अंतरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने काकारण है कि यथाप्रविक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) बन्तरण से हुइ किँसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा को लिए: वरि/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भाररतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए,

अपतः अपव उक्त अधिनियम की भारा 2.69-ग के अनसरण मैं, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ध की उपधारार (१) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् ----

- (1) पारवती ममटानी बी-5/131, सफवरजंग एंकलेव, नई विल्ली । (भ्रन्तरक)
- (2) एम० एण्ड एम०एसोसिएटस फ्लैट सं० 208, प्लाट सं० 4, भीकाजी कामा पलेस, नई विस्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हित्तबद्धा किसी अन्य व्यक्ति क्याररा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सची

प्लैट सं० 208, प्लाट सं० 4, भीकाकी कामा प्लेस, नई विल्ली ।

> बी० के० मंगोल्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक 11-5-87 मोहर :

ूर्ण होती तथा । इस १९०० होता व्यवस्था । विकास स्थापना । २००१ । १९०० होता व्यवस्था

भारत संभितियम, 1961 (1961 सा 43) स्वी पारा 269-स (1) में स्थीप स्थाप थारत संस्थार

en st

कार्यालय सञ्चानक सारकार सामृतक (निर्देशका)

ध्रर्जन रेंज--7, नई **दि**ल्ली

नई विल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निदेश स० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/ 224-श्रत: मुझे, बी० के० मंगोद्धा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पदवात 'उक्त अधिनियम' व्यहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी शाप सं० 113, प्रथम खण्ड प्लाट स० 4, है तथा जो भीकाजी कामा पलेस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), सक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 269 कख के ग्रधीन दिनांक सितम्बर 1986,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बिल्याल के लिए जन्मरित की पद है और मुझे वह विज्ञाच करने का कारण है कि वथापूर्विक्त सम्बत्ति का उधित बाजार का एक श्रम्मान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पंत्रह प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया विज्ञान किनोम्निक उद्यविक्य से बाक्त बन्तरक स्मिकित के वास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः अन्सरक तं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के जबीन कर दोने के जन्तरक के व्यक्तित्व के कबी करने वा सक्के बचने के वृष्टिका के लिए; जीरं/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का '11) या उत्तर अधिनियम 1922 का '11) या उत्तर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती देशारा प्रकल नहीं जिल्ला गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में नृतिया के किए;

अशः अश्व उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात .--

- (1) राजधानी बिल्डर्स प्राप० मेहता इण्डस्ट्रीज लिमि०, श्रात्माराम हाउस, टालस्टाय मार्ग, न्हें र र (धन्सरक)
- (2) डालिमया सीमेंट (भारत) लिमि॰ 11 व 12वां खण्ड हंसालय, 15. बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को वह राजना जाशों करकं वचीचत संपत्ति को वर्जन के जिल् कार्यवाहियों करता हु।

कार प्रमुख्य में वर्षण के सम्बन्ध में बोर्ड की बार्बाक्त--

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन की अविधिया तत्सामधी व्यक्तितारों पर
 मृष्या की ताजील में 30 दिन की बदिय को बी
 मृष्टि कर में संबन्त होती हो, के बीचर पृथ्विक व्यक्तिकों भी से दिवी व्यक्ति हुए।
- (क) इव सूचन के रायपण में प्रकाशन की शारीय से 45 विन के भीतर जनत स्थानर संपरित में द्वित्तवस्थ किती बन्य स्थानत व्यारा, अभोद्वस्ताक्षरी के बाद्ध विविद्य में किए वा नुकान।

स्थिकारण :---इसमें प्रमुक्त सम्बद्धां और पर्वो का, जां उपक्ष अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा को उस वध्याय में विका लगा है।

वन्स्यी

शाप सं० 113, प्रथम खण्ड, व्लाट सं० 4, भीकाजी कामा पलेस, नई विल्ली ।

> वी० के० मंगोता सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली-110002

विनांक : 11-5-87

मोष्ठर :

प्ररूप कार्द्री, टी., एव., एस्., उन्तर-ना

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/ 223--अतः मुझे, बी० के० मंगोत्न,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भाप सं० भ्रष्पण ग्राउण्ड-14, प्लाट सं० 4, है तथा जो भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली-66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के भ्रधीन दिनांक सितम्ब 1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त कन्तरण लिखित में बाइस बिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण सो हुई िक सी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कं िकए; जीर/या
- (क) द्वेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सृविधा के बिए;

बकः। बंब, उक्त बिधिनियमं की भारा 269-ग के अनुबरण मैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269 व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति खावितयों, अधीत :---

- (1) राजधानी बिल्डर्स, प्रो० मोहता इण्डस्ट्रीज लिमि० श्रात्मा हाउस, 1, टालस्टाय मार्ग, नई दिस्सी। (ग्रन्तरक)
- (2) डालिमया सीमेंट (भारत) लिमि॰ 11 और 12 खण्ड हंसालय, 15, बाराखम्बारोड, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए का अवाहिया करता है।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनस्यी

शाप सं० भ्रप्पर ग्राउण्ड-14, प्लाट सं० 4, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोता सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−7, नई विल्ली−110002

दिनांक: 11-5-87

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश संब्ह्याई० ए० सी./एक्यू-7/37ईई/9-86/225:---अतः मुझे, बीव केव मंगीता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

5,00,000/- रु. सं अधिक हैं

रि जिसकी संख्या सौफ नं० 114 हैं तथा जो प्रथम व में
खण्ड 4, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्री रिइससे उपाध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), सक्षम
प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर मधिनियम 1961
की धारा 269 क ख के प्रधीन तारीख सितम्बर, 1986।
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रुयमान
परिफत के लिए अंसरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
का कारण है कि यथाप्येक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके ध्रुयमान प्रतिफल से, एसे ख्रुयमान प्रतिफल का पंत्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए स्थ पाया गया
पतिफल, निम्नलिखित ख़्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में
शस्तिवक रूप से किथल नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी जिसी बाद वा किसी धव वा विश्व वास्तिवाँ को, जिस्हें भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-सर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रक्षष्ट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा अंतियः,

अतः अवः, उत्तत अधिनिक्य की धारा 269-न के बन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ः——

- राजधानी बिल्डर्स प्रो० मेहता इण्डस्ट्रीज लि०, श्रात्मा राम हाउस,
 - 1, टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

डालिमया सिमेंट (भारत) लि॰,
 11 व 12 खण्ड, इन्शालय,
 15, वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्र तरिसी)

को यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त सध्यक्ति के नर्बन के जिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की क्षप्रीय का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामीस से 30 दिन की व्यक्तियों को भी अवध्य का में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों ए से किसी व्यक्ति व्यक्ति वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कः मे परिभाषित है, वहीं कथे होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

सीफ नं॰ 114, प्रथम खण्ड, प्लाट नं॰ 4, बीकाजी कामा प्लेस, नई पिल्ली, ताबादी 438 वर्ग फिट।

> बी० के० मंगोसा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, दिल्ली

दिनांक: 11-3-1987

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू--7/37ईई/9--86/234:---श्रतः मुझे, वी० के० मंगोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित गजार मूल्य 1,00,000/-रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ए-210 है, तथा जो बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाधक भनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम श्रिष्ठकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रिष्ठिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, ऐसे कश्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल के विश्व है बीर बन्तरक (बन्तरक) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिकित उव्योष्य से जुक्त अन्तरण लिकिस बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

> (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या

> (क्र) ए, सी. किसी आम या, अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अय, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— सम्युक्ता भारत हार्जासग किवेलपर्मेट कारपो० (प्रा०) लि०,
 553, जोशी रोक्ष, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मद्रास सिमेंन्टस लि॰, सोफ 'सी' अगुला भाग, सागर एपार्टमेंटस, 6 तिलक मार्ग, नई दिल्ली-110001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध लाद में समाप्त होती हो, के भींतर पूर्वोक्त व्यक्तिया. में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यापा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दि गया है।

अनुसूची

कमिश्रयल पलैट मं० ए-210, श्रम्सल चेम्बर-1, 3, बीकाणी कामा प्लेस, नई बिस्ली।

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-7 नई दिस्सी

किनोक: 11-5-1987

शाक्ये आई.टी.एनं.एसं.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थं (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायफर बाबुक्त (निर्देशिय)

श्रर्जन रेंज 7 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्वेश सं० आई०ए० सी०/एक्यू-7/37 ईई/9/86/235 अतः मृझै, बी० के० भंगीता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिंसे इसंमें ्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के डधीन संक्षम प्रीधिकारी की यह विश्वीस कॅरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 5,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी संख्या ए 206, और 208 है तथा जी श्रसन्त चैम्बर, भीका जी प्लेस, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूंणें रूप से वर्णित हैं) सक्षम ग्रधिकारी के कार्यालयं में भारतीयं ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की ग्रारा 269 क ख के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमा

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृस्य में कम के खयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निनिस्ति उच्चेष्य से उक्त अंतरण सिम्नित में तम्तिचें कप से अधिक ने किया मना है है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बानित्य में कभी करन वा उत्तर्ध कथने में सुनिष्ण के किए: बॉर/वा
- (क) एंसी किसी नाम या किसी थन वा बन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, र भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् : समयुँक्ता भारत हाउँसिंग फाइनेन्स करा प्रा० लि०,
 553 जोसी राम,
 नई विल्ली-110005।

(भ्रन्तरक)

 मद्राम सीमेंट लिमि० शाप सी फंट पोरमन सागर अपार्टमेंट,
 6, तिलक मार्ग,
 नई दिल्ली—110001।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्से वैधी व्यक्तियों पेर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मेलि में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कर्माणयल फ्लैटस नं० ए-206 एण्ड 208 श्रंसल चैम्बर्स्स -1, , भीकाजी कामा प्लेस, मई दिस्सी ।

> उवी० के० मंगोम्ना सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंग रेंज-7, नंहें विहेली

विनांक: 11-5-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निवेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू-7/37ईई/9-36/227:--

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज्यों से अधिक हैं

भीर जिसका संख्या एस-553, ग्रैटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसल उपाबस भनुसूची में पूर्ण रूप वे विणित है, सक्षम भिष्ठकारी के कार्यालय में भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भिर्धीन तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत अक्त जिमितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिये को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चर्हिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 2.69-ग के अनसरण् में, में. उक्तः अधिनियम की धारा 2'69-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— लिबिगपवाइंट कन्स्ट्रक्शन कम्पनी सुट न० विक्षणेवेश्वर 10, हेली रोड, नई दिल्ली।

(धन्तरक)

 द्वारा प्रो० मिस्टर उदय मिंह मिसेन निरू गुप्ता,
 309, प्रकाश स्ट्रीट, नेलीवाड़ा विल्ली—6,
 हर जनरल पाधर ग्राफ एटोरन(राम कुमत गर्ग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

प्रमुख्यी

1/8 शेयर प्रापर्टी क्षेत्र नं० एस०-553, ग्रैटर कैलाश 2, तादादी 1001 वर्ग गण जी० एफ० फ्रंट ग्रीर लान ।

> बी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-6, सई विस्ली

दिमांक: 15-5-1987

शारूप आई.टो.एन.एस.-----

भाय-जर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्कण) श्रर्जेन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एसप्-7/37ईई/10-86/ 260---- ब्रतः मुझे, बी० के० संगोता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर गंधिना, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एम०-322, ग्रीटर कैलाश-2, हूसरा खण्ड, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इपे: उलबढ़ श्रामूची में पूर्ण रूप ले विणत है), सक्षम श्रिकारी के कार्यात्य में भारतीय श्रायकर श्रिधितयम 1961 की धारा 269 के ख के श्रिशीन तारीख श्रक्तूत्रर, 1986

को पूर्विक्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उजित बाजार बृस्व, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरण (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिश्चित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाब की बाबत ; उपस्य मीपीनवर्य के संपीत कर योगे के नंतरफ के दावित्य वो कसी करने या उससे यचने में सुनिधा के तिए। सरि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जानिसायों की, जिन्हों भारतीय आग-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं , भी , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अ तिन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :——
*2—12601/87

श्री भूषण कुमार उल्हें,
 डी-64, पंजनीत एनक्लेब,
 तई दिल्ली-17।

(ग्रन्तरक)

 जार इस्टरनेशनन प्रा० लि०।
 1/171, दक्षिणपुरी एक्सटें लन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु स्वान जारी कारके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🌫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बाधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविध शाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का स्कॉने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन संची

दूसरा खण्ड, मकान नं० एस०-322, ग्रैटर कैंगाण-2, नई दिल्ली-110048।

> वी० के० मंगोला मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-5-1987

प्ररूप बाह्य टी एन . एस . -----

ड्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के अभीन सबना

भारत सरकार

अप्रांतिय , सहायक नायक्त जाम्मत (निरक्षिण) अर्जन रेज-7, दिल्ली

नर्ट दिन्ली, दिनाक 11 मर्छ 1987

म ० म्रार्ट० ए० मी०/एक्य $-7/\sqrt{27}$ ी 10-86/238-- म्रत मझे, त्री० ते० मगोत्रा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 1,00,000/- रा से अधिक है

ध्र जिसकी सख्या एम० 118 है तथा को ग्रेंटर कैनाश-2 में स्थित है (और उसन उपायद्ध प्रमुभूची म पूर्ण रूप सं विणित है), सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतवेय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कर्य के श्रधीन, नारील दुक्तुबर, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्व्यमान प्रतिफल से, एमें श्रयमान प्रतिफल का प्रेष्ठ प्रतिशान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितौ (अन्तरित्यो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदद्वय में उक्त अन्तरण निमित में बास्तविक एप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हाई सिसी आय की बाबस, उक्त प्रीधितियम के अधीन कर दौने के अन्तरक को बारियल मा कभी करने था उससे बचने से सिविधा के लिए, मैं ने / में।
- (क) गाभा किसी आस पा किसी पन या अन्य पाणिस्यों की, जिन्हों भारतीय पाणकर अधिनियम 1972 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन- कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था छिपार म मृतिधा के लिए,

अस । अं उसने भीधिनियम की थारा ?(.9 ग की अनमरण मो, मी, उसने अधिनियम की शाग 21,9 व की उपधारा (1) डे अधीन जिल्ली ।धिन ल्याकिस्या अर्थाल ज श्री स्तेह दत्त,
 एस-140, ग्रैटर कैलाण-2,
 नई दिल्ती।

(ग्रन्तरक)

2 श्रः गुरप्रीत सिंह सुपुत्र एस० हरिमन्दर सिंह 89, ग्रानन्दलो ह, गई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस राजना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकति।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रय्वत गव्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंग जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/3 णोयर प्रापर्शी न० एस 148, ग्रीटर कैलाण-2, नई दिल्ली। दूसरा खण्ड 1 बरमानी फ्लोर।

> वी० के० मगोन्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुवत (निरीक्षण) र्जन रेज–७, दिल्ली

दिनाक : 11-5+1987 मोहर: प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांशय, सहायक कायकर वाय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 मई 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० मी /एक्य्/2/37ईई/9-86/19 ---ग्रतः मर्झ, ऋगोक कक्कड,

हायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000//- रा. से अधिक हो

भीर जिसकी सद्या जाई स्टोरी हाउस न० ए-67, एन० डी० एस ई1 है, तथा जा नई दिल्ली म स्थित है और इसन उराबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप य विणत हो, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य महायक आयकर आयकन (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्रा-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) क अधीन नारीख सितम्बर, 1986

की प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह निष्याम करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्वय, असके द्रायमान प्रतिफल से, एमे द्रायमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रांत्रशत स अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन वा कन्य बास्तियों करें, जिन्हें भारतीय वायकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपान म मुनिधा औ तिस्:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम का धारा 269 व बी अधारा (1) के अधीर, निस्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :— । श्री नरात्तम सिंह नारग 12/8, डब्ल्यू इ० ए, करोत बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री ग्रमाक राज नाथ
 डी-8 (4), त्यू फेंड क्वालानी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को नह स्थना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति सै सर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्णन के सबध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी त्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में किमी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस मूचना के राजपण में बकाशन की लारीक के 45 जिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अप ज्यांकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकेंगे।

श्राक्ताकरण, -- इसमा प्रज्यंत झल्ला साँउ उन्हाँ का, की जन्म के संध्याम ११०-के म वरिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा को उस संध्याम में दिसा स्था ही।

जन्**म्** स्ट्री

हाइ स्टोरी हाउस न० ए 67,एन० की० एस० है—1, नड विल्ली, तावाध हा अभ गज में बना।

> श्रमाक कक्कड, सक्षम प्राधिजारी सहायक ग्रायकर (निरीक्षण) धर्मन रेज सर्दे दिल्ली

दिनाम 15-5-1487 माहर: इक्प बाइ. टी. एन. एव्.-----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन ब्यान

मारत बहुकार

कार्यांचय , सहायक बायकर भागुक्त (द्विर्याक्षक)

भ्रजीन रेंज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सा० भाई० ए० सी०/एक्य्/2/37ईई/9-86/51:---भ्रत: मुझे, भ्रणोक कक्कड़,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी संख्या बी-3, महारानी बाग, है तथा जो नई दिली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुमूर्ची में पूर्ण कर से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्याव्य सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्देक्षण) श्रर्जन रें - ' र दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के ग्रधीन तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्दह प्रतित सं प्रधिक है और यश्तरक (अन्तरकां) और अश्वरित से (अन्तरितियाँ) के बीच पेस वश्तरक के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से अन्त वस्तरण विकास में नास्तिविक्ष अप के जिनत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बासवा, उक्क बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया वाना चाहिए था, कियाने में सविधा के निष्; वार/वा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 कैंप्टन सोनाल्ड साह्नी, डी-108, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्वेरक)

 श्री गुरिन्दर कुमार जैन ग्रौर श्रीमती पूनम जैन ए-13, फेडम कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती'

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के क्रिय कार्यवाहियां कुक करता हूं।

जवत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेब हु---

- (क) इस गुणना के सम्पन्न में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन की बनिंध या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स
 स्वित्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-वव्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंग।

स्पन्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों जीर पदों का, जो उक्द विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नथा है।

अनुसूची

बी-3, ग्रम बी-5, महारानी बाग, नई दिल्ली।

श्रशोक कक्कड, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, दिल्ली

दिनॉक: 15-5-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू/2/37ईई/9~86/52:--

श्रतः मुझे, श्रशोक कक्कड,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

जार जिसकी सं प्लाट सी०-11, ब्लाक सी आजकल बी-30, महारानी बाग में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजं-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन नारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: जॉर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भ श्र्मीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- शे दलजीत सिंह भौर श्रीमती श्रमरजीत कौर सकान नं० 127, सेक्टर 9 बी, चण्डीगढ़।

-(भ्रन्तरक)

2 श्री हरबंस लाल मल्होत्ना, बी-30, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सन्यक्ति के शर्वन की विक कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हें सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚈

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की जबिध, जो भी क्षिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितयों में से किसी स्पृक्ति इवारा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० मी-11, ब्लाक (सी (ग्राज-कल बी-30, तादादी 785 वर्ग गज, महारानी बाग, नई दिल्ली।

श्रशोक कक्तड़, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 2, नद्दी दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

मीहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/9-36/54.--ग्रतः मझे, प्रशोक कक्कड,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो दूसरा खण्ड, प्रताप भवन, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंश्य सं उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अबं, उक्ते अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, रंं, उक्ते अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधान, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :--

श्री सुधीर गर्ग श्रीर
 श्रीमती सुमिता गर्ग
 27, श्रबूलफजल रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

मसर्स चमनलाल एच० यू० एफ०,
 204, सर्वप्रिय प्रपार्टमेटस, सर्वप्रिय बिहार,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविध, जो भौ अविध बाद मो समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

500 वर्ग फिट दूसरा खण्ड प्रोपोजङ बिल्डिंग प्रताप भवन, बहादुरणाह जफर मार्ग नई विल्ली।

> ग्रशोक कक्कड़, सजम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-II, दिल्ली

दिनांग: 15-5-1987

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-ध (1) के अधीन सुवना

भारत मरकार

कार्यालप, सहायक आण्कर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987 सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/9-86/67:----ग्रतः मुझे, ग्रशोक कथकड,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ... 3 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या है तथा जो प्लाट नं० 312 न्यू फेंडम कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसमें पाबढ भ्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकर्ना करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, मक्षम श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय स्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1986

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ष्म, उसके क्ष्ममान प्रतिफल में एसे व्यममान प्रतिफल का पन्तन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उद्यस अचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गरा चहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि॰ कत व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती शान्ती देवी, ए-1/102, ए० एस० आई० जी० प्लैट लारेन्स रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती कुमुब जैन, बी-6, ब्लाफ बी न्यू फेंडम कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधीप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु का सकींगे।

स्पन्दोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उसका बिभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 512, ब्लाक बी न्यू फेंडम कालोनी, नई दल्ली, 510 वर्ग गज।

श्रशोत कवरह, सक्षम श्रधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, नई-दिल्य ी

दिनाक: 15-5-1987

प्रकप नार्ड. सी. एन. एस. ------

बावकर वीधीनवव, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के कभीन ध्यना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आवकर आयुक्त (निर्देक्क)

श्चर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 मई, 1987

सं० ग्राई० ए० सी 2/एक्यू/2/37ईई/10-86/72 ----ग्रतः मुझे, श्रगोक कवरड,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर मञ्चलित जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रांर जिसकी संख्या है तथा जो ई-9, मस्जिद मोठ भ्रवासीय स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रांर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायय श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रीयकर श्रीधिनयम 1961 के श्रीधीन तारीख श्रक्तूबर, 1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्यक्त से अधिक है और बंतरिक (अंतरका) बार बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क मिला निम्मतिवित उद्वेषय ते उक्त बंतरण मिवित में बास्त-

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीचित्वय को बधीन कर दोने की बंतु क की दायित्व के अपनी करने या उत्तर्ध वचने के सुविष्य के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात :---

श्री भगवनदयाल श्रग्रयाल,
 140 सैक्टर 36 ए,
 चण्डीगढ 160036।

(भ्रन्तर ह)

2 श्री दिनोंद कुमार बजाज एण्ड वामिनी बजाज ई-91, ग्रटर कैलाण एनक्लेव -1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके नुवीवत कल्पीत के वर्षन के जिस् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी नविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाग अधिहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए या सकीं में।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ई-9, मस्जिद मोट, भ्रावासीय स्कीम, नर्द्द दिल्ली। 180 वर्ग मीटर।

> अशोक कक्कड, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेन-2, दिल्ली

विना क 15-5-1987

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी / एक्यू ०/2/37ईई/10-86/73--- स्रत: मुझे, श्रणोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रा. से अधिक हो

धौर जिसकी मं० ई-227, है तथा जो ईस्ट श्राफ कैलाण नई दिल्ली -1 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनाक श्रक्त्वर 1986,

को पूर्वोनत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोनत सम्पत्ति का उचित नाजाह जून्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) भार जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) जन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्ट जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के न्याए: बॉर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अधिनयं कार्त. जिन्ही भारतीय गायकर अधिनयंम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृक्ष्मि के लिए;

- (1) श्री श्याम सुन्दर गोयल 63, खान मार्किट,नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रिवन्दर कुमार सिधवी श्रीमतो ग्रमिला सिधवी एम-29, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्परित के अर्जन के संबंध भी करेंड भीजाक्षेप :--

- (क) इस स्जना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्संबधी स्थिकतथां पर स्वान की तामील से 30 दिन को जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबंकि व्यक्तियों में से किसी स्थिकत बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हिल् बन्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी क गस निचित में फिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसर्टे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मगदापी

सिगल स्टोरी बिल्डिंग । ई-227, ईच्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली 500 वर्ग गज ।

> ग्रणोक कक्कड सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 15-5-87

मोहर ;

बस्य बाइं.टी.एन.एस. -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभा

भारत बरकार

कार्याश्य, सहायक वाशकार आयुक्त (निरीक्षक)

भ्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई बिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिमकी मं विन्नि 1, है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिन्नी-1
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) प्रजेन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनाक ग्रक्तूबर 1986, को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्यामान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने वह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उमके क्यामान अतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिकात स अधिक है और अवरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबत, उक्स बीधानयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाकित्य वा कमी करने या उससे वजने में नृविधा के लिए; आर/वा
- (स) एसी किसी आम या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयन सा सा किया जाना साहिए ना, कियाने में तृतिसा को निए,

अत. अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण पं. बें. उपत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1-के तथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाच् ——

- (1) श्री श्रार० श्रार० बम्बराल एण्ड एण्ड सन्म (एच० यू० एफ०), द्वारा एयर क्रमाण्डर रणवीर सिह बम्बराल एस-124, ग्रेटर कैलाश-1, नई बिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० एम० बोम एण्ड मुचीता बोम 17ए/31, डब्ल्यू० ई० ए०, करौलबाग, नई दिल्ली-5 (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृवींक्त सम्पत्ति के वार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ज्ञा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी जबींध बाद में समन्त्र होती हो, के भीतर पर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मित्त में हितजब्ध किसी जन्म स्थापित वृशारा स्थोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषत है, वहीं अर्थ होगर जा उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसुची

सिगल यूनिट हाउम प्लाट-91, लीज होल्ड डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली । तादादी 325 वर्ग गज । ड्राइंग डाइनिंग, 3 बैंड रूम्स एक गैरज एक चपरासी क्वाटर 1 प्लाट एलाटिड 21-5-59 बनी 1960 ।

> श्रशोक कक्कड़ मक्षम प्राधिकारी सहयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 15-5-87

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ऋर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनाक 15 मई 1987

निदेश सं० प्राई० ए० सी० एक्यू०/2/37ईई/1-87/276—-प्रतः मुझे, प्रशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ई-20, है तथा जो कालिदी कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वांगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, दिनांक सितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूफे वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा. के लिए; और/मा
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्तर अधिनियम क्यो धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री इन्दरजीत मेहरा । ई-20, कालिदी कालोनी, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महावीर प्रसाद एच० यू० एफ० डी-1021, न्यू फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपह्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांतिक विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 विान के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

प्रोपोज्ज ट्रांसफर ग्राफ प्रापर्टी ई-20, कालि**दी कालो**नी नई दिल्ली ।

> ग्रमोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रग्रायकर ।युक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज-2 विल्ली, नई विल्ली-110002

विनांक: 15-5-87

प्रारूप आर्द्द. टी. एन. एस.—-जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 मई 1987

निदेश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार-3/ 9-86/65—श्रतः मुझे, श्री श्रशोक कक्कड़, बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ता विधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से बिधक हैं ग्रीर जिसकी सं० प्रापर्टी सं० डी-42, एन० एम० ई०-1 नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची पूर्व षप से बिणत हैं) रिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, दिनांक सितम्बर 1986,

को पृत्रंक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रियमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल स, एसे देण्यमान प्रतिफल के पदह प्रतिकत से अधिक ्ै और अंतरक (अतरका) और अंतरिती (अतरितियों) के बाच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्विषय स उक्त अंतरण लिखित में वास्तीयक कुण से कथित नहीं किया गया है ध—

- (क्) अन्तरण में हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विभिनियम के अभीत कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की., जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अजन्ता णिल्पया प्रा० तिमि० ए--6, रिग रोड, एन० डी० एस० ई०--, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(7) मेसर्म म्यूर फाइनेस लिमि० बी-192, श्रोखला इण्डस्ट्रीयल क्षेत्र फेस-1, नई दिल्ली बारा श्री एम० पी० ग्रग्रवाल। (श्रन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्शि के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के और पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कपत्ति में हितक्ष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंग।

स्थव्योकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उदरु अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसेमेट श्राफ प्रापर्टी सं० डी-42, तादादी 1080 वर्ग फीट, एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली ।

> श्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-5-1987

प्रकम आहाँ टी. एत . एस . ------

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार-3/ 9-86/66--म्रान मुझे, श्री म्रशोक कक्कडु,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं मैजानिन फ्लोर प्रापर्टी सं डी-42, एन० डी० एम०ई०1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध] ग्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) है बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाना गया प्रतिफल, निम्नि चित उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्नि से सम्तिबक्त स्प से की त नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उत्कल अधिनियम के अधीन कर बेने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों कर, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के सिए;

नतः नव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) श्रजन्ता शिल्पया प्रा० लिमि० ए-७, रिग रोड, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्री भूषण कुमार उप्पल । (श्रन्तरक)
- (2) मयूर फाइनेंस लिमि० बी-192, श्रोखला इण्डस्ट्रीयल क्षेत्र फेस-1, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्री एम० पी० अग्रवाल (मन्तरिती)

को यह सुभना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृक्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकौगें।

स्पन्नीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नग्त्वी

मैजानिन फ्लोर प्रापर्टी सं० डी-42, तादादी 1090 वर्ग फीट, एन० डी० एस० ई०-1, नई विल्ली। प्लाट क्षेत्र 143 वर्ग गज ।

> श्रमोक कन्कड़ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली ।

दिनांक : 15-5-87

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आवकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू० 2 एस० आर-3 9~ 86 67—आत. मुझे, श्री श्रशोक कक्फड़,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बानार मूल्य 1,00,000/(- रु. से अधिक हें

स्रौर जिसकी सं० प्रथम खण्ड प्रापर्टी सं० डी-42, एन० डी० एस० ई-1, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक सितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल के बन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षियत नहीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाब वा धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अस, उसत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मीं, उसत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधील्:——

- (1) भ्रजन्ता शिल्पया प्रा० लिमि० ए-6, रिंग रोड, एन० डी० एस० ई-1, नई विल्ली द्वारा डायरेक्टर भूषण कुमार उप्पर । (भ्रन्तरक)
- (2) वेंकटेश्वरा यचेरीस प्रा० लिमि० 1797, कोठलामुबारकपुर , नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया ही।

नपुर्वी

प्रथम खण्ड प्रापर्टी सं० डी-42, तादावी 1315 वर्ग फीट एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली ।

भ्रयोक कक्क**ड़** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण**)** भ्रजन रेंज–2 नई दिल्ली–110002

विनाक: 15-5-87

मोह:

प्रकर नार्षं हो एव एक

भावकर निर्माननन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार-3/9-86/71—-श्रतः मुझे, श्री श्रशोक कक्कड़,

शासकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की पाप 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सावार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० प्रथम खण्ड कथर क्षेत्र 1845 वर्ग फीट है सथा जो श्रवासीय बिल्डिंग ए-1 कार्लिंदी कालोनी, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1986,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अधीर :---- (1) श्रीमती मनमोहन कौर $\hat{\mathbf{x}} = 1/139$, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुलमीत खुशाल सिंह डी-1048, न्यू फैंडम कालोनी, नई विल्ली । (ग्रन्तरिती)

को **रह पूजना जारी करके प्रांजित सम्मरित के वर्ज**न के सिए कार्ज-पाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के भंगंध में काहे भी बाज़न:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के शब निवित में किए वा सकते।

स्पष्टिमकरणः — इसको प्रयुक्त सन्दों सौर पदों का, जो उसत सायकर सीधिनयम, 1961 (1961 का 43) के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही नर्थ होगा जा उस सध्याय में विद्याग्या है।

STATE OF

प्रथम खण्ड कवर क्षेत्र 1845 वर्ग फीट ग्रावासीय बिल्डिंग ए-1, कालिंदी कालोनी, नई दिल्ली ।

> यशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

विनांक : 15--5-1987

मोहर

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-3 9-86/72--अतः मुझे, श्री अशोक कन्कड्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

योर जिनको मं शाउग्ड पनोर ननैड प्राप्त नोर विन्ता ए-1, है तथा जो कालिबी कालोनो में स्थित है (प्रौर उनने उत्पत्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायिलय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित वाजार मृत्य सं कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देष्य से उक्त बंतरण निमित्त में वास्तिक कर्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

भतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती मनमोहन कौर ई-1 139, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर बीर पत्नी श्री जमबीर सिंह्बीर डी-1025, न्यू फॅन्टडस कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहन्दाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पक्कों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

फण्ट ग्राउण्ड फ्लोर फ्लैट भ्रायासीय बिल्डिंग ए-1, क कार्लिद कालोनी, नई दिल्ली कवर एरिया 1659 वर्ग फीट कोर्ट यार्ड क्षेत्र 74 वर्ग फीट 1830 वर्ग फीट लान वरीडा ।

> स्रशोक कक्कड़ मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

विनांक: 15-5-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 15 मई, 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्य्०/2/एस० श्रार०-3/9-86/ 73—श्रतः मुझे, श्री श्रशोक कक्कड,

श्रायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा १६९-व्य के अधीन सक्षम प्राणिकारी की यह निष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसत्ता उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव पापर्टी बिर्यारण तंव पीव-16है तथा जो नई दिल्ली साउथ एक्सटेणन-2, में स्थित है (श्रौर इससे उपायड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्म प्रतिका में स्थिव है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तुविक रूप से कशित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अश्व, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्मिजिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :----27---126G1/87 (1) इलेखि इंटरप्राइस्सिस ग्रा० तिमि० पी-16 एन० डी० एस० ई-2, वई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर के० एल० वर्मा मुपुत्र श्री जी० सी० वर्मा (श्रन्तरक)

(2) श्री बुज कुमार गायल सुपुत्र स्वर्गीय ी० श्रार० गोयल श्रीर श्रीमती सत्यागीयल पितः श्री बी० के० गोयल, 50-बी पाकिट ए-10, कालका-जी एक्सटेशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिग की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्ल व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हो।

धनमधी

प्रापर्टी बियरिंग नंऽ पी०-16, नई दिल्ली माउथ एक्स-टेशन भाग-2, नई दि:ती त'दादी 200 वर्ग गज। ग्रंगोक कक्कड़ मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रंजीन रेज-2, नई दिल्ली

दिनाक: 15-5-1987

मोहरः

प्रारूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

फार्मालय, मधः । क बायकर आयक्त (मिरीक्षण)

ग्रजंन रेज-2, नई बिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 15 मई, 1987
निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/एत्य्०/2/एम० ग्रार०-3/9-86/
74—यन: मुझे, श्री ग्रगोक फक्कड
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मत्य 5,00,000/-रुपये से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० ग्रांडण्ड फ्लोर ए-74 है तथा जो एन०डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली 200 वर्ग गज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मितस्बर,

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कि सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एमें स्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण विखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अत्तरण से हुई किसी आय की बाब्स उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 16) या उनत अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

णतः जस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीम, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थत् :—

- (1) थी अपर सिंह भत्ना सुपुत्र श्री राला राम भसला भल्ला जािबसी बी-62, एन डी उएस दि-2, द्वारा एटारनी श्री सतीण सेठ सुपुत्र श्री श्रार सी भेठ जिल्ला विल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रवीण कुमार तालिया पुत्र के० के० वालिया श्रीर श्रीमाी रूपा खालिया पत्ति श्री पी० के० वालिया एम-15, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी आअंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन की अवधि गा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तोमील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्जागे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्यु जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

ग्राउण्ड फ्लॉर ए-74ए, एन० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली सादादी 200 वर्ग गज।

> श्रमोक कक्कड सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली--10002

दिनांक : 15-5-1987

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

बावकर वीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रार्जन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 मई, 1987

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-3/9-86/ 75—श्रत मझे, श्री श्रशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रहचात् 'ज़कन किधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के संधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारफ हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 1.00.000/- रा संजित्व हैं

श्रीर जिसकी सं० 6 है केंड्रम कालोनी बेस्ट, तथा जो नई दिल्ली नथराम फेडड कालोनी, मथुरा रोड, नई दिल्ली में स्थित है है (श्रिधेर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकरर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत, दिनाक सिनम्बर, 1986

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मं, ए सं दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकाक निम्नितिचित नद्शास्त्र से सक्त अन्तरण जिचित में अस्तिवक रूप सं कथित नहीं किया बना है हिन्स

- (क) क्यारण संध्रुद्दं किटी बाव की बावत , अवत श्रीप्रिवृत्त के वाचीन कर सेत्रे के बस्तरक के शामित्त में कभी करने वा बव्हें वचने में सुविधा में किंदु; ब्रीड़ि/बा
- भ) एंसी किसी काय या किसी पन वा कच्य आस्तिकों का, भिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण भे, भें, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपतार 11) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधित् :--

- (1) श्री/श्रामती ए एन बाच्
- (2) श्रीमती उन्द्
- (अ) श्रीमती प्रभा टिक्कू 6, फ्रेंडस कालोनी (बेस्ट), नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जसिकरम दसवानी (2) रमेण दसवानी, 71 गोल्फ कि नई विल्ली एण्ड एन० ए० एल्क्सपोर्ट प्रा० लिमि० बी-52, श्रोखला इंडिस्ट्रियल एरिया, फेम-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को बहु सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

अवस्य काम्परित के वर्षात्र को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोद 🏎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुक्ता के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण .---इसमा प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पश्चिमिषत है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

ममसर्वी

6, फ्रेंडस कालोनी (बेस्ट), नई विल्ली इन नथूराम फ्रेंडस कालोनी, मथुरा रोड, दिल्ली। 3396 वर्ग गज

> अगणक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनाम : 15-5-87 मोहर: प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

िदेश स॰ म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-3/9-96/ 76—-अतः मुझे, श्री श्रशोक कककड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संव हाउस बियरिंग नंव 7.ए तथा जो कालोनी वेस्ट, तई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रिंग्ड दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधि-िंग्सम, 1908 (1908 का 16)) के प्रधीन, दिनांक सिनम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में किसी करने या उत्तरी बचने में स्विधा के सिए; वार्ड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनयम, या धन-कर बधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, त्रर्थात् :—-

(1) श्रीमती निर्मला देवी पितन श्री लेख राज श्ररनेजा एन-51, पचशाल पार्क, नई बिल्ली श्रीर श्री श्रजीत सुपुत्र श्री लेखराज श्ररनेजा एन-51, पंचशील पार्क, नई बिल्ली द्वारा जनरल स्टोर एटारनी श्री ब्रह्म श्ररनेजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नीरजनयन श्रीवास्तव मुपुत्न के० एन० श्रीवास्तव श्रीर श्रीमती रीतू श्रीवास्तव पत्नि नीरजनयन श्रीवास्तव बी-5/119, सफदरजग एन्स्सेय, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या हत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहने अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

हाउस बियरिंग नं० 7ए/2, फ्रैंड्म कालीनी (वेस्ट) नई दिल्ली। तादादी 470 वर्ग गज।

> श्रशोक कक्कड़ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्राचकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिगांक: 15-5-1987

प्ररूप बाइ'. टी एन एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन अधना

बारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निर्रोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2 एस० म्रार०-3/9 86/78—म्रतः मुझे, म्रशोक कक्कड़

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया। हैं), की भारा 209 है के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं. ग्राउण्ड फ्लोर प्रापर्टी नं० डी-42, एन ०डी ० एस०ई०-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 86

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के खरमान शिन्छल के निम् नन्तिन को गई ही उर्दे मूस यह विद्वास क ने का कारण है कि यथाप्वोंक्त मम्पत्ति का निपत बाजार मृत्य, उसके दर्पमान प्रतिफल में एमें त्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप

- (का) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत उक्त जिमिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी नाय वा किसी धन वा अन्य वास्तिवों का, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था वा किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के सिए;

कतः भव, उक्त विभिनियय की भारा 269-व वी अव्यवस्थ है, है, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) भ्रंजतग्रस शिल्पालय प्रा० लिमि० ए-6, रिग रोड, एन०डी० एस० ई-1, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर बी० के० उप्प्पल।

(म्रन्तरक)

(2) मयूर फाइनेंस लिमि० बी-192, ग्रोखला ग्रौद्यो-गिक क्षेत्र फेस-1, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर एम० पी० ग्रग्रवाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सचना की तामील से 30 एवन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति दवा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहम्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थरतिकरण .--इसम प्रयुक्त शब्दा ५ र ६. क. जा उक्त विधिनियम, के विध्याय 20-क में पारभाषिक है, वहीं अर्थ हागा, जा उस के स्वयं में दिखा समा है ।

अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर प्रापर्टी नं. डी-42, एन० डी० एस०-ई०-1 नई गदिल्ली प्लाट क्षेत्र 143 वर्ग गज 6215 वर्ग फीट। ग्रमोक कक्कड़ सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्राचकर ग्रायुक्त (निरीक्ष ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्रस्त बार्'. टो. हन . एव . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवन

शास्त्र सरकार

कार्यालय, स्टायक आयवा आयवत (निरक्षिण) अर्जन रज-2, नई दिल्लो नई दिल्ली, दिनाक 15 मई, 1987

निदेश स० ब्राई० ए० सी० एक्यू०/2 एग० प्रा॰० ८/ १० 86/80--- अन. मुरो, ब्राशोक कक्कड

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी वा यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर गणित, जिसका उपित बाजार मृज्य 5,00,000/- रा संअधिक है

श्रौर जिसकी स० ए-3,हैं तथा जो महारानी बाग, नर्र विल्ली में स्थित है (ग्रौर ६पसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विज्ति है) रिजग्दीकत पिंधकारी कि कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीन रण प्रधिनियन 1908 (1908 का 16) के ग्रंथिन, दिनाक सिनम्बर, 1986

का त्वांकि राष्ट्र हैं हैं और मुक्त यह विश्वास प्रतिफल के लिए अन्तारत की गर्ज हैं और मुक्त यह विश्वास करन का वारण हैं

कि यथापूर्वेकन सम्पत्ति ता उत्तिन बागर मृत्य, ज्याक द्यमान प्रतिफल से, एसे द्यामान तिस्य के प्रवृह् प्रात्य के अधिक हैं सीर अतरक अधिक के प्रवृह्ण अपिती (अस्तिनिया) के बीच एसे अस्ति के किए के किए विस्तास स्वाप्त के उद्देश्य से उध्य संस्था कि से बण्य ने के क्या में कि से बण्य ने के क्या में कि से बण्य ने के क्या में की बार से के कि से बण्य ने के क्या में की बार से के कि से बण्य ने की कि से बण्य ने की कि से बण्य में की से बण्य में में की से बण्य में की से बण्य में में की से बण्य में में की से बण्य में मे

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बादन, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/शा

उत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तिया, अर्थात् :-- (1) राजकुमारी रूपिन्दर कुमारी एफ-18, होज खास, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बासुदेव कानोरिया (2) मिसेज पुष्पा देवी कानोरिया (3) श्री हर्ष वर्धन, 1, रट्रेडन रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रशंकत सम्पत्ति के अजन के जिए कार्यवाहिया करता है।

दक्त संपत्ति के वर्षन के सबभ में काई भी आक्षांव :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिश्व, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों काः, जो जक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं वर्ध हाला वर्षे उप अध्याय मी दिया यश हैं।

अनुसुची

ए-3 महारानो बाग, नई दिल्लो।

स्रणोक कक्कड सक्षम ऋधिकारी गहगयक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाक 15-5-1987 मोहर: प्रकल राष्ट्रा हो। यन एस

आश्कार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) क अभीन स्थाना भारत सरकार

कार्मातय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षक) श्रजीन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 मई , 197

निदेश सर्व श्राईर एव सीव/एक्यूर/2/एसव श्रारव-3/9-

86/III/---श्रतः मुझे, श्रशोक कक्कड़

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके पश्चात् 'जक्त किधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सकाम पाधिनारी की यह विद्याग करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्र राजार सून्य 5,00,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी सं बी-6 है तथा जो कैलाण कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (प्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण कर में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीन, दिनाक सिनम्बर, 1986

का पूर्वीकर स्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममाने प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्ह हैं और भुन्ने यह विश्वल करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्रममान प्रतिफल में, एसे क्रममान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिसत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतिपितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलेखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप स किथित नहीं किया एसा है ५००

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त वृष्टिष्यम् **धैं धर्मात कर वर्ष के वन्मरक धै** वा<u>त्रिक् में क्ली करने क क्यमें मम</u>ने में श्रुविका क निगर; क्रीज़/था
- (क) एसी किसी बास मा किसी धन ना बच्च बास्तिकों को जिन्हों भारतीय नाम-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम हा बयकर ब्रॉडिंगिनम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया नकर वा या किया जाना वाहिए था, किया से स्विका के बिए;

कतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, वर्षांत् ः— (1) बी० प्रारक्ष्य विश्वम लिमि र ए-18, कॅलाण कालानी नई दिल्ली।

(पन्तरक)

(2) यो प्यत्य सन्दर श्रेशंडा मृषुत स्वर्गीय श्रो गाँविन्द श्ररोडा 10/99, गीता कालीनी, नई दिल्मी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

जयत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप हु---

- श्रंथ श्रवना के राज्यात्र में प्रकासन की तारीका से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी क्यानितयों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि नास में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतथा में से किसी व्यक्ति द्याना द्यार.
- (क) इस स्पना के राजपन से अकाशन की तारीस के 45 दिन के भीनर उक्त स्थावन सांपरित में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास जिल्ला में किए दा सकतें।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विभिन्नम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, जो प्रस्त कथ्याय में दिया ग्या है।

अमृस्ची

1 10 प्रविभाज्य शैनर प्लाट क्षेत्र कृत 523.6 वर्ग गर्ज बी-6, कैनाग कालोनी, तर्ज दिल्लो तल खड, फ्लैंट नंज 101, 4 बैंड रूप, एक ड्राइन कम डाइन्ग, एक किचन, करंट पार्ट लान प्रोर कानन ड्राइन वे~-ार्ण एरिया 1900 वर्ग फीट।

> ग्रणोक कक्कड मक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेज-2, निर्द दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्रश्नम् **बाह्र^क. टी. एम. एव.----**

ज्ञायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के वृत्तीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०, 2/एस० ग्रार०-3/9-

86/112--- प्रतः मझे अशोक कक्कड़

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसर्वे इसके प्रथमत 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मंद्र एल-27 है तथा जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मितम्बर, 1986

को पृथिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अकि जिल्हा) के बीच एम जन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हु :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बीमीनबम के बभीन कर दोने के बन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के हिंबई; बीड/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य जास्तियों के जिन्हों भारतीय कागकर अधिनियम, 1922 अप्र की 117 या उक्त अधिनियम, या धन-इत्र अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूनिधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) पर भूपिन्दर गिसह सुपुत्र पर ग्रर्जन दास एल-27 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) मैंसमं टाइम इटरप्रार्धासस डी-78, डिफेस कालांनी, नर्ड दिल्ली पार्टनर मनजीत सिंह सी-593, न्यू फ्रैंड्स कालोंनी, नर्ट दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त ध्यित्वां में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलाह में किए का सर्वोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुस्वी

एल-27, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली तादादी 199.8/ 10 वर्ष गज दो वैष्ठ कम, ब्राइग कम डाइनिंग, किमन भीर एक बाथम्म।

> श्रशोक कक्कड़ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

प्रका आहाँ . ही . एन . एक . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

नारत तर्खार

फार्यालय, सहायक आग्रकर बाब्यूक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्वग्नवाल है। उस्स 4/14 श्वासफश्चला रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनाक 15 मई, 1987

निदेश स० ग्राई० ए०सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-3/ 9-86/113--श्रव मृत्ये, ग्राशोक कक्कड,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

ष्रौर जिसका स० 502 तथा है डिफीम कालोनी, नई दिल्ली (में स्थित है (औं इसमें उपावद्व श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) है जिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारताय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख मितम्बर 1986

को श्वॉक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान भितिप ल के लिए अंतरित की गई है और मृन्धे यह विश्वास करने क्षरने का कारण हैं कि यथापृषा कस सपेत्रि का अभित बाजार पृथ्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल को स्थार प्रतिकल को स्थार प्रतिकल को स्थार प्रतिकल को स्थार सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए द्रश्य पामा गया प्रतिक को प्रमानिक को प्रमानिक को सामानिक के सिए त्रा पामा निकास की स्थार से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) वन्तरण ते हुई किसी बाय की वायत, डक्स **वधिविश्रम औं सधीन कर दोने के अन्तरक कै** वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों कैंग, लिक्ट्रो भारतीय नाम-कर भीगित्र मा 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-न को अन्सरण में, र उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिखिल व्यक्तियों, अर्थात् —— 28—126GI/87

- (1) श्रीमतः राज खन्ना पत्नी स्वर्गीय ले०क०ओ० पी० खन्ना, सी-502, डिफंस कालोनी, नई दिल्ली।
 - (भ्रन्तरक)
 - (2) श्री पञ्योत्तम सिंह चट्टा सुपुत्र श्री एस० सुरबचन सिंह चट्टा, 2, अडरहिल रोड, सिविल लाइन, दिल्ली-20 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिक कार्यवाहिया करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विस् की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज़ से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति होंगे में में किसी व्यक्ति इवारा,
- (म) इस स्वना के राज्यक में प्रकायन की ठारांस में 45 दिन के भीतर उसत स्वावर सम्पत्ति में हिनवस्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अ) उक्त अधिनियम दें अध्याव 20-क में परिजाबित है, वहीं नर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गयः है।

अनुसूची

प्रापर्टी बियरिंग न० नी-502, डिफेस कालोनी, नई नई दिल्लीय। तादादी 325 वर्ग गज।

> ग्रमोक कक्कड सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक^{र रा}युक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-1987

प्रकृत बार्ष च टी . प्रमृत प्रकृतनाम् कार्य

नायकर वीर्योगयन, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-ए (1) से वधीन सूचना

बारव बहुक्कर

भर्मसब, सहायक आधकर नायुक्त (निरक्षिण) प्रजंन रेंज-2, श्रग्रवाल हाऊस, 4/14ए प्रासक्तअली रोड,नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 मई 1987 निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० थ्राउ०-3/

9-86/114---प्रतः मुझ, ध्रणोक कवकड भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त विधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिसत बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं ० तो दादी 333 वर्ग गज है तथा जो डी-1, डिफेस कालोनी मई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को दबोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के व्ययमान मिए f, प्रविकत के वन्तरित की मद् विश्वास करन का कारण कि यथापूर्वींक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित अक्टबंब से उक्त वन्तरण सिवित में वास्तविक रूप है। बडीबत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (वा) एची किसी बाध वा किसी वन वा बन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य वनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कन्यरियी बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में वृद्धिया के जिए;

अंत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेजर जनरल एस०के०तलवार, सुपुत्र ए०ग्रार० तलवार, निवासी बी-58, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक

(2) श्रीमतो सुमन रतडा पत्नी श्री विनोद रतडा इंडी-91, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली और श्रीमती निणी सेठी पत्नी नरेन्द्र सेठी निवासी 10/20, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितीि

को वह ब्याना बारी कारके प्रामित बंदरित के नर्वन के जिए कार्यनाहियां करता हों।

उथत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :——
(क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें
45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामीस ने 30 दिन की बन्धि, वो भी
कव्धि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;

(व) इक् सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाव विकास में किए वा सकों ने।

हर्मकीकरणः स्वतं प्रयुक्त बन्दों जीर पद्यों का, भा उत्स्थ जीवनियम, के जध्याय 20-क में परिभाधित हैं, मही वर्ष होना, त्रो उस कथ्याय में दिशा मका

भनुसूची

प्रापर्टी बियरिंग नं \circ डी-1, डिफोंम कालोनी, नई दिल्ली तादावी 333 वर्ग गज।

ग्रशोक कक्कड सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेज; 2, नई दिल्ली

तारीख: 15-5-86

मोहरः

प्रस्त बाह् े टॉंब एग े एक ------ अस्य कार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याच्य, सहायक भावकर भावकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 87

निदेश सं० आई ए सी/एक्यू/2/एस आर-3/9-86/115 आतः मुझे अशोक कक्कड,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें .सके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा यया है), की भाषा 269-क के सभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाजार मूक्य 1,00,000/৮ रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० हैं तथा जो डी-340, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, (रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख सितम्बर 86

ां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मभने यह विश्वास : कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूल्य, ...कं क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एने अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलियात उद्वयेष्य से उक्त अन्तरण कि विश्व में बाकार महानिक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) सम्बरण वे हुई किसी भाग की बावतं , असल मिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने वा असके वसने में सुविधा के लिए; मांड/वा
- (क) एरेंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बयः, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग सै अनुतरण ... में, अक्त गिभियम की भारा 269-मू की उपभारा (1) के .भीतः, निश्नसिंखित व्यक्तियों, अविध् :---

- (1) श्री बिरेन्द्र खंनेका, श्रीमती मनजोरिनी खंनेका बी-12, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (भन्तरक)
- (2) श्री राजीव जैन, डी-340, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(मन्तरित)

का वह त्वना वारी करके पूर्वीक्त सम्मरित क्षेत्रक्रीत स्रे निए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

धवत सन्यत्ति के अर्थन के सम्बन्ध को कोई औ बार्खन हु---

- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपन में जकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन्सूची :

डी-340, डिफेंस कालोनी, यनई दिल्ली

श्रशोक कमकड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-5-87

प्रकथ आहे दी एन एस - ------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत हरकाई

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 87

निदेश मं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस ग्रार-3/ 9-86/116--ग्रतः मुझे प्रशोक कक्कडं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संज है तथा जो प्लाट डी-252 डिफेस कालोनी, नई दिल्ली 325 वर्ग गज में स्थित है (और इसमे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रं-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 गा 16) के अधीन तारीख सितम्बर 86

भी पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके छत्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिषत से धीषक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित गढ़ीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बर्दः वन उनत विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जगजात और पत्नी श्री एस० सुरजीत सिंह डी-252, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) सिप्पी समीर एसोसिएटस प्रा० लि०, 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली द्वारा श्री बलदेव राज कपूर, डायरेक्टर और श्रीमित सुशिला सोबल पत्नी श्री नरेन्द्र सोबल डी-342, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली।

का अह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्मारित के वर्णन के सम्मान्य में कोई भी भाक्तेन ह-

- (क) इंड स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीचा है 4.5 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तिकों में समाप्त होती क्षानिक स्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकारण:--१६वो प्रवृत्त कन्यों और क्यों का, वो क्या वीधीनवंत्र के अध्यास 20-के वो परिभावित हैं... रही वर्ष होना को उस अध्यास में दिया नवा है।

अनुसूची

प्लाट नं श-252, डिफेंम कालोनी, नई दिल्ली तादादी 325 वर्ग गज।

> ग्रगोक कक्कड सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-5-86

अरूप भाइं. टी १७४. एस

बायभार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर आध्यत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज़ ०, नई दिल्ली

/ नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 87

निदेश स० ग्राई० ए० सी०/एक्पू० 2/एस ग्रार-3/ 9-86/118--ग्रत मुझे ग्रशोक कक्कड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

5,00,000/- रु. में अधिक हैं
और जिसकी संख्या ए०-22, केला श कालोनी हैं तथा जो नई दिल्ली—48 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप सर्वाणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख सितम्बर 86 को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का पम्ह प्रतिकार से निधक हैं और अंतरक (अतरकों) और बंतरिती (अन्तरित्यों) के नीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उनुदेश्य से उनत अन्तरण विश्वत में वास्थिक रूप से कियत नहीं किया गया है हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त सिंधनियम की बंधीन कर दोने के अन्तरक की सिंक्स की कुर्यों करने वा जससे बचने में सुधिया की निय; सरि/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिया की सिर्देश

अतः। आधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:--- (1) मेजर जी एस सेनो सुपूत श्री मसा सिंह ए-22, कैलाण कालोनी नई दिल्ली-48

(ग्रन्तरक)

(2) एस्पल प्रोपर्टीज एड इन्डस्ट्रीज (ए युनिट ग्राफ रामा एसोसिएटम प्रा० लि०) बी-10, लारस रोड, औद्योगिक क्षेत्र नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाध्येप '---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो धी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल् बस्थ किसी ब्यंक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए अ सकेंगे।

स्पध्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्या

ए-22, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48

ग्रशोक कक्कड मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, दिल्ली ध्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख . 15-5-87 मोहर: प्ररूप आहें. टी. एन. एस .,------

शायकर ब्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत परचार

भागांनय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्देखिक)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 87

निवेश सं० ध्राई ए सी/एक्यू/2/एस श्रार-3/9-86/ 119--श्रतः मुझे श्रशोक कक्कड

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह जिसे इसमें इसके परवाह जिसे इसमें इसके परवाह जिसे कि बाजर 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000 //- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० तादावी 325 बी-86 है तथा जो छिफेंस कालोनी नई दिल्ली, वर्ग गज में स्थित (और उपाबद्ध ग्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख सिनस्त्रा 8

को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के रूपमान अतिकल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्त्रोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण से लिए तम पामा गमा प्रतिकल्का, निम्नोंसिवत उच्चेक्स में उक्त अन्तरण मिचित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया नमा हैं ■—

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी बाव की, वाधर, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिष्ट्र बीड़/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिवा के लिए;

जतः अरं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण व. मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेजर (निवृत) रामवंत सिंह हसनवालिया सुपुत एस इश्रर सिंह बी-86, डिफेस कालोनी, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रनिल कुमार सहगल सुपुत्र श्री संतराम सहगल, 47/6; ओल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिस्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्णण के जिए कार्यभाहियां सूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इट सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

वन्सूर्या

प्रापटीं बियरिंग नं० 86, डिफींस कालोनी, नई दिल्ली, ताबाबी 325 वर्ग गंज।

धशोक कक्कड सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-5-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्वतः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 87

निदेश सं० ग्राई ए सी/एक्यू/एस ग्रार-3/9-86/120 भ्रतः मुझे ग्रशोक कक्कड

बायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रापये से अधिक है

और जिसकी मं० बी-6, है तथा जो कैलाश कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख सितम्बर 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरमों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखत वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण वे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) बी० आर० टावरस लि०, ए-18, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेज साविक्षी मल्होत्ना पत्नी श्री द्यार० सो० मल्होत्ना, जी-6, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

तलखंड पोरशन कम्पराइसिंग दो कमरे दो बाथरुम एक ज़ूईग कम डाईनिंग, एक किचन और बैंक कोर्ट यार्ड, प्रथम खंड रियर पोरशन कम्पराईसिंग दो कमरे डाइन कम डाइनिंग और एक किचन और साईड बालकोनी फलैंट बी-6 कैलाश कालोनी नई दिल्ली पूर्ण प्लाट क्षेत्र 523.6 वर्ग गज।

ध्यशोक कक्कड सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-5-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा थ69-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, नई विरुली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 87

निदेण सं० ग्राई ए सी/एक्पू०/2/एस ग्रार-3/9-86/ 121--ग्रतः मुझ ग्रणोक कक्कड

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके संबोध परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के संभीन सक्षम प्राधिकारी करें रह विश्वास करने का बारक है कि स्थावर सम्मत्ति, जिनका स्वित्त बावार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 23, तादादी 400 वर्ग गज़ है तथा जो 3 मस्जिद मोट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय इसमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन यतारीख सितम्बर 86

को पूर्वोकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्ति को गई है और मूफ्ते दह विद्वास करने का कारण है कि यथायुवाकित सपतित का उचित बाजार वृष्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल सं, एसे उद्युप्तान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- [क] त्रच्छाय सं शुद्ध टिकबी आय की वायत क्ष्यक विश्वविद्या है वर्षीय कह दोने की वान्तरक की वासित्य में कभी करने या उसने बचने में सुविभा को निष्ट; डीए/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्विधा स्वे लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री बी के पाल, 2 श्रार के पाल, द्वारा एटोरनी बी के पाल बाईड जी पी ए रंजिस्टई नं० 917, श्रंतिरिक्त बुक न० 4, बोलपूम नं० 1197 पेज 31 से 33 तक तिथि 25-2-86 एन क्षंपाल, 4 रंजन के पाल सुपुत्र स्व० श्रार० के पाल निवासी सी-148, ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली उमा पाल पत्नी स्व० एग एम पाल, 6 स्निगधा पाल पत्नी स्व० गुगल के पाल, मास्टर श्रनुपम पाल सुपुत्र स्व० जुग्गल के पाल सी-148% ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिजन्द महगल सुपुत्र श्री जीता राम सहगल ए-1/149, इन्द्र पुरी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से 45 दिन का अर्वाभ या सत्सम्बन्धों स्पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त खिलतों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्यद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुमुपी

प्लाट नं० 23, तादादी 400 वर्ग गज मस्जिद मोट नई दिल्ली।

ग्रणोक कक्कड

±क्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायक ग्रापुक्त (निरीक्षण)
ग्रांन रेंज−2, नई दिल्ली

तारीख: 15-5-87

HAN MIT AT LIN LIN DESCRIPTION

नाथकर जिमिनियम, 1961 (1961 को 43) ही धारा २६९-व (1) के अभीन सुमन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $\frac{1}{2}$ प्रजैन $\frac{1}{2}$ प्रजैन $\frac{1}{2}$ नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 मई, 1987

निदेण स० ग्राई० ए० सी० एक्यू० 2/एस ग्रार-3] 9-86/124---श्रत मुझे श्रणोक कक्कड,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले ध्सूमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी स० तथा जो फ्लैंट न० 34, कैलाण प्रपार्टमेट लाजपतराय रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 86

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इष्टयमान शितिकल है लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिक्षात से बाधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया वयह प्रतिकत, निम्नितिचित उद्वेक्ष से उक्त अन्तरण सिवित में मिल्लीक क्यू से किया वसा है —

- (क) नन्तरम वं हुई किसी नाम की नामत, जनत समित्रम्य, में सभीन कर देने में मन्तरक सं शामित्म में सभी करने का उत्तर्भ नमने में स्विधा में किए। नीर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय बाय-कार अधिनयम, 19? र् (1922 का 11) पा उक्त बाधिनयम या धन-कर विधिनयम, १५5७ (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया क्या था का किया बाबा काहिए था, छिपाने में स्थिता के किया

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात :—
126GI/87

- (1) श्रोमती रखा गाहन पत्ना राहेश मोहन निवासी राकी विला, मोहन मैंकिन रोड, दलीगज, लखनऊ (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमनी श्राणा गर्ग, पत्नी रविन्द्र गर्ग, विवासी किशार हाउस, ग्रानन्द रोड, पानीपन वर्तमान, पता, 14 कैनाश प्रपार्टमट, लाला लाजपन राय रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

और सह सूचना बारी करके पूर्वोक्त प्रशास के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

उच्त प्रपत्ति क अर्जन के सरवन्य में कोड़' भी आक्रोप ---

- (क) इस सुचना के राजण्य में प्रकालन की तारीय में 45 विन की प्रथित में सिसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तानील में 30 विन की अवधि, को भी खबिष नाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर प्रवादन ध्राम्मियों में से किसी पिक्त स्थारा
- (क) पूर्व भूषना से राज्यम में प्रकारन की वादीन से 48 कि के प्रेत्र करत स्थावर सम्पर्ति में हितवह्म द्विती सम्बु म्यन्ति वृत्वारा स्थाहस्ताकारी में नास दिल्ला में कियु जा स्कृति !

स्वकाष्ट्रिया : इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, सो उक्त अधिनियम, सं अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ शांका, को उस अध्याय म विका स्था है।

अग्राम

क्लैंट न० 34 तादादी 1730 वर्ग फीट कैलाण श्रपार्ट-मेटस, लाना लाजपत गाय रोड, नई दिली।

> श्रणोक कर्वकड मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु (स्त्रीनरोक्षण) श्रजंन रेज-2, नई दिल्ली

दिनाक 15-5-87 मोहर प्रकृष भार्षः दीः एनः एसः ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वधीन स्चना

भारत चरमात

कार्यात्तव, सहायक काश्रकर काश्रक्त (धनरीक्षण) भाजीन रेज-सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जन 1987

निदेश सं० ग्रई-1सी/37ईई/41228/85-86--ग्रनः मुझे, जी० पी० गुजराती,

मध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यान् 'उक्त अधिनियम' छहा गया है), की भारा 269-इ अ अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह दिइवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित वाजार म्ल्य 5,00,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिस का हिस्सा, टी पी एस 3, माहीम बस्बई में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री हैं हैं तारीख है 26-12-86 को प्रविक्त सम्पक्ति के उपितास के उपामत श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीय ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखिक उद्वेष्य में उकत अन्तरक निर्मित से बास्तिक है से स्थान नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियस के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्थ में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) पेसी किसी बाय या धन या बन्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय बाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्यायनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा या किया बाना चाहिए जा, जिनाने अधिकार विद्या के हिस्ए;

कतः अस्, उत्पत्र अधिनियम की भारा 269-न ची अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) भ्रम्तनाल कैमाक्स लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्भ श्राकृति।

(ग्रन्यरिती)

का यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों करि पर्यों का, वो उनर अधिनियम, के कथाब 20-क में परिभाषित्र है, वही अर्थ होगा, को उम अध्याय में दिया प्रसाह वै

अन्स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका फायनल प्लाट नं० 397, टी पी एस नं० 3, सी एस नं० 764, शीतला देवी टेम्पल रोड, माहीम, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० स० ग्रार्ड/1सी/37ईई-41228/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 26-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1सीं, **ब**म्बर्ध

तारीखा: 5—6—87

प्रकृप कार्यः <u>टो.पुनः एतः . -----</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन

भारत सहकार

कार्यात्तव. तहावक मायकर मायुक्त (निडीक्शक)

म्रर्जन रेंज-1सी, ब्रम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश स० ग्रर्ह-1सी3/7ईई/10893/85-86-ग्रतः मुझे, जी 5 पी० गुजराती

कारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विधे इसमें ्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के नधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मद्धिः, विश्वका जीवत बाजार मृश्य

5,00,000/ रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, गैरेज न० 3, हमेम हाऊस 3, वर्ल, अम्बई में स्थित हैं) ग्रीर इससें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 के, खे के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 17-10-86 को पूर्वांकत सम्पत्ति के जिंचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के। कारण हैं कि मधापूर्वांकत समित का उपित बाजार क्यांत्र का शारण हैं कि मधापूर्वांकत समित का उपित बाजार क्यांत्र का उपाय ग्राया उनके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्द्रा प्रतिफल सं अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तर्रित (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लए तय पाया गया रिफल निम्निलिक्ति उद्धारय सं उक्त अन्तरण निक्तित मा शासीयक रूप में किया नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण स हुर्इ िकसी आय की बाबत, उक्त किशिनियम के संधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कभी करने या उससे बजने में सिवधा के लिए, और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विता के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण , में , उक्त भीभीनयम की भारा 269-क की उपमास (1) अधीन, निम्नलिखित स्पिक्सी, अर्थात :--- (1) श्री प्रकाश साजनलाल चोक्सी भौर श्रीमती वनमाला प्रकाश जोक्सी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री युसुफ यब्दुल्ल पटेल।

(म्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाभ्रोप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्ष व्यक्तियों में नं किसी व्यक्ति ह्वागः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर सपित्त में हिनबत किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्थव्यीकरणः -- इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त जिभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया हैं।

नगुसूची

फ्लैट न० 3, जो तीसरी मिजिल, गैरेज नं० 3 के साथ हमंस हाऊस, 3, 7 7बी, श्रब्दुल गफार खान मार्ग, वली बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० स० श्रई−1सी/37ईई/10884 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 17-10-86 को रजिस्टर्ब किया गया है।

> जी व्यी गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज,-1 सी, बम्बई

नारीख : 5--6--87 मोहर : प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज--1सी, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश सं० श्रिक निर्मात । सिन्दु विकास । स्वाप्त स्वाप्त । स्वाप्त स्

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है।, की धारा 269- खं के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वासं करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुट से अधिक है

त्र,00,000/2 पत्र से आवक है श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, सी फ्लीम्पस वर्ली बम्बई 18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रीर निगका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 27-10-86 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अन्सरण मो, भौ, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्:----

- (1) श्रीमती सरला देवी सी शाह ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्सरक
- (2) श्री जी एन जर्यासह, श्रीमित मालती जी जर्यासह श्रीर श्रीमिती विद्या एन जर्यासह। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्म बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि तबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो दूसरी मंजिल, सी ग्लीम्तस वर्ली हिल रोड़, ग्रब्दुल गफार खान रोड़, वर्ली बम्बई-400018 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की करु सुरु 1सी/37ईई 10896 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 27-10-86 को रजिस्टडं किया गया है।

> जी०पी०गुजराती मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--1सी,बम्बई

तारीख: 5+6-87

प्रकार बाहु के बीज प्रवास एक जन्म हैं

नामकाड मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में नधीन सूखना शास्त्र सहस्राध

कार्याचन, सहायक भागकर मायुक्त (गिडीक्रण)

श्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश सं० श्राई-1सी/37ईई-13038/85-86--श्रतः म्झे, जी० पी० गुजराती,

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं धर्मनें शिक्के पश्चात् 'उक्त मिपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-६ के क्यीन सक्षम प्रांधकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

5.,00,000//- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल गाला जी--4, नीलम सेंटर, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित हैं ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं ग्रीर जिसका करारगमा श्रायकर श्राधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री हैं, तारीख 27-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्यं से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए बंतीरत को गई हैं और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एसे एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिकित में वास्तिक कम से कवित नहीं पाना वहा है ---

- कि) बलारण में हुई किशी बाग की बाबए, उक्त बिधिनियन में बचीन कर दोने में बलाइक कें दाशित्न में कमी करने या उत्तते बचने में सुनिधा में सिए; बीर/या
- (व) एकी किसी आब या किसी भन या करण आस्तियां को, जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना वाहिए था, कियाने में मृथिभा की लिए;

बन्न वय, उपत यौषीनवय की धारा 269-ग से बन्नरण में, में उपत विधिनयम की धारा 269-य की स्पधारा (1) म मधील, निम्मीलीका स्थीपतामी, बच्चील हैं (1) मैंसर्स मनसन्स श्रोटो इंटरनेशनल।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स कनक्षारा स्टील प्रायवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को बहु स्वना भारी कारुके प्यॉक्त संपरित के अर्थन के सिय कार्यनाहियां करता हुं।

उन्तर सम्मरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नास्रेप रू--

- (क) इस त्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीत पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारः
- (च) इस त्चना को राजपन में प्रकाशन की तारांश हैं न 45 विश को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-ब्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशारी ओ पास निवास में किए का सकींगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों जीड़ पर्यों का, थी छक्त् विभिनियम की बध्याय 20 के में परिश्राणित हैं, वहीं मर्थ होगा जा उस अध्याय में शिद्धाः भवा है।

जन्स्ची

"इण्डस्ट्रियल गाला जो जी-4, नीलम सेंटर, हिंद सायकल रोड, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि करु संरु भई-1/सी/37 ईई-10892/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 27-10-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जीव पीव गुजराती, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजैत नेंज—1सी, बस्बई

तारीख: 5-6-1987.

धुक्क जाह^रेडो . एक. ५०

भागकार कींधरियात , 1961 (1561 का 43) कीं भारत 269-प (1) वे त्रत्रीन स्थाना

भारत सरकार

भायतिय, सहस्यकं भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 मी, बस्वर्ड

बम्बई, दिनाक 5 जुन 1987

निर्देश स० अई—1सी/37 ईई-391/63ए/85—86.—अत. मुझे, जी०पी० गुजराती,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इसके प्रव्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 160-क को अधीन संभाग प्राथिकारी को यह निय्यास करने का कारण हैं कि स्थायर अस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुक्त 5,00,000//- रा. सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी संव पत्नैट नव 11, है तथा जोडी लूना अपार्टमेंट माहीम बम्बई-16 में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधी निक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-10-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो गह विश्वार करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, प्राप्त के र, एस प्रयान पित्ति का पंद्रह प्रतिशान से अधिक है और अतर ह (अंतरको) और अतरिती का-तिर्शित्या) के पीच एक जन्म जन्म का एक प्राप्त के कि साम कि स्वार्थ के कि साम कि स

- (क) जन्तरण में हुई जिसी आय की वावत, उक्त अधिमिय्व के अधीन कर बाने की जन्सरक क नाविस्थ में कमा करने वा उसमें क्याने मां सुधिना के निष्, कां/भा
- एस) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आंस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, गैं. उक्ट अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीय, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स काजी होम बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महमद मीद ग्रब्दुल भाजीद खान ग्रौर श्री ग्रब्दुल मजीद ग्रब्दुल गफूरखान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पिन के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं •

जनत सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी भाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"फ्लैंट नं० 11, जो पाचवीं मजिल, ढी लूना श्रपार्टमेंट. प्लोट नं० 604, 612, लेडी जमशेदजी ठोड, माहीम, बम्बई— 400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि मं व्यर्ध-1सी/37ईई-39136 ए 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1सी, बम्बई

नारीख 5-6-1987. मोहर: प्ररूप आद. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-ामी, बम्बई

बम्बई, दिवाक 5 जुन 1987

निर्देश मं० श्रर्ड-1/HI/37ईई-5I-5/85-86 —श्रत. मुझे, जी० पी० गुजरानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-त्व के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रुपावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 5,,00,000// रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फायतल प्लोट नं० 733, दादर, बम्बई में स्थित है ग्रीर उसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रीर जिसका करार ामा ग्राथकर ग्राधि यम की धारा 269 क, ख के ग्रधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1986

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है.—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वैने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निनिषत व्यक्तियों, अथितः :—

(1) श्री रमाकार वासा बह्वात ग्रौर श्री भवानी शकर वामन बह्वान ।

(ग्रनग्क)

(2) शिक्षणा भी सावण्याह।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविश सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीत में 30 दिन की अविध, जो भी नविश बाद में ससाल होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहम्नाक्षणी के पास निध्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम हो अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, यही अर्थ होता जो जम शब्दाय रा क्या गया है।

अनु**स्**ची

"जमीन का हिस्सा जिसका फायनल प्लोट नं० 733, टी० पी० एस० 4, सी० एस० न० 1/347 (पार्ट), ग्रेम लेत. गोखले रोड, दादर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से से अर्भ-1सी/37ईर्ज-40473/ 85-86 और जो सक्षम प्राणिकारी तस्पर्द दारा दिनाक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> जी० पी० गुजराती, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजं नेज-1मी, बम्बई

दिनाक : 5-6-1987

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस. -----

क्षायुक्त अर्थितियस, 1961 (1961 का 43) क**ी भारा** 269-ঘ (1) के अधीन सु**ष**ना

भारत सरकार

साथिक बायकर भाग्वत (विरोक्तक)

श्चर्जन रेंज-1सी, बम्बई बम्बई दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० आई०-1सी/37ईई/13020/85-

8 6:—श्रत: मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रिधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5.,00,000//- रु. से अधिक है और जिसकी संव फलैंट नंव 13, है नथा जो राम निवास, सायन (प), वस्वई—22 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विश्वत है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 13–10–1986

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित धाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गमा गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुर्व किसी जाय की बाबत, उथत अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा क निए, और/या
- (च) एसी किसी माय या किसी धन भन अन्य आस्तियों करें, विक्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध चै निकाः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, मर्णास्य

- (1) श्रीमती गाखिनी दुवी श्राद्रमाराभ मारवा। (म्रन्तरक)
- (2) शी हममृख 'शांनीलाल शाह, श्री **इंद्रकुमार** णांतीलाल शाह, श्रौर श्रीमती लणांनावेन शांनीलाल शाह।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त संपति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील में 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकोंगे।

स्थाकारणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा भवा की

अगुसुची

पलैट नं॰ 13, जो धूसरी मंजिल, राम निवास, इमारत नं॰ 1, प्लीट नं॰ 226, मायन (पु॰), बम्बई-400022 में स्थित है।

धनुसूची जैमा कि कि तं शर्ड-1मी/37 ईई/10862 η /85-86 स्वौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

्जी० पी० ग्जाती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन गेंज–1सी, वस्बई

तारीख: 5-6-1987.

मोहर 🕻

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश मं० मई-1मी/37 ईई-13042/85-86:--मत: मुझे, जी० पी० गुजराती,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/৮ राज से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट गं० 109 (ड्रप्लेक्स), समुद्र महल, वर्ली, बम्बई-18, में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियंम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-10-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए बन्तिरत की गई है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरिश्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित सक्दिय से उक्त अन्तरण कि बित में बास्त्विक क्य से कवित नहीं किया गया है क्या

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाय का बावता, उपक विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, च्छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---- 30---126GI/87

(1) काम्युटोनिक्स इंज्या ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता मीधाल।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अभि धाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में किसी दर्शकत द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ हक्षण जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"एलेट नं 109 (इप्लेक्स) में 30 प्रतिशत हिस्सा, जो नवबी और दसवीं मंजिल, समृद्र महल, डा॰ एनी बेसेंट रोड़ वर्ली वम्बई-400018 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1सी/37 ईई-10894/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 27-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक[ा] भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1गी, बस्ब**र्द**

तारीख: 5-6-1987-

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस . -----

बाबकर बॉर्थीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-1सी, बम्बर्ड धम्बर्ड, दिनांक 5 जन, 1987

निर्देश सं० श्रई-1मी/37ई-13019/85-86---श्रत मझे, जी०पी०गुजराती,

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपान्त जिसका उचित बाजार मृल्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी स० फ्लेट न० 1, गुरुदेव सोमायटी प्रभादेवी,
बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची मे श्रीर
पूर्ण रूप में विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम
की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
वस्यई मे रिजस्ट्री है, तारीख 14-10-1986

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण किखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं फिना गया है——

- (क) बंगरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त स्थितियम के बधीन कर दोने के बतरक क दायित्स में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा क निल् क्रिया
- (च) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विमा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ...~ (1) श्रो ग्रमृतलाल भीलाभाई शाह्यौर श्रीमती चन्दनमेन ग्रम्तलाल शाह ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विना महेन्द्र णाह श्रॉर श्रीमती नीता राजेन्द्र णाह ।

(ग्र तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के रिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों स्थ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे॥

स्पद्धीकरण.—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उपकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिसा क्या है।

नमृत्यी

"फ्लेट मं० 1, जो बिल्डिंग नं० 2, गुरुदेश को आप० हाउंसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रभादेवी, वम्बई-400025 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के मं० ग्रई-1सी/37ईई-10871/ 85-86 ग्रांग जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-10-1986 को रिजिस्टई किया गया है।

> जे० पी० गुजराती, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज–1सी, बम्बई

तारीख 5-6-1987 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश मं० श्रई०-1सी/37ईई-13044/85-86:--श्रतः मुश्ने, जी० पी० गुजराती,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लट नं० के -2, फेमिली हाऊस, दादर, बम्बई -14 में स्थित है/ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्राधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 27-10-1986

को पृषाँकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषाँक्य संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अचिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करमें या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री रमेश बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रुस्तम बी देसाई और श्रीमती नर्गीस रुस्तम देसाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोगे।

स्यब्दोकरणः — इसमे प्रय्वतः शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

"फ्लट नं० के-2, जो फोमिली हाउस, 793/794, पार्सी कोलोनी, दादर, बम्बई-400014 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-1सी/37ईई-10895/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 27-10-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1सी, बम्बई

तारीख: 5--6-1987.

भोहर :

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

, शांसकर अधिनियल, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा भारा 269-व (1) के अधीन सुभवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुन, 1987

निर्देश सं० भ्रर्ट— १सी/37ईई—12969/85—86:——भ्रत: मुझे, जी०पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 6 म्या कि अधान एक्षय आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भूक्य 1,00,000/- रहा सं अधिक है

र्श्वार जिसकी मं० पलट नं० 401, 404, नेस्टले-1, पांडुरंग वधवर गार्ग, वस्वई-25 में -ियत है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 त, ज के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के गायिलय, बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 13-10-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अर्थन का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके इस्थमान प्रतिफल से, एसे इस्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के बिए एय गया गया प्रतिफल्य, निम्निसित्त उच्चोस्य से उसके बन्तरक लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- लिक्षे बाय की बायब, उक्त गाँउ विकास के श्रीम कह वोर्ग की क्षाइक की विकास के किया करणे का उक्से क्षा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, सिन्ही शारतीय वाव-कर विधिनवम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनवम, वा भन-कर विधिनवम, वा भन-कर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किसा पका का रहिं किसा वास का रहिं किसा वास का रहिं किसा वास की सिए;

ंतः अथ. संबत्त करिंधीनरंग की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्काल इ वेस्टमेंट लिमिटेड श्रौर दी बोम्बे डायीं एण्ड मेन्युफेक्चरिंग को लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) गुज़रात को०-श्राप० मील्क मार्केटिंग फेंडरेशन, लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संवरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्गा पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविष, को भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का स्वित्त में से के कि व्यक्ति हों, के भीतर पूर्वों का स्वित्त में से कि विष स्वास्त प्रवास
- (क) इत सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किशी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताकारी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

"फ्लैंट नं० 401, श्राँर 404, पार्कींग स्पेस नं० धी-6, श्रौर पी के माथ, जो नेस्टले-1, पांडूरंग बूधकर मार्ग, बम्बई-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं धई-1सी/37ईई-10853/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> जी० पी० गुजराती, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1मी, बम्बई

तारीख : 5-6-1987.

स्थान्त्र सार्वेश की , एवं - एक . ----

भावकार वरिश्तिवया, 1961. (1961 व्या 43) की थाडा 269-व (1) के वर्षीय सूत्रेया

भारत सरकार

कार्याक्षण, सहायक नामकर बाजुक्त (विश्वीकर्)

ग्रर्जन रेज-1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुन 1987

वस्बर, दिनाक ३ जून 198/

निर्देश मं० ग्रई-1सी/37ईई-40811/85-86---यत:,

मुझे, जी० पी० गुजराती,

षायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य

1,00,000 /∤ रत. से अधिक हो

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4-मी प्लॉट नं० 189-ए, माह० बम्बई-16 में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है भीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 30-10-8 ६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, धक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तितयों, अर्थात्:— (1) श्रीमती चीता नक्षत्र रेप्डी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्राग्रीमास केमीकल्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हुं।

बच्छ सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बालोर :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में शक्तका की तारीज से 45 विन की नदींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की नवींथ, को भी संबंधि नाम में समान्त होती हो, के बीत्तर पूर्वोंकर संविक्तमीं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भौतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में दित- स्थावर सम्पत्ति में दित- स्थावर सम्पत्ति क्या स्थावर सम्पत्ति के पास श्रिवित में किए वा सकेंगे।

रनश्रीकरण्:--- इंसने प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनके अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं कर्ष होगा, को उन्न अध्याय में दिका क्या ही।

मन्त्रकी

फ्लैट नं०4-सी,जो प्लॉट न० 189-ए केडेल रोड,माहीम, बम्बई-400016 में स्थित हैं। 1/16 ग्रविभाजित प्लाट का हिस्सा।

ध्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० ध्र ξ -1मी/ $37\xi\xi$ -40819/85-86 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब ξ द्वारा दिनाक 30-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 सी, वस्बई

नारीख: 5-6-1987

प्रारूप आर्द. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1सी, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 5 जुन 1987

निर्देश मं० श्र $\frac{1}{2}$ -1मी/37ईई-13024/85-86----यतः, मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/ररपयं से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, प्रतीक्षा, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से पणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रिधितियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्टी है, तारीख 27-10-1980

का पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, गिम्निलिखित उद्वेश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप में अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत उचन अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एंमी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकार अतिनियम, 1922 (1922 का 16) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) स्काय-बिल्ड प्राईवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती उपा खुबचद सेतपाल।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि मा तरसंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में ळिए जा सकति।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्टों करि पदों का, जो उत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विद्या गया है।

बन्स्ची

प्लैंट त० 601, जो प्रतीक्षा, प्लॉट तं० 7ए, मौलाना स्रब्दुल गफार रोड़, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

प्रमुक्ती जैंसा कि कि क मि प्राधिकारी, अम्बई बारा दिनांक 27-10-1986 को रिजस्टिई किया गया है।

जी० पी० गुजराती र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶1सी, बम्बई

तारीखा: 5 6-1987

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 2-19-थ (1) के अभीत सुपना

भारत सक्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1वी, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 मई 1987

िर्देण स० ग्रई-1/बी/37-जी/22/86-87--म्रतः मुझे,

पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं के कुपया श्रनुसूची देखिए है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रॉजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 12 सिनम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्त अन्तरण निचित्त सास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व गुक्रमी करने या उसके बोचने में मृतिधा के लिए;

और/गा

(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए। धन-कर अधिनियम, ए। धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अभ: अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण के अधीन, निम्निणिसित व्यवितयों, अर्थात :---

- (1) नटवरलाल द्वारकादाम श्राफ, जो स्रविभक्त हिन्दू परिवार का मैनेजर धीर कर्ता है स्रौर जिसमें (प्र) दिलीपकुमार नटवरलाल श्राफ (पृत्त) (ब) मीना दिलीपकुमार श्राफ, दिलीप की पत्नी (क) विभा दिलीप कुमार श्राफ (पोती) (ख) कौशल दिलीप कुमार श्राफ (पोता) जिसमें द्राखरी तीन नावालिय है स्रौर जिनका प्रतिनिधित्व नटवरलाल द्वारकादाम श्राफ कर रहे हैं स्रौर जो 27-4-1981 के बभ्बई हाईकोर्ट की धाईर के मुताबिक पालक नियुक्त किया गया स्रौर एक नंबर का व्यक्ति सोनकमल वालेकेण्यर में स्थित है।
- ं(2) भुगवानदास हारकादास श्राफ जो हिन्दू श्रविभक्त कुटूंब का मैनेजर स्रौर कर्ता है, श्रौर जिसमें स्रेशा ग्रनील श्राफ (मृत ग्रनील की पत्नी), (ब) तुषार भ्रतील, मायनर (पोता) (क) देवांद श्रनील थाफ, मायनर (पोता), (ड) नितीन भगवानवास श्राफ (पुत्र), (इ) िना नितीन श्राफ (नितीन की पत्नी), (इ)∵प्रेमल नितीन श्राफ (मायनर नितीन का पृद्ध), (उ) योशिता नितीन श्राफ (मायनर नितीन की पूती) (तृषार, देवांद, प्रेमल ग्रीर योशिता पार्टीज), ब, क, ई भ्रौर उ नाबालिंग है भ्रौर जिनका प्रतिनिधित्व भगवानदास द्वारकादास श्राफ कर रहे हैं और जो 3-4-1981 के बम्बई हाइकोर्ट की श्रार्डर के मुताबिक पालक िय्वत किया गया (ज्युडिकेचर आफ बाम्बे.इन मिसिलिनियस पी० नं० 131 भ्राफ 1981) ग्रीरदो नंबर का व्यक्ति 220, बालकेश्वर गोड, बम्बई-- 6 में स्थित है।
 - (3) ए-माधवदास द्वारकादास श्राफ श्रौर 3(वी)श्रीमती कुसूमबेन माधवदास श्राफ (माधवदास की पत्नी) जो तीन नंबर का व्यक्ति निरवान, 95/डी, श्रोमर पार्क, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-400 026 में स्थित है।
 - (4) ए-नटवरलाल द्वारकादास श्राफ श्रौर 4(बी-दिलीप कुमार नटवरलाल श्राफ जो श्राखरी विल के एक्सी-क्युटर्स श्रौर ट्रस्टीज है। तथा मृत मोनाबाई द्वारकादास श्राफ के स्टेटमेंट है। (नटवरलालकी मां), जो 4थी

व्यक्ति सोच कमल, बालकेश्वर, बम्बई-400 006 में स्थित है।

- (5) दिलीप गटवरनाल श्राफ जो पांचवी व्यक्ति सोन समन, दानकेण्वर, ब्रम्बर्न-400 006 में स्थित है। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. जंडालाल लघुराम मणियार,
 - 2. रधिन्द्र जेठालाल मणियार धौर
 - 3. प्रकाण जेठालाल मणियार ।

(ग्रन्तरिती)

सक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कार्ड भे काक्षेप ---को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यग्रिहमां करना हो।

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की ताणील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में जितबदभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए आ सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: — उसमें प्रयंकत शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषिक है, वहीं कर्ष कृति। जो उस अध्याय में दिय गया है।

अमुस्ची

उत्तर दिशा के ऊपर या तरफः सरदार बल्लभभाई पटेल रोड छौर कुछ हिस्सा विठ्ठलभाई पटेल रोड़ पर।

दक्षिण दिणा के ऊपर या तरफ जो सम्पत्ति राय पी० बी० जोशी की, जिसका सी० एस० नं० 1352 है।

पूर्व दिशा के ऊपर या तरफ: — बेनहाम लेन पर, श्रौर
पश्चिम दिशा के ऊपर या तरफ: कुछ हिस्से की सम्पत्ति रणछोड़वाम भवन, जिसका सी० एस०
नं० 1354 श्रौर कुछ सम्पत्ति
यशवंत रामचन्द्र नायक, जिसका
सी० एस० नं० 1355।

सी० एस० नं० 1353, गिरगाव डिविजन, क्षेत्रफल 2145 चौरम मीटर ।

श्रनुमूची जैसाकि विलेख सं० बाम-66/83 श्रीर जो उप-रिजरद्रार, बस्पर्ट दारा दिहाक 12-9-1986 को रिजरटर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल. सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायक्रर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेत रेंज 1यी, बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

मोहरः

शक्य साहाँ व्याप्त एक.-- म प्रणान नायकर विदित्तिम्म, 1961 (1961 मा 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुम्मा

शाका सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1वी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निर्वेश सं० श्रई-1बी/37-जी/19/86-87--यतः मुझे, पी० एन० बंमल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के सभीप सक्षम श्रीधकारी को यह विस्थाय करने स्थापकार हैं। कि स्थाप सम्पत्ति , विस्था दिस्थाय करने स्थापकार कुर्व कारण हैं। कि स्थाप सम्पत्ति , विस्था दिस्त भाषार मुख्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं।

अोर जिसकी सं कृपया श्रनुसूची देखिए हैं तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप सें वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

दिनांक 18 सितम्बर 1986
को पूर्वोक्त सम्पर्ति के एकित बाबार मूम्य वे कव के उरवान
अतिकाल के जिए करारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का समित दावार
कृत्य, उसे हे असमान प्रतिकाल से, एसे असमान तिकस का
बाज्य प्रतिकाल से विभिन्न है और करारक (अस्वरका) बीर
करारिती (अस्तरितियाँ) र बीच एसे अस्टरम के किए सब
वासा गमा प्रतिकाल, मिस्निवित्ति उद्योक्त से उत्त करारम

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनीथ अन्तिरती थ्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिभा की किया:

बतः स्था, उक्त अधिनियम की बारा 269-य की अपुजरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तितमें, अर्थात् :--

- (1) 1. जीवनजी हुसेनभाई,
 - 2. ताहेरभाई श्रव्बासभाई करीमजी,
 - 3 श्रीमती झैनाब जीवनजी मोरीसवाला श्रौर श्रीमती रक्षिया ताहेर कुरीमजी । (नूरभाई जीवनजी मोरीसवाला चरीटैबल द्रस्ट के द्रस्टीज) ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. फझसहुसैन हसनजी,
 - 2 ग्रवीदग्रली सफदारभ्रली,
 - 3. झाकीर कासम श्रली
 - 4 नझरश्रली ग्रह्मदग्रली,
 - 5 बकीरम्रली ग्रहमदम्रली,
 - 6. इमरान इसोफग्रली श्रीर
 - 7. मुग्राबाई ग्राई० लोखंडवाला । (ग्रन्गरिती (

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हो।

उच्य प्रस्तित के क्षेत्र के सम्बन्ध में को**र्ड ही सार्थन** हन्न

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन को सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूच्या की तानील से 30 दिन की नवधि, को भी नवधि बाद में सभाप्त होती हो, के शीतर प्रवेचिक व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति दुवानु;
- (ज) इस भूषना के राष्प्रक में प्रकारन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म म्यक्ति ब्वारा जथोहस्ताकरी के पार सिवित में किस का सकेंचे !

अनुसुची

जमीन का हिस्सा जोकि बम्बई शहर के भंडारी स्ट्रीट के दक्षिण में स्थित है और रिजस्ट्रेशन जिला और उप-जिला बम्बई शहर में जिसका कुल क्षेत्रफल एक हजार पांच सौ एकतालीस चौरस यार्ड या 1288.46 चौरम मीटर है। और जिसके उत्तर में भंडारी स्ट्रीट, पूर्व में नरें सी बाथा स्ट्रीट और दक्षिण में वम्बई म्युनिसंपल कार्पोरेशन की जमीन है जोकि मर्विस पेंसेज है। और पिश्चम में काझी सैयद स्ट्रीट है और जोकि प्लाट नं० 15, 16 और 17, माडवी कोलीवाडा इस्टेट, बम्बई म्युनिसंपल कार्पोरेशन श्रीर जिपका निर्धारण कलेक्टर श्राफ लैंग्ड रेवेन्यू मर्वे नं० 2395, 2396, 2397 और 2347 और कंडेस्ट्रल मर्वे नं० 216 माडवी डिवीजन है और जोकि म्युनिसंपल कार्पोरेश के बी-वार्ड नं० 1981, 1920, 1251, 1255–57, 1921–1925 श्रीर 1972–1975 स्ट्रीट नं० 27–35, 155, 163 से निर्धारित होता है।

स्रनुसूची जैसा कि विलेख मं० बाम-792/86 स्रौर जो उप-रिजस्ट्रार, थम्बई द्वारा दिनाक 18-9-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बंसल, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण)

दिनाक : 6-5-1987 मोहर : अन्त रेंज-1वी, बम्बई

इस्य वाइ'.टी.एन.एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

माउस बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1बी, बम्बई

बम्यई, दिनाक 6 मई 1987

निर्देश सं० ग्रई-1बी/37-जी/12/86-87--ग्रत: मुझ, पीठ एन० बंसल,

नायकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जि**र्च** एसने

इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा बया हैं), की धारा 269- क वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से विधिक है

ग्रौर जिसकी स० कृपया अनुसूची देखिए है तथा जो बम्बई मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक 25 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इदयकात रीक्षिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास ■एने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एस द्रयमान प्रतिफल के बन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरका) और असरिती (अतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के जिए तय पाया बया प्रतिपल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिजिन भे वास्तविक रूप से क**िंधत नहीं किया गया** है :---

- (१, भनारण १ हर किनी आय की जान), बार्भीनयम के बचीन कर दन के बनारक शिमान में कभी अस्ते या उसर बच्च > भीवधा ए भए, **सौर/मा**
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी ध्न या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उपत अधिनियम याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत. बब, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग के बन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन क्यानिसित व्यक्तियो अर्थात

- (1) रविन्द्र मुलराज ग्रौर ग्रन्य, (रविन्द्र मुलराज ट्रस्ट के द्स्टीज । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स कमल एंड कंपनी (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना के सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्रविकत प्यक्तिया मा में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर ए न्याणर सम्मित भी हिन्दब्ध color a term man

स्षष्टीकरणः--इसम प्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्थ होगा को उस कच्याए में विधा नवा

अन्स्ची

पहला (उस सम्पत्ति का विवरण जो लेसर हुसेन एलियास

रसिद श्रली बेग और श्री एम० इशाक ने एसायनरके

पूर्वोजोको जोकि दिनाक 16-10-1947 लिज डीड के मृताबिक नामकी)

वे सब खाली फोरस जमीन का हिस्सा जो डिलाईल रोड अब तुलसी पाईप लाई कोड से पहचानी जाती है और बम्बई के उप-रजिस्ट्रेश : जिला मे पडती है ग्रौर जिसका क्षेत्रफल 13237 चौरस यार्ड है तथा 10895 चौरस मीटर्स के बराबर है । जोकि लैण्ड रेवेन्यू कलेक्टर के यहा नंबर 11931, 1 1957 ग्रौर 11994, :या सर्वे न० 1/2641 ग्रौर 2/2642 (श्रश), ग्रौर कडम्ट्रेल सर्वे न० 833, लोग्रर परेल डिविजन के यहा दर्ज है और महा नगर पालिका रेटसू एण्ड टक्सेंस के ग्रसेसट ग्रौर कलेक्टर के यहा जी-वार्ड न० 2521 (2) 252(2एए), 252(2ए) ग्रौर 2526(2) ग्रौर स्ट्रीट न० 33ए-38ए, **38**एए ग्रौर 33एच में कर िर्घारण होता है ग्रौर जिसकी पूरब की तरफ ग्रंश कि लेसरकी सम्पत्ति ग्रौर ग्रंशी तुलसी पाईप रोड़ पड़ती है ग्रौर पश्चिम मे ग्रार० एम० डी० चंबागवाला सम्मति-पड्नी है। दक्षिण में हाजी मोहमद हाजी श्रहमद श्रीर दूसरों की सम्पत्ति पड़ती है और उत्तर में बगर पालीका की जमीन ग्रीर नाला।

थसरा उस सम्पति का विवरण जोकि एसायनर के पूर्वीजोने एझायि को तारीख 8, श्रगस्त, 1950 को दस्तावेज के जरिए दी है)।

वे खाली फारेस जमीन का हिस्सा जोकि डिलाईल रोड़ अब तुलसी पाईप लाईन रोड़ है । सब रजिस्ट्रेशन जिला, बुम्बई मे स्थित है। ग्रौर जिसका क्षेत्रफल 8246 चौरस यार्ड के करीब है ग्रौर जो बढ़कर ग्रब 11013 चौरस यार्ड बराबर है नथा **90**6**4** चौरम दिटर्स है ग्रौर जो पूरी जमीन जिस**ा क्षेत्रफ़ल** 13237 चौरस यार्ड उसका हिस्सा है। स्रौर जो कलेक्टर श्राफ लैण्ड रेवेन्यू के यह नंबर तया 11931, 11957 ग्रौर 11994, नया सर्वे नं० 1/2641 ग्रीर 2/2642 (ग्रंश), ग्रीर कंडेस्ट्रेल सर्वे नं० 833 ग्राफ लोग्रर परेल में दर्ज है ग्रौर ग्रसेसर एक्ट कलेक्टर, नगर पालिका रेटस एण्ड टैक्सेन के यहा कर निर्धारण है जी–वार्ड नं० 252(2), 2521(2एए),2521 (2ए) श्रौर 2526(2) ग्रौर स्ट्रीट (गली) नं० 33ए, 38ए, 38एए, ग्रौर 33एच ने होता है, ग्रौर जिसके पूरब में ग्राशिक महानगर पालिका की जमीन, अशीक हुसे । इलियास और अन्य की जमीन, ग्रौर ग्रंशीक तुलसी पाईप लाइा रोड में पडती है। पश्चिम में भ्रार० एम० डी० चंबागवाला की सम्पत्ति पडती है। दक्षिण मैं हुसेन एलियास ग्रौर ग्रन्य की जमीन जोकि एझायनर की लीज पर दी है। पड़ती है ग्रौर उत्तर में नगरपालिका का जमीन ग्रौर नामा ग्रौर ग्रंशीक हुसेन एलियास ग्रौर ग्रन्य की जमीन जोकि एझायनर को दी है पड़ती है ।

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम-951/82 ग्रौर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाव 25-9-1986 को रजिस्टड किया गया है।

पी० एनं ३ बंसल. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनाक: 6-5-1987

सं० एफ० 7/2/87 प० 1(ख) — राष्ट्रीय रक्षा अका-दमी के यस सेना, नौ सेना और वायु सेना स्कंधों के लिए जुलाई, 1988 में शुरू होने वाले 80वे पाठ्यक्रम हेनु और नौ सेना श्रकादमी के द्वितीय पाठ्यक्रम 10+2 (कार्यपालक शाखा) में प्रवेश हेनु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 13 दिसम्बर, 1987 को एक परीक्षा आयोजिन की जाएगी।

परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या 360 होगी (जिसमें थल सेना के लिए 195, नौ सेना के लिए 39 फ्रीर वायु सेना के लिए 66) और नौ सेना प्रकादमी की कार्यपालक णाया के लिए यह संख्या 60 होगी।

विशेष ध्यान: उम्मीटवार को ग्रावेदन-पत्न के कालम 10 में यह स्पष्ट रूप में बतलाना होगा कि बह किन सेवाग्रों के लिए वरीयता कम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी तलाह दी जाती है कि वह ग्रापनी इच्छानुनार जितनी चाहे उतनी वरीयताग्रो का उल्लेख करे ताकि योग्यता कम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताग्रों पर भली भांति विचार किया जा समें।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केवल उन्हीं सैवाग्रों पर उनकी नियुक्ति हेसु विचार किया जायेगा जिनके लिए वे भ्रपनी वरीयता व्यक्त करते हैं भ्रन्य सेवा या सेवाग्रों पर नहीं । उम्मीदवार द्वारा श्रपने प्रपन्न में पहले निर्दिष्ट वरीयता में वृद्धि/पिरवर्तन के श्रनुरोध को श्रायोग स्वीकार नहीं करेगा।

श्रायोग द्वारा श्रायोजित लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए श्रायोजित बौद्धिक श्रौर व्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के श्राधार पर उपर्युक्त कोर्म में प्रवेश दिया जाएगा (क) परीक्षा की प्रणाली, श्रौर पाठ्यक्रमो. (ख) श्रकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर (ग) राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी श्रौर नौसेना श्रकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा श्रादि के संक्षिप्त विवरण श्रौर (घ) श्रावेदनपत्र भरने के लिए मार्गदर्शक संकेत के सम्बन्ध में कमणः परिणिष्ट 1, 2, 3 श्रौर 4 में विस्तार से समझाया गया है।

2. पर्शक्षा के केन्द्र :

ग्रगरतला, ग्रहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बस्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, बिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इस्फाल, ईटानगर, जयपुर, जस्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रान, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, शिलांग, श्रीनगर, तिरुपति, तिवेंद्रम, उदयपुर श्रीर विशाखापत्तनम । श्रायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयक्त केंद्रो तथा तरीखों में परिवर्तन कर रकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पशन्द के केंद्र देने के तभी प्रयास किये जायेगे तो भी भायोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को श्रेपनी विषक्षा पर श्रेलग केंद्र दे किता है। जिन उम्मीदवारों को इस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें भमय रारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जान-कारी दे की जाएगी। [नीचे पैरा 8 (II) देखिए]।

उम्मीद्रवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केंन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध श्रनुरोध को समान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीद्रवार श्रपने उप केंद्र में परिवर्तन चाहता है जो उसे उक्त परीक्षा हेतु श्रपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को इस बात का पूरा श्रीचित्य बताने हुए एक पत्न रजिस्टई डाक से श्रवण्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे श्रनुरोधो पर गुणवत्ता के श्राधार पर विचार किया जाएगा। किन्तु 13 नवम्बर, 1987 के बाद प्राप्त श्रनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- 3. पाक्षता की मर्ते:---
- (क) राष्ट्रीयता : जम्मीधवार या तो---
- 1. भारत का नागरिक हो, या
- 2. भूटान की प्रजा हो; या
- 3. नेपाल की प्रजा हो; या वह
- 4 भारत में स्थायी रूप से रहने के हरादे में 1 जनवरी, 1962 में पहले भारत श्राया हुआ तिब्बती गरणार्थी हो; या
- 5. भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उदेश्य में पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका पूर्वी श्रकीकी देश जैसे कीनिया, उगाण्डा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका श्रौर जंजीबार): जाम्बिया, मलाबी जैंने तथा इश्लोपिया और वियतनाम से प्रश्नजन कर श्राया हो। परन्तु उपर्युक्त वर्ग 2, 3, 4 श्रौर 5 के अन्तर्गत श्लाने वाला उम्मीद्वार एका व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पालता प्रमाणपत्न प्रदान किया हो। पर नेपाल के गोरखा उम्मीद्वारों के लिए यह पालता प्रमाण-पन्न श्रावश्यक नहीं होगा।
- (ख) ब्रायु भीमाएं, लिग ब्रीर वैवाहिक स्थिति १ वत व ही ब्राविवाहित पुरुष उम्मीदवार पाल है जिनका जन्म 2 जुलाई 1969, से पहले का तथा पहली जनवरी, 1972 के बाद का न है।।

श्रायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैदिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रणाम-पन्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैदिकुलेशन के √सकक्ष माने गए प्रमाण-पन्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैदिकुलेटों के रिजस्टरों में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के ्म्चिन प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। मूल प्रमाणपत्न शक्षाच्कार के स्मय प्रस्तुन करने होंगे।

भ्रायु के अबन्ध में कोई श्रन्य इस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ पत्न, नगर निगम के सेवा श्राभलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा श्रन्य ऐसे ही प्रमाणपत्न स्वीकार नहीं किए जायेगे। श्रनुदेशों के इस भाग से श्राए हुए 'मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्न' वाक्याश के श्रन्तर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न अस्मिलत है।

हिष्पणी 1 : उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि आयोग उम्मीद-वार की जन्म की उमी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्न प्रस्तृत करने की तारीख को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न या भमकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्न में दर्ज हैं और इनक बाद उमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया

टिप्पणी 2: उम्मीदबार यह भी नोट कर लें कि उनके हारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की नारीख एक बार घोषित कर देने श्रीर अपने श्रायोग हारा उसे श्रापने श्राप्तलेख में दर्ज कर लेन के बाद उसमे बाद में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की श्रानुगति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 3: उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका तारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार श्रपनं आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसकी प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा। चाहें वह उस परीक्षा में या अगलों किसी परीक्षा में भले ही एकल हों, जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वापिए भेजा जाएगा और उन पर सरकार ने जो पैमा खर्च किया है वह एब उनमें वमूल किया जाएगा।

(ग) श्रीक्षक योग्यताएं :

(1) राष्ट्रीय रक्षा ग्रकाइमी के थल सेना, नौ सेना ग्रौर वायु सेना स्कन्धों के लिए !—

किसी राज्य शिक्षा बोर्ड श्रथवा विश्वविद्यालय द्वारा श्रायोजित स्कूली शिक्षा प्रणाली 10+2 की 12वी कक्षा उत्तीर्ण श्रथवा ामकक्षा (ii) नौ सेना अकादमी की कार्यपालक शाखा 10+2 के लिए किसी राज्य शिक्षा बोर्ड श्रथवा विश्वविद्यालय द्वारा श्रायोजित भौतिकी, रभायन श्रौर गणित सहित स्कूली शिक्षा प्रणाली 10+2 की 12वीं कक्षा उत्तीर्ण श्रथवां समकक्ष ।

जो उम्मीदवार स्कूली शिक्षा प्रणाली 10+2 के **श्रधीन** 12वीं कक्षा श्रथवा समकक्ष परीक्षा में बैठ रहे **हैं, वे भी** श्रावेदन कर स्कृते हैं।

मेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में ग्रर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को 3 जुलाई, 1988 तक अपने मैंद्रि-कुलेशन एवं 10+2 या समकक्ष प्रमाण-पत्न मूल रूप में सेना-मुख्यालय रिक्ट्रॉटिंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लाक, 3 श्रार०के० पुरम्, नई दिल्ली-110022 को तथा नौसेना श्रकादमी के उम्मीदवारों को नौसेना मुख्यालय, श्रार० एन्ड ग्रार० सैक्शन, 206 सी० विग सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को प्रस्तुत करने होगें। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारों रह कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहा बोर्ड/विश्वविद्यालय के ग्रारा, श्रभी तक प्रमाणपत्न जारी नहीं किए गण हों, शिक्षा संस्थात्रों के प्रधानाचार्य के ग्रारा, दिये गए मूल-प्रमाण-पत्न भी श्रायोग को स्वीकार्य होगें। ऐसे प्रमाण-पत्नों की प्रमाणित उत्य प्रतिलिपियां/फोटो स्टेट, प्रतियां स्वीकार नहीं की जायेगी।

श्रपवाद की परिस्थितियों में श्रायोग किसी ऐसे इम्मीद-वार को इस नियम में निर्धारित योग्यताश्रों से युक्त न होने पर भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उसके पार ऐसी योग्यताए हो श्रायोग के विचार से जिनका स्तर, उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराता हो।

टिप्पणी 1 : वे उम्मीदवार जिन्हें 12वी कक्षा या गमकक्ष परीक्षा में ग्रभी तक श्रहंता प्राप्त करनी हैं श्रीर जिनकी संघ लोक सेवा श्रायोग ने परीक्षा में बैठने की श्रनुमति दें दी है, नोट कर लें, कि उनको दी गई यह विशेष छूट हैं। उन्हें 12वी कक्षा या गमकक्ष परीक्षा उनीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है ग्रीर बोर्ड/विश्वविद्यालय, परीक्षा के देर से श्रायोजित किए जाने, परिणाम घोषणा में विसम्ब या श्रन्य किसी कारण से इस तारीख को श्रीर शागे बढ़ाने हैं जब किसी भी श्रनुरोध को स्वीकार हों। करा जायेगा।

िंद्याणी हैं जो उम्मीदवार रक्षा मलालय द्वारा रक्षा मेवाश्रों में किसी प्रकार के कमीशन से श्रप-वर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पाल नहीं होंगें, श्रगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रह की आएंगी। 4. मुच्कः

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग को हि॰ 28.00(श्रठ्ठाई। रुपये) ं शृल्क का भगतान करना होगा जो कि एचिय, मंघ लोक सेवा आयोग को नमी दिल्ली की स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर सेय स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या पिया, संघ लोक सेवा श्रायोग को नयी दिल्ली के प्रधाग डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल श्राईर श्रथघा केन्द्रीय भर्जी शुल्क टिकटे के रूप में हो।

टिप्पणी (I): केन्द्रीय भर्ता शुल्य टिक्टें (डाक टिक्टें नहीं)
डाकघर मे प्राप्त करें ग्रीर ग्रावेदन पत्न के
पहले पृष्ट पर इंग्लें लिए निर्धारित स्थान पर
चिपका दें। जारी करने वाले डाकघर से उत डाकघर की तारीख की मोहर गहित उन टिकटो को इस तरीके मे रह किया जाए कि रह करने की मोहर की खाप ग्रांणिक रूप से ग्रावेदन-पन्न पर भी ग्रापने ग्राप ग्रा जाए।

> रद्द किए गए टिकट की छाप स्पष्ट होनी चाहिए ताकि तारीख तथा जारी करने वाले डाकघर की पहचान स्पष्ट रूप से हो सके। "केद्रीय भर्ती शुल्क टिकटें" के स्थान पर किसी भी हासत में डाक टिकटें स्वीकार नहीं की जाएंगी।

टिप्पणी (II) : उम्मीदवारों को श्रपने श्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करते नमय बँक ड्राफ्ट की पिछली श्रोर ऊपर के थिरे पर श्रपना नाम तथा पता लिखना चाहिए, 'पोस्टल श्रार्डर के मामले में उम्मीदवार पोस्टल श्रार्डर के पिछली श्रोर इन्ते प्रयाजन के लिए निर्धारित स्थान पर श्रपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च ग्रायुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थित हो इन अनुरोध के नाथ जमा करना होगा ताकि वह "051—लोक सेवा आयोग परीक्षा-शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाये और प्रावेदन-पन्न के नाथ उनको रसीद लगा कर भेजनी चाहिए। जिन आवेदन प्रपन्नों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी। उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जायेगा यह उन उम्मीदवारा पर लागू नहीं होंगा जो नीचे के पैरा के श्राधार पर निर्धारित शुल्क की छूट की मांग करते हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों को शुल्क नहीं देना होंगा।

- (III) श्रायोग, यदि चाहे तो निर्धारित गुल्क से धूट दे सकता है जब उसको इस बात का भ्राभ्यासन हो कि आवेदक भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है 1-1-1964 श्रीर 25-3-1971 बीच की ग्रवधि में भारत में प्रव्रजन कर श्राया था या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यवित है तथा पहली जनवरी, 1971 श्रीर 31 मार्च, 1973 के बीच की ग्रवधि के दौरान, भारत प्रव्रजन कर चुका था या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर आया था या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय व्यक्ति है जो भ्रक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के श्रन्सर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उनके बाद भारत में श्राया था या भ्राने वाला है भ्रौर निर्धारित शुल्क देने की स्थिति मे नहीं है।
- (IV) थल सेना के जूनियर कमीशण्ड श्रफसरों, नान कमीशण्ड श्रफसरों तथा श्रन्य रैंको श्रीर भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंको के बच्चो श्रीर थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशण्ड श्रफसर, भूतपूर्व नानकमोशण्ड श्रफसर, भूतपूर्व नानकमोशण्ड श्रफपरो तथा भूतपूर्व श्रन्य रैकों श्रीर भारतीय नौ सेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुरुक देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्न- सिखित शतें पूरी कर देते हैं, श्रथात :—
- (क) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के नाम से ज्ञात)/सैनिक स्कूल, सीशायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलो में शिक्षा पा रहे हैं, ग्रीर
- (ख) उनके भ्रावेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिन्पिल द्वारा, इस अनुशंपा के नाथ अभेषित कर दिये जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्नों में कुल श्रंकों के कम में कम 30% श्रंक प्राप्त करने की श्राशा है।

टिप्पणी: मिलिट्री स्कूलो/सैनिक स्कूलों के उम्मीदवारों के सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा, अग्रेषित ग्रावेदनपत्नों की सवीक्षा ग्रायोग के कार्यालय में यह निष्चय करने के लिए की जायेगी कि क्या ऐसे उम्मीदवार उपर्युक्त नोडिन ने पैरा 4 (III) कै प्रन्तर्गत शुल्क से छूट के हकदार हैं। किन्तु मिलिट्री स्कूलो/सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को श्रापन स्कूल विद्याश्यां के ग्रावेदनपत्न ग्रायोग को ग्राग्रेषित करने के पहुंले

संतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त व्यवस्था की श्रपेक्षाओं को पूरा करते हैं। श्रायोग प्रधानाचार्यों के क्तायतों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। प्रावेदन के साथ श्रायोग की श्रदा किया गया शुक्क वापस करने के किसी श्रमुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता है और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है।

- (V) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसकों कर 15.00 (पन्द्रह रुपये) वापस कर दिया जाएगा। परंतु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ या 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ या 1ववीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित नारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।
- (VI) जो उम्मीदवार विसम्बर, 1986 अथवा मई 1987 में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी परीक्षा में बैठा हो और इन परीक्षाओं के परिणाम के श्राधार पर किसी कोर्म के लिए उसका नाम अनुशांसित हुआ हो तो उनके मामले में कर 28,00 (अट्ठाईम रुपये) का शुरूक वापस किया जा सकता है। पर वह जरूरी है कि दिसम्बर 1987 की राष्ट्रिय रक्षा श्रकादमी परीक्षा के लिए श्रपनी उम्मीद-वारी रद्द कराने और शुरूक वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का श्रनुरोध श्रायोग के कार्यालय में 15 फरवरी 1988 या उससे पहले पहुंच जाए।

जपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर प्रन्य किसी भी स्थिति में भ्रायोग को भृगतान किये गये भुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही मुल्क को किसी भ्रन्य परीक्षा या चयन के लिए भ्रारक्षित रखा जा सकेगा।

ग्रावेदन कैंसे करें:

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को दिनांक 27 जून, 1987 के समाचार पत्नों तथा रोजगार सामाचार में प्रकाशित आवेदन प्रपत्न पर मचित्र, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचार पत्नों गाँ, "रोजगार समाचार" में प्रकाशित आवेदन प्रपत्न का मूल रूप में उपक्षोग कर सकते हैं और उसके कालम अपने हाथ से बाल पेन में

भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुलस्केप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ उवल स्पेस पर टेकित प्रावेदन प्रपत्न और उपस्थित पत्रक को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एग्रेंसियों में उपलब्ध छपे हुए प्रावेदन प्रपत्न तथा उपस्थिति-पत्रता को प्रयोग में ला सकते हैं। बणर्त कि दिनांक 27 मृत. 1987 के समाधार पत्नीं तथा रोजगार समाचार में प्रकाणित नम्ने के अनुरूप हो। उम्मीदवार इस वात का ध्यान रखें कि पिछले वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित प्रावेदन प्रपत्न में ग्रावेदन करने पर स्वीकार्य नहीं होगा। उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी नौसेना ग्रकादमी परीक्षा के सभी प्रधन-पतीं के लिए प्रवेश प्रमाणपत्न और एक ही ग्रनुक्रमांक में परीक्षा दे चाहे उन्हें ग्रायोग में एक में ग्राधिक प्रवेश प्रमाणपत्न वर्यों न प्राप्त हुए हो।

जिस लिफाफे में भ्राविदनपत्न भेजा जाए, उस पर मोटे श्रक्षरों में 'नाष्ट्रीय वक्षा श्रकादमी/नौमेना श्रकादमी', परीक्षा, दिसम्बर 1987 लिखा जाए।

- (क) उम्मीदवार को श्रपने ग्रावेदन प्रपन्न के साथ निम्नलिखित प्रपन्न भेजने चाहिए।
- (I) निर्धाति शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफट/ भारतीय पोस्टल श्राईर केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें या भारतीय मिश्रम की रसीद (शुल्क माफी हेतु दावे के मामलों को छोड़कर) (II) फुलस्केप माइज पेपर पर विधिवत भरा हुन्ना उपस्थित पत्नक (दिनांक 27 जून, 1987 के समाचारपद्गों तथा रोजगार ममाचार में प्रकाशित) (III) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट श्राकार (लगभग 5 मेमी०, 7 सेमी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां एक आवेदन प्रपल पर तथा दूसरी उपस्थित पत्नक में निर्धारित स्थान पर लगी हो। (IV) एक पोस्टकाई अपने हते के साथ (V) 11.5 सेमी० र 27.5 सेमी० श्राकार के बिना टिकट लगे हुए तीन लिफाफ श्रपने पते के साथ।
 - (ख) उम्मीदयाः ध्यान रखं कि श्रावेदनप्रपत्न भरते समय भारतीय अकों के केवल अनरराष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्न या समकक्ष प्रमाणपत्न में जन्म की तारीख हिन्दी अंको में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिष्चित कर लें कि जो श्रावेदनप्रपत्न वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय "अंकों के अनरराष्ट्रीय रूप" में लिखी हो। वे इस बारे में विजय सावधानी बरते कि श्रावेदनप्रपत्न में ा ही प्रविष्टिया स्पष्ट और मुपाठ्य हा। यदि ये प्रविष्टिया पढ़ी नहीं जा सकती हैं या श्रामक है तो उनके निर्मवन में होने वाली श्रान्ति या संदिग्धता के लिए उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगें।

(ग) सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदनप्रपत्न आयोग को सीधे भेजने चाहिये अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदनप्रपत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो औं वह सघ लांक सेचा आयोग में देर से पहुचा हो तो आवेदनप्रपत्न पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहने प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति लोक उद्यमो मे सेवान्त है। उनको यह परिवचन (श्रण्डरटेकिंग) प्रस्तुत क ना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से श्रपने कार्यालय/विभाग के श्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए श्रावेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि श्रायोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए श्रावेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध श्रनुमित रोकते हुये कोई पत्र मिलता है तो उनका श्रावेदनपत्र अस्वीक्त कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवारत हैं उन्हें अपने श्रावेदनपत्र प्रपने कमाडिंग ग्राधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए जिन्हें वह श्रायोग को श्रग्रेपित करेंगे।

भारतीय नौमेना मे नौसैनिको (बाल एव पिश्मिल्पी शिक्षार्थियो सहित) के ब्रावेदनपत्नो को यदि उनके कमाडिंग श्रिष्ठिकास्यो द्वारा विधियत श्रनुशांसित किए जाने हैं नो केवल उन्हें दी स्वीकार किया जाएगा।

राष्ट्रीय भारतीय मिलिटरी कालेज (जो पहल सैनिक स्कूल कहा जाना था) देहरादून मिलिटरी स्कूलों (जिन्हें पहले किंग जार्ज स्कूल कहा जाता था) और मैनिक स्कूलों की मोसायटी द्वारा चलाए जाने वाले सैनिक स्कूलों के छात्रों को अपने आवेदनपत्र सबद्ध कालेज/स्क्ल के प्रिसिपल के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए।

टिप्पणी जिन श्रावेदनपर्तो के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा (उपर्युक्त पैरा 4 के श्रन्तर्गत शुल्क माफी के दाने को छोडकर) या जो ग्रध्रे या गलत भरे हुए हो, उनको एक दम श्रस्वीप्त कर दिया जायगा और किसी भी श्रवस्था में श्रस्वीतृति के सबध में श्रस्यावेदन या पत्न-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को ग्रपने ग्रावेदनप्रपत्नो के साथ ग्रामु तथा ग्रीक्षिक योग्यता, श्रनुसूचित जाति और श्रनसूचित जनजाति और श्रुत्क में छूट ग्रादि का प्रमाणपत्न प्रस्तुत नहीं करना होगा। इसलिए वे इस बात का मुनिश्चित क ले कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पान्नता की सभी शर्तों की पूरी करते हैं या नहीं। यत परीक्षा में उनका प्रवंश ग्री पूर्णत श्रनित्म होगा। यदि किसी बाद की तारीख को मत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पान्नता की सभी

शर्ते पूरी नहीं करने हैं तो उनकी उम्मीदवारी रहहों जाएगी।

उम्मीदवारों सं भ्रमुगोध है कि वे उक्त परीक्षा के लिखित भाग का परिणाम घोषित होने के बाद सेना मुख्यालय को जल्दी प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित प्रलेख तैयार रखे।

पिणाम मार्च मास. 1988 में घोषित होने की सम्भा-बना है।

- 1. ग्रायुका प्रमाणपत्न,
- 2 मौक्षिक योग्यता का प्रमाण।
- 3 जहा लागू हो, वहा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जानि का होने के दावे के समर्थन मे श्रमाणपत्न ।

4 जहा लागू हो, वहा म्यल्क मे छुट के दावें के समर्थन मे प्रमाणपत्र । परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के घोषित हो जाने के तुरन्त बाद सेना मुख्यालय द्वारा सफलता प्राप्त उम्मीदवारों से कुछ ग्रतिरिक्त सूचना को भेजने के लिए कहा जाएगा । उपर्युक्त प्रमाणपत्नोकी सत्यापित प्रतिया सेना मुख्यालय, ए०जी० ब्राच श्राग्वटी०जी०, 6 (एस०पी०) (ए०) पण्चिम ब्लाक 3, विंग 1, राम-कृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को उस समय तत्काल भेजने होंगे। साक्षात्कार के लिए बुलाए गये सभी उम्मीदवारो को सेवा चयन बोर्ड (एस०एस०बी०) के समक्ष मैटिक परीक्षा का मूल प्रमाण पत्र अथवा समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पन्न प्रस्तुत करने होंगे। जिन उम्मीदवारों के पास अपेक्षित प्रमाण पत्न नही होगे उनका सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार नही लिया जाएगा। जो उम्मीदवार सेवा अयन बोर्ड के साक्षात्कार मे श्रर्हताप्राप्त कर लेगे उन्हें साक्षात्कार के त्रन्त बाद मूल प्रमाणपत्नो को प्रस्तुत करना होगा। यदि उनका कोई भी दाया श्रसत्य पाया जाता है तो उनके विरुद्ध श्रायोग द्वारा पैरा ६ के श्रनुसार श्रनुशासनात्मक कार्रवाई की जा मकती है।

- उम्मीदवारो को ध्यान देना चाहिए कि वे आवेदनपत्न, नियमावली, पाठ्यक्रम श्रादि के लिए मघ लोक सेवा आयोग को न लिखे। ऊपर समझाए अनुसार इस विज्ञापन के साथ छापे गए आवेदनपत्न का प्रयोग किया जाए।
- 6 जो उम्मीधवार श्रायोग द्वारा निम्नाकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है ---
 - (1) किसी प्रकार से श्रपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
 - (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वय प्रस्तुत होना, या
 - (3) श्रमने भ्यान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना, या

- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तृत करना, या
- (5) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना, या
- (6) परीक्षा के लिए श्रपनी उम्मीदवारी के सबंध में किसी श्रनियोमत या श्रनुचित लाभ उठाने का श्रयास करना, या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या
- (8) उत्तर पुम्तिकाओं पर श्रसंगत बाते लिखना जो श्रम्लील भाषा या श्रभद्र श्रामय की हो, या
- (9) परीक्षा भवन में और किमी प्रकार का दुरुर्गवहार करना, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए श्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेणान कश्ना या श्रन्य प्रकार की णारीरिक क्षति पहुचाना, या
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाणपत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना, या
- (12) उत्पर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदा-चार को करने की कोशिया करना या करने के लिए उकसाना।

यह भ्रपने को दण्ड-म्राभियोजन का णिकार बनाने के म्रातिस्वित:——

(क) श्रायोग की परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए श्रायोग द्वारा श्रयोग्य ठहराया जा सकता है।

ग्रयवा

- (ख) (1) ग्रायोग द्वारा कम्पनी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए
 - (2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके श्रधीन किसी नियुक्ति के लिए और
 - (3) स्मायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट प्रविध के लिए भ्रवनिजत किया जा सकता है।
- (ग) किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के श्रशीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक ---
- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित श्रभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का श्रवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा श्रनुमत समय में प्रस्पृत श्रभ्यावेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो।
 - 7. भ्रावेदन प्रपत्न लेने भी अतिम तारीख:

भरा हुआ आवेषनपत्र श्रावश्यक प्रलेखो के साथ सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाऊस, नई पिल्ली-110011 को

10 प्रगस्त. 1987 ने पहले किसी नारीख से भ्रसम , मेघानय श्ररुणाचल प्रदेश, मिजोश्म मणिपूर, नागालैण्ड, तिपरा, सिनिकम, जश्मू और कश्मी नाज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्या जिले के प्रांगी उपमङ्ल, अण्डमान भ्रौ िनिकाबार हाप समूह या लक्षद्वीप और विदशो मे क्हन वाले अम्मीदवारो के और जिनके आवेदन उपर्युक्त मे से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 24 भ्रगस्त, 1987 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य शिजवा दिया जाए, या स्वयं आयोग के काउण्टर पर भ्राकर जमा करा दिया जाए। भ्रसम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, नागालैण्ड, बिपूरा, सिक्किम, जम्मू और कण्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, भ्रण्डमान और निकोबार द्वीपसमुह या लक्ष-द्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारो से ग्रायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तृत करने के लिए कह सकता है कि वह 10 भ्रगस्त, 1987, से पहले की तारीख से श्रसम, मेघालय, श्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, नागालैण्ड, त्रिपुरा सिक्किस, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदशों में रह रहा था।

टिप्पणी: (1) जो उम्मीदिवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले श्रावेदन की प्रस्तुति हेतु श्रितिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें श्रावेदनपत्न के संगत कालम में श्रपने पतो में श्रितिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (श्रर्थात् श्रमम, मेघालय, जम्मृ तथा कश्मीर राज्य का लहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए, श्रन्यथा हो सकता है कि उन्हें श्रितिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी: (2) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे श्रपने श्रावेदन एव संघ लोक सेवा श्रायोग के काउन्टर पर स्वयं जमा कराएं या श्जिस्टर्ड डाक हारा भेजें । श्रायोग के किसी कर्मचारी को दिए गए श्रावेदन पत्र के लिए श्रायोग जिम्मेदार नहीं होगा ।

> निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी श्रावेदन पर यिचार नहीं किया जाएगा ।

श्रायोग मेना मुख्यालय के साथ पत्र-व्यवहाय:

निम्नलिखित मामलों को छोडकर श्रायोग श्रन्य किसी भी मामले मे उम्मीदवार के साक्ष पत्न-व्यवहार नहीं करेगा।

(1) ग्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक ग्रावेदनपत्न जिसमें देर से प्राप्त भ्रावेदन पत्र भी सम्मिलित है, की पानसी दी जाती है तथा भ्रावेदन पह की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पजीकरण मख्या जारी ही जाती है इम तथ्य का कि उम्मीदवार को सावेदन प किरण सख्या जारी कर दी गयी है, अपन आप यह मतन्त्रव नहीं है कि आवेदनपत मभी प्रकार पूर्ण है और आयोग हाना स्वीकार कर लिया गया है। यदि परीक्षा सं सबधित आवेदनपत्रों नी प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र की पावती न मिले तो उस पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सपर्क करना चाहिए।

- (2) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम की सूचना यथाशीझ दे दी जायेगी।
 िक्षन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदनपत्र
 का परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा
 के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक
 उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के
 बारे में सघ लोक सेवा आयोग से जोई सूचना न
 िमले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग
 से तत्काल सपर्य स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले मे
 विवार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।
- (3) जिन उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उनको श्रनुक्रमांक निर्दिष्ट करने हुए प्रवेश प्रमाण पत्र जारी कर दिया जायेगा और उसमे निर्दिष्ट श्रनक्रमांक वहीं होंगा जो उम्मीदवारों की पावती कार्ड द्वारा पहले सूचित श्रावेदन पजीकरण संख्या हैं। किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में प्रवेश तब तक नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास उक्त परीक्षा का प्रवेश प्रमाणपत्न नहीं है।
- (4) किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा मे तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण पत्र न हो।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाणपत्न जारी कर दिया गया है, यह भ्रर्थ नहीं होगा श्रायोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी श्रन्तिम रूप से ठीक मान ली गई है या उम्मीदवार द्वारा भ्रपने प्रारंभिक परीक्षा के भ्रावेदन-पत्र मे की गई,प्रविष्टियां ध्रायोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखे कि ब्रायोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए श्रर्हता प्राप्त कर लेने के बाद ही उनकी पावता वी मर्तीका मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाना है। आशोग दारा औपचारिक रूप से

- उम्मीदवार। की पुष्टि का दिए जाने तक उम्मीद-वारी अनिलाम रहेगी । उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवश का पाव है या नहीं ते इस बारे में अपोध का निर्णय अस्तिम होगा।
- (5) रम्मीदवा ध्यान खे कि प्रवत् प्रमाण पत में कही-कही नाम नकती की कारणों में मक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।
- (6) उम्मीदवार को इम्बिंगत की व्यवस्था प्रवश्य कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदनपत्न में उन्लिखित पते पर भेने गए पत्न प्रादि प्राप्त्रमक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर प्रायोग का उसकी सूचना यथा शीघ्र दी जानी चाहिए। ऐसे पर्वितंनो पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्ण: भ्रावेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग, धौलपर हाऊस, नई दिल्ली—110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण श्रवश्य होना चाहिए।

- 1. परीक्षा का नाम
- 2 परीक्षा का वर्ष और महीना
- ग्राबेदन पंजीकरण संख्या/रोल नवर या जन्म की तारीख (ग्रगर श्रावेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- 4 उम्मीदवार का नाम (पुरा ग्रीर साफ लिखा हुआ)
- पत व्यवहार का पता, जैसा श्रावेदन पत्र मे दिया है।
- त्रिशेष ध्यानः(1) जिन पत्नो में ऊपर का ब्यौरा नही होगा, हो सेकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो ।
 - (2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्न/पत्नादि प्राप्त होता है या इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमाक नही दिया गया है तो उस पर ध्यान नही दिया जायेगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

मेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए प्रायोग द्वारा अनु शंमित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के तिए प्रावेदन करन के बाद, अपना पता बदल लिया हो तो उनकी नाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाभ घोषित हो जाने की अपना नया पता तत्काल मेना मुख्यालय, ए० जी बाब दूटिंग ६ (एम पी) (ए०) वेस्ट ब्लाक 3, विग—1 रामाक्षडणापुरम, नई दिल्ली-110022 को सुचित कर देना चाहिए । जो उम्मीदवार इन अनुप्रेमों का पाचन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पन्न न मिलने पर श्रयने मामने मे जिवार कि जाने के दावें से बंचित हो जाएगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षा-त्कार हेतु रिपोर्ट करने के लिए अनुशंधित है उनकों श्रपने साक्षारकार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ श्रीर श्रमुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० क्रांच रिक्रूटिंग 6. (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लाक 3, विगा, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवार को भेजे गए सम्मन-पत द्वारा सूचित तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए पहुंचना है। साक्षांत्कार को स्थगित करने से संबद्ध श्रनुरोध पर केवल ध्रपवादा-त्मक परिस्थितियों में श्रीर प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा म्रायोग द्वारा जारी की गई मन्तिम योग्यता सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुन्ना हो तो उनको म्रपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय ए०, जी० कांच रिकूटिंग 6 (एस० पी०) (ए), वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 को दे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्य भार सम्भालने के म्रनुदेश उन्हें समय पर मिल सकों। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार सम्भालने के म्रनुदेशों के निमलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

9. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा :

श्रहेंता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार भन्तिम परिणामों की घोषणा और भन्तिम रूप से श्रहेंता प्राप्त उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश: संघ लोक सेवा भायोग लिखित परीक्षा में भायोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम श्रहेंक ग्रंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार वौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिरहोंगे। जड़ां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौ सेना भीर नौ सेना भ्रकादमी की 10—2 कार्यपालक शाखा के उम्मीदवारों की श्रधिकारी क्षमता तथा वायु सेना के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण तथा भ्रधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में श्रधिक से श्रधिक 900 भंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर प्रपत्ती ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे श्रीर सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप भगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की श्रीर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के हकदार महीं होंगे चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण में हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या श्रीभभावकों को इस ब्राशय के एक प्रमाण पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे।

32-126GI/87

स्वीकृति हेत् थल सेना/नौ सेना धौर नौ सेना धकादमीके उम्मीववारों को (1) लिखित परीक्षा तथा (2) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में भ्रलग-भ्रलग न्यनतम अर्हक ग्रंक प्राप्त करने होंगे जो कि भ्रायोग द्वारा उनके निर्णय के भ्रनुसार निश्चित किये जायेंगे श्रीर वायुसेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा (2) ग्रधिकारी क्षमता परीक्षण, (3) पायलट एप्टी-च्यट परीक्षण में भ्रलग-ग्रलग न्युनतम अर्हक श्रंक प्राप्त करने होंगे जो कि धायोग द्वारा उनके निर्णय के श्रनुमार निश्चित किए जायेंगे।इन शतीं पर भ्रईता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कल मंकों के भ्राधार पर योग्यता के ग्रन्तिम कम में तीन भ्रलग-भ्रलग सूचियों में---एक थल सेना तथानी मेना के लिए भीर दूसरी बाय सेना के लिए ग्रौर तीसरी नौ सेना श्रकादमी कोर्स के लिए रखा जाएगा । जो उम्मीदवार सेवा के सभी श्रंगों के लिए श्रीर नौ सेना श्रकादमी के लिए श्रहंता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता सुचियो में होगा। राष्ट्रीय रक्षाश्रकादमी के थल सेना तथानौ सेना के विगों में प्रवेश के लिए ग्रन्तिम चयन थल मेना तथा नौ सेना की योग्यता सुची में से रिक्तियों की संख्याको देखते हुए योग्यता के ऋम से किया जायेगा और सेना विंग में प्रवेश के लिए भंतिम चयन सेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा, और नौ सेना प्रकादमी की कार्यपालक शाखा में प्रवेश के लिए ग्रंतिम चयत नौसेनाकी योग्यता सुचौ नें रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम में किया जाएगा जो शारिरिक स्वस्थ्ता ध्रौर भ्रन्य सभी बातों में उपयुक्तता के श्राधार पर होगा । जिन उम्मीदवारों के नाम तोनों योग्यता सूचीयों में है उन पर तीनों सूचियों में चयन हेत् विचार उनके वरीयता ऋम को देखते हुए होगा श्रीर अनके एक सूची से प्रन्तिम रूप से चुन लिए जाने पर शेष सूचियों उनका नाम रह कर दिया जाएगा ।

विशेष ध्यानः वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। ग्रतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायु सेना स्थम बोर्ड के सामने बाद में होने वाल साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पायलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में ग्रमफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी परीक्षा के वायु सेना विग या चनरल ड्यूटी (पायलट) ब्रांच या नेवल एयर श्रार्म में प्रवेश के लिए श्रावेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० ग्रकादमी कोर्स में पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो भ्रीर उन्हें भ्रहेसा प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायु सेना विंग के लिए ही भ्रपना भ्रावेदन करना चाहिए ।

प्रलग-मलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में भीर किस प्रकार सूचित किए जायें इस बात के निर्णय भायोग भपनें भाप करेगा भीर परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-स्थवहार नहीं करेगा । परीक्षा में सकल होने मान्न से भकादमी में प्रवेश का कोई श्रधिकार नहीं मिलेगा । उम्मीयनार की नियुक्ति प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह धकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

10. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए भ्रनर्हताएं :

जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा स्रकादमी श्रथवा नौ सेना श्रकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर श्रधि-कारी सुलभ विशेषताश्रों के श्रभाव के कारणया श्रनुशासनिक श्राधार पर वहां से निकाल दिए गये थे उनको श्रकादमी में प्रवेश नही दिया जायेगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अल्बस्थता के श्राधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा धकावमी नौ सेना धकावमी से वापसे ले लिया गया हो या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त धकावमी छोड़ दी हो उन्हें धकावमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्ते कि वे स्थास्थय तथा ध्राय निर्धारित शर्ते पूरी करते हों।

11. सघ लोक सेवा श्रायोग ने "संघ लोक सेवा श्रायोग की बन्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है इस का यह उद्देश्य है कि इससे सं० लो० से० श्रा० की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीद-वारों को सहायना मिल सके।

जकत पुस्तिका प्रकाशनः ियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली110054 के कार्यालय से बेची जाती है। इसे वहां से सीधे मेल
भाडंर द्वारा या नकद भुगतान पर लिया जा सकता है। यह
पुस्तिका केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिवोली
सिनमा के समाने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी ब्लाक, बाबा खडग
सिह मार्ग, नई विल्ली-110001 (2) उद्योग भवन, नई विल्ली110001 पर प्रवाशन गाखा के दिकी काउन्टरकौर (3)
गवर्नमेंट श्राफ इष्डिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड,
कलकत्ता-700001 में भी मिल सकती है। उक्त मैनुश्रल
(विवरणिका) भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफस्सिल
महरों में स्थित एजेटों के पास भी उपलब्ध है।

12. उम्मीदवार को ग्रपना ग्रावेदनपत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी ग्रनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नही किया जाएगा ।

> एम० के० क्रुष्णन उप सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग

परिशिष्ट-1

(परीक्षा की योजना ग्रौर पाठ्यक्रम विवरण)

- (क) परीक्षा की योजना : महत्वपूर्ण टिप्पणी :--
- संघ लोक संबा प्रायोग ने रक्षा मंत्रालय से परामर्श करके दिसम्बर, 1987 में प्रायोजित होने वाली राष्ट्रीय रक्षा

श्रकादमी परीक्षा से राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी परीक्षा की योजना के अधीन नो सेना श्रकादमी मे नो सेना श्रकादमी की कार्य-पालक शाखा के 10+2 पाठ्यक्रम के माध्यम से भर्ती शुरू की है। नो सेना श्रकादमी की कार्य पालक शाखा के लिए योजना उसी प्रकार की ही होगी जैसी राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी के थल सेना, नो सेना और वायु सेना स्कन्धों की होती हैं किन्तु शैक्षिक योग्यताश्रों के मामले में किसी भी उम्मीदवार को भौतिकी, रसायन-शास्त्र और गणिन सहित 10+2 पैटर्न की 12 वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए।

2. संघ लोक सेंवा श्रायोग ने रक्षा मंत्रालय के साथ परामर्श करके राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी परीक्षा की पिछली योज ता को सरल कर दिया है। राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी परीक्षा की पिछली योज ता के पिछली योज ता में पांच प्रश्न-पत्न थे गणित के 2, सामान्य ज्ञान के 2 श्रीर श्रंग्रेजी का 1। प्रत्येक प्रश्न-पत्न 2 षण्टे की श्रवधि का या श्रीर तीन दिनों में पूरा होता था। प्रस्तुत परिशोधित योज ता सरलीकृत है जिसमें वो प्रश्न-पत्न हैं (1) गणित की पिछली योज ता में से गणित दिशोद श्रीर गणित में तथा (2) पिछली योज ता के सामान्य ज्ञान तथा भ्रंग्रजी में से सामान्य योग्यता परीक्षण i, क्यौरा निम्नलिखित है:

 लिखित परीक्षा के विषय, ियत समय तथा प्रत्यैक विषय के श्रिधिकतम श्रंक निम्नलिखित होंगे ।

विषय	समय	ग्रधिकतम श्रंक
गणित	3 घण्टे	300
सामान्य योग्यता परीक्षण 3 घण्टे		600
		900

2. सभी विषयों के प्रश्त-पत्नों में केवल वस्तुपरक प्रकास ही होंगे, प्रश्न पत्न (परीक्षण पुस्तिकाएं) केवल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे।

उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण-पद्मों के साथ उम्मीदवार को सूचना विवरणिका दी जाएगी जिसमें नमूना प्रश्न-मतीं सहित वस्तुपरक प्रकार के परीक्षणों का क्योरा सम्मिलित होगा।

- प्रमत-पत्नों में जहां भी श्रावण्यक होगा, केवल तोल श्रीर माप की मीटरी पद्धति सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।
- 4. उम्मीक्वारों को प्रश्न-पत्नों के उत्तर श्रपने हाथ से लिखने चाहिए । किसी भी हालत में उन्हे प्रश्न-पत्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की आएगी ।
- परीक्षा के एक भ्रयवा सभी विषयों के भ्रहेक भ्रंकों का निर्धारण श्रायोग की विवक्षा पर रहेगा।

6. उम्मीदवारों को वस्तपूरक प्रकन-पत्नों (प्रकन-पुस्तिकाम्रों) के उत्तर लिखने के लिए केलकुलेटर भ्रयवा गणितीय भ्रयवा लभुणकीय सारणियां प्रयोग करने की श्रनुमित नहीं है। मत: उन्हें ये वस्तुएं परीक्षा भवन में नहीं लानी चाहिएं।

(ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण

प्रक-पत्न--- 1 गणित--- प्रधिकतम श्रंक 300 ।

ग्रंक गणित:

संख्या पद्धति—धनपूर्णं संख्यांक । पूर्णांक परिमेय ध्रौर वास्तविक संख्यायें मूल संक्रिया जोड़, घटाना, गुणा ध्रौर विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न ।

एकिक विधि: समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता-साधारण तथा चक्रवृद्धि ब्याज में श्रनुप्रयोग, लाभ तथा हाति, श्रनुपात ग्रीर समानुपात विवरण।

प्रारंभिक संख्याएं सिद्धान्त : विभाज त की कल विधि, ग्रभाज्य ग्रीर भाज्य संख्याएं 2,3,4,5,9 ग्रीर 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण, ग्रपवर्स्य ग्रीर गुणत, गुणत खण्ड, प्रमेय। महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्से तथा लघु सूक्लिङ की दशमलय पद्धति।

स्रोधार 10 तक लघुगणक, ल**घुगण**क के नियम । · **किस्लार कल**र्भ भयवा क्षेत्रमिति :

वर्गी, श्रायातों, समानान्तर चर्तुभुज, त्रिभुजों भीर वृत्तों के क्षेत्रफल उन श्राकृतियों के क्षेत्रफल जो इन श्राकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षेत्र बाही)। घनमी का बाहरी क्षेत्रफल तथा श्रायतन। लम्ब, वृत्तीय शंकाश्रों श्रीर बेलनों का पार्थ्य-पृष्ठ तथा श्रायात गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा श्रायतन।

बीज गणित :

श्राधारभूत प्रक्रियाए—साधारण गुणन खण्ड, शेषफल प्रमेय, बहुपवों का महत्तम श्रीर लघुत्तम समापवर्य । द्विधात सभीकरणों का हल, इसके मूल श्रीर गुणाकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल विधार किया जाए) दो श्रज्ञात राशियों में युगपत समीकरण-विश्लेषण श्रीर ग्राफ सम्बन्धी हल/प्रायोगिक प्रश्न जिन्से दो चरों में दो युपत रेखिक ममीकरण बनते हैं या एक बार में दिधात समीकरण तथा उनके हल समुच्चय भाषा तथा समुच्चय श्रंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्ममक घातांक नियम ।

ज्यामिति :

रेखा श्रांर कोण, समतल भीर समतल भाकृति, निम्नलिखित पर प्रमेय :---

- 1. किसी बिन्द पर कोणों के गुणधर्म ।
- 2. समानांतर रेखाएं।
- 3. किसी विभुज की भुजाएं श्रौर कोण।
- 4. विभुज की सर्वांग समता ।
- समस्प तिभुज ।

- माध्यकाम्रों भ्रौर गीर्घ लम्बों का संगमनं ।
- समानांतर चर्नुभुओं, श्रायत श्रीरवर्ग के कोणों, भुजाग्रों के विकणों के गुण धर्म।
- वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें स्पर्ण रेखा तथा ग्रिभलम्ब भी गामिल हैं।
- 9. स्थानिक संघक ।

क्षिकोण मिति :

ज्या×कोटिज्या×स्पर्ण रेखा× जब-0° ≤ × ≤ 90°

ज्या × कोटिज्या × स्पर्श रेखा का मान क्योंकि × -0° , 30° , 45° , 60° श्रीर 90° ।

सरल विकोणमित्तीय तत्समक । विकोणमिति मारणियों का प्रयोग । उंचाइयों श्रौर दूरियों के सरल कोण ।

सांख्यिकी :

सांख्यिकी तथ्यों का संग्रहक तथा सारणीकरण। श्रालेखी प्रस्तुतीकरण—-बारम्बारना बहुभुज, श्रायत चित्र, गलाका चार्ट, पार्ड चार्ट श्रांदि श्रपरिष्कृत ग्रौर सामूहिक ग्रांकड़ों का परि-कलन माध्य।

प्रकृत पत्न II—सामान्य योग्यता परीक्षण :

प्रधिकतम प्रंक-600

भाग (क) श्रंग्रेजी (ग्रधिकतमश्रंक 200)

श्रंग्रेजी का प्रश्न-पत्न इस प्रकार का होगा जिसमें उश्मीदवार की श्रंग्रेजी की समझ श्रौर शब्दों के कुशल प्रयोग का परीक्षण हो सके। पाठ्यक्रम में विभिन्त पहलू समाहित हैं जैसे व्याकरण श्रौर प्रयोग, विधि शब्दावली तथा श्रंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता की परख हेतुं विस्तारित परिच्छेद की बोधगम्यता तथा सम्बद्धता ।

भाग (ख) सामान्य ज्ञान (अधिकतम श्रंक 400)

सामान्य ज्ञान के प्रश्त-पत्नों में मुख्य रूप से भौतिकी, रसायन शास्त्र, सामान्य विज्ञान, सामाजिक श्रध्ययन, भूगोल तथा सामयिक विषय ग्रायेंगे ।

इस प्रश्त पत्न में शामिल किए गए विषयों का क्षेत्र निम्न पाठ्य विवरण पर भ्राघारित होगा । उल्लिखित विषयो को सर्वाग पूर्ण नहीं मान लेना चाहिए। तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयोंगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिन्का इस पाठ्य विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है । उम्मीदवार के उत्तरों से विषयों को बोधगम्य इंग से समझने की मेधा भीर ज्ञान का पता चलना चाहिए।

भाग-क (भौतिकी):

व्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितिया, सं ति, भार, ग्रायतन, घलत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण, श्राकेमिडिज का निद्धाल्स, दाव, वायुंदाव मापी । बिम्ब की गति, वेग और त्वरण, न्यूटन के गति नियम, बल ग्रौर संवेगों, बल समान्तर चर्तुभुज, पिण्ड का स्थायित्व ग्रौर संतुलन, गुरुत्वाकर्षण, कार्य, शक्ति ग्रौर ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

उष्मा का प्रभाव, तापमान का माप श्रीर अष्मा, स्थिति परिवर्गन श्रीर गुप्त उष्मा । उष्मा श्रीभगमन की विधियां।

ध्वित तरंग और उनके गुण-धर्म, सरल वाद्य यन्त्र । प्रकाश का ऋतुरेखीय चरण । परावर्तन और श्रपवर्तन । गोलीय वर्षण श्रीर लेन्सेज । सानव नेत्र ।

प्राकृतिक तथा कृतिम चुम्बक। चुम्बक के गुण धर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप मे। स्थितिक तथा धारा विद्युत। चालक ग्रौर ग्रचालक ग्रोहूम ियम, साधारण विद्युत परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव वैद्युत शक्ति के माप प्राथमिक ग्रौर गौण-सेल। एक्सरे के उपयोग। निम्नलिखित के कार्य सचालन के सामान्य सिद्धान्त:——

सरल लोलक, सरल घिरनी, साइफन, उत्तोलक, गुब्बारा, पंप, हाइग्रीमीटर, प्रेशर कुकर, धर्मल फ्लास्क, ग्रामोफोल-टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलिस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाइक ढिकसूचक तणित, चालक । सुरक्षा प्यूज ।

भाग-ख (रसायन शास्त्र).

भौतिकी तथा रासायनिक परिवर्तन । तत्व, मिश्रण तथा यौगिक । प्रतीक सूत्र घौर सरल रासायनिक समीकरण । रासायनिक संयोग के नियम (समस्याद्यों को छोड़कर) वायु तथा जल के रासायनिक गुण-धर्म।

हाइक्रोजन, भ्राक्सीजन, नाइट्रोजन तथा कार्बन डाई-भ्राक्साइड की रचना श्रीर गुण-धर्म। भ्राक्सीकरण श्रीर भ्राप्चयन।

फ्रम्ल क्षारक श्रौर लवण ।

कार्बन---भिन्न रूप।

कर्वरक--प्राकृतिक धौर कृतिम ।

साबुन, कांच, स्याही कागज, सीमेंट, पेंट, दियासलाई स्रौर गन-पाउडर जैसे पदार्थी को तैयार करने के लिए भावस्यक सामग्री।

परभाणु की रचना, परमाणु तुस्यमानं ग्रीर ग्रणुभार श्रनुभाग संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान ।

भाग-ग (सामान्य विज्ञान):

जड़ भ्रौर चेतन में भ्रन्तर।

जीव कोशिकास्रों, जीव द्रव सौर उसको का साधार।

वनस्पति भौर प्राणियों में वृद्धि भौर जनन ।

मानव शरीर श्रौर उसके महस्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान ।

सामान्य महामारियां और उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

खारा—मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। खाद्य के अवयव संतुलित ग्राहार।

मौर परिवार, उल्का श्रौर धूमकेतु, ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञािकों की उपलब्धियां।

भाग-घ (इतिहास, स्वतन्त्रता ग्रान्दोलन ग्रादि) :

भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति ग्रौर सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत में स्वतन्त्रता ग्रान्दोलन।

भारतीय संविधा धौर प्रशासनं का प्रारम्भिक श्रध्ययन । भारत की पंचवर्षीय योज । श्रीं, पंचायती राज, सहकारी समितियां शौर सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी। भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता शौर कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल-उपदेश।

प्राधुतिक विक्व तिर्माण करने वाली क्षक्तियां, पुनर्जागरण। अन्वेषण और खोज। अमेरिका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रासीसी क्रांति, श्रौद्योगिक क्रांति और रूसी क्रांति। समाज पर विज्ञान मौर श्रौद्योगिकी का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, राष्ट्र, पंचाशील, लोकतस्त्र, समाजवाद तथा साम्यवाद वर्तमान विश्व में भारत का योगदान। भाग-ड़ (भूगोल):

पृथ्वी, इसकी म्राकृति भौर म्राकार। म्रक्षाम मौर रेखाम; समय संकल्पना, मन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा, पृथ्वी की गतियां भौर उसके प्रभाव। पृथ्वी का उद्भव, चट्टानें भौर उनका वर्गीकरण, भ्रपक्षय-यांत्रिक भ्रौर रासायनिक, भूचाल तथा ज्यालामुखी।

महासागर, धाराएं भ्रौर ज्वारभाटे।

वायुमण्डल भ्रोर इसका संगठन, तापमान भ्रौर वाय्मण्डलीय दाव ।

भूमण्डलीय पवन, चक्रवात भौर प्रति चक्रवात, भाईता, व्रव्यण भौर धर्षण ।

जलवायुके प्रकार विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र ।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल-जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खिन भौर मन्ति संसाधन। कृषि भौर भौगोगिक कार्यकलायों के स्थान भौर वितरण।

भारत के महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, मुख्य समुद्री भू श्रीर वायु मार्ग। भारत के श्रायात श्रीर निर्यात की मुख्य मदे।

भाग-'च' (सामयिक घटनाए) :

हाल ही के वर्षों मे भारत मे हुई महत्वपूर्ण घटनाध्रों की जानकारी।

सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनाएं।

महत्वपूर्ण व्यक्ति---भारतीय ध्रौर ध्रन्तर्राष्ट्रीय; इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों ध्रौर खेल-कूद से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्तिभी शामिल है।

टिप्पणी : इस प्रथनपक्ष के भाग (ख) में नियत श्रिकितम श्रंकों में सामान्यतः भाग क, ख, ग, घ, ङ तथा च प्रथनों के ऋमशः 25%, 15%, 10%, 20 20%, तथा 10%, श्रंक होंगे ।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण:

उम्मीदवार की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के मितिरिक्त माँखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जायेंगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बादिक गुणों की जांच के लिए हैं प्रिष्तु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा साम-यिक घटनाओं के प्रति दिलचरपी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट-2

राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी श्रीर नौसेना श्रकादमी मे प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक के मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणी: उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानको के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना श्रावण्यक है। स्वस्थता सम्बन्धी मानक नीचे दिए हैं।

बहुत से ग्राईताप्राप्त उम्मीववार बाव में स्वास्थ्य के ग्राधार पर ग्रस्वीकृत कर दिए जाते हैं। श्रतः उम्मीदवारों को उनके ग्रापने हित में सलाह वी जाती है कि वे ग्रान्तिम ग्रवस्था पर निराधा से बचने के लिए ग्रावेदन-पन्न भेजने से पहले ग्रापने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा धनुशंसित उम्मीदवार को सेवा के चिकित्सा श्रिष्ठकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। श्रकादमी या प्रशिक्षणशाला में केवल उन्ही उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा, स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्यवृत्त गोपनीय होता है जिसे किसी को नही दिखाया जाएगा। किन्तु श्रयोग्य/श्रस्थायी रूप से श्रयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के श्रध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से श्रपील जा श्रनुरोध करने की प्रक्रिया भी बहा दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए सारणी रूप में विए गए निर्धारित शारीरिक मानको के श्रनुसार स्वस्थ्य होना-श्रावश्यक है।

- (क) उम्मीदवारो का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी ग्रशक्तता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशक्तापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
- (ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/देहिक दोष था बजन की कमी नहीं होनी चाहिए।
- (ग) कद कम से कम 157.5 सें० मी० (नीसेना के लिए 157 सें० मी० तथा बायु सेना के लिए 162.5 सें० मीं०) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों गढ़वाल तथा कुमायूं के व्यक्तियों का 5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारो के माम्ले में न्यूनतम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं।

कद ग्रीर वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कब (बिना जूता)	f	केलोग्राम में व	' গ ন
	1 5 16 वर्ष	16-17 वर्ष	1718 वर्ष
152	41.0	42.5	44.0
155	42.0	43.5	45.3
157	43,5	45.0	47.0
160	45.0	46.5	48.0
162	46.5	48.0	50.0
165	48.0	50.0	52.0
167	49.0	51.0	53.0
170	51.0	52.5	55.0
173	52.5	54.5	57.0
175	54.5	56.0	59.0
178	56.0	58.0	61.0
180	58.5	60.0	63. 0
183	61.0	62.5	65,0

उपर्युक्त सारणी में विए गए श्रीसतन वजन से 10 प्रतिशत कम ज्यादा (नौसेना के लिए 6 कि गां कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के श्रन्वर माना जायेगा। किन्तु भारी हिक्कियो वाले लखे-चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर श्रन्यथा स्वस्थ्य व्यक्तियों के मामले मे गुणवक्ता के श्राधार पर इसमे कुछ छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1: --- ऐसे मामलों में जहां चिकित्सा बोर्ड यह प्रमाणित कर देता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने तक बढ़कर घपेक्षित मानक तक हो सकता है कद में 2.5 में अपि० की छूट दी जा सकती है। टिप्पणी 2:-- वायुसेना में पायलट के रूप में विशेष भ्रपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग की लम्बाई, जंघा की लम्बाई तथा बैठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य माप निम्न प्रकार होगी:--

	न्यूनतम	श्रिधि	कितम
टांग भी सम्बाई	99.00	12.00 सें०	मी०
जांघ की लम्बाई	_	64.00 सें०	मी०
बैठे हुए लम्बाई	81.50	96.00 सें०	मी०

राष्ट्रीय रक्षा अनिवासमी के उम्मीदबार की कम उम्म के कारण 5.0 सें० मी० तक ऊंचाई में 2.5 सें० मी० (न्यूनतम) तक टांग की लम्बाई में भ्रार 1.0 सें० मी० (न्यूनतम) तक बैठे हुए उंचाई में गुंजाइण दी जा सकती है बणर्ते कि चिकित्सा बोर्ड ने प्रमाणित कर दिया हो कि उम्मीदवार में बढ़ोत्तरी हो सकती है भीर राष्ट्रीय रक्षा अवादमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक यह अपेक्षित स्तर प्राप्त कर सकता है।

- (घ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाय 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगा कर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने चूचक से लगा रहे ग्रीर फीते का ऊपर का माग पीछे स्कन्ध फलक (गोल्डर व्लैंड) के निम्न कोण (लोग्नर एन्निल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती को कोई रोग तो नहीं।
- (ड) प्रारीर में हिंदुयों भीर जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए। उम्मीदवार की रीढ़ की हड्डी का एक्ह-रे नेमी तौर पर नहीं किया जाएगा। किन्तु नैदानिक संकेत मिलने पर सर्जरी विशेषज्ञ की सलाह पर किया जाएगा, ऐसे जन्मजात दोष गुणवत्ता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तव्यों के निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना नहो।

बायुसेना के लिए मेरुदण्ड की हालत:

- (च) नीचे लिखा. पिछला स्वास्थ्य वृत्त वायु सेना के लिए ध्रयोग्य ठष्ठराने वाला है:
 - (1) मेरुदण्ड या तिरछे जोड़ों की ऐसी बीमारी चाहे उसके बास्तविक लक्षण हों या न हों—-जिसकी वजह से उम्मीदब्रार शारीरिक रूप से सकिय जीवन सफलता पूर्वक न बिता सकता हो।
 - (2) प्रोलैप्स श्रंतराक गोरुक विकासमा उस अवस्था के लिए मस्य चिकित्सा।
- (छ) मेस्दण्ड की पूरी नैदानिक जांच की जानी है जिसमें उसकी शाकृति, स्थानिक कोमलता, यदि कोई है, मेरुदण्ड की हरकत श्रादि णामिल है। केवल हवाई कर्मी के कार्य के वास्ते

उम्मीदवारों के लिए किटलिक केशरक का एक्स-रे (ए० पी०) तथा पाक्षिक दृश्यता किया जाना है।

- (ज) हनका काईफोसिस या लोडोसिस जहां विकथता मुस्किल से दिखाई देती है जहां दर्द की यह हरकत में रुकाबट की शिकायत नहीं है, स्वीकृति में बाधा नहीं बनेगा।
- (म) विखाई पड़ने वाले स्कोलिश्रोंसिस के या श्रन्य किसी तरह की असामान्यता या मेरदण्ड की विरूपता का जो मामूली से श्रीधक हो—संदेह होने पर मेरदण्ड का उपयुक्त एक्स-रे लिया जाना है श्रीर परीक्षार्थी को विशेषज्ञ की सलाह हेतु प्रस्तुत करना है।
- (ज) एक्स-रे परीक्षा के बाद पाई गई निम्नलिखित भवस्थार्थे वायु सेना में प्रवेश हेतु भ्रयोग्यता का कारण मानी जायेंगी:---
 - 1. मेरुदण्ड की प्रैन्यलोमेंट्स बीमारी
 - 2. ग्नार्थराइटिस/स्पीन्डिलोसिस
 - 3. कावपद्धति से यथामापित स्कोलियोसिस जो 15, से प्रधिक हो।
 - 4. मामूली सं ज्यादा काइफोसिस/लोडोंसिस।
 - 5. स्पेण्डलोसथेसिस/स्पेण्डिलिसिसम ।
 - 6. हरनिएटिड (न्यूक्लिग्रन्सपोसस)।
 - 7. केशरक का संपीक्षन विभंग।
 - 8. श्वैरमेन की बीमारी।
 - 9. प्रवर्णनीय तंत्रकीय या परिसंचारी ग्रामाव के साथ ग्रेव पर्श्का ।
 - 10. मेरदण्ड सम्बन्धी अन्य स्थामान्यता यदि विशेषज्ञ का ऐसा मत हो।
- (ट) उम्मीदवारमानिकस विकृति यः दौरे पड़ने का पिछला रोगी नहीं होना चाहिए।
- (ठ) उम्मीदबार सामान्य रूप से शुन सके। उम्मीदबार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें० मी० की दूरी के जोर की काचाफूमी सुन सके। कर्णनासिका की पिछला या अबकी बीमारी का कोई प्रमाण न हो।

वाय् सेवा के लिए श्रव्यतामितिक परीक्षण किये जायेंगे, 250 एव० जेड० 400 एच० जेडे० के बीच की आर्तियो में श्रव्यतामितिक कमी---10 डेसिबल से श्रधिक नहीं हो।

- (इ) हृदय या रक्त वाहिकां श्रों के सम्बन्ध में कोई क्रियात्मक या ग्रांगिक रोग नहीं होना चाहिए। एक्न दाब मामान्य हो।
- (ढ) उवरं पेकियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिस्ली बढ़ी हुई न हो। उदर के धांतरिक धंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

- (ण्र) यदि किसी उम्मीदनार को हर्निया है श्रीर उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदनार श्रनुपयुक्त होगा। यदि हर्निया की शल्य चिकित्सा हो गई हो श्रीर दर्निक परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो श्रीर उसका जरम भी पूरी तरह ठीक हो चुका है।
- (त) हाइड्रोसिल, बेरिकोसिल या.पाइल्स का रोग नहीं होता जाहिए।
- (य) मूत्र की परीक्षा की जाएगी स्रीर यदि इसमें कोई-स्नसमानता मिननी है तो इस पर उम्मीदबार ग्रस्वीकृत हो जाएगा।
- (द) भ्रशक्तना लाने या भ्राकृति क्षिगाड़ने वाले वर्म 'रोग के होने ४र उम्मीद वार श्रस्वीकृत किया जाएगा।
- (घ) उम्मी दवार को दूर दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित या ऐनक बिना नौसेना के लिए ऐनक बिना 6/6, 6/9, श्रीर बायु सेना के लिए केवल ऐनक बिना 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 2.5 डी० त शा हायपरमेट्रोपिया 3.5 डी० (एस्टिंगमेटिंग्म सहित) में श्रीयक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए श्रांख में कोई रोग तो नही है आंख की सांतरिक परीक्षा धौपबलमेस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के बोनों नेन्नों की दृष्टि अन्छी होनी चाहिए। वर्ण की दृष्टि का मानक सी० पी० स्थल सेना के लिए सी० पी० 111 होगा। उम्मीदवार में जाल वहरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। नौ ता उम्मीदवारों के लिए एम० एल० दी० द्वारा सी० पी० तथा राजि दृष्टि की तीक्ष्णता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस शास्त्र का प्रमाण के वेना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मचात रतौधी धाने का रोग महीं हुमा है।

मी सेना के उम्मीव वारों का वृष्टि मानक :—
वूर की दृष्टि—-6/6, 6/6 तथा शोध्य 6/9,
पास की दृष्टि —-प्रत्येक झांख एन०-5,
वर्ण दृष्टि—-एम०एल० टी० द्वारा सी० पी० 1

अपेक्षाकृत अच्छी आंख में मायोपिया 0.5 डावोयोस्ट्रेस सं बढ़े नहीं और हायपरममे ट्रोपिया 1.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो और अपेक्षाकृत खराव आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

दृष्टि सम्बन्धी पेशी संतुलन---मेडा क्स रोड़ टैस्ट के साथ हैट्रोफोरिया निम्न से श्रधिक बिल्कुल न हो :---

- (1) 6 मीटर पर—एक्सोफोरिया 8 प्रिष्म अध्योप्ट्रेस, एसोफोरिया 8 प्रिष्म डायोप्ट्रेस, हाइपरफोरिया 1 प्रिष्म डायोप्ट्रेस ।
- (2) 33 सें० मी० पर एक्सोफोरिया 16 प्रिष्म डाबोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिष्म, हाइपरफोरिया 1 प्रिष्म डायोप्ट्रेस।

वायु क्षेना के लिए निम्नलिखित मानदण्ड है :---

दूर की दृष्टि 6/6, 6/6 तक मुधार योग्य 6/9
पाम की दृष्टि प्रत्येक श्रांख की एन०-1
वर्ण दृष्टि सी०पी०(एम० टी० एक०)
मनोफैस्ट हायपरमेट्रोपिया 2.00 डी० से श्रिधक नहीं
मायोपिया 900 कुछ नहीं

मायोपिया एस्टिगमैटिज्म पेशी :

00+0.75 *****10

मेडीक्स रोड टैस्ट के साथ हैटरोफोरिया निस्नलिखित में प्रधिक हों:

(1) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 6 प्रिष्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिप्म डायोप्ट्रेस हाइप०/हाइपो-फोरिया 1 प्रिप्म डायोप्ट्रेस

(2) 33 सें० मी० पर
एक्सीफोरिया 6 प्रिष्म डायप्ट्रेस
एसो कोरिया 6 प्रिष्म डायप्ट्रेस
हायपर हाइपो-फोरिया 1 प्रिष्म डायप्ट्रेस

(3) दिनजी वृष्टि का होना अनिवार्य है (फ्यूचेन तथा स्टर-योप्सिस) तथा साथ में अच्छा आयास व गहनता।

(न) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुदरती व मजबूत दांत होने चाहिएं। क्रम से कम 14 दांत बिन्दु वास्ता उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 12 दांत होते हैं।

जम्मीदवार को तीव्र पायोरिया भारोग नहीं होना चांहिए।

(प) वायु सेना के उम्मीदवारों के लिए स्टीन ई० सी०जी० तथा ई०ई०जी० सामान्य सीमा में होने जरूरी हैं।

परिक्षिष्ट-3

(सेवा ग्रादिका संक्षिप्त विवरण)

- 1. श्रकावमी में भर्ती होने से पूर्व माता-पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे :
- (क) इस प्रामय का प्रमाण-पत्न कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के बौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उने कोई चोट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या प्रान्यथा प्रावश्यक किसी सर्जिकल भापरेशन या सर्वेदना-हरक दवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई भारीरिक भ्रशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विश्व किसी मुझावजे या झन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (ख) इस आगम का वैध पक्ष कि यदि किसी ऐपे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं उम्मीयबार पाठ्यक्रम पूरा होने संपहले कापस माना वाहता है याक्सीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुरूक, मोज

पर किए गए व्यय तथा दिए गए वेतन की मिन की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. श्रावास, पुस्तकों, वर्दी, बोर्डिंग श्रीर चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह भाशा की जाती है कि उम्मीय-वार का जेब खर्चवे खुद बर्दाश्त करेंगे। सामान्यतया इन खर्ची के 75.00 रुपए से मधिक होने की संभावना नहीं है यदि किसी कैंड्रेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को पूरा या भागिक रूप में बदिश्त करने में भ्रसमर्थ हों तो पहले भीर दूसरे वर्ष के लिए ६० 75.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा भ्रकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए रु० 80.00 छौर थल सेना/नौ/ वायु सेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में ग्रागे विशष्ट के प्रशिक्षण ६० 90.00 सक सरकार द्वारा विसीय सहायता षी जा सकती है लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की भासिक भाग ६० 500.00 या इससे अधिक हो वे इससे विसीय सहायता के पान नहीं होंगे विसीय सहायसा की पालता निर्धारित करने के लिए प्रचल सम्पत्तियां भीर सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक सरकार से किसी प्रकार वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में, प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मिजस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्न देना चाहिए जिसे जिला मिजस्ट्रेट अपनी अनुशंसा संहिता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला, पुणे (411023) के कमांबेंट को अग्रेषित कर देगा।

3. म्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए म्रंतिम रूप से चुने गए, उम्मीदवारों को भ्रपने पर कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा भ्रकादमी के पास निम्नलिखित राणि जमा करनी होगी:——

रु० पै०

	——————————————————————————————————————
(क) प्रतिमास 75.00 रु० के हिसाब से पा	च
महीने का जेब खर्ष	375.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	650.00
(ग) 1 सेमिस्टर के दौरान प्रासंगिक व्यय	150.00
योग	1175.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राणि में से नीचे लिखी राशि वापस करदी जाएगी:— रु० पै०

- (क) 75.00 र॰ प्रितिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेब सार्च 375.00
- (ख) वस्त्र तथा उपस्करों की भवों के लिए लगभग 475.00

- राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में निम्निखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध है :
- (1) परण्राम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति :— यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की ग्राय मभी साधनों से रु० 350.00 तथा रु० 500.00 के बीव हों। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय महायता के बराबर होगी। जब तक कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा झकाद मी मा अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तु गर्त यह है कि कैंडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसकी माता-पिता की ग्राय निर्धारित सीमा से कम रहे जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से ग्रन्य वित्तीय सहायता नही दी जाएगी—
- (2) कर्नल केडिल फेंक मेमोरियल छात्रवृत्ति :--यह छातवृत्ति है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो । यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के प्रतिरिक्त होगी।
- (3) कोर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति :— यो छात्रवृत्तियां उन दो कैंडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीद-वारों में उच्चतर स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 क् प्रति मास की है तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकावमी, खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय लेना अकावमी, देहरादून तथा वायु सेना फ्लाइंग कालिचे तथा नौतेना अकावमी, कोचीन में चेहां कैंडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकावमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जब कैंडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करना रहे।
- (4) असम सरकार छान्नवृत्तियां :— वो छान्नवृत्तियां असम के कैंडेटों को प्रवान की जाएंगी प्रत्येक छान्नवृत्ति 30.00 रु० प्रति मास की रहेगी तथा जब तक छान राष्ट्रीय रक्षा अकारमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छान्नवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैंडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान विए बिना प्रदान की जाएंगी जिन कैंडेटों को यह छान्नवृत्ति प्रवान की जाएंगी उन्हें सरकार की और से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएंगी।
- (5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां 30.00 ६० प्रति मास की तथा 400.00 ६०ये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैंडेटों की योग्यता तथा धाय के आधार पर, राष्ट्रीय रक्षा भकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी जिन कैंडेटों को तीन छात्रवृत्तियां मिलेंगी उन्हें भ्रन्य प्रकार की वित्तीय महायता सरकार से नहीं मिलेगी।
- (6) केरल सरकार छालवृत्ति :---पूरे वर्ष के लिए 480 रु की एक योग्यता छालवृत्ति रा श्रकादमी में प्रशिक्षण की पूरी भवधि के लिए केरल राज्य द्वारा उस कैंडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का श्रधिमासी निवासी हो भौर

जो रा० र० ग्रकादमी हेतु प्रखिल भारतीय सं० लो० से० भा० प्रत्येक प्रदेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय भेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल भे उत्तीर्ण की हो एसा करते समय कैंडेट के पिता संरक्षक की श्राधिक स्थित पर कोई श्यान नहीं विया जाता है।

- (7) बिहारी लाल मंदािकनी पुरस्कार :—यह 500.00 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बगाली को म्रकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिनता है, भावेदन प्रपन्न कमांडेंट, राय्द्रीय म्रकादमी से मिलते हैं।
- (8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां:—तीन छात्रवृत्तियां—एक थल सेना, एक नौमेना तथा एक वायु सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु० प्रति माम के हिमाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैडेट को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैडेटों की योग्यता तथा भ्राय साधन के स्राधार पर दी आएंगी जिनके मात-पिता या स्रभिभावक की श्राय रु० 5,000 प्रति वर्ष मे अधिक न हो तथा तीमरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता-पिता या ध्रभिभावकों की श्राय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैडेट को दी जाएगी।
- (9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां:—निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवायी हैं:—
- (क) वर्ग 1:—ये छात्रवृत्तियां——(थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपये प्रति वर्ष पहले भीर दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी के तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संख्या में चौथे नर्ष के लिए 480.00 रु० तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपए परिधान वृत्ति यह उन कैंडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं हैं।
- (ख) वर्ग 2:—तीन छात्रवृत्तियां 100 रुपए प्रति वर्ष एक मुक्त सरकारी वित्तीय महायना के ग्रतिरिक्त दी जाएगी।
- (10) पाइलट ग्राफथर गुरमीत सिंह बेवी मेमोरियल छात्रवृत्ति :— रु० 420 प्रतिमाम की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैंडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैंडेटों के चौथे मत के ग्रंत में योग्यता में मर्वोत्तम होगा यह एक वर्ष की ग्रंविध के लिए होगी। पांचवे ग्रौर छठे सब के दौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी। यदि प्राप्तकर्ती रेलीगड कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की ग्रंविध में छोड़कर चला गया हो जो कैंडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।
- (11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—हिमाचल प्रदेश के कैंडेटो को चार छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपए प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेगी। यह छात्रवृत्ति उन कैंडेटों को मिलेगी 33—126GI/87

जिनके माता-पिता की मामिक ग्राय 500.00 रपए प्रति मीस से कम होगी जो केंडेट सरकार से वित्तीय महायता ले रहा हो उसे छाल्लवृत्ति नहीं मिलेगी।

- (12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति :—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में प्रति कोर्स र० 30 प्रति मास की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में र० 400 सज्जा भत्ता (कैंडेट के प्रशिक्षण की पूरी ध्रवधि के दौरानं केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैंडेट को दिया जायेगा जो तिमलनाडु राज्य का हो तथा जिसके ध्रभिभावक संरक्षक की मासिक ग्राय र० 500 से श्रधिक न हो। पात कैंडेट ग्रपना ध्रावेदन कमांडेंट राष्ट्रीय ग्रकादमी वहा पहुंचने पर प्रस्तृत कर सकते हैं।
- (13) कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्तियां:—कर्नाटक सर-कार ने प्रति वर्ष 18 (प्रठारह) छात्रवृत्तियां—9 जनवरी, से शुरू होने वाले कोसी के लिए ग्रीर 9 जुलाई से शरू होने वाले कोसी के लिए कर्नाटक राज्य के उन कैडेटों को दी है जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज, देहरायून में ग्रपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में ग्राते हैं। इन छात्रवृत्तियों की राश्चि 480.00 रूपए प्र ति वर्ष है।

ह० 480.00 प्रति वर्ष की चार (4) घीर छात्र कृति । (दो प्रतिगत) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई है जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालिज, देहरादून के घलावा घन्य संस्थानों पर अपनी शिक्षापूरी रके राष्ट्रीय घनादमी में घाते हैं।

(14) एलबर्ट एक्का छात्रवृत्तिः विहार सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा धकादमी में ६० 50 - प्रतिमास की -25 योग्यता छात्रवृत्तियां राष्ट्रीय रक्षा धकादमी में छः समयविधियों के पूरे समय के वास्ते एक - बार ग्रीर ६० 650 बस्त्र तथा उपस्कर के बास्ते देना गृरू किया है जिस कैंडेट को उपयुक्त योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है वह सरकार से कोई ग्रन्य छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता का पान्न नहीं होगा। पान्न कुँडेट राष्ट्रीय रक्षा ग्रकादमी में ग्राने पर कमांडेंट की ग्रावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शतें राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी, खड़क-वामला, पृणे (411023) से प्राप्त की जा सकती है।

- 5. चुने हुए उम्मीदवारों के मकादमी में म्राने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी।
 - (क) अंग्रेजी
 - (ख) गणित
 - (ग) विज्ञान
 - (घ) हिन्दी
- (क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीयः विश्व-विद्यालय या हायर सेकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेण्डरी

करीका के स्तर से ऊंचा नहीं होगा (घ) पर लिखित विषय की करीका में यह जांचा जायेगा कि उम्मीदवार को सकावमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है बत: उमीदवारों को समाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरांत के सम्बद्धन के किए उदासीन न हो जाएं।

प्रशिक्षण :

- 6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौ सेना और वायु सेना के लिए चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शिक्षक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अंकादमी में विया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैंडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्व- विद्यालय, दिल्ली द्वारा बी० एस० सी० वी० ए० डिग्री प्रदान की आर्थिंगी।
- 7. राष्ट्रीय रक्षा धकावमी में पास होने के बाद थल सेना कैंडेट भारतीय सेना धकावमी, वेहरावून, में नौ सेना कैंडेंट/ केंडेटों के प्रशिक्षण पोत में और बायु सेना कैंडेट, ई० एफ० एस० विवार जायेंगे।
- 8. भारतीय सेना भनावमी में सेना कैडेटों को जिन्टल-मेन कैडेट कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फेंट्री के छप मूनिटों का नेतृत्व करने भीष्य भक्तंत्र बन सकें प्रशिक्षण संकलता से पूरा करने के बाद जेंटलकेन कैडेटों को उनके शेव (SHAPE) शारीरिक दृष्टि से यौध्य होने पर लेकेण्ड लेपिटनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।
- 9. नौसेंगा कैंग्रेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना का कार्यपालक इंजीनियरों, बिजली भीर कार्याकों के लिए चुना जाता है; उन्हें छः महीने के लिए कैंग्रेट प्रिष्ठक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है जिसे सफलता-पूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडिश पर्मन रैंक में पद्रोधनस किया जाता है। सम्बद्ध शाखा में 6 महीने तक भागे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लैफ्टिनेंट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।
- 10. कायु सेना कैंग्रेंटों की हवाई उदान का बेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनित्तम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रवान किया जाता है। उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाहत कर दिया जाता है।

सेवाकी शर्ते

थल सेना अधिकारी:

(1) वेतन:

रैक	वेतनमान
सेकंड लेपिटनेंट से ब्रिगे डियर	2300-100-3900-150- 4200-ई० बी०-150-5100 द०
मेजर जनरल	5900-200-6700 হ৹
लेफ्टिनेंट जनरल	7300-100-7600 ₹०
बी० सी०झो० ए०एस०/ थॅल सेमा कमांडर	8000 रु० (नियत)
यंत्र सेमाध्यक्ष	9000 ६० (नियंत)

वैतन के अतिरिक्त रैंक वेतन भी निम्न प्रकार से दिया जाएगा :--

क्कल विगेडियर	1,000 হ ০ 1,200 হ০
लापटनन्ट कर्नल	800 ব
लेपिटनेन्ट	000=-
मेजर [ा]	600 ত
कैप्टन	200 ব্৹

(2) योग्यता वैतन तथा अनुदान:

लेफिटनेन्ट कर्नल रैक और उससे नी के है अहि मारियों के पास यदि कर्तिपय निर्धारित योग्यता हैं तो उस योग्यता के आधार पर वे 2,000—3,000—5,625/- अथवा 7500/- के के एक सुरत के मुदान राणि के इकदार होंगे। (श्रेणी "स्व") के फ्लाइंग इंसट्रेक्टर 70 द० प्रति माह की दर से योग्यता वितन के मधिकारी होंगे।

(3) भते:

इस समय एक ग्रधिकारी वेतन के शक्तावा निस्निक्तिस भरते द्राप्त करता≝है।

- (क) प्रतिपूरक (नगर) भत्ता तथा मंहगाई भत्ता सिविल राजपित अधिकारियों पर समय-समय पर लागू होने बाली संमाम दरों से ग्रौर उन्हीं शर्ती के अधीन स्वीकार्य होगा।
- (ख) 100/- रुपये प्रति माह की दर से किट प्रनुरक्षण भत्ता।
- (ग) प्रवास भत्ता भारत से बाहर सेवारत होने पर स्थी-कार्य होगा, यहविद्रेश भत्ते की एकल दर के तदनुदप 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक भिन्न-भिन्न होगा।
- (घ) वियोजन भत्ता—विवाहित घिष्ठकारियों की नियुषित यदि ऐसे स्टेशन पर हुई है जहां परिवार नहीं की जा सकते तो वे 140 रुपये प्रति माह की घर से वियोजन भत्ता पाने के हकदार होंगे।
- (ड) परिश्वान भत्ता----प्रारम्भिक परिश्वान भत्ता 3000 ६० तथा प्रत्येक सात वर्ष की प्रभावी सेवा के बाव नवीकरण परिश्वाम भत्ता 3000/- रुपंग्रे है।

- (च) सभी भ्रधिकारियो को निःशुल्क राशन दिया जायेगा।
- (छ) ग्रापनी सेवा संस्था में कमीशन प्राप्त करने से पहले प्रशिक्षण के ग्रन्तिम 6 महीनों के श्रीसान प्रशिक्षणा-थियों को 1500/- रुपये प्रति माह की नियत राशि वी जायेगी।

(4) तैनाती :

थल सेना श्रफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

- (5) पदोन्नित्या .
- (क) स्थायी पदीन्नति:

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के क्षिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:—

(i) समय वेतनमान से	न्यूनतम सेवासीमा
लेफ्टिनेण्ट कैप्टम मेजर मेजर से लेफ्टिनेस्ट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो।	2 वर्ष मभीशन प्राप्त सेवा 6 वर्ष भमीशन प्राप्त सेवा 13 वर्ष मभीशन प्राप्त सेवा 25 वर्ष भभीशन प्राप्त सेवा

(ii) भाषन द्वारा	न्यूनतम सेवा सीमा	
लेफ्टिनेन्ट कर्नल	16 वर्षे कमीशन प्राप्त सेका	
कर्नज्ञ	20 वर्ष कमीमन प्राप्त सेवा	
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा	
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीसन प्राप्त होगा	
लेफ्टिनेन्ट कर्नल	28 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा	
जमरल	कोई प्रतिबन्ध नही	

(ख) कार्यकारी पदोन्नतिः

निम्नलिखित स्यूनतम सेवा सीमायें पूरी करने पर अफसर, उच्चसर रैंकों पर कार्यकारी पदोष्नति के लिए पास होंगे क्शर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों।

कै प्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेपिटनेस्ट कर्नल	6 ॑ वष
कर्नल	8 1 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेपिटनेस्ट जनरल	25 वर्ष

12 नौ सेना प्रधिकारी:

(i) वेतन:

रैंक	वेतप्रमान
कार्यकारी सब लेफ्टिनेन्ट से कमांडर	2300/- रु० से 5100/- रु०
रियल ऐडमिरल उप ऐ ङ्गिरल	5900/- য় 200/- 6700/- হ 7300/- হ 100/- 7600/- হ
षी० सी० एन० एस० सी-इन-सी	8000/- रु० (मियत)
ऐडमिरल (नौ सेनाध्यक्ष)	9000/- रु० (नियत)

वेतन के ब्रितिरिक्त रैंक वेतन भी निम्न प्रकार से दिया जाएगा। लेफ्टिनेन्ट 200/- ६० लेफ्टिनेन्ट कमाण्डर 600/- १० कमाण्डर 800/- ६० कैप्टन 1000/- ६० कमांडडोर 1200/- ६०

निम्नलिखित की योग्यता वेतन अनुदान भी इस प्रकार स्वकर्र है:---

सी० डी० धार० धौर इससे नीचे के ग्रीधकारियों के पास यदि कतिपय निर्धारित योग्यता है तो उस योग्यता के ग्राधार पर के 2000/- रु० 3000/-रु० 5625/- रु० श्रयचा 7500/- रु० के एक मुश्त धनुदान के हकदार होंगे। "क" "ख" श्रेणी के फ्लाइंग नौचालक इन्स्ट्रक्टर फमण: 100/- रु० ग्रीर 70/- रु० प्रति माह की दर से योग्यता वेतन पाने के ग्राधकारी होंगे।

(ii) भसे:

- (क) प्रतिपूरक (नगर) भता, मंहगाई भत्ता घोर मौर इतिहम राहत सिक्ति राजपित अधिकारियों पर समय-समय पर लागू होने वाली समान दरों से घौर उन्हीं भतों के घधीन स्वीकार्य होगा।
- (ख) 100/- र० प्रतिमाहकी दरसे किट सनुरक्षण भत्ता।
- (ग) प्रवास भला, भारत से बाहर समुद्र तट पर श्रथना विशेष देशान्तरीय श्रीर श्रक्षांशीय सीमामों से बाहर समुद्र में कार्यरत होंने पर स्वीकार्य होगा। विभिन्न रैकों के श्रमुक्षार ये दरें 50/- २० प्रति माह से 250/- २० प्रति माझ तक भिन्न-भिन्न होंगी।
- (घ) समुद्र में कार्यरत विवाहित अधिकारियों को उस अविधि के दौरान जबकि उनका जहाज अपने आधार बन्दर गाह से दूर रहा हो।

140/- रु० प्रति माह की दर से वियोजन भक्ता स्वीकार्य होगा।

- (अ) परिधान भत्ता 3500/- ₹∘ (प्रारम्भिक) ् (नवीकरण) 3500/- ই০ - 7 चर्ष की सेवा के बाद
- (च) तकनीकी वेसन 75/- ६० से 350/- ६० प्रति माष्ट्र ।
- (छ) फ्लाइंग वेतन 1200/- रु० प्रति माह (यदि फ्लाइंग कार्यके लिए चुने जाएं)।
- (ज) पनडुब्बी वेतन 1200/- ६० प्रति माह (यदि पनजुब्बी श्रंग के लिए चुने जाएं।)
- (झ) सभी ग्रधिकारियों को निः शुरुक रागन दिया जायेगा ।
- (ञा) सेवानिवर्तन पर 30 दिन प्रति वर्षकी दरसे श्रिधिकतम 180 दिन तक की न ली हुई वार्षिक छुट्टियों का नकद भुगतान ।

3. पदोन्नति :

(क) मूल पदौन्नतिः

उच्चतर रैकों पर कार्यकारी पदोन्नतियों के लिए निम्न-लिखित सेवा सीमाएं है :---

समय वेतनमान द्वारा

सब लैंपिनेने न्ट 1 वर्ष लेपिटनेन्ट वर्ष (वरिष्ठता लाभ भ्रावर्ती के श्रधीन) लैफ्टिनेन्ट के रूप लेपिटनेन्ट कमांडर प्राठ वर्षकी वरिष्ठता। '2.4. वर्षकी कमीशन कर्मांडर प्राप्त सेवा (यदि चयन द्वारा पबोन्नति नहीं हुई है)

खयन द्वारा: लैपिटनेन्ट कमांडर के रूप में कमांडर कार्यपालक शाखा 2-8 वर्षकी वरिष्ठता। लैफ्टिनेन्ट कमांडर के रूप में कमांकर इंजीनियर शाखा 2-10 वर्षकी वरिष्ठता। कमांडेन्ट कमांडर के रूप में कमांडर विद्युत शाखा 2-10 धर्ष की धरिष्ठता। कमांडर के रूप में 4 वर्षकी कैप्टन वरिष्ठता। रियर एडमिरल कोई प्रसिबन्ध नही । कोई प्रतिबन्ध नहीं। बाइस एडमिरल

(ख) कार्यकारी पदोन्नति:

लैफ्टिनेन्ट कमांडर के रैक को छोडकर जिसके लिए किसी श्रफसर को लैफ्टिनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए नौसेना की कार्यकारी पदो न्नति के लिए कोई सेवा सीमा नहीं है। 13 वायु मेना म्रधिकारी:

(1) वेतन:

रैक	वेतनमान
पाइलट श्रकसर से एयर कमोडोर	2300 रु० से 5100/- रु०-
एयर वाइस मार्शल	5900-200-6700/- হ৹.
एयर मार्शल	7300-100-7600/- ₹∘
एयर मार्शल	8000/- ६० (नियत)
(वी० सी० ए०एस ० ,ए०घ्रो०	,
कमाडिंग इन-चीफ-कमांड)	
एयर चीफ मार्शन	9000/- ६० (नियप्त)
(बायु सेनाध्यक्ष)	
	_

वेतन के प्रतिरिक्त रैंक वेतन भी निम्न प्रकार से दिया जायेगा :---

फ्लाइट लेफ्टिनेंट	200/- ₹০
स्क्वाडून लीडर	600/- र०
विंग कमांडर	800/- रू०
ग्रुप कैप्टन	1000/- ₹०
एयर कमोडोर	1200/- হ্

योग्यता वेतन/अनुदान फ्लाइंग ब्रांच के अधिकारियों को कतिपय निर्धारित योग्यता के घाधार पर निम्न दर से स्वीकार्य होगा ।

योग्यता वेतन	100/- ४० प्रतिमाह धथवा
	70/− र० प्रतिमाह
योग्यता अनुदान	7500/- % 0
	5625/- হ্ৰত
	3000/- ₹∘
	2000/- হ০ -

(2) भत्ते :

- (क) प्रतिपूरक (नगर) भत्ता, मंहगाई भत्ता भ्रीर मंतरिम राहत सिविल राज पत्नित भ्रधिकारियों पर समय-समय पर लागू होने वाली समान दरों से श्रौर उन्ही शतों के भ्रधीन स्वीकार्य होगा।
- (ख) 100/- रु० प्रतिमाह की दर से धनुरक्षण भला।
- (ग) मविवाहित प्रधिकारी को विदेश भत्ते के 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के भ्रन्दर (उनके रैंक के भ्राधार पर) प्रवास भत्ता स्वीकार्य होगा जिस देश में भारतीय वाय, सेना के भ्रधिकारियों को भ्रपने सैन्यदल के

साथ जाना म्रावश्यक हो मीर जहां तृतीय सचिव/हितीय सचिव/प्रथम सचिव/काउंसलर कार्यरत हो।

- (थ) वियोजन भत्ता—जहां परिवार को ग्रपने साथ रखने की धनुमति नहीं है सरकार द्वारा ध्रधिसूचित ऐसे परिवार रहित स्टेशन क्षेत्रों पर स्थित यूनिटों/ मोर्ची पर तैनात एयर बाइस मार्शल ग्रीर उससे ऊपर के रैंक के विवाहित ग्रधिकारियों को 140/- क० प्रति माह का वियोजन भत्ता दिया जाएगा।
- (ङ) परिधान भसा-प्रारम्भिक परिधान भसा 3,000/-रु०, प्रश्येक सात वर्षकी प्रभावी सेवा के बाद नवीकरण परिधान भसा 3000/-रु० है।
- (च) फ्लाइंग वेतन:
 - (i) ग्रुप कैंप्टन तक 1200/- रु० प्रति माह
 - (ii) ग्रुप कैंप्टन से ऊपर 900/- रु० प्रति माह
- (छ) परीक्षण पायलट भत्ता—प्लाइंग वेतन के एक तिहाई के बराबर म्रतिरिक्त राशि।
- (ज) सभी श्रधिकारियों को निःशुल्क राशन दिया जायेगा।
- (झ) श्रपनी सेवा संस्था में कमीशन प्राप्त करने से पहले प्रशिक्षण के श्रन्तिम 6 महीनों के दौरान प्रशिक्षणा थियों को 1500/- २० प्रतिमाह की नियत राशि थी जायेगी।

3. पदोन्नतियां:

(क) मूल पदोन्नति :

जञ्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिए निम्निक्षित सेवा सीमाएं हैं:--

समय वेतनमान बारा:

फ्लाइंग श्रफसर फ्लाइंग झफसर स्क्वाडून लीडर विंग कमांडर 1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा 5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा 11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हूई हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो। चयन द्वारा:

विंग कमांडर

18 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा

गिनी जाएगी।

ग्रुप कैप्टन

22 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा

गिनी जायेगी।

एयर कमांडर

24 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा

गिनी जाएगी।

एयर वाइस मार्शल

26 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा

गिनी जाएगी।

एयर मार्शल

28 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा

गिनी जाएगी।*

(6) कार्यकारी पदोन्नति :

ग्रफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिए श्रपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है:---

फ्लाइंग लैफ्टिनेन्ट

2 वर्ष

स्थवाडून लीडर

5 वर्ष

विंग कमांडर

6 वर्ष (स्ववाड्रन लीडर के रैंक

में एक वर्षकी सेवाके बाद)

एयर कोमोडोर

11-1/2 वर्ष (विंग कमांडर ग्रीर

ग्रुपकैष्टन्केरूपमें 3 वर्ष

की सेवाके बाद)

एयर वाइस मार्गल

15 वर्ष (विंग कमांडर, ग्रुप

कैप्टन ग्रीर एयर कमोडोर के रैंकों में 5 वर्ष* की सेया के बाद)

. . , <u>-</u>

एयर मार्शल

23 वर्ष

*खंडित ग्रवधियों को शामिल करके।

14. सेवानियुत्ति लाभ

. पेंशन, उपदान श्रीर ग्रेच्युटी भवार्ड समय-समय पर लागू नियमों के धनुसार स्वीकार्य होंगे

15 छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के भ्रनुसार छुट्टी स्वीकार होगी। UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 1st May 1987
No. A. 38013/15/86-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri H. C. Sharma, a permanent Assistant and officiating Section Officer in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th April, 1987 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests. (A) dated the 24th November, 1973.

> Under Secy. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 4th June 1987

No. A-19014/15/84-Ad. V.—The services of Sh. R. Biswas, IPS (A&M-SPS) Supdt. of Police, Control Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Silchar Branch, on repatriation, are placed at the disposal of Govt. of Assum & Meghalaya with effect from the forenoon of 30th April, 1987.

> D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 11th May 1987

No. 3/4/87-Adm. I.—The President is pleased to appoint Shri S. H. Kumar, Sr. Technical Officer of National Airports Authority, as Senior Scientific Officer (Electronics) Bureau of Police Research & Development, New Delhi on w.e.f. 1-5-87 (F.N.) for a period of three years. on deputation

The 4th June 1987

No. 3/9/84-Adm. I Consequent upon his repatriation to the Govt. of Orissa, Shri P. J. Joseph, IPS (Orissa: 1953) has relinquished the charge of the post of Deputy Director Trg.), Bureau of Police Research & Development, New Delhi on the afternoon of 31st May, 1987.

No. 3/32/84-Adm. I.—Consequent upon his repatriation to the Govt. of Tripura, Agartala, Shri B. I. K. Tampi, IPS

(MT: 1952) relinquished the charge of the post of Deputy Director (R) Bureau of Police Research & Development, New Delhi on the forenoon of 29th May, 1987.

> R. S. SAHAYE Dy. Director (Adm.)

INSTITUTE OF CRIMINOLOGY & FORENSIC SCIENCE

New Delhi-110055, the 27th May 1987

to appoint No. 1-2/87-ICFS.—The President is pleased to nt. S. L. Tandon, Lecturer, National Institute o Smt. S. L. Tandon, Lecturer, National Institute of Social Defence, New Delhi as Reader (Sociology) in the Institute of Criminology and Forensic Science (MHA), New Delhi on deputation in the pay scale of Rs. 3000-100-3500-125-4500/-w.e.f. the forenoon of 8th May 1987 until further orders.

> R. S. KULKARNI Director

DIRECTORATE GENERAL CRPF

New Delhi-110003, the 27th May 1987

No. O. II-1396/77-Estt, 1.—Consequent on his voluntary retirement from service under rule 43 (d) (iii) of CRPF Rules, 1955, Shrl K. S. Mehta relinquished his charge of Dy. S. P./Company Commander, 76th Bn. CRPF with effect from the afternoon of 24th May, 1987. with effect

No. D. I-34/83-Estt. (CRPF).—Consequent on repatriation from Assam Police, Shri Hardev Singh, Dy. S.P. took over charge of the post of Dy. S.P. in 87 Bn. CRPF in the foremon of 30-4-87.

No. O. II-1900/84-Estt. I.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Bhupinder Singh, Dy. S.P. of 13th Bn. CRPF with effect from 9-4-87 forenoon.

No. O. II-1958/84-Estt. I.—Shri S. P. Sharma, Dy. S.P., 18th Bn. CRPF expired on 9-3-1987 at 0730 hrs. He is accordingly struck off the strength from the forenoon of 10-3-1987.

No. D. I-10/87-Estt. I.—The services of Shri J. P. Singh, Dy. S.P., CRPF are placed at the disposal of I.B. (MHA) on deputation with effect from 5-4-1987 (A.N.).

> ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhl, the 26th May 1987

No. 10/22/84-Ad. I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint the following Investigators/Investigators (SS) to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) by promotion on a regular basis in a temporary capacity with effect from the date(s) they have taken over charge of the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) on regular basis as mentioned against their names in col. 3, until further orders:-

S. Name/Post held prior to regular ptomotion as Asstt. No. Director of Census Operations (Technical)

Date of assuming Charge Office to which posted and Headquarter

1

2

Directorate of Census Operations (DCO) Rajasthan, Jaipur.

4

1. Sh. Shamsher Singh, Asstt. Director of Census Operations (Technical) ADCO (T) Adhoc, Directorate of Census Operations (DCO), Ralasthan.

8-12-86 (Forenoon)

3

1	2	3	4
2.	Sh. Anand Kumar, Investigator, Office of the Registrar General,	4-12-86 (Forenoon)	Office of the Registrar Genearl New Delhi
3.	India (RGI). Sh. A.L. Ďas, ADCO (T)	9-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Bihar, Patna.
4.	Adhoc, D.C.O. Bihar Sh. T.C. Vanjani, Investigator,	4-12-86 (Forenoon)	O/o R.G. I. New Delhi
5.	R.G.I.'s Office. Sh. K.K. Akolkar, ADCO(T) Adhoc, D.C.O. Maharasthra	3-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Maharasthra Bombay
6.	Sh. R.N. Pongurlekar, ADCO(T) Adhoc,	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Maharasthra, Bombay
7.	D.C.O. Maharashtra Sh. H.S. Meena, ADCO(T), Adhoc,	9-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Bihar, Paina
8.	D.C.O. Bihar. Sh. Babu lal. ADCO(T), Adhoc, RGI's Office.	4-12-86 (Forenoon)	O/o R.G.I. New Ddihi
9.	Sh. R.S. Meena, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Rajasthan.	4-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Rajasthan, Jaipur.
10.	Sh. V.P. Kataria, ADCO(T), Adhoc, R.G.I.'s Office.	3-12-86 (Forenoon)	O/o R.G I., New Delhi.
11.	Sh. K.R. Narayana, ADCO(T), Adhoc, D.C.O., Karnatka.	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Karnataka
12.	Sh. O.P. Ahuja, ADCO(T), Adhoe O/O R.G.I.	4-12-86 (Forenoon)	O/o R. G. I., New Delhi.
13.	Sh. Subhash Garg, ADCO(T), Adhoc, O/o R.G.I.	3-12-86 (Forenoon)	D/o R.G.I., New Delhi.
14.	Sh. M. Vidyasagar, ADCO(T), Adhoc, D.C:O. Pondicherry.	4-12-86 (Forenoon)	D.C.O. 'Posndichaerry
15.	Sh. C. Chakravorty, ADCO(T) Adhoc, O/o R.G.I.	3-12-86 (Forenoon)	O/o R. G. I., New Delhi.
16.	Shr. A.K. Sirigh, ADCO(T), adhoc, O/o R.G.I.	3-12-86 (Forenoon)	O/o R. G.I., New Delhi.
17.	Sh.M.L. Sah, On deputation to Tribal Deptt. Division, Ministry of Home Affairs, New Delhi.	30-1-78 (Forenoon)	D.C.O. Úttar Paadosh
18.	Shrimati Suman Prashar, ADCO(T), Adhoc, O/o R.G.I. New Delhi.	6-4-87 (Forenoon)	O/o R. G. I., New Delhi
19.	Sh. A.G. Bhaskaran, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Tamil Nadu	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Tamil Nadu, Madras
2 0.	Sh. K.B. Rohtagi, ADCO(T), Adhoc, O/o R.G.I.	5-5-87 (Forenoon)	O/o R. G I., New Delhi.
21.	Sh. S.R. Garg. ADCO(T), Adhoc, O/o R.G.I.	3-4-87 (Forenoon)	O/o R.G.I., New Delhi
22.	Sh. N.S. Bhatnagar, ADCO(T), Adhoe, D.C.O. Gujart	3-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Gujarat, Ahmedabad
2 3.	Sh. M.V. Rao, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Andhra Pradesh	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Andhra Pradesh, Hyderabad
24.	Sh. H.K.B. Singh, ADCQ(T), Adhoc, D.C.O. Manipur	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Manipur, Imphal
	Sh. V. Gangarajan, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Tamil Nadu	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Tamil Nadu, Madras.
26.	Sh. Niraman Bhattarcharjee, MDCO(T), Adhoc, D.C.O, Assam	9-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Assam, Guwahati
27.		5-12-85 (Forenoon)	D.C.O. Haryana, Chandigarh
28.	Sh. R.M. Singha, ADCO(T), Adhoe, D:C.O. Uttar Fradesh	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow

1	2	3	4
29.	Sh. Karna Singh, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Punjab, Chandigarh
	Adhoc, D.C.O.		
	Punjab.	0.14.05.(17	
3Ų.	Sh. V.V.S. Shastry, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Andhra Pradesh, Hydrabad
	Adhoc, D.C.O. Andhra Pradesh		
31	Sh. Lakhan Singh, ADCO(T),	23-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow
	Adhoc, D.C.O.	25 12 00 (1 010110011)	D.C.O. Cital Fragon, Davelow
	Uttar Pradosh		
32.	Sh. A.K. Paul, ADCO(T),	4-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Arunachal Pradesh
	Adhoc,, D.C.O.		
	Arunachal Pradesh		-
33.	Sh. K. Gopinathan-I, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O., Koarala, Trivendurm
	Adhoc, D.C.O. Korala	9.10.96 (E)	D.C.O. Conding L. St. III
34.	Sh. K.B. Lakhan Pal, ADCO(T), Adhoe, D.C.O. Chandigarh, U.T.	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Candigarh, U.T.
25	Sh. J. L. Machado, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Tamil Nadu, Madras,
33.	Adhoc, D.C.O. Tamil Nadu	0-12-00 (1 01010011)	D.C.O. Tanin Nada, Madiga.
36	Sh. R. Narayanan, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Tamil Nadu, Madras.
٥٠.	Adhoc D.C.O. Tamil Nadu		·
37.	Sh. B.L. Tikku, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Rajasthan, Jaipur
	Adhoc, D.C.O. Rajasth an		
38.		8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Rajasthan, Jaipur
	Adhoc, D.C.O. Rajasthan	0.10.05/5	B C C B L d L T L
39.	Sh. N.K. Purohit, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Rajasthan, Jaipur
	Adhoc, D.C.O. Rajasthan Sh. T.D. Agarwal, On deputation to Rural Elecetrific	8-1-87 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Luckno w
40.	Corporation, Lucknow	3-1-a7 (1 Olenoon)	D.C.O. Ottal Hadesh, Euckno w
41	Sh. J.P. Baranwal, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow
71.	Adhoc D.C.O. Uttar Pradesh	,	
42.	Sh. M.G. Mohril, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Madh ya Pradesh, Bhopal
	Adhoc, D.C.O. Madhya Pradesh		
43.	Sh. S.S. Niket, ADCO(T),	3-2-87 (Forenoon)	D.C.O. Maharashtra, Bombay
_	Adhoc, RGI's Office	2.2.07 (Easses)	D. C.O. Mahamakan Basaka
14.	Sh. R.S. Lal, ADCO(T),	3-2-87 (Forenoon)	D. C.O. Maharashtra, Bombay
4.5	Adhoc, O/o R.G.I. Sh. K.S. Lyngdoh, ADCO(T),	17-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Moghalaya, Shillong
45.	Adhoc, D.C.O. Maghalaya	17-12-00 (1 01010011)	D.C.O. Mognataya, onmong
46	Sh. Budh Singh, ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow
74.	Adhoc, D.C.O. Uttar Pradesh	,	
4 7.	Sh. Ram Kuber Ram. ADCO(T),	8-12-86 (Forenoon)	D.CO. Uttar Praderh, Lucknow
	Adhoc, D.C.O. Uttar Pradesh		
48.	Sh. Jaswant Lal. Investigator	13-1-87 (Faftenon)	D.C.O. Union Torritory of Chandigarh,
	D.C.O. Haryana		Chandigarh

V. S. VER MA Registrar General, Indi a

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A/CS) I BIHAR

Ranchi, the 27th May 1987

No. Admn-Promo-339-40.—The Accountant General (A/CS) I. Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Albinus Minz Section Officer to officiate as Accounts Officer from the date he assumes charge of the post of Accounts Officer in the office of the Accountant General (A&E) II, Bihar, Patna till further orders.

Shri Albinus Minz assumed charge as Accounts Officer on 6-4-1987 (FN).

No. Admn -Promo-348-49.—The Accountant General (A/CS) I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Satish

Chandra Sinha, Section Officer to officiate as Accounts Officer from the date he assumes charge of the post of Accounts Officer in the office of the Accountant General (A&E) 11, Bihar, Patna ull further orders.

Bihar, Patna ull further orders.
Shri Satish Chandra Sinha assumed charge as Accounts Officer on 18-3-1987 (AN).

No. Admn-Promo-357-58.—The Accountant General (A/CS) I, Bihar Ranchi has been pleased to promote Shri Ram Renu Banerjee Section Officer to officiate as Accounts Officer from the date he assumes charge of the post of Accounts Officer in the office of the Account int General (A&E) I, Bihar, Ranchi till further orders.

Shri Ram Renu Bancrjee assume i charge as Accounts Officer on 17-3-1987 (FN).

G. L. GAUBA Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E), KERALA

Trivandrum, the 1st June 1987

No. A&E/OE (E&C)/EIV/10-3/87-88.—The following official of the I.A.A.D. retired on superannuation from the afternoon of 30-4-1987.

Shri P. J. Chacko-Senior Deputy Accountant General (on deputation to the Kerala State Road Transport Corporation).

Sd./- ILLEGIBLE Accountant General

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta. the 25 May 1987

No. Admn-I/6/GO/470/511-12—The Director of Audit, Central, has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officer (Group—'B') in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 p.m. from the date noted against each in the Office of the Director of Audit, Central, Calcutta until further orders.

Na	me				Date of assup- tion of charge.
	1				2
~1.	Md. Abdul Wahab .				26-3-1987(F/N)
2.	Shri Dhirondra Nath Boso	•			30-3-1987(F/N)
	,				S. K. BAHRI

Dy. Director of Audit (Admn.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDANCE FACTORIES SERVICE ORDANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 25th May 1987

No. 10/G/87—The Pr-sident is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Works Manager (Prob.) with effect form the the dates shown against them until further orders:—

SI No.	Name				Date of Joining
1		2	 		 3
S/S	ihri		 		
1.	S.C. Gupta				20-12-85
2.	K.K. Pati				20-12-85
3.	A.K. Gupta				10-2-87
4.	S.K. Mishra				24-3-86
5.	Shallendra Nath	ı.			30-4-86
6.	M.S. Rao				28-5-86
7.	Km. D.R. Doloy	7			28-3-86
8.	M.K. Mahapati	ra.		,	25-9-86
9.	R.R. Jha				5-8-86
10.	D. V. Rao				29-8-86
11,	V. Rayindran				4-8-86
12.	R.S. Jha				5-8-8 6
13.	Sanjeev Kishore				28-7-86
14.	Anil Kumar				29-8-86
15.	R. Verma				1-9-86

					_	
1		2				3
16.	M.K. Garg					28-11-86
17.	Ghansham Dass.					4-9-86
18.	V. Muthu Krishana					16-8-86
19.	Pradeep Gupta .					28-11-86
20.	H.N. Nagrale					26-12-86
21.	P. Narasimhan					3-11 -8 6
22.	Kailash Nath .		,			31-10-86
23.	A. Shanmugam .					5- 8-86
24.	Rajnish Jauhari .					15-12-86
25.	L. Mahanty ,				, .	29-9-86
26.	Kanta Prasad					25-7-86
27.	Govind Mohan					1-10-86
28.	N. Sivanand					12-2-87
29.	A.K. Nayak .					16-2-87
30.	G.C. Rout .	•				6-2-87
31,	T. Melmozhi	•	•	•	•	4-2-87
32.	S.K. Sinha	•	•	•	•	27-1-87
33.	B.A. Mahesh	•	•	•	•	14-2-87
34.	P. Rama Krishna	•	•	•	•	30-4-86
35.	M. Sirajuddin .	•		•	•	16-1-86
	Tapabrata Basu	•	•	•	•	1-8-85
36.		•	•	•	•	29-8-85
37.	Gopal Singh .	•		•	•	16-2-87
38.	Sunil Mahajan	•	•	•	•	12-2-85
39.	A.K. Mandal	•	•	٠	•	31-12-85
40.	Mahadeo Tiwari	•	•	•	•	13-2-86
41.	R.S. Singh .	•	•	•	•	11-3-86
42.	B.B. Sindha	•	•	•	•	24-9-86
43.	M.K. Ramachandran	1.	•	•	•	20-3-86
44.	J. Z. Warkade	•	•	•	•	1-10-86
45.	B.N. Ramakrishnan	٠	•	•	•	30-9-86
46.	D.S.S. Ganguly	٠	•	•	•	29-9-86
47.	A. Bojan .	•	٠	•	•	1-10-86
48.	N. Ramalingam	•		•	•	19-12-86
49.	Arjun Prasad 💆				•	
50.	Arun Kumar .			•	,	21-1-87
51.	Dr. R.K. Negi		•		•	28-11-86
52	N.M. Seshadri .		•	•	•	7-11-86
53.	M.S. Maske .			•	•	3-10-86
54.	S. Chatterjee .					1-4-87
5 5 .	B.K. Mishra			•	•	30-3-87
56.	K. Y. Barapatre					9-2-87
57.	Sanjiv Kumar .				•	26-2-87
58.	Smt. Meeta Khulbe					2-3-87
59.	Sushil Kumar .				•	5-3-87
60.	Kurlan Mohan Jaco	b				16-2-87
61.	S.C. Mathur .		•			10-11-87
62.	Chanan Ram .					6-3-87
63.	Atul Gupta .					16-1-87
64.	Mukul Gaur				•	31-3-87
65.	G.D. Tewari .					30-7 - 8 <i>5</i>

No 11/G/87—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Temporary Assistant Works Manager with effect from the dates shown against them until further orders:—

Sl. No.	Namo	 	 	 Date of Joining
1	2	 	 	3
	i R. Bhattacharya P.K. Garg			15-12-86 30-9-86

1	2	,				3
/Sh			 4			
3.	R. Gopalakrishna					23-9-86
4.	H.R. Dixit	•	•	•	•	17-2-87
5.	Y.S. Pundir	•	•	•		4-2-87
6.	B.S. Chauhan	•		•	-	15-9-86
7.	R.K. Varshney .					27-8-86
8.	T. K. Ghosal			·		29-9-86
9.	S. K. Ghosh ,					27-8-86
0,	S. Mukhopadhyay					30-9-86
1.	S. Rayuchoudhuri				-	30-9-86
2.	S. N. Mukhapadhya	aya				30-9-86
3.	P. N. Biwas .	٠.				17-9-86
١4.	Pritam Singh .					27-9-86
15.	B.K. Agarwal					29-8-86
16.	O.S. Rathi.				-	29-8-86
17.	Animes h Deb .				-	30-12-80
18.	S.K. Bhattacharya					8-10-86
19.	M. Palanivelu			•		29-10-86
20.	P.K. Maitra					29-9-86
21.	M.K. Paul,					8-10-80
22.	R.N. Tiwari				•	8-10-86
23.	S.K. Tiwari				•	11-9-80
24.	Om Prakash Agary	val	•	٠	•	24-9-8
25.	Viond Kumar .				•	24-9-8
26.	Mohinder Singh	•	•		•	8-9-8
27,	S.K. Ray	•	•	•	•	30-10-8
28.	G.N. Singh	•	•	•	•	29-9-8
29. 30.	Ram Prakash	•	•	•	•	30-9-8
	A. Damodaran .	•	•	•	•	8-10-8
31.	Gurdip Singh .		•	•		5-9-8
32,	B.K. Sarkar .	4				1-10-8
33.	K. Sudhakaran .					29-11-8
34.						23-10-8
35			•	•	•	
_		•	•	•	•	29-9-8
36,			•	•	•	24 -11-8
37.	T. Munisankaraial	n.	•			30-9-6
38,	. T.K. Majumdar	,				15-10-8
39.	T.N. Tiwari .					29-12-8
40				-	-	30-9-8
		•	•	•	•	
41.		•	•	•	•	10-9-8
42				•	•	31-12-8
43	. R.K. Suri		•			25-2-8
44	B.V. Rao					25-2-8
45	S.K. Dev					26-3-8

M. A. ALAHAN
Joint. Director/G

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 3rd June 1987

No. A-11/7(700).—The President is pleased to accept the notice of voluntary retirement dated 2-3-87 under Rule 48-A of CCS (Pension) Rules, given by Shri S. K. Bhattacharya, a permanent Deputy Director of Supplies and officiating Director (Gr. I of Indian Supply Service) at present on deputation as Procurement Engineer in local office of the World

Bank at New Delhi and to permit him to retire from the Govt. service w.e.f. the afternoon of 2-6-1987.

M. P. BANGA
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 1st June 1987

No. 3189B/A-19012 (3-ML)/85-19B.—Shri Mukund B. Lokhande, STA (Chem.), Geological Survey of India is appointed by the D.G., GSI to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26-3-87, until further orders.

No. 3203B/A-19012 (3-SC)/85-19B.—Smt. Swapna Chakraborty, STA (Chem.), Geological Survey of India is appointed by the D.G. GSI to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27-3-87, until further orders.

No. 3217B/A-19012 (3-MPC)/19B.—On his being permanently absorbed in the Defence Lab, Ratnada Palace, Jodhpur, Dr. M. P. Characharker resigned from the post of Chemist (Jr.) afternoon of 2-1-87,

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st June 1987

No. A-19011 (121)/86-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shrick. S. Raju, Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Superintending Officer (Ore Dressing) in the Indian Bureau of Mines Nagpur w.c.f. 14-5-1987 (A/N).

The 4th June 1987

No. A-19011/103/86-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri P. W. Mankar, Dy. Mineral Economist (Int.), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Mineral Fconomist (Int.) in the Indian Bureau of Mines, Nagpur w.e.f. 25-5-1987 (F/N).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 2nd June 1987

No. 9/3/87-S. II.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. Banajja, Farm Radio Reporter to the post of Farm Radio Officer, AIR, Bhadravati in the scale of pay of Rs. 2000-3500 with effect from the forenoon of 8-5-87 until further order.

2. Shrl S. Banajja assumed charge as Farm Radio Officer

on the same date.

No 9/4/87-S. II.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Narasinha Das, Form Radio Reporter to the post of Farm Radio Officer, AIR, Sambalpur

in the scale of pay of Rs. 2000-3500 with effect from the forenoon of 11-5-87 until further order.

2. Shri Narasinha Das assumed charge as Farm Radio Officer on the same date.

> I. S. PANDHI Dy. Director of Administration For Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 27th May 1986

No. A-19012/4/87-Est. I.-Shri S. S. Bhowmik, Pay and Accounts Officer, All India Radio, Calcutta has been appointed as Accounts Officer in the Eastern Regional Production Centre, Films, Division, Calcutta, on deputation basis for a period of two years with effect from 5-5-1987 (FN).

> V. R. PESWANI Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

OFFICE OF THE REGISTRAR OF NEWSPAPERS FOR INDIA

New Delhi-66, the 1st June 1987

No. A-19011/2/84-Admn.—Consequent upon completion of the deputation period, Shri M. K. Goswami, Accounts Officer of the Office of Controller General of Defence Accounts, New Delhi, on deputation as Circulation Officer in the Office of Registrar of Newspapers for India, New Delhi is hereby repatriated to his parent department w.e.f. 31-5-1987 (A.N.).

> KJRPA SAGAR Registrar of Newspapers for India

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF FOOD DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi, the 3rd June 1987

No. A-20012/10/70/Estt. Vol. II.—On attaining the age of superannuation, Shri D. P. Saxena, Inspecting Officer (Sugar), in the Directorate of Sugar, Department of Food, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1987.

> V. LAKSHMI RATAN Jt. Secy. (Sugar)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 16th April 1987

No. A-19025/3/85-A. III.—The resignation tendered by Shri S. R. Meena from the post of Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate has been accepted with effect from 1-12-1986 (After Noon).

> ANITA CHAUDHARY Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323302 the 11 May 1987

RAPS/Rectt/3(2)/87/S—Chiof Superintendent Rajasthan Atomic Power Station, heroby appoints the undermentioned employees to the post of Scientific Officer/Engineer Grade (SB) in the same station in a temporary capacity with effect from 1st February, 1987 until further orders.

SI No.	Name			Present designation	Post to winch appointed.
1	2		·	3	4
	S/Shri	 			
1.	R. Chatterjee			SAC	SO/SB
2.	C.P. Chhaniwal			SAC	SO/SB
3.	G.R. Jansari			SAC	SO/SB
4.	T.R. Upadhyay			SAC	SO/SB
5.	C.Kapoor .			SAC	SO/SB
6.	L.K. Sharma			SAB	SO/SB

The above employees have assumed charge of their post in the grade of Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' on the forenoon of the 1st Feb. 1987.

> S. THRIAMBAKNATH Administrative Officer (Estt.)

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 27th May 1987

No. NFC/PAR/1603/1297-Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints the following officials to officiate as Scientific Officer (SB) in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from the dates shown against their names in Nuclear Fuel Complex in a temporary capacity until further orders:-

Sl Ne No.	ame	Present post	Date of appointment as SO (SB)
1	2	 3	4
S/Shri			·
1. Ch. V	ecra Raghavulu	SAC	1- 2-87 FN
2. K. La:	kuman Rao .	SAC	1-2-87 FN
3 G. Ve	nugopala Rao .	SAB	11-4-87 FN

The 28th May 1987

No. NFC/PAR/0703/1281.—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints Shri K. J. M. Raju, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on an initial pay of Rs. 2000/- p.m. in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad-hoc basis with effect from 25-5-1987 to 23-6-1987 or until further orders, whichever is earlier.

No. NFC/PAR/0703/1282.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/501 dated 25-2-1987, the appointment of Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad-hoc basis is extended upto 22-8-1987 or until further orders, whichever is earlier.

The 28th May 1987

No. NFC/PAR/0703/1317.—Further to this office notification No. NFC/PAR|0703|559 dated March 6, 1987, the appointment of Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-75-3200 on ad-hoc basis is extended upto 5-9-1987 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH Managei, Personnel & Admin.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th May 1987

No. A. 32013/1/86-EI.—The President is pleased to appoint Shri N. Ramesh, Senior Airworthiness Officer of the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness at Headquarters on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 5-5-1987 (F/N) or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

> M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration for Director General of Civil Aviation

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 3rd June 1987

No. 1/87.—S/Shri Abdul Azeez, P. Sriniyasan, P. Thangamani and S. Sriniyasan, Preventive Officers, Custom House. Madras, are promoted to officiate as Superintendent of Customs (Preventive) with effect from 10-3-1987 FN, 20-3-1987 FN, 20-3-1987 AN and 10-4-87 FN respectively.

> R. JAYARAMAN Collector of Customs

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 26th May 1987

No. 4/87,—Shri C. V. Durghayya lately posted as Assistant Collector of Customs, Madras, on his transfer as Junior Departmental Representative vide Ministry's Order No. 41/87 dated 31-3-87 issued vide F. No. A-22012/17/87-Ad. Il assumed charge of the post Junior Departmental Representative, Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribural for Bulbi Barchen in the DCICCE New Delbi on bunal for Delhi Benches in the DGICCE, New Delhi on 11-5-87 (FN).

No. 5/87,—Shri L. C. Chakrabarti lately posted as Junior Departmental Representative. Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribinal, Calcutta, on his transfer as J.D.R. vide Ministry's Order No. 41/87 dated 31-3-87 issued vide F. No. A-22012/17/87-Ad. II assumed charge of the post of J.D.R. Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal for Delhi Benches in the D.G.I.C.C.E., New Delhi on 14-5-87 (FN) 14-5-87 (FN).

> H. M. SINGH Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 2nd June 1987

No. A-19012/1/(44)/87-Estt. I.—On the recommendations of the D.P.C. Gr. (B), Chaitman, Central Water Commission appoints Shri Narendra Singh, Supervisor (Wireless) to the grade of Asstt. Engineer (Wireless) in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in an officiating capacity on regular basis with effect from 15-4-1987.

Shri Narendra Singh will be on probation for a period of two years w.e.f. 15-4-1987.

S. MAHADEVA AYYAR Under Secv. for Chairman C.W.C.

New Delhi-110066, the 27th May 1987

No. A-19012/1206/86-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. P. Ghosh, Jr. Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the afternoon of 8-10-86.

> S. MAHADEVA AYYAR Under Secy. Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 4th June 1987

No. 3-803/87-CH (Estt).—Shri B. Umapathi is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-23000-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Central Ground Water Board, State Unit Office, Raipur w.e.f. 9-3-1987 (FN) till further orders.

No. 3-304/87-CH (Estt).—Shri Amit Sahai is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000 p.m. in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at CGWB, South Eastern Region, Bhubaneshwar w.c.f. 9-4-87 (FN) till further orders.

No. 3-805/87-CH (Estt).—Shri Gulab Prasad is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000 P.M./- in the reviesd scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at CGWB, South Eastern Region, Bhubaneshwar w.e.f. 18-3-87 (AN) till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 2nd June 1987

No. 5/4/82-ECI.—On the basis of the results of the Combined Engineering Services Examination, held in 1983, the President is pleased to appoint the following persons on probation against temporary posts of Assistant Executive Fugineer (Civil) under the Central Engineering Services, Group "A" in the Central Public Works Department with effect from the dates mentioned against their names: -

Sl. No. Name and Date of appointment

S/Shri

- 1. Atul K. Rastogi-25-07-1986
- 2. Ramesh Chandra (SC)-27-11-1986

S. M. DAS Dy. Director of Administration

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Abra Explosives Private Limited, Indore

Gwalior-474009, the 22nd May 1987

No. 2267/PS/CP/540.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of M/s. Abha Explosives Private Limited, Indore has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Savera Marketing Company Private Limited, Bhopal (M.P.)

Gwalior-474009, the 22nd May 1987

No. 2182/PS/CP /341.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Savera Marketing Company Private Limited, Blaopal has this day been struck-off the Register and the Isald Company is dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and of MIss. Garg & Company Private Limited

Jallandhar, the 27th May 1987

No. G/Spat/560/560/969/1491.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Garg & Company Private Limited unless cause is shown to the country, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

SATYENDRA SINGH Registrar of Companies Punjab, H. P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mica Insulation Industries Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 24969/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mica Insulation Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bikash Roy Production Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 22786/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bikas oy Production Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Anushilan Agency Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 19826/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Anushilan Agency Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Fabcon Chemicals Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 32099/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Fabcon Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Agal Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 29185/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Agai Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Grant Publication Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 36816/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date here of the name of the Grant Publication Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of K. Das & Company Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 21615/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of K. Das & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sheogauran Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 28983/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sheogauran Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ranjan Mica Industries Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 30387/560(5).—Notice is herey given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ranjan Mica Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of P.K. Mohanty Engineers Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 27974/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of P.K. Mohanty Engineers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

> In the matter of the Companies Act, 1956 of Puthighar Private Limited

> > Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 26869/560(5).—Notice is hereby given pursuant sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Puthighar Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is solved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Hindusthan Drum Manufacturers Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 24605/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, illindusthanDrum Manufacturers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dispolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Calcutta Courier Service Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 31771/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Calcutta Courier Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, and of Ranjan Development Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 198'

No. 37303/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ranjan Development Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, and of G.R.S. Processors Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 36683/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the G.R.S. Processors Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, and of Praveen Bright Wires Private Limited

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 28793/560(3).—Notice is herey given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Praveen Bright Wires Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, and of Effective Management Consultants Private Limited

Calcutta, the 1st June 1987

No. 34371/560(3).—Notice is hereby given pursuant Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies A 1956 that at the expiration of three months from the dhereof the name of the Effective Management Consultar Private Limited, unless cause is shown to the contrary w be streek off the Register and the said Company will be d solved

> In the matter of the Companies Act, and of Gem Publishers Private Limited

> > Calcutta, the 1st June 1987

No. 32145/560(3).—Notice is hereby, given pursuant Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies A 1956 that at the expiration of three months from the dishereof the name of the Gem Publishers Private Limited, I less cause is shown to the contrary will be struck off t Register and the said Company will be dissolved.

HAR LAI Add. Registrar of Compane West Ben

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCI. Bombay-400 020, the 21st April 1987

Notice of termination of service issued under Rule 5(1) Nctice of termination of service issued under Rule 5(1)
Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 196
F. No. II/8B-35/85/529.—In pursuance of sub-rule (
of Rule 5 of Central Civil Services (Temporary Service Rules, 1965, I, S. N. Thapa, Deputy Collector (P & 1)
Central Excise, Bombay-I Collectorate hereby give notice Shri Padmalochan Gopalan, Inspector, Dn. 'H', Central Excise, Bombay-I that his services shall stand terminat with effect from the date of expiry of the period of o month from the date on which this notice is served on or the case may be tendered to him. the case may be tendered to him.

> S. N. THAF Deputy Collector (P &) Central Excise, Bombay

F. No. II/8B-35/85/529 Bombay, the 21st April 1987. BY REGD. POST A.D. TO,

Shri Padmalochan Gopalan, Inspector, Central Excise, C/o S. Rajendran, No. 7, 8th Street, Dr. Subbarayan Nagar, Madras: 600 024.

Copy to: Assistant Collector, Central Excise, Dn. Bombay-I, He is requested to deliver the sa Notice to Shri Padmalochan Gopalan, Inspects and send his dated acknowledgement to office.

: Estt. Section/Confidential Section.

(1) Chinta Nakshatra Readdy.

(Transferor)

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Agrimas Chemicals Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, R. NO. 225 AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III/37EE/M-69/85-86.—Whereas, I, P. GUIRATI,

ing the Competent Authority under Section

'9B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter erred to as the 'said Act'), have reason to believe at the immovable property having a fair market value ceeding Rs. 1,00,000/- and bearing at No. 4-C in the Bldg. on Plot No. 189-A, Cadell Road, ahim, Bombay-400 016. together with 1/16th undivided are in the said plot of land.

uated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), is been transferred and the agreement is registered under ection 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of · Competent Authority at

ombay on 30-10-1986

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as oresaid exceeds the apparent consideration therefor by ore than fifteen per cent of such apparent consideration at that the consideration for such transfer as agreed to stween the parties has not been truly stated in the said istrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :- .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Camette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income hising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :-

THE SCHEDULE

Flat No. 4-C in the building on P Plot No. 189 A, Cadell

Road Mahim Bombay 16 together with 1/16th undivided share in the said plot of land.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. Π/37ΕΕ/40819/85-86 dated 30-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Date 7 5-6-1987 Seal-:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC. R. NO. 226 AYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III/37EE/W. 145/85-86.—Whereas, I. G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601 "Pratiksha" Builtup area: 1700 SF** Plot No. 7A, Maulana Abdul Gaffar Road, Worli, Bombay-18 circuted at Bernhau.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10886/27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion (A the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr./Mrs. Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr./Mrs. Usha Khubchand Setpal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 601 'Pratiksha' Plot No. 7A, Maulana Abdul Gaffana Road, Worll, Bombay-18.

'The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10886/85-86.dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority
Imapecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Date: 5-6-1987

. Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4452/I/Acq. 23/87-88,---Whereas, I, ARVIND K. SINHA, being the Competent

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
Land Adm. 959 Sy. y + Building thereon at Ahmedabad TPS 3 (Veried) F. P. No. 251-52-53 Adarsh Society, B. No. 34 undivided share in it, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer.

1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-10-1986

at Ahmedabad on 30-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arisina from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:-

35-126 GI/87

(1) Mahendrabhai Kantilal Shah. 34, Adarsh Society, Navrangpura. Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Bhagwati Association, Chairman: Shri Rajnikant Kantilal Shah, 32, Rangwala Tower, Near Gujarat College. Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferce)

(4) Manguben Kantilal Nanalal Shah, Sail Bala Kantilal Nanalal Shah, Nalini Mahendra Kantilal Shah, 34, Adarsh Society, Navrangpura,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 959 Sq. Y. + Building thereon, Adarsh Society, B. No. 34, 1 undivided Share in it. TPS 3 F.P. No. 251-252-253, Ahmedabad. (Varied).

R. No. 15933 dated 30-10-1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad Ahmedahad

Date: 7-5-1987

FORM ITNS-

NOTICE UPDEP SECTION 269D (1) OF THE INCOME 163 ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CERICL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4453/1/Acg. 23/87-88.—Whereas, I, ARVIND K. SINIIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
Land Adm 959 Sy. y | Bulding thereon at Ahmedabad TPS
3 (Veried) F.P. No. 251-52-53 Adaish Society, B. No. 34
3 undided share in it. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Reistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in thhe said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

 Mahendrabhai Kantilal Shah, 34, Adarsh Society, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Bhagwati Association, Chairman: Shri Rajnikant Kantilal Shah, 32, Rangwala Tower, Near Gujarat College, Ellisbridge. Ahmedabad.

(Transferce)

(4) Manguben Kantilal Nanalal Shah,
 Sail Bala Kantilal Nanalal Shah,
 Malini Mahendra Kantilal Shah,
 34, Adarsh Society, Navrangpura,
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 959 Sq. Y. + Building thereon, Adarsh Society, B. No. 34, ½ undivided Share in it. TPS 3 F.P. No. 251-252-B. No. 34, ½ undivided Share in it. TPS 3 (veried) F.P. No. 251-252-253, Ahmedabad.

A. K .SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 7-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI.OOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4454/I/Acq. 23/87-88.--Whereas, I, ARVIND K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TPS 3 F.P. No. 705 etc. at Ahmedabad Land Adm. 750 Sq. Y. + Old Building T. No. 29A, Brahman Mitra Mandal Society, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Reistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-10-1986

at Ahmedabad on 30-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :-

(1) 1. Shri Bharatbhai Jashwantlal,

Shri Manvendra Jashwantlal,
 29-A, Brahman Mitra Mandal Society.
 Paldi, Ahmedabad-380 007.

3. Dewang Jashwantlal, 2, Achlayatan Society. Navrangpura. Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Bipin Champaklal Mehta, Hasmukh Champaklal Mehta, Kailashben Narendrabhai Mehta, A-3 & A-5, Parimal Apartment, Near Raj Nagar Club, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

B. No. 29A, Brahman Mitra Mandal Society, Paldi, Almedabad Land Adm 750 Sq Y, 4 Zuilding thereon IPS 3 FP No. 705 etc. SP No. 29A,

R. No. 1903614 dated 30-J0-1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 7-5-1987

Scal:

PORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1987

Ref No PR No 4455/Acg 23 I-Whereas, 1, ARVIND K SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing No 71 situated at Park Street, Calcutta Office accommodation adm 1645 \(\nu \) 2033 plus 1479 sq ft FF Block A & B Part ABC of Anjana Chamber CS No 18

F 1 Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jamnagar on 18-10 1986

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) M/s Anjaria Estate Pvt Ltd Anjaria Chambers, K V Road, Jamnagar

(Transferor)

(2) Shri Sinjay Suraj Narayan Sabrawal Smt Sarvona Suraj Narayan Sabiawal, Shri Suraj Narayan Shiv Narayan, 'Ashiiwad' Park Colony, Jamnagai

(Iransferee)

(3) Syndicate Bank, Anjaria Chambers, K V Road, Jamnagai

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette

Explanation - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office accommodation Adm 1645 + 2033 + 1479 sq ft = 5157 sq ft in Building known as 'Anjaria' chambers, K V. Road, Jamnagar FF Block No A & B Part A B & C

R No 3233, 3234 & 3410 dated 29-10-1986

A K SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 7-5 1987 beal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4456 / Acg. 23-I.—Whereas, I,

ARVIND K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000-and bearing No. Ahmedabad. TPS 6 FP No. 545 Paiki Land Adm. 738 sqm+Bdl. thereon Ahmedabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 23-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of everion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Monish Rasiklal Gujrawala, Shri Jayesh Aasiklal Gujrawala Smt. Nandaben Rasiklal Gujrawala, 4 Lavanya Society, Near Vasna, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor) (2) Shanti Vardhak Apartment Members Owners Association, Main Promotor: Jatin Parshottamdas Shah & Others, C-1, Binita Apartment, Manek bag, Ahmedabad-15.

(Transferee)

(3) Rashmi P. Shah, 18 Vasant Kunj, Near Sharda Mandir Road, Ahmedabad-7. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS 6 FP No. 545 Paiki Land Adm. 738 sqm+Bld thereon sold in 3 parts.

R. No. 15662, 15663, 15664 dated 23-10-1986,

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad Ahmedabad

Date: 18-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 0009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4457/Acq/23-I.—Whereas, I, ARVIND K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm 5/3 sqm+Bld Paiki of North side Adm. 181-25 sqm and Basement Adm. 25.645 sqm of TPS 3 FP No. 713 SP No. 30 Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-10-1986

at Ammedada of 7-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Latikaben Suketu Divetia, Samir Suketu Divetia HUF, Gokul Co-op Housing Society, S. R. Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Medico Association, President: Mr. Himanusu Shantilal Shah. 14, Jain Co-op. Housing Society, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS-3 FP No. 713 SP. No. 30 (Parimal Society) Paiki Land Adm 513+Bld Paiki North Side 181.25 sqm and R. No. 16976 dated 7-10-1986.

A. k. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 0009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4458/Acq./23-I.—Whereas, J. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Adm. 513 sqm+Bld. Adm. 492 sqm. at Ahmedabad
TPS 3 FP No. 713 SP No. 30 Paiki, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of hie registering officer

for an apparent consideration which is less than the fair mulet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) fallitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khsemendra Virmitra Divetia, Smt. Sudhaben Khsemendra Divetia, Shri Malav Khsemendra Divetia HUF, Shri Kuntal Khsemendra Divetia HUF, Gokul Co-op. Housing Society, Behind Manek bang Hall, S. M. Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Medico Association, Dr. Himansu Shantilal Shah, 14 Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS 3 FP No. 713 SP. No. 30 Paiki Land 513 sqm.+Part of Bld. Adm. 492 sqm. Ahmedabad sold in parts R. No. 16977, 16978, 16980 dated 7-10-1987.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-5-1997

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME, TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI OOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4745/Acq.23/II/8788.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 43 and 44 of C.S. Baroda, Babiipura, Vadodara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Baroda on 27-1-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jabirbhai Mehta Free Surgical Aid, Charitable 8rust,
 C/o Alfred Talkies,
 Corner of Grant Road,
 Bombay-400 004.

(Transferor)
(/s Siddhi Structure Pvt. Ltd.,

(2) M/s Siddhi Structure Pvt. I.td., 351, Abdul Rehman Street, Bombay-400 003.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property in the name of Maharani Shantadevi Talkies bearing C.S. No. 43 and 44 of C.S. Baroda (Babjipura vibhag) Reg. No. 735/87.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dute: 8-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Pramilaben Jayantilal Patel, Q-53, D D Flat, N1. College P.O. New Delhi-110 018.

(Transferor)

(2) Shri Sanmukh Sitlani, 13, Sampatrao Colony, 9, Satyam Aptt., Alapuri, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4746/Acq. 23/1/87-88,---Whereas, I, A. K. SINHA,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Picce of land and building bearing R.S. No. 984/1/67 Sayagi-

ganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at SR Baroda on 2-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut in respect of any income prising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-36-126 GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building bearing R.S. No. 984/1/67 of Sayai Gani Baroa.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 8-5-1987

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Fafatlal Engineering Industries Limited. 8th Floor, Mafatlal Centre, Nariman Point, Bombay-400 021. (Transferor)

(2) M/s Padmatex Engineering Ltd., Vishwamitti Roa, Neat Lalbaug, Baroda. Reg. Office: 143 Mittal Court, 'A' Wing, Natiman Point, Bombay-400 021.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4747/Acq.23/II/87-88.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Factory premises of Hirabaug bearing S. No. 428, and 589 of Manjalpur Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Baroda on 19-9-86

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consuteration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory premises at Hirabaug bearing S. No. 428 and 589 of Manialpur, Baroda.

> A. K. SINIIA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, tagrefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresald property by the issue of this Exticut under subsection (1) of Section 269D of the taid Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 8-5-1987

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4748/Acq 23/11/87-88 —Whereas, 1. A. K. SINHA,

A. R. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing S o. 314 of the village Gorva, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (14.5).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Baroda on 23-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) Manubhai Motibhai Patel, and Others. Gorva, Baroda.

(Transferor)

(2) M/s Co-operative Housing Society, President: Shri Subhashbhai Maganlal Doshi, Bhavti Tenament, Reginery Road, Baroda.

(Transferce)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piece of land bening S. No 134 of the village Gorva Baroda Reg No. 9695/86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1987

(1) Vandana Traders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harmohan Singh Sabharwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE,
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 12th May 1987

Ref. No. A.R.-II B/37EE/37939/86-87,--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,000,000-7 and bearing No Shop No 4, Mangal Smetti, Chitrakar Dhurandhar Road,

Khar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitaing the concealment of any icome or any of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; transfor; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1937).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPI ANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

THE SCHEDULL

Sho pNo. 4, Mangal Smrutt, Chitrakar Dhurandhar Road, Khar, Bombay-400 052,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARII B/37EE/37939/86-87 on 2-9-86,

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the st Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-5-1987

Seal .

(1) Vandana Tradeis

(Transferor)

(2) Shri Harpal Singh Shbharwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 12th May 1987

Ret. No AR.11B/37FE/37940/86-87.--Whereas, 1, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Aci'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No

Shop No. 3, Mangal Smruti, Chitrabar Dhuramdhar Road,

Khar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269 AD of the said Act in the Office of the Competent Authority at Eombay on 2-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of. transfer with object of :-

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Mangal Smruti, Chitrakar Dhurandhar Road, Khar, Bombay-400 052 (Including open space of 300 sq. ft.).

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Hombay under No. ARJIB/37EE/37940/86-87 on 2-9-86,

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date · 12-5-1987

FORM ITNS----

(1) M/s Vijay Deep Developments

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Smt. Jyoti H. Mehta & Smt. Rasilaben S. Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 12th May 1987

Rel. No. ARAIB/37EE/38257/86-87.—Wheeras, J.

Rel. No. ARAIB/3/EE/3825//86-8/.—wheeras, 1, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 61A, "Gulmohar" Plot No. 152, situated at S. V. Road, & 9th Road Khar, Bombay-52 and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason market value of the aforesaid property and it have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61A, "Gulmohar" Plot No. 152 Jn. of S. V. Road & 9th Road Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/38257/86-87 on 12-9-86.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB Bombay

No therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 14th May 1987

No. K 11/86-87.—Whereas, I, V. K. SINGHAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

as the said Act I have reason to believe that the inhovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Araji No. 187 situated Rajandan Nagar, Auraiya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Auraiya (Etawa) under registration No. 2631 date 22-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Moti Lal S/c Maneshwar Dayal, R/o Rajandan Nagar, P.O Atsoo, Auraiya, Flawa.

(Transferor)

(2) Shii Sewa Rani S o Dindayal Rajput Shii Ram Gopal S/o Cher Ram Rajput Shii Ialim ingh S o Ram Dayal Rajput Shii Gopi Nath S o Shiv Daval Rathor Shii Hai Prakash S/o Moti Lal Smt. Gyan Devi W/o Shii Shiv Prakash R/o Nagafa Rajpur, Rajandan Nagar, Auraiya. (I-tawa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 228¹75, 172|75, 285|75, 72¹75 Ajaji No. 187 Rakbai Rajandan Nagar, Auraiya, Etawa.

V. K. SINGHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 14-5-1987

ORM NO LINE ---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1991)

GOVERNMENT O' INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE 105/282 KANCHAN BHAMAN, GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

Karput 208 912 th: 14 h May 1987

No. M.1118/8 87 -- Whereas, I, V K SINGHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 514, 516 situated at T loata, Karanyas

No. 514, 516 situated at T loata, Karanyas (and more fully described in the scheduled below). Dadri under real tratice No. 6248 dat. 49.86 has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on of 1908 in the office of the registering of the property as after the fair market value of the property as aftered to better that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in triment of transfer with the object of . -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the trustered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A t to the following nersons, namely :--

(1) Shri Ram Fybars Ltd Office Express Building, 9/10 Bahadurshah Zafar Marg, * 4 New Delhi. Through S. R. Tilvall Secretary (Transfe_or)

(2), % i.e. i. Nippodenco Ltd.

(Transfolde)

' ' ' 65 - O L '

' i repodenco I i.

ome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otificial Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

V. K. SINGHAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

14-5-1987 Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, 106 282, KANCHAN BHAWAN, GANDH! NAGAR OPP. I ANIN PARK, KANPUR-208 012

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Kanpur-208 012, the 14th May 1987

No. M-1119 86-87 -- Whereas, I,

V. K. SINGHAL

V. K. SINGHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ag land situated at Chhapraula (Dalin) Dadari under regretation No. 6739 to 41 date 23-4-87, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-9-86 at Bombay on 8-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of '-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Net. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following tersons namely 37-126 GI/87

(1) M/s Amrit Foods Pvt. Ltd. G. T. Road, Ghaliabad through Director Shii S. K. Bhasin

(Transletor)

(2) M. Samtel Color Ltd. 50-51 Community Centre, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferce)

- (3) —Do—
- (4) —Do—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires la er;
- (b) by any other person interested in the said momov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLYNATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as give. in that Chapter

THE SCHEDULE

Agriculture land, Village Chhaparaula T-h Dadari (Chaziabad).

> V. K. SINGHAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-5-1987

Scale

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 14th May 1987

No. M-1120/86-87.-Whereas, I, V. K. SINGHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 148-75 situated at Hazipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dadari under registration No. 6422 date 18-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Tarif Singh, pere Singh, Dalpat Singh, Gan pat Singh, Hulia Singh S/o Harkaran Singh R o Tugalkabad, Delhi.

(Transferor)

(2) Maharish Ved Vijayan Vidyapith Maharish Nagar, Ghaziabad. Through Samir Sinha

(Transferee)

(3) Maharish Ved Vijayan Vidyapith Maharish Nagar, Ghaziabad. Through Samir Sinha.
(Person (s) in occupation of the property)

(4) Maharish Vcd Vijayan

Vidyapith Maharish Nagar, Ghaziabad. Through Samir Sinha. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

148 = 75 Hazipur, Teh. Dadari (DADARI), Ghaziabad

V. K. SINGHAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106 282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanput-208 012, the 14th May 1987

No. M.1121 /86-87.--Whoreas, J. V. K. SINGHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to beileve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 351, 338/2 situated at Ghaziabad
has been transferred and registered under he registration.

No. 351, 338/2 situated at Ghaziabad has been transferred and registered under he registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Ghaziabad under registration No. 32882-83-84 date 17-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer. As agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Lal Chand & Sons, 13 1 Buland Sahar Road, Industrial Area Ghaziabad. Partner Shri Deo Raj Anand & Shii Vimal Anand S o Lal Chand R/o 128, Ghandhi Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Mahendia & Associates Pvt. Ltd. Through Shi Mahendra Singh S o Lallo Singh, R, o 166, Lohiya Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Mahendra & Associates Pvt. Ltd. Through Shri Mahendra Singh S/o Lallo Singh, R/o 166, Lohiya Nagar, Ghaziabad.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Mahendra & Associates Pvt. Ltd.

Through Shri Mahendra Singh
S/O I allo Singh,
R o 166, Lohiya Nagar,

Charimbal Ghaziabad.

(Persons whome the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

hxplanation : -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasia No. 351 or 338/2, Ghariabad,

V. K. SINGHAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN. GANDIH NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kaupur-208 012, the 14th May 1987

No. M.1123 86-87.—Whereas, I, V. K. SINGHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 719 No. 40/2 situated at Chakmagraula (Dadari)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under he registration \(\text{Lt}.\) 1908 (15 of 1908) in the office of the Registring Officer at Dadaii under registration \(\text{No.} \) 6800 date Sept. 86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have tree the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) tacilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sarupa S/o Shri Kishori R/o Chakmagraula Maujavabad, Distt. Faridabad.

(Transferot)

(2) Shri Virendra, Rikhi,

S o Jaggo, Rajvo & Surendra R/o Village Salarpur Khadar, Dadari,

(3) Virendia. Rikhi. Rakesh

S o Jaggi, Rajoo & Surendra, R/o Village Salarpur Khadar, Dadan.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Vitendra, Rikhi,

Rakesn S'o Jaggi, Rajoo & Surendra, R/o Village Salarpii Khadar. Dadari.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 7, Khasia No. A40/2, Village Chakmagiaula, Teh. Dadari,

> V. K. SINGHAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Kanpur

Date: 14-5-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th May 1987

Ref. No. 1/1987-88.—Whereas, 1, T. GORAKNATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing

H No. 10-1-125/1 situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad, Hyderabad on 3-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) 1. Shri Maharaj Karan, S/o late Raja Mahboob Karan, Ro Malwara Palace, Charminar East, Hyderabad-2. 2. Li. Col (Rtd.) Iqbad Karan, S/o late Raja Mahboob Karan, R/o H. No. 10-2-287/1/7, Shanti Nagar, Hyderabad. 3. Shri Yuvaraj Karan, S/o late Raja Mahboob Katan, Bank Officer, Union Bank of India, Banjara Hills, Hyderabad.

4, Shri Sartaj Karan,
S/o late Raja Mahboob Karan,
Regional Manager, Bank of Baroda,
R/o Malwala Palace, Charminar East, Hyedabad-2.
5. Shri Shivraj Karan,
S/o late Raja Mahboob Karan,
R/o Malwala Palace. Charminar East, Hyderabad, 6 Smt. Aruna Gupta, W/o Shri V. Gupta, R/o Colaba, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Sujana Resorts (P) Ltd. represented by Managing Director, Shri N. Rami Reddy, R/o H. No. 10-3-311/12, Castle Hills. Hyderabad-457,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 10-1-125/1, Masab Tank, Hyderabad, registered before the Sub Registrat, Khairatabad, Hyderabad-vide Document No. 2107/1986 dated 3-9-1986.

> T. GORAKNATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date : 4-5-1987 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Dinesh Chandai Agarwil, 41, C-Lajpat Marg, Ashok Nagar, Јагриг

(2) M/s Ajad Body Builders, Jorawar Singh Gate, Aamer Road, Jaipur

(Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th April 1987

Ref No Raj /1AC(Acq)/2707 --- Whereas I, SUDHIR CHANDARA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land si uated at Joiawarsing Gate, Jaipur (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at Janput in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, asá/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

A piece of land si uated at Jorawar Singh Gate, Aamer Rd Jaipur and more fully described in the Sale-Deed registered by the Sub Registrar, Jaipur vide Registration No dated 6th September, 1986

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jappui

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons

namely :---

14-4 87 Date

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 27th April 1987

C. R. No. 62/50229/87-88/ACQ/B.—Whereas, I,

BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No. 3, situated at 5th Cross Road, Malleswaram, Bangalore-560003

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at

Gandhi Nagar, Bangalore on 29-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concement of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuasce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

(1) Smt. Nanjamma and Sri H. C. Suryanarayanana Rao Charitable Trust
No. 2, 'B' Stree', East Link Road,
3rd Cross, Malleswaram
Bangalore-560030, P.A. Holders 1. Sri H. S. Nagaraja 2. Sri H. S. Gurunath.

(Transferor)

(2) M/s Cozy Homes (Pvt, Ltd., No. 4, 12th Cross, 8th Main, Malleswaram, Bangalore-560003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1939

dated 29-9-86).

Properties bearing Old Nos. 13, 14, 15, 27, 28 and 29 and New Nos. 3, 4, 5, 63, 64 and 65 Presently bearing Municipal No. 3, situated on the 5th Cross Road, Malleswaram, Bangaloic-560003 measuring about 120 from East to West and about 122 from North to South together 19th Coconut trees and Old Structures tele roofed buildings, a well, A.C. sheet buildings in all measuring about 184.66 sq. mtrs. and morefully described in the Schedule to sale deed dated 29-9-86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-4-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 18th March 1987

C. R. No. 62/50201/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 /- and bearing
S. No. 162, Sub Division No. 1 situated at Escrevaes vado
of Candolim Village of Bardez Taluka, Goa District
(and more fully despribed in the Scheduled annexed hereto).

has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bombay on 4-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Oomer Housing F₅tates Development Organisation Pvt. Ltd., India House, No. 2, Kemps Corner, Bombay-400036.

(Transferor)

(2) Khukri Packaging Pv., Ltd., Mehta House, I Floor, Bombay Samachar Marg, Bombay-400023

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1834/86-87 Dated 4-9-1986)

All that piece or parcel of land comprising S No. 162, Sub-division No. 1 of Escrevaes vado of Candolim Village of Bardez Taluka, District Goa is containing an area of 3850 sq. mtis and morefully described in the schedule to the sale deed dated 6-6-85.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-3-87

Scal

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 26th March 1987

No. DR. 1787/86-87/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the moome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing Survey No. 25/4, situated at Valpol village, Taluka Satttan, District (Jee.

District Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section

269AB, in his office at Bangalore on 15-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

38--126 GI/87

(1) M/s. Sattari Cashew Industries, Valpol, Sattari, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Jagdev R. Pangam and Sons, Sanquelim, Gon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION S.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1415/86-87 Dated 15-9-86).

All that 5,000 sq. mts. land with buildings, structures Machines, yard, plants, Motors and other accessories, situated at Valpol village, Taluka Satari, District Goa, comprised of survey No. 25/4 and more fully described in the schedule to agreement of sale dated 28-7-86.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-3-87 Scal :

FORM ITNS-

(1) Shri N. Narayana Pai, 2-A, Clover Apartments, 29, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Nadgir, Giridarshan', Girinagar, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) 1. Smt. Pratibha V. Pai.
2. Smt. V. N. Pai.
3. Sri. Pradip N. Pai.
(Person(s) in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th March 1987

No. R.2345/86-87/ACQ/B.-Whereas, I.

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000 /- and bearing No. 1214, situated at H.A.L. II Stage Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 2004. 269AB, in his office at Bangalore on 2-9-86

Bangalore on 2-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the san Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1792/86-87 Dated 2-9-86)

All that piece and parcel of property being land and build ing No. 1214, situated in H.A.L. II Stage, Bangalore, admeasuring 5,400 sq. ft. and more full described in the schedule to agreement to sell dated 7-8-86.

R. BHARDWA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range, Bangalor

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560100, the 13th March 1987

No. R.2349/86-87/ACQ/B.—Whereas, I.

R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Survey No. 11/3, situated at Arckempana Hally, Kasiba

Hobli, Bangalore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at

Bangalore on 15-9-1986

for an apparent consideration which is less than the lat market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) (a) Sii M. Kshetia Pal, S/o late Nagamme, No. 16, 9th A Main, Block, Jayanagar, Bangalore.
 - (b) Sri M. Tulasidas, S/o late Nagamme, No. 244, 6th Main, IV Block, Jayanagar, Bangalore,
 - (c) Smt. M. Puttamma, (c) Smr. M. Puttamna,
 W/oo C. R. Narayanappa,
 No. 12-1, 1V 'T' Block,
 33rd Cross, 11th Main,
 Jayanagar, Bangalore.
 (d) Smt. M. Suguna,
 W/o S. V. Laxman Dev.
 No. 11, East Cucle Road,
 V. V. Puram, Bangalore.
 (e) Smt. M. Ramanan.

 - (e) Smt. M. Ramamanı, W/o H. M. Venkataswamappa, E-2, Lakkavallı Road, New Town, Bhadravathi,
- Shimoga Dist.
 (2) Smt. S. V. Nagamanı,
 No. 68, Ashoka Pillar Mam Road, II Block, Jayanagar, Bangalore.
- (3) Smt. S. V. Ramanujamma, W/o H. N. Muniswamy Gowda, No. 125 II Main, Parvathipuram, V. V. Puram, Bangalote.
- V. V. Puram, Bangalole.
 (4) Sri S. V. Laxman Dev,
 S/o late S. V. Venkatappa,
 No. 11, East Cicle Road,
 V. Y. Puram, Bangalore,
 (5). Sri S. V. Govindaraju,
 S/o late S. Venkatappa,
 No. 12, Out House,
 Jain Temple Road,
 V. V. Puram, Bangalore. V. V. Puram, Bangalore.

(2) 1. Shri C. Gopalan S/o Sri P. K. Panicker, No. 508, Garuthman Park, R. V. Road, Bangalore-560 004. . S. Ramaiah, S/o late Sri P. Bala Krishuiah, No. 3, Sheshadri Road, Bangalore-560 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION '-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1796/86-87 dated 15-9-86). All that property bearing survey No. 11/5, situated at Arekempana Hall Y. Kasaba Hobli, Bangalore South Taluk, Bangalore measuring 4 acres and 12 guntas and more fully described in the schedule to agreement of sale dated 22-8-86.

R. BHARDWA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-3-87

.2. ------

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th March 1987

C. R. No. 62/50227/86-87/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 67 situated at Jalahally Village, Yeshvanthapura Hobb.

Bangalore North Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under hie Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Office at
Bangalore North Taluk on 10-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) I. Sri. Papanna S/o Late Rangappa,

Smt. Sonnamma W/o Sri Papanna,
 Smt. Lakshmamma D/o Sri Papanna,

4. Sri Ramachandra S/o Sri Papanna.
5. Smt. Gowramma D/o Sri Papanna.
6. Sri Govinda Raju S/o Sri Papanna.
7. Sri Ramesha S/o Sri Papanna.

Sri Ashoka S/o Sri Papanua, All residing at No. 67, Jalahalli Village, Ejeshvanthapur Hobli. Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) Rev. Ir. Mathew Keechira, S/o Joseph Kurian, Claretian Semniary, No. 28/12, 18th Cross Road, Malleswaram, Bangalore-560055.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2287/86-87 dated 10-9-1986).

All that piece and parcel of dry agricultural land situated in S. No. 67, Jalahalli Village, Yeshvanthapura Hobli, Bangalore North Taluk, measuring 3 acres and 35 guntas (15,681.51 sq. mrts.) and more fully discribed in the schedule to the sale deed dated 10-9-86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-3-87

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th March 1987

C. R. No. 62/50228/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to is the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

No. 67, situated at Jalahally Village, Yeshvanthapura Hobli

Bangalore North Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). fand more transferred under the Registration Act 1908 (1908) of 16) in the Office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk on 18-9-1986 or an apparent consideration which is less than the fair

narket value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as aforcaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between be parties has not been truly stated in the said instrument it transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Shamanna S/o Late Sri Rangappa, S. No. 67, Jalahalli Village, Yeshvanthapur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) Rev. Fr. Mathew Keechira. S/o Joseph Kuriev, Caretian Saminary, No. 28/12, 18th Cross Road, Malleswaram. Bangalore-560055

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2289/86-87 dated 18-9-1986).

All that piece and parcel of dry agricultural land situated in S. No. 67, Jalahalli Village, Yeshvanthapura Hobli Bangalore North Taluk measuring 3 acres and 37 guntas or 17021.84 Sq. mtrs. in extentand more fully described in the Schedule to the Sale deed dated 18-9-86.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following octsons, namely ---

Date: 13-3-87

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th March 1987

Ref. No. 62/50207/86-87/ACQ/B.-Whereas 1, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing S. Nos. 16/2, 17/2, 18/2, 19/2, 19|3 and 29|4 situated at Doddagubbi Village, Bidara Halli, Hoskote Taluk, Bangalore District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Hoskote on 18/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri P. C. Narayan, S/o Late P. C. Govindan, No. 169, Vasantha Nagar, I Cross, Bangalore-560052.

(Transferor)

(2) Rev. Fr. James Kutti Makkal Rector, Norbertine Society, Norbert House, Manathavady Korala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1420/86-87 dated 18-9-86)
All that piece and parcel of agricultural land together with structures, fixtures, fittings, bote well and other rights appartment thereto and measuring in extent 9 acres, 23 guntas less karab of 22 guntas comprised in S. Nos. 16/2, 17/2, 18/2, 19/2, 19/3 and 29/4, Doddagubbi Village, Bidarahally, Hoskote Taluk. Bangalore District and more fully described in the schedule to the sale deed dt. 13-9.86 described in the schedule to the sale deed dt. 13-9-86.

> R. BHARDW \/\forall Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tras Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1987

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Banaglore, the 4th March 1987

Ref. No. 1769/86-87/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing D. Nos. 807, 808 and 812/1, situated at 4th Ward, K. R. Road, Davangere.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Davangere on 24/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily estated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Begum Hajrabi,

1. Smt. Begum Hajrabi,
W/o late G. Khaja Mohiddin,
2. Sri G. K. Abdul Rehman,
3. Sri G. K. Mohd. Samiulia,
4. Sri G. K. Mohd. Ziaulia,
5. Sri G. K. Khalechulla,
6. Sri G. K. Mohd. Taherulla,
all sons of Sri G. K. Mohiddin,
D. No. 807, K. R. Road, Davangere.

(Transferor)

(2) Shri N. Veera Swamy, Prop. M/s. Eswari Pictures, Gandhinagar, Bangalore-560 009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gu

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the cale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3424/86-87 dated 24-9-1986).

All that property bearing D. Nos. 807, 808 and 812/1, situated at 4th Ward, K. R. Road, Davangere.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 4-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 30th January 1987

Ref. No. 62/50214/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 2/1 (Old No. 2) situated at Midford Gardens Bangalore-560 025 (and more fully described in the Schedule approved bareto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 27/8/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Chanechal Kumarı 2. Smt. Amrit Kumarı Smt, Shakuntala Kumari No. 555, Bengali Bazaar Road, Alandur, Madras-600016,

(Transferor)

(2) M, s. Bihar Mercantile Union Ltd. Regd. office No. 15, Brabonsre Road, Calcutta-700001. Rep. by its Director Sri D. K. Himat Singka, No 55, Avenue Road, Bangalore-560002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1656/86-87 dated 27-8-86).

All that piece and parcel of land together with buildin constructed thereon with its fittings and fixtures and bearin Municipal No. 2/1, (Old No. 2) situated at Midford Garder Road, Midford Garden Municipal Division No. 60, Bangalor measuring on the saft 49' 9", on the west-50' 6" on the North-95' and on the South-95' & more fully described to the substitute to the South-95'. in the schedule to the Sale deed, dated 27/8/86.

> R. BHARDWA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Dated: 30/1/1987

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1987

Ref. No. 62/50217/86-87 ACQ/B -- Whereas, I. R. BHARDWAJ.

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (her-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15/16 situated at St. Mark's Road, Bangalors (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration which is less than the raid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:— 39-126 GI/87

(1) 1. Berta Maritia Rosaura Pinto dias C. Miranda, 15 & 16, St. Mark's Road Bangalore-560 005.

Mario te P. Miranda
S/o Late Dr. A. C. Miranda
1A, Altamount Road, Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) M/s. Prestige Estates and Properties Rep by its P/r Mr. Irfan Ratzack, No. 6, Commercial Sheet, Bangalore-560 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1717 dated 26-9-1986)

All that piece and parcel of land together with the existing All that piece and parcel of land together with the existing building thereon including fixtures and fittings bearing municipal No. 15/16, St. Market's Road, in corporation Division No. 60, Bangalore and measuring on the North —42-3" + 59'-4" + 41'-9"+28'-9" South 212' East 94'-6 6'-10" 5'-6' and west: 95'-5' & more fully described in the Schedule to the Sale deed dt. 26-9-1986.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalor*

Date: 4-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th February 1987

Ref. No. ..8/50196/86-87/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 121, situated at Richmond Road, Bangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid arceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Syeda Mirza 2. Sri Zeyn Mirza
Both at 15/1, Brunton Road Cross, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Richmond Towers Rep. by Sri S. Gopalakrishnaiah Chetty No. 523, Garuhman Part Basavanagudi, Bangalore-560 004.

(Transferec)

(3) 1. State Bank of Mysore
2. Hind Rectifiers Ltd.
3. Sunder & Co.
4. J. Bani & Co.

5. Indian Container Terminal Ltd.

6. George Import India All at 12/1, Kichmond Road, Bangalore-560 025

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1384/86-87 dated 1-9-1986)

All that piece and parcel of the Property bearing number 12/1, Richmond Road, Bangalore City and measuring in all 4,260 sq. ft. & more fully described in the Schedule to the Sale deed dt. 1-9-1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 6-2-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43.OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th February 1987

C.R. No. 62/50197/86-87, ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 122 situated at Binnamangala Layout, HAL II Stage,

Bangalore-560038

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shlvajingger at 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Sh. Narayan Prasad 320E, 46th Street Apartment 6A, New York (USA) Rep. by Maj. P. J. Rajan (Retd.).
- (Transferor) Shiltron Electronics & Engineering Pvt. Ltd. 37/10, Cunningham Road, Bangalore-560052.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece and Parcel of vacant site bearing site No. 122, Binnamangala Layout, HAL II Stage, Bangalore measuring on the east 100ft. on the North 70-II on the West; 100ft on the South; 70ft & more fully described in the schedule to the Sale deed dt. 1-9-1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 6-2-1987

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore560 001, the 10th February 1987

C.R. No. 62/DR.1786.86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred immovable property having a fair market value exceeding to as the 'said Act') have reason to believe that the Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 114 situated at Candolim, Bardez, Goa (and more fully described in the schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 15-9-1986 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act I lereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Virgina Flora Abreu, Parra, Bardez, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Comfort Regency Inn (P) Ltd. C/o M/s. Satish Dhume & Co. No. 209, Nizari Bhawan, Near Neptune Flotel, Panaji, Goa-430 001

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersized:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that part & parcel of the property known as 'Dando' admeasuring 12-525 Sq. fts. situated at Candolim, Taluk & Sub-District of Bardez, District of Goa, Surveyd under No. 114 and more fully described in the schedule to the agreement dated 27-8-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 10-2-1987

FORM NO. I.T.N.9.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

C.R. No. 62/50219/80-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 1 situated at Prime Rose Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed kereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore on 29-9-1986

Shivall Nagar, Bangalore on 29-9-1960 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely:—

(1) V. R. Chaluva Kumar S/o Lute Sri V. C. Rajarathnam No. 5/2, Richmond Road, Bangalore-560 025.

(Transferor)

Smt. Humera Begum
 W/o Sri M. H. Nissar Ahmed
 Sri M. H. Nissar Ahmed
 Both residing at No. 187 II Cross.
 4th Main Road Vivek Nagar,
 Bangalore.
 By G.P.A. R/o H. Abdul Hameed alias Faiyaz residing at Same Address.

('Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1733/86-87 dated 29-9-1986)

All that piece and parcel of the portion of the property No. 1, Prime Rose Road, Bangalore, Corporation No. 60, and more fully described in the schedule to the sale deed 29-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-3-1987 Seal 4

FORM NO. I:T.N.S.--

(1) V. R. Chaluva Kamar S/o Late V. C. RajaRathnam No. 5/2, Richmond Road, Bangalore-560 025.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 (01

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

C.R. No. 62/50220/86-87/ACQ/B,-Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsafter referred to as the 'said Act') have remon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, situated at Prime Rose Road, Corporation No. 60

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore on 29-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and thus the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tan under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or may monays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

(2) 1. Mohammed Iqbal S/o Hajee Mohammed Abdul Rawoof

2. Mr. Mohammed Shoib, S/o Mohammed Ichal Both R/o No. 15, Infantry Road, Bangalore-1. Ahbedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of #5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1734/86-87 dated 29-9-1986)

All that piece and parcel of the portion of property bearing No. 1, in Prime Rose Road, Bangalore, Corporation Division No. 60 and more fully described in the Schedule to the Sale deed dated 29-9-1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1987

Soal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. T. M. D'Sonza 29, St. Mark's Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Shree Sadan 'Jain Bhawan' 18/1, Andree Road, Bangalore-560 027.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

C.R. No. 62/50218/86-87/ACQ/B.-Whereas, J, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Nos. 23, 24, 25, 26, 27, 28 and 29 situated at St. Mark's Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar Bangalore on 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair R. BHARDWAJ,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pasties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1720/86-87 dated 26-9-1986)

Immovable property bearing Municipal Nos. 23, 24, 25, 26, 72, 28 and 29 St. Mark's Road, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-3-1987

Sout:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

C.R. No. 62/50222/86-£7/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 90A, R.S. 65-3A TS 1548/3A situated at Boloor Village of Boloor Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Head Quarters, Mangalore City on 17-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lt. Col. General J. Gonsalves S/o Late John C.A. Gonsalves 3/2, Magrath Road, Bangalore-560 025. P.A. Holder Mr. Patrick E. J. Pais S/o Late Frederick Pais, Hat Hill Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Vernon Promod Vas S/o Frederick Vas Kottata Cross, Mangalore Now residing at 'Broad Water' 5, Oatlands, Mere, Weigh Bridge KT 139 Survey, England.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 974/86-87 dated 17-9-1986)

Immovable property situated in 90-A Boloor Village of Boloor Ward with in city Corporation of Mangalore City, bearing RS. No. 65-3A TS No. 1548/3A measuring 471 Cents and more fully described in the schedule to the sale deed ated 17-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

CR. No. 62/50213/86-87/ACQ/B.--Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Survey No. 36/2, 36/3, 37/1, 37/2 (37|2A 37|2B), 37/3 & 37/4 situated at Byrasandra Village, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore on 29-9-1986 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

xceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

0-126 GI/87

(1) M/s. Morzoria Products Pvt. Ltd., No. 4, Banneraghatta Road, Bangalore, Represented by Sti C. G. Morzoria.

(Transferor)

(2) M/s. Bangalore Housing Development and Investments 85 I, 'Shiva Shaktt' K.H. Road Bangalore-560 027 By partners, Sri P. Dayananda Pni and Sri M. Ramdas Pai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1406/86-87 dated 29-9-1986)

Immovable property Survey Nos. 36/2, 36/3, 37/1, 37/2 (37/2A & 37/2B), 37/3 and 37/4 of Byrasandra Village, Utttata Halli Hobli, Bangalore South Taluk

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date : 6-3-1987

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 10th March 1987

No. 2077/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing y. No. 41/1, 41/3, 42/2, situated at 'Itorda Village, Salcete, Goa and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at 'alcete, Goa on 29-9-1986 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more Lispecting Assistant Commissioner of aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957-(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :-

Marcal Carvalho alias
 Marcal Antonio Cactano Carvalho
 Smt. Ildamary Rebello
 Both residing at Arossim, Goa.
 Smt. Esequiel Helena F, Carvalho
 Sri Manuel Simplicio Carvalho,

Both residing at Panaji Goa.

(Transferor)

(2) M/S. MAHARANI GUEST HOUSE, (Unit of Laguna Restaurant) J-16 Hauz-Khas, New Delhi-110016.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 616/86-87 dated 29-9-1986)

All that landed agricultural property known as 'Novo Aforamento De Praias' admeasuring 32,725 sq. mts. surveyed under Nos. 41/I, 41/3 & 42/2, situated at village Utorda, Village Panchayat of Utorda-Majorda-Arossim, Taluka and Sub-District of Sulcete & District of Goa and more fully described in the schedule to sale deed dated 23-9-1986.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Binny Limited No. 65, Armenian Street Rep. by Sri H. R. Kamath Finance Director.

(2) M/s. HMT Limited. No. 36, Cunningham Road, Bangalore-560 052 Rep. By Sri N. Swaminathan

Director (Finance).

(Transferor)

(Transfere

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th April 1987

C.R. No. 62/50202/87-88/ACQ/B.—Whercas, 1, R. BHARDW'AJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 55, 56 (Part) 58 (part), 59 and 60 (part) situated at Bellary Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhi Nagar, Bangalore on 10-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- /a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mecome or any measures or other assets, which have not been or writer ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a perkof 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of th publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1540/86-87 dated 10-9-1986)
All that piece and parcel of Property being land and buildings and other structures thereon bearing Municipal Corportion Nos. 55, 56 (part), 58 (part), 59 and 60 (part), Beller Road, Bangalore in Municipal Division No. 82 (old Division No. 86) and more fully described in the schedule to the sal deed dated 10-9-1986.

R. BHARDWA'
Competent Authoric
Inspecting Assistant Commissioner of Incometal
Acquisition Rang
Bangalo:

Date: 28-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th April 1987

C.R. No. 62/50216/87-88/ACQ/B.—Whereas, I, R BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Nos. 6, 7 & 8 situated at Victoria Road, Bangalore-560 047

Nos. 6, 7 & 8 situated at Victoria Road, Bangaloic-560 047 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivaji Nagar, Bangaloic on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. V. Geetha W/o Sri S. Surendra No. 1, Church Street, Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) M/s. Aeronautical Development Agency Nal Campus, Belur, Bangalore-560 037 Rep. by Sri K. Arvanudan, Director (Administration Finance and Contracts).

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perior of 45 days from the date of publication of thi notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, wihin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1693/86-87 dated 25-9-1986) Schedule 'A' Property: All that piece and parcel of lam admeasuring 380.16 Mtrs. together with the constructio standing thereon premises bearing Corporation Nos. 6, 7 and Victoria Road. Civil Station. Bangalore-560 047.

Victoria Road, Civil Station, Bangalore-560 047.

Schedule 'B' Property: The building comprising of 4 floot (Ground Plus three floors) consisting of 7 flats with a tota super-built area of 8865 sif. ft. and car parking space for numbers and more fully described in the schedule to the sal deed dated 25-9-1986.

R. BHARDWA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Ran-Bangalor

Date: 28-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st May 1987

C.R. No. 62/50231/86-87/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAI,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 84, 84/1, 84/2, 84/3, 84/4 and 84/5 situated at Mahatma Gandhi Road, Civil Station Division No. 60, Bangalore-560 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivaji Nagar, Bangalore on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair being the Competent Authority under Section 269B of than fifteen per cent of such apparent consideration and said exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as agreed to between believe that the fair market value of the property as aforethe parties has not been truly stated in the said instrument the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numoses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Barton, Son & Company (P) Ltd. No. 84, Mahatma Gandhi Road, Bangalore-560 001 Rep. by Mr. 'M. S. Mehta, Managing Director. (Transferor)
- (2) M/s. Southern Investments No. 65 Montieth Road, Egmore, Madras-8. Rep. by its partner Mr. Prabhat Kamal.

(Transferce)

 (3) 1. M/s, British Physical Lab. Ltd.
 2. M/s. Zurai Agro Chemical Ltd.
 3. M/s. Barton Court Hotel,
 No. 84 Mahatma Gandhi Road, Bangalore-560 001.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) 1. Mrs. N. Jhamboo Chetty,

2. Mr. Raj Kumar Jhamboo Chetty.

[Person(s) whom the undersigned known to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1342/86-87 dated 1-9-1986) (Registered Document No. 1342/86-87 dated 1-9-1986) Portion of all that premises and property bearing old Municipal No. 9 present No. 84, together with all constructions now existing thereon and premises bearing Municipal Nos. 84/1, 84/2, 84/3, 84/4 and 84/5 all situate in Mahatma Gandhi Road, Civil Station Division No. 60, Bangalore-560 001 and morefully described in the schedule to the assignment deed dated 28-8-1986.

> R. BHARDWAI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-5-1987,

ءُ لَسُو

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAF, PUNE

Pune, the 10th April 1987

Rcf. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/4986/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/2 and bearing No. Flat. No. 16, 2nd floor, Building II. 6A Connaught Road, Pune, situated at Pune.

Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 26th Dec. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market walke of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair consideration that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration that for the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195' (27 of 1957);

(1) M/s. Makwana Bros. & Co. H. No. 441, Somwar Peth, Pune-11.

(Transferor)

(2) Mr. Sukhwant Singh Sachher and Mrs. Patwant Kaur Sukhwant Singh Sachhar, 1170/31, Revenue Colony, Pune-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EF/4986/1986-87 in the month of 26th Dec. 1986)

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice office sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-4-1987

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Komal Gul Sctpal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IC. AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

> Bombay, the 5th June 1987

Ref. No. AR. III/37EF/W. 146/85-86,--Whereas, 1,

G. P. GUJRATI, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaiter referred to 38 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

the said Act, have feature to believe that the infinovable property having a fair market value exceeding s. 1,00,000/- and bearing that No. 701 "Pratiksha" Built up area : 1700 SF Plot No. /A, Maulana Abdul Gaffar Road, Worli, Bombay-18

ituated at Bombay

(and more fully) described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10887/27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this active in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701 'Pratiiksha', Built Up Area 1700 Sf. Plot No. 7A Maulana Abdul Gaffar Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority,, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10887/85-86 dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Date: 5-6-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

E OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT, PUNE

Pune, the 10th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4189/1986 87.—Wherens, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immrvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property bearing S. No. 642, Hissa No. 642/4 & 5 Bibawewadi Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC Acqn. Range, Pune on 10th November, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Janardan S'Rangadal, Chairman Shri Prasanna Sah. Grihrachana Sanstha Ltd. C/o Umesh Tailors, Sevasadan Building, Pune-30.

(2) Manohar Sadashiv Nanagare Patil, 13 ledhengar, Bibwewadi,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/4189/1986-87 in the month of 10th November 1986)

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 10-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAI, PUNE

Pune, the 10th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF, 4550/1986-87,--Whereas, , ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. City Survey No. 498 & City Survey No. 470, Shaniwar Peth, Pune situate at Pune (Cod. more fully described in the Schedule appeared beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 28th Nov. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --41---126 GT/87

(1) Shridhar Vithal Datya, Property Trust, A Private Trust through its Trustees (1) Shri Ramchandra Paishuram Pandit, Pant Amtya Bawadekar, 'Raj Prasad' 8/5 Tarabai Park, Kolhapur.

(2) Shri Prasad Padmakar Rayarikar, R/o 470/498, Shaniwar Peth, Punc-30.

(Transferor)

(2) K. D. Constructions, 8/2, Sadashiv Peth, Ravi Building, Pune-30,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/4550/1986-87 in the month of 28th Nov. 1986)

> ANJANI KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 10-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT, PUNE

Pune, the 14th April 1987

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4731/1980-87.—Wherens, I. ANIANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 5 on ground floor in Autora Towers 9 Moledina

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 5 on ground floor in Aurora Towers 9, Moledina Rs. 1,00,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 7,12-86

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of sail this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sharat Promoters, Manick Hall, 2, East Street. Pune.

(Tim.feror)

(2) Mrs. Vijaymala D Kohli, Shakti-Kunj, 14B-6 Bost Club Road, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 37EE/4731/1986-87 in the month of 7th Dec. 1986)

> ANIANI KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona

Date: 14-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT, PUNE

Pune, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4294/1986-87.—Whereas, I, ANIANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 207, Village Yerwada, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Yerwada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act ni the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on November, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Sarosh J Gandhy, 1-B Nildaih Road, Jamshedpur and Mis. Aimee A Bajai, B-18 Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Atur Sangtani & Associates, Atur Foundation House, 4 Dr. Ambedkar Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 37FE/4294/1986-87 in the month of 7th Dec. 1986)

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-4-1987

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT, PUNE

Pune, the 13th April 1987

Ret. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4686/1986-87.—Whereas, 1, ANJANI KUMAR,

h, ANJANI RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sub Plot No. 11, F.P. No. 35 of T.P.S. No. 1 Erandwane Pune, alongwith structures thereon situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & remetated in (2.264B of the said Act.)

has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at 1.A.C., Acqn. Range, Pune on 7-12-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Y. C. Nitsure, 34/11 Erandwana, Punc-4.

(Transferor)

(2) M/s Suma Engineering P. Ltd. 93/2A Erandwana, Puna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the JA.C., Acquisition Range Pune, under document No. 37EE/4686/1986-87 in the month of November, 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Роопа

Date: 13-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT, PUNE-1

Pune, the 9th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8109/86-87.—Whereas, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. Nos. 209-A/2 (pt) 209-B/2 (pt) 210-A/2, 210-A/5-7 206/1 & 206/3 and New Plot No. 463 of T.P.S.I. Panchpakhadi, 1st Pokharan Rd., situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 7-12-86 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Jai Trading Co., Plot No. 463, Fown Planning Scheme Ist Pokharan Road, Thane.

(Transferor)

(2) Sanjay Family Trust, C/o 365, Reetu Raj, 6th Road, Chembur, Bombay-71.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 37EE/8109/86-87 dt. 20-12-1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poons

Date: 14-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Savani Brothers, 6/7, Sastik Chambers, P.O. mello Road, Bombay-400 001.

(Transferee)

(2) M/s. Utp al Construction Co. 24, Arcada, 2nd Floor, 195, Nariman Point, Bombay.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KÖREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6614/86-87.—Whereas, 1,

ANJANI KUMAR, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing O. P. No. 324, Final Plot No. 2, situated on S. No. 479, Hissa No. 4 of TPS 1, Behind Savani, Transport, Panchpakhadi, Thane, Final Plot No. 302. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered 11/a 269AR of the said

has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acqn. Range on 1st Nov 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/6614/86-87 dt. 1st Nov 1986).

ANIANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 106/107, Koregaon Park, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6/4/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IACACQ/CA-5/37EE/8115/86-87.—Whereas, I,

ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. S. No. 515, H. No. 1, New S. No. 78, H. No. 1, at Village Bhayandar Tal & Dist. Thane situated at Bhayandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/S 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acqn. Range, on Pune on 20/12/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sai Dilipkumar Chimanlal Manir & 3 others all resident of Bombay.
 C/o S. No. 515, H. No. 1, illage Bhayandar, Tal. and Dist. Thane.
- (2) Mahesh Liladhar Dholakia & Others all resident of Bombay. C/o S. No. 515, H. No . 1, illage Bhayandar, Tal & Dist. Thane.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sat 1. perty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document N o. 37EE/8115/86-87 dt. 20/12/1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona

Date: 6/4/1987

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF NDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/7601/86-87,—Whereus, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) Gut Nos. 59/1(pt), 59/21, 59/17, 59/28, 59/29, 59/22 & 59/24 at Chitalsar, Manpada, Thane. situated at Chitasar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/S 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acqu. Range, on 29/11/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Kaumudi P. Kothari, Director of M/s. D. Dayhabhai & Co. Pvt. Ltd., 9, Ellora Shopping Centre, Daftary Road, Malad, (E), Bombay-97.

(2) Mr. Prataprai Nandlal Kothari, 9, Ellora Shopping Centre, Daftary Road, Mafad (1) Bombay-97. (Transferee)

•

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said .mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 7601/86-87 dt. 29-11-1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 106/107, Koregaon Park, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6/4/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Rcf. No. IAC.ACQ/CA-5/37EF/7472/86-87.---Whereas, I, ANJANI KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Nos. 86/1, 87/1 to 5, 88/1, 2, 5, 7, 8, 9, 10, 5 & 11, 89/2, 3, 4, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13, 14, S. No. 86/2, 3, 4, 5, 6 & 8 of the Mira village, Near situated at Dahisar Check Naka, Diet Thome.

Dist. Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acqn. Range, Pune on 26-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

42--126 GI/87

- (1) Sri Brijmohan Khanna & 3 others, Partners of M/s. Shiv Silk Milles and Sri Brijmohan Khanna and others of M/s. Rajmal Paharchand Jolly Bhawan No. 2, 7 Now Marine lines, Bombay-
 - (Transferce)
- (2) Esskay Dyenig & Printing Works.
 (Prop. Gul Mohur Silk Mills, Pvt. Ltd.)
 9, Rasik Niwas, 2nd loor, 75 'F' Road, Marine Drive, Bombay.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document ... o. 37EE/7472/86-87 dt. 26/11/1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 106/107, Koregaon Park, Poona.

Date: 6/4/1987

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PROOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/335/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 12B situated at Lord Sinha Road, Calcutta
S. No. 1141, Shingwe Bahulla, Deolali Camp Tal & Dist.
Nasik situated at Deolali.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acqn. Range Pune on 10/11/1986.

for an apparent consideration which is less than the fel-

for an apparent consideration which is less than the fear nurries value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Mr. Vasant K. Bhatia, Vrindawan, 1st Floor, 44, Balasiner CHS., S. V. Road, Khandivli, Bombay-67. (Transferec)
- (1) Mr. Lalchand T. Gajria, Chief Promotor of the proposed. Bhatia Adaish CHS Ltd., C-6, Khandivli Shoping Centre, Delvi Road, Khandivli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under registration No. 37EE/335/86-87 dt. 10/11/1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 106/107, Koregaon Park, Poona.

Date: 6/4/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 / 107, KORFGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No IAC.ΛCQ/CA-5/37EE/8058/86-87—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeds Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing

as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeds Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. C-36 in the Thane Industrial Area within the village limits of Panchpakhadi, Tal Thane situated at Panchpakhadi (and nacie fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Pune on 16-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Britannia Industries Ltd. Maker Tower 'E', 19th Floor, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(Fransferor)

(2) Ravi Frozen Foods Pvt. Ltd., Nilum Mansion, Lemington Road, Bombay-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/8058/86-87 dt. 16-12-1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregnon Park, Poona.

Date: 6-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 9th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/7473/86-87.—
Whereas, I. ANJANI KUMAR.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Final plot No. 227, village Panchpakhadi, Dist. Thane
situated at Panchpakhadi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
here here transferred and real tered II/s 269AB of the said

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 25-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mahavir Trust & Others, United India Bldg., 2nd Floor, Sir P. M. Road, Bombay-1.

(Transferor)

(2) M/s. Shreepal Construction Co. United India Bldg., 2nd Floor Sir P. M. Road, Bombay-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/7473/86-87 dt. 25-12-1986).

ANJANI RUMAR
Competent Authority
Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona.

Date: 9-4-1987

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sint. Premabai Waman kamat & Others, S. No. 60, Satavali, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Transferor)

(2) Tungie-liwar Builders, 332/34, Manshi Nath Street, Bombay-9. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 13th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/298/86-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 68, at Satavali, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at

Satavali

fand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqu at S. R.Vashi, in October 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been muly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any incom- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have thesame meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 263/86 in the month of Oct. 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 106/107, Koregaon Park, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13/4/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ganatra Hotels Pvt. Ltd. Ganatra Bhuvan, Walji Ladna Road, Mulund (W) Bombay-400 080.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT

Pune, the 6th April 1987

Ref. No JAC ACQ/CA-5/37EE/3960/1986-87.—
Whereas, I. ANJANI KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
preperty, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No
Land with buildings at S. No 132-A/2A/2/1 CTS. No
2687 Revenue Village Bhamburda, Sub Dist, Haveli Dist,
Pune situated at Pune
(and more fully described in the Schedule appeced hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqu. Range, Punc on 1st November 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislocated by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Mrs. Tara Gopalji Bhuta,
 Balkrishna, 44 Tılak Road,
 Santacruz (W) Bombay-400 054.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPI ANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 3713E/3960/1986-87 in the month of 1st Nov. 1986)

> ANJANI KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range Punc

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3/4/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT PUNE

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4568/86-87.—Whereas, I. ANJANJ KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 346, New 251/52 (Old) in Sindh Co-operative Housing 'society, Aundh, Pune. situated at Aundh, Pune. (and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range. Pune on 29th Nov 1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the

ronsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of hansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 D1. Narayan Panjoonal Saheta, and Dr. Kalidas G. Sahetya, Flut No. 3 & 7, Sukhsagar Building, 621 Khar Pali Road, Khar, Bombay.

(Transferor)

 (2) Mrs. Ranjana Bhushan upta, and Mrs. Shanti Devi S. Gupta,
 521 Sind Co-operative Housing Society Ltd., Aundh, Pune-7.

(Transferee)

Objections if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the JAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/4568/1986-87 in the month of 29th Nov. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Date: 6/4/1987

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) N K Pudumice 4 Naylor Road. Off Mangaldas Road, Punc.

(Transferor)

(2) M, s Pune Land Pvt. Ltd. 7 Moledina Road, Clover, Centre, Punc-1.

(Fransferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT PUNE

Pune, the 6th April 1987

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing CTS No. 4-1/1 and in the Registration District and Sub District at Pune situated at Naylor Road, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqu Range, Pune on 28th Nov 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other poison interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No 37EF/4517/1986-87 in the month of 28th Nov

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6/4/1987

FORM ITNS-

- (1) M/s. Pradyumna Steels Ltd.,
- (Transferor) (2) M s. Hindusthan Development Corporation Ltd,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV CALCUTIA

Calcutta, the 6th April 1987

Rel. No. AC-1/Acqn. R-IV/Cal-87-88, 08.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

situated at Mouza Bamunati, P.S. Serampore, Hooghly New Delhi in October 1986

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Serampote, on 29/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- 14, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 8.92 Acres with structures.

Address: Mouza-Bamuhari, P.S. Setampore, Dist. Hoohly.

Deed No: 3960 of 29-9-1986.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---43-126 GI/87

Date: 10-4-1987

Date:

(1) Sultan Ahmed & Ors.

(Transferor)

(2) Diamond Properties.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta-16, the 8th April 1987

Ref. No. AC-1/R-II/87-88.—Whereas, I. I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-and bearing No. 2 situated at C.I.T. Rd., Cal.

180, 2 Studied at C.I.1. Rd., Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and reistered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at R.A. Cal. under Registration No. I-12136 86 on 29-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2823 sft. on the 2nd floor of premises No. 2, C.I.T. Rd., scheme no. LVII(S) Cal. More particularly described in deed no. LI2136 86 registered by the R.A., cal. on 29-9-86.

I. K. GAYEN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafl Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 8-4-1987

Seal ·

(1) Mr. Surajit Ganguly,

(Transferor)

(2) M/s Multirise Towers Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta-16, the 30th March 1987

Rcf. No. AC-80 R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

No. 16 situated at Raja Santosh Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

No. 16 situated at Raja Santosh Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 3711-144 R-II cul/86-87 dated 26-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Bigha, 4 Cottah. (more or less) situated at 16 Raja Santosh Rd., Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/144/R/II cal/86-87 Registered by the Competent Authority on 26|9|1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Calcutta-700 016

Date: 30-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Miss. Ratna Ganguly.

(Transferor)

(2) M/s Multirise Towers Pvt. Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

alcutta-16, the 30th March 1987

Ref. No. Acq. <u>81/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,</u>

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 39 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 16 situated at Raja Santosh Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at at Calcutta on 26/9/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2B.4K. (more or less) situated at 16, Raja Santosh Road, Calcutta. More particularly described in deed no. 37EE/145/R-Il/cal/86-87 Registered by the Competent Authority on 26-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 30/9/1987

- (1) British Airways Public Ltd. Co.
- (Transferor)
- (2) Kanak Packaging Products Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 30th March 1987

Ref. No. AC-82 R-11/Cal/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 32 \(\). situated at New Road Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 371-1 150 'R-11/Cal 86-87 dated 26-9-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested i nthe said immove-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1th share in land and building measuring an area 19,5K. 7 ch. 32 sft. situated at 32A, New Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/150/R-11/cal. 86-87 registered by the Competent Authority on

1. K. GAYEN Competent Authority, Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 30-3-1987

- (1) British Airways Public Ltd. Co.
- (Transferor)
- (2) Kanak Investments Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 30th March 1987

Ref. No. AC-83/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value oxceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 32A, situated at New Road Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration No. 37EL/149/R-II/Cal/86-87 dated 26-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incopeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 4th share in land and building measuring an area 18.5K.7ch. 32 sft. situated at 32A, New Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/149/R-II/cal/86-87 registered by the Competent Authority on 26-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the "issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely:—

Date: 30-3-1987

Scal;

FORM ITNS .--

(1) British Airways Public Ltd. Co.

may be made in writing to the undersigned :---

- (Transferor)
- (2) Darshanlal Exports Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 30th March 1987

Ref. No. AC-84 R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the competent authority Under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. No. 32A, New Road Calcutta situated at New Road,

Calcutta.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 37FE 148, R-II/cal/86-87 dated 26-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein; as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULG

Undivided 1th share in land and building measuring an area of 1B.5K.7ch, 32 sft. situated at 32A, New Road, Cal. More particularly described in deed No. 37EE/148/R-II/Cal 86:87 registered by the Competent Authority on 26th September 1986.

> I. K. GAYFN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 30-3-1987

(1) M/s. Standard Chartered Bank.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s. The Assam Company (India) Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons wi hin a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Calcutta, the 30th March 1987

(b) by any other person intrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

AC-85/R-II/Cal/86-87.---Whereas, I, Ref. No. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. G/6/1 situated at Alipur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No. Deed No. I-11121 dated 2-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2500 sft. situated at G/6/1 Alipur Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I-11121 of 1986 Registered by the R.A. Calcutta on 2-9-1986.

I. K. GAYEN Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54. Rafi Ahmed Kıdwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons, namely :--

Date : 30-3-1987 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Ellenbarrie Properties Ltd.

('Fransferor)

(2) M/s. Narayan Prasad Kajaria & Or.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-11, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Ref. No. Ac-86 R-II/Cal/86-87.--Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding *Rs. 5,00,000/- and bearing No.

10 situated at Burdwan Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed nereio), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No. Deed No. 37EE/115/II/Cal/86-87 dated 2-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1952).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 44-126 GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1537 sft. premises No. 10, Burdwan Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. 37EE/115/R-II/Cal/86-87 registered by the Competent Authority on 2-9-1986.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 30-3-1987

FORM ITN9---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Ref. No. AC-87/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 98/NA, Block E situated at Nalini Ranjan Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No. Deed No. I-12272 dated 30-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :~

(1) Dr. Barid Baran Chatterjee.

(Transferor)

(2) M/9, S.A.C. Apartments Pvt. Ltd.

(Transferce)

(3) Dr. Ramial B. Lhila, Ground floor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7.44 cottah with two storeyed building at 98/NA, Block 'E', Nalini Ranjan Avenue, Calcutta. More particularly described in Deed No. 1-12272/86 registered by the R.A. Calcutta on 30-9-1986.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 30-3-1987

(1) Smt. Pushpa Bose.

(Transferor)

(2) M/s. A.V S. Enterprise.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Rel. No. AC-88/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immov-Rs. 5,00,000/- and bearing No. 23A situated at D.H. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule appears)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No Deed No. 37EF/147/R-II/Cal/86-87 dated 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Alea 3K 8Ch. 10Sft. Plot No. 574 Block 'N' (previously known as 23A, D.H. Road, New Alipur. More particularly described in Deed No. 37EE/147/R-II/Cal/86-87 registered by the Competent Authorty on 26-9-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority I specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.
> 54, Rafi Ahmed Kilwai Road, Calcutta-16

Date: 30-3-1987

(1) M/s. Bihar Agents Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Union Carbide India Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Ref. No. AC-89/R-11/Cal/86-87 -- Whereas, I.

I. K. GAYEN,

I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 8 situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed below), has been transferred and registered under the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No. Deed No. 37EE/151/R-II/Cal|86-87 dated 26-9-1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the naid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

THE ACHEDITE

2294 sft. on the 2nd floor of premises No. 8, Raja Santosh Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. 37EE/151/R-II/Cal/86-87 registered by the Competent Authority on 26-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Rel. No. AC-90/R-11/Cal/86-87.—Whereas, I, K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 5.00,000/- and bearing No. 8, situated at Raja santosh Rd. Cal.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in Competent Authority under Registration No. 37EE/112/R-11/Cal/86-87 dated 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Renox Commercial Ltd.

(Transferor)

(2) Sri Sri Sankar Jew (Diety).

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1981 sft. on thhe 6th floor of premises no. 8 Raja santosh Rd, Cal. more particularly described in deed no. 37EE/142/R-II/Cal/86-87 registered by the competent Authority on

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal.,-16.

Date: 30-3-1987

(1) Ellenbarrie Properties Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Shyama Devi Kajaria & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Ref. No. AC-91/R-II/Cal/86-87.—Whereas, 1, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 10, situated at Burdwan Rd, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration, Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 37EF/116/R-II/Cal/86-87 dated 2-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3110 sft. on the second floor of premises No. 10. Burdwan Rd, Cal. More particularly described in deed No. 37EE/116/ R-II/Cal/86-87 registered by the Competent Authority on 2-9-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal.,-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-3-1987

- (1) Accurate Investment Company Ltd.
- (Transferor)
- (2) A. J. Enterprises Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. CA-88|87-88|Sl.|1320/J.A.C.|Acqn.R-I/Cal.— I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) 17, situated at Ballygunge Park Road, Calcutta-19. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3N on 3rd floor admeasuring 3075 Sq. ft. at 17, Ballygung Park Road, Calcutta. Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I 12299 dated 30-9-86.

> J. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafl Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 10-4-1987

- (1) Accurate Investment Company Ltd.
- (Transferor)

(2) Kedarnath Saharia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2458/Acqn. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I,

1. R. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

17, situated at Ballygunge Park Road, Calcutta-19. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-86

for an apparent consideration which is less nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1S on 1st floor measuring 3750 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta-19. Registered before S.R.A., Calcutta., vide Deed No. I 1230 dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-4-1987

FORM ITNS

- (1) Accurate Investment Company Ltd.
- (Transferor)
- (2) Smt. Abha Himatsingka.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2459/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17. situated at Ballygunge Park Road, Calcutta-19. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at R.A. Calcutta on 27-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHILDULE

Flat No. 1N on 1st floor measuring 3075 Sq tt. at 17, Ballygunge Park Road, Cal-19. Registered before R. A., Cal., vide No. I 12078 dated 29-9-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutte 700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 45-126 GI/87

Date: 10-4-1987

(1) Accurate Investment Company Ltd.

(2) Smt. Asha Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CAI CUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2460/Acqn R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17, situated at Ballygunge Park Road, Calcutta-19, and the Calcutta-19 in the Calcutta-19 in the Calcutta-19.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta, on 29-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amons which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5S of northern side, 5th floor admeasuring 3750 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta, Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. I 12076 dated 29-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidw ii Road
Calcutta-700 016

Date: 10-4-1987

Scal ;

(1) Accurate Investment Company Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Manjusha Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2461/Acq. R-JII/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing

No. 17 situated at Ballygunge Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta on 29-9-86

R.A. Calcutta on 29-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than afteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arming from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

THE SHEDULE

Flat No. 4N on 4th floor admensuring 3075 Sq. ft at 17, Bullygunge Park Roud, Calcutta-19. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. I 12077 dated 29-9-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Calcutta 54, Rafi Abmed Kidwai Road, Čalcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 10-4 \$7

(1) Accurate Investment Company Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Kohinoor Tea Company Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. 2462/Acqn. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I,

I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 17 situated at Ballygunge Park Road, Calcutta

17 situated at Ballygunge Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4S on the southern side, 4th floor(admeasuring 3750 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. I 12298 dated 30-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inconne-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-87

FORM LIN' --- -

(1) M/s Arpce Properties Private Limited

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Goodrick Group Limited

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No 2463/Acq R 111/Cal/87-88 - Whereas, I, I K GAYEN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act, have reason to believe that the immov-

to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing 8C situated at Queens Paik, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at RA Calcutto on 13 9 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object truly stated in the said instrument of transfer with object of ·

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that super structure flat No 5B on 5th floor at 8C, Queens Park Calcutta Registered before RA Calcutta, vide Deed No I 11596 dated 13-9-86

I K GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date 10-4-87 Seal .

FORM I.T.N.S.-

(1) Rabindra Nath Bose,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) B. N. Apartments Private Limited.

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER O INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2464 / Acq. R-III / Cal /87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

137 situated at Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (46 of 1908) in the Office of the registering Officer at R.A., Calcutta on 30-9-86

for a apparant ensideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the premises No. 137, Shyana Prasad Mukherjee Road, Calcutta. Area 10 Cottabs 12 Chittaks 4 Sq. ft. Aegistered before R.A., Calcutta, vide Deed No. I 12266 dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act ? hereby initiate proceedings for the acquisition of the E'ormant property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellering persons, namely —

Date: 10-4-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2465/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7/1 situated at Chakraberia Road (North) Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been troughtered under the Paristration Act, 1908 (46 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at Acqn. R-III, Cal., vide 37FF/Acqn.R-I/384 on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfered to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Mr. Hiralal Minni,

Mrs. Bimala Minni,
 Mr. Sanjay Minni

(Transferor)

(2) 1. Mr. Rajendia Kr. Duggar,

2. Mrs. Manjula Duggar

3. Mrs. Gunwati Devi Dugar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A, measuring 2620 Sq. ft. at 7/1, Chakraberia Road. (North), Calcutta Registered before I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acqn. R-III/384 dated 30-9-86.

J. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutto-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-4-87

(1) Smt. Bharati Bhattacherjee.

(Transferor)

(2) Smt. Kanti Devi Saraff.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2466/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing No. 3 situated at Ironside Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and 'registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at R.A. Calcutta, on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed building with servant's & Durwan's quarter at 3, Ironside Road, Calcutta. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. 1 12236 dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 10-4-87

Seal

(1) Balaram Roy.

(2) Namiata Trading (P.) Ltd.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOURSI ION RANGE-III. CALCUITA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2467, Acqn. R-III / Cal / 87-88, -- Whereas, I I. K. GAYFN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No.

16 situated at Lee Road, Calcutta (tank moves fully described in the Schedule appeared beyond

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and egistered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at R.A., Calcutta, on 30-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transletor to pay tax under the waid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Figure 1 and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Single storeyed building, covered area (633,37 Sq. mtr. & total area 2003 9 Sq. mtr.) at 16, Lec Road, Calcutta, Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. 1 12291 dated

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54 Raft Abmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following escos ramely: --126 GI/87

Date: 10-4-87

(1) Balaram Rov

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Heilgers Development & Construction Company Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No. 2468/Acqn. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 18 situated at Lee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at R.A., Calcutta on 30-9-86

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforefor an apparent consideration which is Jess than the fair said exceeds the apparent consideration therefor by more han lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of

 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 trom the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed dwelling house at 18, Lee Road, Calcutta, Area 692.78 Sq. mtr. in both the floors. Registered before R A. Calcutta, vide Deed No. 1 12290 dated 30 9 86,

I. K. GAYEN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Colou to 54, Rafi Ahmed Kidwar Road Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 10-4-87 Sen I-

- (1) Carrit Moran & Co. Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Carrit Properties Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2469 / Acqn. R-III / Cal /87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing No.

5 situated at Dover Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta, on 16-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the uforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax nder the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 APTANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that premises No. 5, Dover Park, Calcutta. Area 17 Cottabs 11 Chittaks 20 Sq. ft. Registered before R.A., Calcutta vide Deed No. 1 11620 dated 16-9-86.

 K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-4-87

FORM ITNS----

(1) Arpee Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Bhagwati Prasad Kedia.

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2470/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I. I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

8C situated at Queens Park, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
R.A., Calcutta on 17-9-86

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A on 1st floor at 8C, Queens Park, Calcutta Regd. before R.A. Cal. vide deed No. I 11648 dt. 17-9-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-87

(1) Aspee Properties Private Limited.

(Transferor)

(2) Om Prakash Saharaia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2471/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, 1, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immov-

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8C situated at Queens Park, Calcutt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 12 of 1986.

for an appoint consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or thich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4B on 4th floor measuring covered area 138 66 Sq. mit., at 8C Queens Park, Calcutta. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No I 11541 dt. 12-9-86.

THE SCHEDULE

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, (alcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following representations. persons, namely :-

Date: 10-4-87-

FORM ITNS----

(1) Sri Ratanlal More.

(Transferor) (Transferce)

(2) M/s. Shice Titupati Projects Pvt. Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2472 Acq R-III/Cal/87-88.—Whereas, I. 1. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

85A situated at Leela Roy Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 28-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of setice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Cottahs 11 Chittaks 19 Sq. tt. being portion of premises No. 8 / 5A, Leela Roy Sarani, Calcutta. Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I 12111 dt. 28-9-86. Registered before

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 'persons, namely :---

Date: 10-4-87

FORM ITNS----

(1) Srj Naten Chand Suchauti & Ors.

(Transferor)

(2) Bimala Devi Bihani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUT FA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No 2473/Acqn.R-III/, Cal/87-88,--Whereas I. K. GAYFN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1964 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 111 sitated at Netaji Subhas Chandra Bose Road.

Calcutta.

(and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta, on 17-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Capter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: I'wo storeyed building at 111, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta. Area 18 Cottahs 12 Chittaks 16 Sft. Address: Registered before R A Cal. vide Deed No. 1 11664 dated 17-9-1986.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Dated: 10-4-1987

Scul:

(1) Sri Gopinath Sarkar.

(Transferor)

(2) Sri Sandeep Kumar Jhunjhunwalla

(Transferce)

SOLICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

HOVERNMENT OF INDIA

STEECH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2474/Acqn R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
2 situated at Baratto Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta, on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeved building together with land containing an area of 7 Cottahs 12 Chittaks 35 Sq. ft. at 2, Baratto Line, Calcutta Registered before RA, Cal. vide Deed No I 11883 dated 22-9-86.

I. K. GATEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Dated: 10-4-1987

(1) Prahlald Rat Khetawat

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Original Trading Co Itd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No 2475/Acqn R III/Cal/87-88 - Whereas, I, K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the limitov-action property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 19A situated at Saiat Bose Road, (alcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at RA Calcutta, on 20.0 % 30-9 ⁸⁶

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otticual Gazotta.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 24 Area 3400 Sq ft at 19A, Sarat Bose Road, Calcutta Registered before IAC, Acqn RIII, Calcutta, vide 37EF/RIII/371 dated 30-9 86

I K GAYEN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--47--126 GI/87

Dated · 10-4-1987

- (1) Miss. Subhra Dutt & Ors.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Mr. Manoi Mohan Ghosh.

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA
 - Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2476 Acqn.R-III/Cal/87-88.--Whereas, 1,

Ref. No. 2476 Acqn.R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 90 situated at Raja Basanta Roy Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule supposed beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta, on 29-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo able property within 45 days from the date of ti publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as as defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land with three storeyed building at 90, Raja Basanta Re Road, Calcutta. Registered before R.A., Calcutta, vic Deed No. I 12085 dated 29-9-86

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYE Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range-III, Calcut

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-4-1987

`----

FORM ITNS-

(1) Biswanath Pall & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2477/Acqn.R-III/Cal/87-88,—Whereas J, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 70D situated at Hindustan Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta, on 29-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent. consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) M/s. Yeshasvi Towers (P) Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area 670 Sq. ft. of land and 2004.78 Sq. ft. super built area of southern side on 2nd floor at 70D, Hindusthan Park, Calcutta. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. 1 12168 dated 29-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-4-1987

FORM I.T.N.S.--

(1) Mrs Samita Singhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Surya Kanta Mchia

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No 2478 Acqn R-III/Cal/86 87 - Whereas, J. I K GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing 48/1B situated at Leela Rai Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at RA Calcutta on 30 9 86

for an apparent considera ion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that picmises No 48/1B, Leela Roy Saiani, Calcutta Land measuring 11 Cottahs 4 Chittahs 6 Sq. ft. Registered before R.A. Cal vide Deed No I 12232 dated 30 9 86

1 K GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Calcutta

Dated 10-4-1987 Seal:

(1) Migma.

- (Transferor)
- (2) B. L. Sons Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2479/Acqn.R-III/Cal/87-88.— Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
20/1 situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. R-III on 30-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on Ground floor measuring 2100 Sq. ft. at 20/1, Ashutosh Chowdhury Avenue Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn.R-III, Cal., vide 37EE/Acqn,R-III/366 dated 30-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafii Ahmed Kidwai Road
Calutcta-700 016

Date: 10-4-1987

- (1) Samsen Developments Private Limited.
 - (Transferor)
 (2) M/s, Aravali Holdings Private Limited.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUITA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No. 2480/Acqn.R-III/Cal/87-88.— Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/5 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn.R-III, Calcutta on 13-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the appressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A on 10th floor at 2/5, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn.R-III, Cal., 37EE/R III/336 dated 13-9-1986.

L' K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date: 10-4-1987

(1) Smt. Anima Sengupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Orbit Towers Pvt, Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III *CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2481/Acqn.R-III/Cal/87-88.—
Whereas, I, I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing
No. 67 situated at Jatin Das Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C., Acqn.R-III, Calcutta on 13-9-1986
for apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration thorsefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--
 - (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that three storeyed brick built dwelling house at 67, Jatin Das Road, Calcutta. Area—7 Cottahs 5 Chittaks 29 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acqn.R-III, vide 37EE/R-III/335 dated 13-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Author.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calutcia-700 016

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10/4/1987

Scal;

- (1) 1 Raj Commercial Co.
 - 2. Lee Road Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gyaneshwar Prasad Agarwal & Ors,

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2482/Acqn.R-III/Cal/86-87.— Whereas, I. I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4 situated at Lee Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu.R-III on 22-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a superscript of the aforesaid property and I have reason to the superscript of the aforesaid property and I have reason to the superscript of the s

market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Flat No. GA on Ground floor at 4, Lee Road, measuring 4256 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acqn. R-III, Cal. vide 37EF/Acqn.R-III/285 dated 22-9-1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

L K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calutcta-700 016

Date: 10-4-1987

- (1) Accurate Investment Company Ltd.
- (Transferor)
- (2) Bagaria Apartments Private Limited.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2483/Acqn.R-III/Cal/87-88. — Whereas, I. I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

17 situated at Ballygunge Park Road Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal. on 30-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1937 (27 of 193);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3S of northern side, third floor, admeasuring 3750 Sq. it. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta-19, Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I-12300 dated 30-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Caluteta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
48—126 GI/87

Date: 10-4-1987

FORM ITNS----

- (1) Accurate Investment Company Ltd.
- (Transferor)
- (2) Ethelwold Estate Private Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2484/Acqn.R-III/Cal/87-88.—
Whereas, I, I, K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
17 situated at Ballygunge Park Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferre under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
R.A., Calcutta on 30 %-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair markst value of the property as aforesald.

said exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2N on the northern side, 2nd floor admeasuring 3.075 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta-19. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. I-12235 dated 30-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calutcta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pertens, memely:—

Date: 10-4-1987

(1) K. N. Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2)

(2) Sri Ashvinder Singh Sadana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2485/Acqn.R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 11A situated at Palm Avenue. Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
1.A.C., Acqn.R-III, Calcutta on 13-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5D on 5th floor measuring 1927 Sq. ft. of multistoreyed building at 11A, Palm Avenue, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn.R-III, Cal., vide 37EE/Acqn. R-III/340 dated 13-9-1986.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date: 10-4-1987

- (1) Lansdown Properties Ltd.
- (Transferor)
- (2) Rajendra Sethia (H.U.F.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2486/Acqn.R-III/Cal/87-88 --Whereas, I, I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'jaid Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C., Acqn.R-III, Calcutta on 13-9-1936
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesald
exceeds the apparent consideration therefor by more than

afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occultruly stated in the said insurance of

transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 6 on 2nd floor measuring 1564 Sq. ft. together with one car parking space at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn.R-III. Cal., vide 37EE/Acqn.Range-III/339 dated 13-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calutcta-700 016

Date: 10-4-1987

(1) Lansdown Properties Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rasiklal S. Doshi 2. Smt. Sarojini R. Doshi

3. Sri Dilip R. Doshi 4. Smt. Kalindi D. Doshi 5. Sri Parimal R. Doshi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2487/Acqn.R-III/Cal/87-88.— Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proceeding having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn.R-III, Calcutta on 13-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No 8 on 2nd floor measuring 1458 Sq. ft. at 2/6 Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqu. R-III, Cal., vide 37EE/Acqn.R-III/337 dated 13-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwal Road
Calutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1987

FORM I.T.N.S.—--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ret. No. 2488/Acqn.R-III/Cal/87-88.—
Whereas, J. I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
89 situated at Dr. Mechnath Saha Sarani, Calcutta 89 situated at Dr. Meghnath Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nripendra Nath Ganguly & Ors.

(Transferor)

- (2) I. Shri Sandeep Kmar Jhunjhunwaila,
 2. Shri Suresh Kumar Agarwal,
 3. Shri Binod Kumar Jalan,

4. Smt. Bimala Devi Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land containing an area 15 Cottahs 15 Chittaks 3 Sq. ft. together with single storeyed building at 89 Dr. Meghnath Saha Sarani, Calcutta Rebuilding at 89. Meghnath Saha Sarani, Calcutta Registered 11-9-1986.

> L K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Caluteta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1987

FORM ITNS

(1) Biswanath Pall & Ors

(Transferor)

(2) M/s Yeshasvi Towers (P) Ltd

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No 2489/Acqn R-III/Cal/87-88—
Whereas, I, I K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/ and bearing No
70D situated at Hindustan Park, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registering Officer at
SRA, Cal on 299-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the sald
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 670 Sq ft & super built area 2004.78 Sq. ft. of southern side on 1st floor at 70D, Hindusthan Park, Cal. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No I-12169 dated 29-9-1986

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calutcta-700 016

Date: 10-4-1987

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Biswanath Pall & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Yeshasvi Towers (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGÉ-III CALCUITA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2490/Acqn.R-III/Cal/87-88.— Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 70D situated at Hindusthan Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Calcutta on 29-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area 670 Sq. ft. of land & 2004.78 Sq. ft. sper built area of Northern side on 1st floor at 70D, Hindusthan Park, Calcutta. Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I-12170 dated 29-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1987

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR) 31, G. N. CHETLY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 6th May 1987

Ref. No. 11/Sep.86.—Whereas, I, A. R. REDDÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing S. Nos. 29/1, 29/24, 29/2, 29/4, 30, 31, 33, 31 and 35.

situated at Sommaguppam village Cuddatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore Doc Nos. 1929 to 1932, 1934 & 1939 in Septem-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta provided by the parties have now been truly extend in the consideration. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

(1) Sri N. Ganesamurthy & Others. Poondiankuppam, Cuddalore Taluk.

(Transferor)

(2) M/s. Peroxides India Ltd., 8, Cathedral Road, Madras-86.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in S. Nos. 29/1, 29/2A, 29/2, 29/4, 30, 31, 33 24 & 35 Sommanguppam village Cuddalore.

(Cuddalore Doc Nos. 1929 to 1932, 1934 & 1939/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Madras-600 006

Date : 6-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GCIVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR) 31, G. N CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 6th May 1987

Ref. No. 33/Sep/86.—Whereas, 1, Λ . R. REDDY,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred movable property, having a fair market value exceeding to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1.00,000/- and bearing No. 267 "ABBOTSURY" Mount Road Madras situated at Madras

Madras

Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras Central Doc No. 1309/86 on September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transf with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Sri Sathya Sai Central Trust, Prasanthi Nilayam Ananthapur District (A.P.) 515134.

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Constructions Private Ltd., 9, Bazullah Road, T. Nagar Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 267, "ABBOTSBURY" Mount Road, Madras. (Madras Central Doc No. 1309/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 6th May 1987

Ref. No. 1/Sep/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 4/139, South Street West C.I.T. Nagar situated at Madias

4/139, South Street West C.I.T. Nagar situated at Madias (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registration Act. 1906 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet Doc No 3000/86 of September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Ircome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jayanthi,
72, 145th Main Road,
2nd Stage 2 phase west of Chord Road,
Bangaloe-86.

(Transferor)

(2) Smt. Janaki Ramachandran, M.G.R. Gardens Ramavaram, Madras-89.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 4/139. South Street West C.I.T. Nagar, Madras (Saidapet Doc No. 3000/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 6-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269®(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Madras-6.

(1) M/s. Khivaraj Motors Ltd. rep. by its Director Sri Devaraj Chordia, 623, Anna Salai,

(2) Sri K. A. Sulaiman, 10, Ist Avenue, Indira Nagar, Madras-20.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 6th May 1987

Ref. No. 9/Scp/86.-Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Amhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 477 & 482 Mount Road, Nandanam Madras-32 situated at

Madras

Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1961 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Madras South Doc No. 3015/86 on September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 477 & 482 Mount Road. Nandanam, Madras, (Madras South Doc No. 3015/86).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (110f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-5-1987

(1) Sri P. V. Kamalakumar & another, Poonding Kuppam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Urothanes India Ltd., 8, Cathodral Road, Madras-86.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 12, Sept.86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. Nos 35, 37 to 40/2 and 47/2 Sommanguppam
situated at Village Cuddalore Taluk South Arcot Dstrict
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Cuddalore Doc. No. 1935. & 1936 on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. Nos. 35, 37 to 40/2 and 47/2 Sommanguppam Village Cuddalore Taluk South Arcot Dist. (Cuddalore Doc. Nos. 1935 & 1936/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-60006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-5-1987

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 16/Sep. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 6, Frst Street, Vijayaraghava Road, T. Nagar, Madras-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1382/86 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Rukmabai Loganathan & 4 others,
 Thirumalai Road, II Street, T. Nagar,
 Madras-17.
- M/s. D. R. Constructions, Prop. Sri K. Dhanjaya Reddy, 12, Basheet Ahmed Road, Madras-18.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 6, First Street, Vijayaraghava Road, T. Nagar. Madras-17. (T. Nagar Doc. No. 1382/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 1-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II,
> "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
> 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

> > Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 28/Sep.'86.—Whereas, I. A. R. REDDY,

with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the importance of the said Act. mevable property having a feir market value exce Rs. 1,00,000/- and bearing No. 477 & 482 Mount Road Nandan situated at Madras-35 fair market value exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madias South Doc. No. 3016/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s, Khivaraj Motors Ltd., By its Director Sri Devaraj Chordia, 623, Anna Salai, Madras-6.

(Transferor)

(2) Mr. N. M. Assina No. 10, 1st Avenue, Indira Nagar, Madras-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bulding at No. 477 & 482 Mount Road, Nandanam. Madras. (Madras South Doc. No. 3016/86)

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 30-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR).
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 31/Sep.'86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

19, Cathedral Garden Road, Madias-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1288/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Mrs. Akhtar Fathima Begam and Others, No. 10/12/287/5 Mohor Cottage, Opp. Police Quarters Building, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Sterling Electronics P. Ltd., 19, Cathedral Gardon Road, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the ecquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons. shishever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Biulding at No. 19, Cathedral Garden Road. (Madras Central Doc. No. 1288/86)

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600006

Date: 30-4-1987

SHU:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, "SIVASAKTHI BUILDING" (II FI OOR), 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madra -17, the 30th April 1987

Ref. No. 32/Sept.'86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No

501, Mount Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (entral Doc. No. 1166/86 or September 1936 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:---50-126 GI /87

(1) Sri A. J. Jalaludeen, 1/76 Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

 (2) Sri A. Kothandarama Reddy and another,
 22 Yagambal Street, T. Nagar,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site No. 501. Mount Road, Madras. (Madras Central Doc. No. 1166/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 30-4-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 34/Sep. 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under sec. 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000,- and bearing No.
16. Whites Road, Madras situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Madras Central Doc. No. 1338/86 on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more
than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween he paries has not
been truly stated in the instrument of transfer with the object
of:——

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Sathya Sai Trust (Tamil Nadu), Resp. Sri G K. Damodar Row, Moore Street, Madras.

(Transferor)

 Sri Mahendarchand & Others 11, Resary Church Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buildng at No. 16, Whites Road, Madras. (Madras Central Doc. No. 1338/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione rof Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kum Kum S. Patel, 12, Jagadmbal Street, Madras-17.

(Transferor)

Mrs. Amila N. Shah & Others 8, T. P. Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 35/Sep.'86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 109, No. 8, Thirumalai Pillai Road, R. Nagar

Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1590/86 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land and Biulding at Block No. 109 No. 8, Triumalai Pilai Road, Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 1590/86)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Rajakumati Jagge, 83, G.N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) A. Arunmohi and another, Ramachandra Puram, Srivilliputhur. Kamarajar District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR), 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

> > Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 36/Scp.'86.-Whereas, I.

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 83, G.N. Chetty Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1520 & 1521/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Land and Building at No 83, G.N. Chetty Road, Madras-

(Thousandlights Doc. No. 1521/86)

A. R. REDDY Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-5-1987

were war see the second FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR), 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 38/Sep.'86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

A. K. REDDY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 636, Mount Road and No. 6, Aziz Mulk 5th Street situated at Thousandlights, Madras (and more fully described in the School of the School of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 497/86 on September 1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :---

(1) Sri K. M. Mohideen, 636. Mount Road. Thounsandlights, Madras.

(Transferor)

(2) Sri Habeeb Mohamed Siddique and another 41, Muthumani Chetty Street, Madras-1. Sr Syed Abdul Huq and another 63, D. Devaraja Mudali Street, Park Town, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by and other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 636 Annasalai and No. 6, Aziz Mulk 5th Street, Thousandlights Madras, (Thousandlights Doc. No. 497/86)

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600006

Date: 1-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 40/Sep. 86.—Whereas, I, A. R. REDDÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

155, Kodambakkam High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No 468/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Razia Nazir & Others 8/32 Delhi Avenue, Madras-36.

(Transferor)

(2) Mohamed Hassan & Others, 288 Kader Nawakhan Street, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No 155 Kodambakkam High Road. (Thousandlights Doc. No. 468/86)

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 1-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR), 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 41/Sep.'86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

14, First Street, Dr. Thirumurthy

Nagar, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 472/86 on September, '986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Rahmath Aliya & M/s. Sabiha Trust, 25, Krishnamachari Road, Madras-34.

(Transferce)

(2) M/s. Zayeem Trust, 4-C Skylark Apartments, Rutlandgate 5th Street,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persens within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 14, Second Street, Dr. Thirumurthy Nagar, Madras. (Thousandlights Doc. No. 472/86)

> A. R. REDDY Competent Authorn Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 1-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR), 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

> > Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 42/Sep.'86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃. 1,00,000/- and bearing 16, Walace Garden 1st Street.

Nungambekkam Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc No 475, 86 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. K. Paramandandi Bai 16, Wallace Garden 1st Street, Nungambakkam, Madras.

(Transferor)

(2) Sadhak Hameed Thaika and others, 27, Nageswara Iyer Road, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a region of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 16, Wallace Garden 1st Street, Nungambakkam, Madras.

(Thousandlihts Doc. No. 475/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely :--

)atc : 1-5-1987 Seal:

FORM I.T.N S .-- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II "SIVASAKTHI BUILDING" (HND FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the Lit May 1987

Ref No. 43/Sep. 86.--Whereas, I, A. R. REDDY,

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing No.
R. S. No. 2936 5 Triplicane High Road, situated at Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registrating Officer at 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane Doc No. 891/86 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth as Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

51-126 GI /87

(1) Sri I. K. S. Gani, 176, Periakadai Veedhi, Combatore Town.

(Transferor)

(2) Sri S. S. Marwah, R-841, New Rajendia Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perlod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective acrons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exclanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 5, Asuddin Khan Bahadur Street, Triplicane Madra - 5. (Triplicane Doc. No. 891/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Asistan, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 005

Date: 1-5-1987

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I! "SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR) 31, G. N. CHFTTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 1st May 1987

Ref. No. 44/Sep.'86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 2, Kadar Nawazkhan Road, situated at Madras

2, Kadar Nawazkian Road, Sittated at Madras (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been (tansferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 81/87 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) vacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Dr. E. Somesekhar, Dr. E. Somesekhar, 4-C Tangy Apartment, 34, Victoria Cresecent Road, Madras-8.

(Transferor)

(2) M/s Chaitanya Builders and Lea ing (P.) Ltd., 15, Khadar Nawazhan Road, Madras-5. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 12, Kadar Nawazhan Road, Madras. (Thousa ND Lights Doc. No 81/87).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Maduas-600 006

Date: 1-5-1987

FORM NO. 1.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Ref. No. 2/Sep. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00.0007 and bearing No. Block No. 15, T S. No. 6 & 7 (part) situated at Velacherii

Village Madras

(and mole fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Ocer at efficer at Saidapet Doc. No. 1068 '86 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) A. G. Krishnan & Suraja C. Kurup, 7. Tank Bund Road, Nungambakkam Madras-34.
- (Transferor) (2) M/s. Bhupati Investment & Finance (P.) Ltd., 5th Floor Church Gate, Bombay-400 020. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a criod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Block No. 15, Velacherri village Madras, Saidapet Doc. No. 1068/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-4-87

FURM LINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN1 COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGL-!I "SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 22nd April 1987

Ref. No. 18/Sept. 86.—Whereas, I,
A. R. RFDDY,
being the Completent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,0000H and bearing No.
9. Padmanabhan Street, T. Nagar situated at Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registration Which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Sri P. C. Gajapathy & Others,
 Padmanabhan Street,
 T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

 Smt. S. Mohana Santhanam, 16, Rangan Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 29, Padmanabhan Street, T. Nagar, Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 1479/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Asistant Commissioner of ha one-tax
Acquisition Range-II, Mad a 600 000

Date: 22-4-1987

FORM 1.1.N.5 ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (UND FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, F. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Ref No. 19/Sep. '86.-Whereas, I,

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 10 1,000/- and bearing No.

14, 15 1 South West Boog Road, T. Nagar situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Reistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at T. Navar Doc. No. 1303 & 1304, 86 on September 86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) B Rajeswiiiamma, 14, bouth West Boag Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Ajai Bai, 5, Venkutnarayana Road, T. Nagar Madras17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 14, 15/1, South West Boag Road, T. Nagar Madras-17, (T. Nagar Doc. No. 1303 & 1304/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 28-4-87

FORM I.1.N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dr. G. R. Krishnammah, Umamalai Ammal Street, Nagai Madias-17.

(Transferor)

(2) Mrs. G. Rajakumari, 57, V. S. Mudalı Street, baidapet, Madras-15.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGL-IJ

"SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR)

31. G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madias, the 28th April 1987

Ref. No. 20 Sep. 36. -Whereas, 1, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

its. 1,00,000 - and bearing No.
32, Umamalai Animal Street, situated at T. Nogar Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at F. Nagar Doc. No. 1344 86 on September 1986

1. Nagar Doc. No. 1344 86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than a fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 32, Unnamalai Ammal Street, T. Nagar Madras-17. (T. Nagar Doc. No. 1344/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisation Range-II, Madras-600 005

Now, there's re, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-4-87

FORM 1.T.N.S. -----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THF INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Ref. No. 23/Sep 86 - Whereas, I. 'A. R. RFDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00,000/- and bearing No. 75. Lloyds Road, Raoyanattah situated at Madras-14. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore Doc No 1579 86 on September 1986 Mylarote Doc No 15,9 % on september 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of number with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) bri & Altaf Ahmed, 315, Hoyds Road, Royapettah Madra -11, (Transferor)
- (2) V A. J. Foolhe and Others, 75, Lloyds Road, Madras-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at No 75, Lloyds Road, Rayapettah Madras-14. (Mylapore Doc No. 1579/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date , 28 4-87 Seal:

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. N. Lakashmi Ammal, Gordhana Singh Street, Madras-14.

(Transferor)

(2) Smt. Bhanumathi Sundaramon, 198 Mary'i Road, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (IPND FLOOR)
31, G. N. CHLITY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 22nd April 1987

Ref. No. 25/Sep. 86.—Whereas, I,
A. R. RFDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
25, Abhitimanipuram III Street, situated at Madris-18
(and more fully described in the 'schedule annexed hereto),
has been registered under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Mylapore Doc. No. 1618 86 on Sep. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
minket value of the aforesaid property and I have reason to
believe hat the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such 'ransfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gaze to or a p riod of 30 days from the service of notice on the respect ve persons, variebever period expires 42.2.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facili'ating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 25, Abhiramapuram III Street Madras-18.
(Mylapore Doc No 1618/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269t of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 22-4-1987

FORM J.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11
"SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, F. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Ref. No 27/Sep 86.-Whereas, I.

A R. REDDÝ,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertyhaving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

8, Thiruveedhi Amman Street, situated at Ramakushna Nagai

Madras-4

Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office) at Mylapore Doc No. 1521 (86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1972). 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parametry:—

52—126 Gt/87

(1) Smt. Janaki Ammal 8, Thauveedhi Amman Street, Ramakushna Nagai Mylapore Madras.

(Transferor

(2) Sii Sheik laffar & Anothers, 13, Muthu Pandian Avenue, Sinthome High Road, Mylapore Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 8, Thirttveedhi Amman Street, Ramakriehna Nagar, Madras-4. (Mylapore Doc. No. 1521/86).

A. R. REDDY Compatent Authority Inspecting Asisant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Modr s-600 006

Date: 28-4-87

Soal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 22nd April 1987

Rel. No. 29/Sep. '86.-Whereas, L. A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 457 (W) Indira Nagar situated at Tituvanmiyui

Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 3168/86 on Sep. 1986 for an arparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property are given in

market value of the allocated property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the nartles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. K. Raman & Sri K. G. Venkateswaran, 7, First Trust Street, Madras-28.

(Transferor)

(2) 3mt. Sundari Padmanabhan, No. 29, Radhakrishnan Salai, Mylapore Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 457 (W) Indira Nagar. Thiruvanmiyur village Madras.

(Madras South Doc. No. 3168/86).

A R. REDDY Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madias 600 005

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-4-1987

FORM IT.N S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR)
31, G N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Ref. No. 30/Sep. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 19 & 20 Thiruvanmiyur Village situated at (14)

Madras

Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 3259/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Smt. H. Santakumari. 46-14-9, Danavaipota, Rajahmundry, East Godavari Dt., A.P. 533103.

(Transferor)

(2) Sii A. S. Raviprakash, 63, 4th Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at No. 140 (Plot No. 19 & 20) Thiruvanmiyur Madras (Madras South Doc. No. 3259/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 28-4-87

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW** DELHI

New Deihi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37G/9-85/192.---Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-545. Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Major S. S. Mundi alias Major Swaran Singh r/o Village Schora, Tehsil Bilaspur District Rampur (UP). at present S-545, Greater Kailash-II, New Delhi thro Attorney S. Harchand Singh. (Transferor)
- (2) Kumari Surjit Kaur d/o S. Gajjan Singh and Kumari Nimarat Mundi d/o S. Harchand Sin r/o Schora Tchsil Bilaspur, Rampur (UP). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. S-545, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 570 sq. yds. covered area 1800 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-5-87 Seal:

FORM ITHE

1.47) TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT (OMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/9-86/166.—Whereas, I.V. k. MANGOTR 4. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 5,00,000/- and bearing No.
S-62, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Wajidsons Exports Ltd. thro' its Dir. Sh. Abdul Qadir, S/o Sh. Abdul Wajid, D-8, Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferor)

 (2) (1) Sh. Bimal Kishore Jain, (2) Mi. Rita Jain,
 (3) Mrs. Kavita Jain, (4) Mrs. Daizy Jain
 ill r/o 1490, Kucha Seth, Dariba Kalan, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. S-62, Greater Kailash-II, New Delhi-48. Measuring 300 sq. yds.

V. K. MANGOTRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-5-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/9-86/190,—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. S-189, Greater Kailash-II. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparator provideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

 M/s Gabriel Garments (P) Ltd., S-14, Gfeater Kailash-II, thro its Director Sh. W. N. Sawhney, S/o R. D. Sawhney, New Delhi.

(Transferor)

Shri Jai Narain Gupta,
 2985, Kucha Mai Dass Bazar Sita Ram,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat. Portion out of building built on plot No. 189, Block 'S' measuring total area 300 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-87

SenI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. $(Acq)/R-V\Pi/37-G/9-86$.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

1, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. S-474, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act

has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as negreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Inderjit Singh thro' General Attorney Shiv Prasad Mittal, W-106, Greater Kailash-II, New Delhi

(Transferor)

(2) Ganapati Exports Ltd., thro' S. Ghosh, G-30, Masjit Moth, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be useds in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-474, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Agaival House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-5-87

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/9-86/157.- -Whereas,

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/3/-G/9-86/13/.- -whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

S-515, (rear portion of ground floor) Greater Kailash-II. situated at New Delhi

transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act

has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of im-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Saroj Chadha w/o Jai Ram Chadha r/o Kesai Service Station G.T. Road, Jullundur thro' attorney Ashwa ii Khurana (Transferor)
- (2) Mis. Meenakshi Puir w/o Ashok Puir 1/0 36, Sheikh Sarai, New Delhi.

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion on ground floor of property No. S-515, measuring 550 sq.yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhl-1

Date : 11-5-1987 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37G/9-86/159.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. S-515, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of :—

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---53 -126 GT/87

(1) Smt. Saroj Chadha w/o Sh. Jai Ram Chadha r/o Kesar Service Station G.T. Road, Jullundur thro' attorney Ashwini Khurana.

(Transferor)

(2) Chander Prakash Bhatia, 41. Sailesh Linking Road, Santacruz West Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of ground floor portion of property No. S-515, measuring 550 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-37 Scal .

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVÉRNMENT OF INDIA

(1) Smt. Saroj Chadha w/o Jai Ram Chadha r/o Kesar Service Station G.T. Road, Jullundur thro' attorney Ashwini Khurara.

(Transferor)

(2) Mrs. Alka Pathak w/o Sh. Keshav Pathak, Mr. Keshav Pathak s/o Lt. Col.. Mahanand Pathak (Retd) 14, Sirifort Road. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL JIOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/156.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 48 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. \$-515 (Rear portion) Greater Kailash-II situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section registered under Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986

September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion on first floor of property No. S-515, measuring 550 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-5-87

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Saroj Chadha, Kesar Service Station G.T. Road, Jullundur, thro' attorney Ashwini Khurana.

(Transferor)

(2) Shri Madhav Pathak, 14, Sirifort Road, New Delhi.

(Transferoi)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/193.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS. 1,00,000/- and bearing No.

S-515. Greater Kailash-II situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered and has been registered under the
registered under Registeration Act 1908 (16 of 1908) in
the Office of the registering Officer at New Delhi in
September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion on second floor of property No. S-515, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf All Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-87

eal:

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/164.—Whereas,

I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-250, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 registered under Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Rupinder Kaur, A-202, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

Mrs. Shakuntala Nayar,
 Sardar Patel Marg, Cantonment, Lucknow-226 002.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor unit of property No. S-250, Greater Kailash-II, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-5-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/134.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-462, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Penistration Act

has been transferred and registered under Registration Act registered under Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986

September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. Malabika Roy Chowdhury, S-462, Greater Kailash-II, New Delhi.
- (Transferor) (2) Shri Dinesh Bahl and Mrs. Anu Bahl, 32, Hemjunt, New Delhi.

(Transferor)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property \$-462, Greater Kailash-II, New Delhi plot area 550 sq. yds. covered area 3250 .38 sq. ft. Date: 11-5-87

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-VIT

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dolhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/160 — Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. S-464, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, registered under Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income #4 any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1937 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Malhan Builders.
 E-588 Greater Kailash-II,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Bathla, S-254, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if early, so the nequilities of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One room measuring 10' x 15' on the first floor and open terrace of the building No. S-464, Greater Kallash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Rond, New Defini

Date: 11-5-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/9-86/202.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S-175, Greater Kailash-II, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under Registeration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi
in September 1986
September 1986

September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2 69D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Mrs. Krishna Verma W/o late Harbans Lal Verma r/o 26 Stanford Avenue, Wood Green London- N-22 (2) Rajiv Verma (3) Sunil Verma (4) Mrs. Scema Mehta.

(Transferor)

(2) M/s Kulpana Properties and Finance Pvt. Ltd., E-316, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-175, Greater Kailash-II, New Delhi. Measuring 300 sq. yds.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-5-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/129.— Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-171, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Master Aman Nagrath thro' general attorney Satish Seth, R/o G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Span Estates Pvt. 1.td., K-4, Green part Extn., New Delhi thro' its attorney Shri R. K. Maggaon S/o Shri R. L. Maggaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the abresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. S-171, measuring 298 sq. yds., Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
cting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Reme-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-5-1987

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hari Har Lal Seth, R/o S-315, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/174.-Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Plot No. S-315, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly etaled in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facililitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which could be disclosed by the transferes for s surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax aut, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---54--126 GI/87

(2) Shri Rajesh Kapoor, R/o W-112, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are d in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-315, Greater Kailash-II, New Delhi, Block 'S', approx area 1620 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road. New Delhi-1

Date: 11-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/132.— Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. S-89, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now ther force, in pursuance of Section 269C of the said et. (herefy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

- (1) Shri Mohindra Pal Khanna and Mrs. Neelam Khanna, both R/o Greater Kailash-II, New Delhi-48.
- (Transferor)
- (2) Shri Sanjay Pershad, R/o 51, Friends Colony East, Mathuura Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Measuring 300 sq. yds., built up comprising of 3 bed rooms with 2 attached bath rooms, 1 drg-cum-dining room, one kitcher, one store, drive-way with covered parking, front lawn and back court-yard on the ground floor, one bed room on the meza floor having access from the dining-cum-drawing room through staircase one separate staircase for 1st floor, one room & an open bath W.C. & terrace on the first floor.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Gabriel Garments Pvt. Ltd., S-14, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis Kiran Kumari Jain W/o late Sital Piasad Jain, R/o A3/89, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/128.— Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-189, Greater kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

First floor of property No. S-189, measuring 300 sq. yds., Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said A ct, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1987

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Om Parkash Handa, R/o E-319, Greater Kailash-II, New Delhi-110 048.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Veena Gupta,
2. Smt. Madhu Gupta, R/o
57, Darya Ganj, New Delhi-110 002.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/161.— Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 511, Block 'S' Grenter Kailash-II situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 511 in Block 'S' measuring 550 sq. vds. in the residential colony Greater Kailash-II, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-5-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAMGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37(r/9-86/165,—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competant Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plot No. S-571, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rakesh Kapur and M/s. Naraind Kapur (HUF) thro' Naraind Kapur, R/o 163, Golf Link, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri L. N. Jaggi and Smt. Neelam Sarna, R/o Lal Mandi, Srinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-571, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOIRA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tai: Acquisition Range-VI I Aggarwal House: 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Sneh Dutt, R/o S-148, Greater Kailash-II. New Delhi.

(2) Shri Gurpreet Singh, R/o 89, Anund Lok, New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/206.— Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-148, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Au, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that the part.

THE SCHEDULE

Second floor of property No. S-148, Greater Kuilash, New Delhi. Measuring 306 sq. yds.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal Flouse 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Date: 11-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/189.— Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-148. Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and 'registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, camely :---

(1) Mrs. Sneh Dutt W/o Late Shri A. K. Dutt, R/o S-148, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raminder Singh S/o late S. Durlab Singh, R/o 89, Anand Lok. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULR

S-148, Greater Kailash-II (First floor), New Delhi, measuring 306 sq. yds.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority
> Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Alı Road, New Delhi-1

Date: 11-5-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37EE/9-96/221.—
Whereas, I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 5,00.000/- and bearing No.
Flat No. 1004, 13 Tolstoy Marg situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and has been registered with the Com-

has been transfered and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the l.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sarvshri Ajit Singh Duggal, Premjit Singh Duggal and Inderjit Singh Duggal, R/o B-15, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohanjit_Singh, R/o 11, Mathura Road, New Delhi-110014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office flat No. 1004 measuring 696 sq. ft. on 10th floor in 'Mohan Dev', Building 13, Tolstoy Marg, New Delhi (under construction).

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pertone, namely

Date: 11-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37EE/9-86.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 117, 7 Tolstoy Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I T Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay ten under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
55—126 GI/87

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16-KG Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumari Shweta Ansal, U/G Shri Gopal Ansal, R/o 57-Jor Bagh, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 117 in 7 Tolstoy Marg, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date 11-5-1987

Scal:

कार करवार्यः वर्षेत्र

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37EE/9-86/211.— Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a few market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 138, No. 5 Bhikaji Cama Place situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the survice has not oven truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, natively :---

- (1) Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Dalmia Cement (Bharat) Ltd., 11th Floor, 15, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ed 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 138 on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Area 336 sq. ft. approx.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Date: 11-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dalmia Cement (Bharat) Ltd., 11th Floor, 15, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAMGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ret. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37EE/9-86/213.— Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 137B, 5, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and has been registered with the Com-

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen percent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957.(27 of 1957);

Shop No. 137B on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

THE SCHEDULE

Area 191 sq. ft. approx.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VIB
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-5-1987

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesakl property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Som Datt Builders (P) Ltd.,
 Community Centre, East of Kailash,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd., 11th floor, 15 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11h May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/216.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Shop No. 137A, 5 Bhikaji Cama Place, situated at New

has been transfered and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act. 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

in September, 1986,

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of ,30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 137A on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Area 236 sq. ft. approx.

'(V. K. MANGOTRA)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely:—

Date: 11-5-87.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq.)/R-VII/37EE/9-86/215.--Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 51,00,000/- and bearing No. Shop No. 137.5 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi

in September, 1986,

in september, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said increases of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfero and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd., 11th floor, 15, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 137 (1 floor) in No. 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Area 130 sq. ft. approx.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Aii Road, New Delhi-1.

Date: 11-5-87.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/217.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 136A, 5 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi,

(and more fully described in the scheduled below).

annexed hereto

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi

in September, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd., 11th floor, 15, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 136A on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Area 118 sq. ft. approx.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1.

Date: 11-5-87. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/210.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shoj No. 136 on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place,

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in September, 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the jesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd., 11th floor, 15, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 136 on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Area 163 sq. ft. approx.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asuf Al: Roud, New Dolhi-1.

Date: 11-5-87.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11h May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/260.—Whereas, J. V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Shop No. 139, 1st Floor No. 5, Bhikaji Cama Place, situated

at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority in September, 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitaing the concealment of any icome or any of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (a) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

(1) Shri J. B. Martin. A-1/230, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(?) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd., 11th floor, 15, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 139 on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

> (V. K. MANGOTRA) Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-5-87.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11h May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/10-86/287.—Whereus, I, V. K. MANGOTRA,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. UCF-8, No. 4, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at in October 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as nforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—126 GI/87

(1) M/s. Rajdhani Builders (Prop. Mohte In. Ltd.), 13-14, floor, Alma Ram House, 1-Tolstoy Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

 M/s. Neel International, Suite B-308, 309, Som Datta Chamber-I, 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-8 No. 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi Area 352 sq. ft.

> (V. K. MANGOTRA) Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Alı Road, New Dolhi 1

Date: 11-5.87.

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAI, HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/10-86/259.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 208, Plot No. 4, Bhikaji Cama Place, situated at

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

in October 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the restrict has not been trained in the soid between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Parvati Mamtani B-5/131, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Em & Em Associates, Flat No. 208, Plot No. 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, Plot No. 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

(V. K. MANGOTRA)
V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Acquisition Range VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said At I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-5-87.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/224.—Whereas, J. V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 113, first floor at plot No. 4, situated at Bhikaji Cama Place New Delh.

Cama Place, New Delhi,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Rajdhani Builders, Prop. Mohta Industries Ltd. Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmhia Cement (Bharat) Ltd. 11th & 12th floors, Hansalaya, 15, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 113, first floor at plot No. 4, Bhikaji Cama Place New Delhi-66.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII
> Aggarwal House,
> 4/14-A, Asaf Ali Road,
> New Delhi-1.

Date: 11-5-87,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/223.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immyvable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Shop No. Upper Ground-14, at Plot No. 4, situated at Binkaji

Shop No. Opper Gound-14, at 191 No. 4, situated at Bankaji Cama Place, New Delhi-66,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera ion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weilth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Rajdhani Builders, Prop. Mohta Industries Ltd. Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd. 11th & 12th floors, Hansalaya, 15, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet'e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. Upper Ground-14, at plot No. 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1.

Date: 11-5-87. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/225.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

v. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Shop No 114, first floor, No. 4 Bhikaji Cama Place, situated

at New Delin,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

ın September, 1986, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) M/s. Raidhani Builders, Prop. Mohta Industries Ltd. Atma Ram House, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd. 11th & 12th floors, Hansalaya, 15, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 114 first floor at plot No. 4 Bhikaji Cama Place, New Dclhi-66.

V. K. MANGOTRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-5-87.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/234.--Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeds Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. Λ-210, 3 Bhikaji Cama Place, situated at New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195' (27 of 1957);

(1) M/s. Samyukta Bharat Housing Development Corporation Pvt. Ltd. 553, Joshi Road New Delhi-110 005.

(Transferor)

(2) M/s. Madras Cements Ltd., Shop 'C' Front Portion, Sagar Apartments, 6, Tilak Marg, New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial flat No. A-210 in Ansal Chambers-I at 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice office sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 11-5-87.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Samyukta Bharat Housing Development Corporation Pvt. Ltd.
 553, Joshi Road, New Delhi-110 005.

(Transferor)

(2) M/s. Madras Cements Itd., Shop 'C' Front Portion, Sagar Apartments, 6, Tilak Marg, New Delhi-110 001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,

AGGARWAL HOUSE,

4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/261.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Commercial flats Nos A-206 & A-208 in Ansal Chambers-I at 3 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meansys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial flats Nos. A-206 & A-208 in Apsal Chambers-I at 3 Bhikaji Cama Place, New Delhii

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Date: 11-5-87.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-85/227.—
Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. S-553, Greater Kailash-II, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Living point Construction Company, Suite No., Dakishineshwar, 10, Hailey Road, New Delhi thro' its proprietor Mr. Uday Singh. (Transferor)
- (2) Mrs. Niroo Gupta, 309, Prakash Street, Teliwara, Delhi-6 thro' her general power of attorney Sh. Ram Kumat Garg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8 share of land of property No. S-553, Greater Kailash-II, measuring 1001 sq. yds. G.F. Front flat with lawn.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi-3

Date: 11-5-1987

Scal;

N OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/10-86/260.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. S-322 Greater Kailash-II (Second Floor), situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

than the lany described in the schedule afficiency, has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in October 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair being the Competent Authority under Section 269B of than fifteen per cent of such apparent consideration and said exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as agreed to between believe that the fair market value of the property as aforethe parties has not been truly stated in the said instrument the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57-126 GI/87

- (1) Mr. Bhushan Kumar Uppal, D-64. Panchsheel Enclave, New Delhi-17. (Transferor)
- (2) M/s Zar International Pvt. Ltd. 1/171, Dakshin Puri Extn., New Delbi-110062. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor of house No. S-322, Greater Kailash-II, New Delhi-110 048.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-3

Date: 11-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/10-86,—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-148, Greater Kailash-II, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Compe-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sneh Dutt, S-148, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gunpreet Singh, S/o Shri S. Raminder Singh, r/o 89, Anand Lok, New Delhi.

(Transferee)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wihin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share of land of property No. S-148, Greater Kailash-II, New Delhi, IInd floor, Barsati floor.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi-3

Date: 11-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq II/37-EE/9-86/49.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. A-67 N.D.S.E. Part I, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at New Delhi in September 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Narotam Singh Narang, 12/8 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
- (2) Shri Ashok Raj Nath, D-834, New Friends Colony New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and half storeyed House No. A-67 NDSE Part I, New Delhi built on plot of land measuring 251 sq. yds. Freehold.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 15-5-1987

FORM I.T.N.S.---

(1) Capt. Reginald Sawhny, D-108, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surendra Kumar Jain & Smt. Poonam Jain, A-13, Friends Colony, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref No. IAC (Acq) Range-II/37EE/9-86/51.-Ref No. IAC (Acq) Range-II/37EE/9-86/51.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beaung
No. B-3 (Now known as B-5) Maharani Bagh, situated at New Delha

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exclanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-raz Act. 1957 (27 of 1957);

B-3 (now known as B-5) Maharani Bagh, New Delhi. 1150 sq. yds.

THE SCHEDULE

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Daljeet Singh and Smt. Amarjeet Kaur 127 Sector 9B Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal Malhotra, B-30, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acg)/Range-II|37EE/9-86/52.— Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. C-11, Block C (now Numbered B-30) situated at Maharani Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1987, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the sucressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-11, Block C (now numbered B-30), Maharani Bagh, New Delhi measuring 785 sq. yards.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

Scal:

FORM NO. LT.N.S.-

(1) Shri Sudhir Garh, andSmt. Sunita Garh,27 Abul Fazal Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Chaman Lal HUF, 204, Sarvapria Apartments, Sarvapriya Vihar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range-II|37EE/9-86/54.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2nd Floor in Pratap Bhawan situated at Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this, notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires jater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

500 sq. ft. space on 2nd Floor in proposed building at Partap Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-5-1987

Scal:

FORM I.T.N.S.—---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range-II|37EE/9-86|67.—
Whereas, I, ASHOK KACKER,
peing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. B-512 New Friends Colony,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with
rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962
in September 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration thorups by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlow
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other amets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the kading Income ing Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-inx Ast, 1957 (27 of 1969);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi, A-1/102A LIG Flat Lawrence Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kumud Jain, B-6, Block B. New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty many be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 512, Block B, New Friends Colony, New Delhi. 510 sq. yds.

ASHOK KACKER Acquisition Range-II Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

FORM ITNS

(1) Bhagwan Das Aggarwal, 140, Sector 36A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Vinod Kumar Bajaj, and Smt. Kamini Bajaj, E-91, Greater Kailash, Enclave-I, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-II/37EE|10-86|72.—
Whereas, I, ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
No. E-9, Masjid Moth,
situated at Residential Scheme, New Deihi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with
rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962
in October 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

E-9, Masjid Moth Residential Scheme, New Delhi-110048—Residential plot measuring 180 sq. mts. Leasehold.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

Date: 15-5-1987

Scal:

(1) Shyam Sunder Goyal, 63, Khan Market, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravindra Kumar Singhvi, Smt. Amila Singhvi, M-29, Gr. Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIJION RANGE AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)|Range-II 37FF/10-86|73.— Whereas, J. ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Singhle Storyed Building, situated at F-227, East of Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and regulated with the Competent

has been transferred and registered with the Competent Authority u s 209 AB of the LT. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in October 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

58-126 GI/87

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed Building, E-227, East of Kailash, New Delhi, plot area 500 sq. yards.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Angarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range-II|37EE/10-86/74.— Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃. 1,00,000/- and bearing No. E-91, Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in October 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) R. S. Bhambral and sons, HUF through Air Cmdre R.S. Bhambral, Karta. S-124 GKI, New Delhi.
- (2) S. N. Bose and Mrs. Suhita Bose, 17A/31 WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-91, Defence Colony, New Delhi. 325 sq. yds.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

(1) Inderjit Mehra, E-20, Kalindi Colony, New Dolhi.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahabir Parshad, HUF, D101, New Friends Colony.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq) Range-II/37EE/1-87|76.—
pereas, I, ASHOK KACKER,
ag the Competent Authority under Section 269B of the
come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable
perty having a fair market value exceeding
1,00,000/- and bearing
E-20, Kalindi Colony, New Delhi
ad more fully described in the Schedule annexed hereto),
here transferred and registered with the Competent

E-20, Kalindi Colony, New Delhi ad more fully described in the Schedule annexed hereto) been transferred and registered with the Competent thority u s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 January 1987.

an apparent consideration which is less than the fair rket value of the aforesaid property and I have reason to eve that the fair market value of the property as aforesaid teds the apparent consideration therefor by more than en per cent of each apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of after with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Proposed transfer property No. E-20, Kalindi Colony, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A. Asaf Ali Road
New Delhi

ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the esaid property by the issue of this notice under subon (?) of Section 269D of the Said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Ajantas Shilpalya Pvt. Itd., A-6, Ring Road, New Delhi (Through Director Bhushan Kumar Uppal). (Transferor)

(2) M/s Mayur Finance Ltd., B-192, Okhla Industrial Λιεα Phase-I, New Delhi. (Through Director MP. Agarwal).

may be made in writing to the undersined :-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/9-86/65.—Whereas, 1, ASHOK KACKER

ASHOK KACKÉR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred immovable property having a fair market value exceeding to as the 'said Act') have reason to believe that the exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement of property No. D-42, situated at N.D.S.E.-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Basement of Property No. D-42, N.D.S.E.-I, New Delhi measuring 1080 sq. ft.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Dated: 15-5-1987

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/9-86/66.—Whereas, I, ASHOK KACKER

ASHOK KACKER
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.
9-42, N.D.S.E. Part-I, New Delhi
situated at Mezanine floor of property No. D-42, N.D.S.E.,
Part I. New Delhi

Part-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Ms Ajantas Shilpalya Pvt. Ltd. A-6, Ring Road, N.D.S.E., New Delhi through its Director Shri Bhushan Kumar Uppaľ.

(Transferor)

(2) M/s Mayur, Finance Ltd., B-192, Okhla Industrial Area Phase-I, New Delhi through its Director Sh. M. P. Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mazamome floor of property D-42, NDSE-I, New Delhi admeasuring 1090 sq. ft. Plot area 143 sq. yds.

ASHOK KACKER Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Dated: 15-5-1987

FORM I.T.N.S .- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Ajantas Shilpalya Pvt. Ltd. A-6, Ring Road, NDSE New Delhi, through its Director Bhushan Kumar Uppal. (Transferor)

(2) M/s. Venkateshwar Hatcheries (P) Ltd. 1797 Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-III/9-86/67.—Wheeras, I, ASHOK KACKER

being the Competent Authority under Section 269B of the fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-42, NDSE-I, New Delhi situated at First Floor of Property No. D-42, NDSE-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi

on Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First floor of property No. D-42, N.D.S.E.I, New Delhi measuring 1315 sq. ft. plot area 143 sq. yds.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, there re, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 15-5-1987

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-/III/9-86|71.—Whereas, I, ASHOK KACKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-1, Kalindi Colony, New Delhi situated at Front First Floor Flat with a covered area of 1845 sq. ft. A-1, Kalindi Colony, New Delhi

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi

on Sept. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Manmohan Kaur, E-1/139 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kulmit Khushal Singh D-1048, New Friends Colony, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Front First Floor flat with a covered area of 1845 sq. ft. in the residential building at A-1, Kalindi Colony, Now Delhi.

> ASHOK KUCKER Competent Authority Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 15-5-1987

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/9-86/72.—Whereas, I, ASHOK KACKER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Ground Floor, A-1, Kalindi Colony, situated at New Delhi

of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Smt. Manmohan Kaur, E-1,/139 Lajpat Nagar, New Delhi.

(2) Smt. Surjit Kaur Bir, W/o Shri Jasbir Singh Bir. D-1025, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front Ground Floor Flat in the residential building at A-1, Kalindi Colony, New Delhi with a covered area of 1659 sq. ft. Courtyard area of 74 sq ft and 1830 sq ft of land/Veranduh.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 15-5-1987

FORM 1.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. No. IAC/Acq-II/SR-III/9-86/73.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing No.

lo as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.
P-16, N.D.S.E. Part-II, New Delhi, situated at N.D.S.E. Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 M/s Elveen Enterprises Pvt. Ltd. P-16, N.D.S.E.II, New Delhi through Managing Director Shri K. L. Verma.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Kumar Goel S/o Late B. R. Goel & Smt. Satya Goel W/o Sh. B. K. Goel 50B Pocket A-10, Kalkaji Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing No. P-16, New Delhi South Extension Part-II, New Delhi, measuring 200 sq yds,

THE SCHEDULE

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

59--126 GI/87

Dated: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/9-86/74.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

ASHOK kACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No, A-74, N.D.S.E.-II, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the feir

New Deini on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Amar Singh Bhalla S/o Rala Ram Bhalla B-62, NDSE II, New Delhi through Attorney Sh. Satish Seth.

(2) Praveen Kumar Walia S/o K. K. Walia Sint. Rupa Walia W/o P. K. Walia, M-15, Green Park Ext. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor A-74-A, N.D.S.E. Part-II New Delhi measuring 200 eq. yds.

> ASHOK KACKER Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-II/SR-III/9-86/75.—Whereas, I. ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6 Friends Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. A. N. Wanchoo Smt. Indu Kak and Smt. Prabha Tikku 6 Friends Colony (West N. Delhi).

(Transferor)

(2) Smt. Jaskirat Datwani Shri Ramesh Datwani 71 Golf Link, New Delhi & CNA Exports (P) Ltd., B-52, Okhla Indil Area New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 6, Friends Colony (West, New Delhi) in Nathuram Friends Colony, Mathura Road, N. Delhi.

Area 3396 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-II/SR-III/9-86/76.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/No. 7, A/2 Friends Colony, West N. Delhi
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nirmla Devi W/o Sh. Lekh Raj Arneja and Ajit, through Attorney Sh. Brahama Arneja N-51, Panchsheel Park, N. Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Niraj Nayan Shrivastava and Mrs. Ritu Shrivastava B5/119 Safdarjung Enclave New Delhi.

('Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 7-A/2 Friends Colony, West, New Delhi admeasuring 470 sq. yds.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated 15-5-1987 Scal:

with the object of :-

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-II/SR-HI/9-86/78.— Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-42, N.D.S.E-I, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ajantas Shilpalya Pvt. Ltd., A-6, Ring Road, N.D.S.E-I, New Delhi, through Director B. K. Uppal,

(Transferor)

(2) M/s, Mayur Finance Ltd. B-192 Okhla Indl. Area Phase I, through Director M. P. Agarwal.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor of property No. D-42, NDSE-I, New Delhi plot area 143 sq yds flat area 1215 sq ft.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated: 15-5-1987

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-11, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq/Range-II/SR-III/9-86|78.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-3, Maharani Bagh, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 Rajkumari Rupindra Kumari, F-18, Haus Khas, New Delhi.

(Transferor)

 Basudeo Kanoria, 2. Mrs. Pushpa Devi Kanoria 3. Mr. Harsh Vardhan Kanoria 1 Ratendrne Road, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-3, Maharani Bagh, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-II/SR-III/9-86|111.—Whereas, I, ASHOK KACKER
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proper.y, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
B-6, Kailash Colony, New Delhi
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in Sept. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair

New Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finishing of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s B. R. Towers Limited, A-18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shyam Sunder Arora, S/o Late Shri Gobind Ram Arora, R/o 10/99 Geeta Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/10th undivided share in the plot of land total area 523.6 sq yds at B-6, Kailash Colony, New Delhi Ground floor flat No. 101, comprising of four bed rooms, four bath rooms, one drawing cum Dining, one kitchen front part lawn and common Drive way-covered area 1900 sq ft. alongwith S/quarters.

ASHOK KACKER
Competent Authorite
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated: 15-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME 1.AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-II/SR-III/9-86/112.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. L-27, Knilash Colony, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Reistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fixen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

 Pandit Bhupinder Singh \$/o Arjan Dass, L-27, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Time Enterprises, D-78, Defence Colony, through its partner Shri Manjit Singh S/o Darshan Singh, C-595, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L-27, Kailash Colony, New Delhi. meausing 199.8/10 sq. yards consisting of two bed rooms, drawing-cum-dining and kitchen and one bathroom.

ASHOK KACKER
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely:—

Dato: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Raj Khanna W/o Late Lt. Col. O. P. Khanna, C-502, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Purshotam Singh Chadha S/o . Gurbachan Singh Chadha, 2 Underhill Road Civil Lines, Delhi-20.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIÓNER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-II/SR-III/9-86/113.— Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing

No. C-502, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this vetice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-502, Defence Colony, New Delhi measuring 325 sq. yds. (appx.).

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 15-5-1987

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

60-126GI/87

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) /R-II/SR-III/9-86/114.— Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-1, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maj. Gen. S. K. Talwar S/o Shri A, R. Talwar R/o B-58, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Ratra W/o Shri Vinod Batra, FD-91, Tagore Garden, New Delhi, Smt. Nishi Sethi W/o Shri Narender Sethi, 10/20, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sal Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. D-1, Defence Colony, New Del' measuring 333 sq. yds.

ASHOK KACKE
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-te
Acquisition Range-I
Aggarwal Hous
4/14-A, Asaf Ali Roa
New Delk

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT ICE OF THE INSPECTING ASSIST.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISTTION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ret No. I.Λ.C.(Acq)/R-Π/SR-III/9-86/115.— Whereas, I, ASHOK KACKFR,

Whereas, I. ASHOK KACKI-R, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have cason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No. D-340, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(1) 1. Sh. Bitinder Singh Khaneka Smt. Manjorini Khaneka, B-12, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrı Rajive Jain, D-340, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

D-340, Defence Colony, New Delhi.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuasce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-5-1987 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)j/R,II/SR-III/9-86/116.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. D-252, Defence Colony, New Delhi
(and more fully described in the scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the toresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Smt. Jagjit Kaur W/o Surjit Singh, D-252, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/S Simmi Samir Associates Pvt. Ltd., through Baldev Rai Kapoor, Director, 6, Tilak Marg, New Delhi, Smt. Sushila Sibal W/o Narender Sibal, D-342, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ass. shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

D-252 Defence Colony, New Delhi, measuring 325 sq. vds.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 15-5-1987

(1) Major G. S. Saini S/o Sh. Mansa Singh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Essel Properties & Industries (A Unit of Rama Associates (P) Ltd.) B-10, Lawrence Road Ind. Area, New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-H/SR-III/9-86/118.— Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. A-22, Kailash Colony, New Delhi situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registeration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-22, Kailash Colony, New Delhi-48.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 15-5-1987

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C (Acq),/R-II/SR-III/9-86(119.-Whereas, I, ASHOK KACKER,

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 18 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and kernet Color, New Delhi (and more fully described in the fair market value of the apparent consideration to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been OT which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Major (Retd) Rajwant Singh Hassanwalia S/o S. Isher Singh, B-86, Defence Colony, New Delbi.

Shii Anil Kumar Saigal, 47/6, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service ε notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. B-86, Defence Colony, New Delhi measuring 325 sq. yds.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s B. R. Towers Limited, A-18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Savitri Malhotra W/o H. C. Malhotra, R/o G-6, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/AR-II/SR-III/9-86/120.— Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-6, Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground Floor portion comprising of Two Bedrooms Two Bathrooms, one Drawing-cum-Dining, one Kitchen and back Court Yard and First Floor rear portion comprising of Two Bedrooms, Two Bathrooms, Drawing-cum-Dining and One Kitchen and side balconies with the Flats at B-6, Kailash Colony, New Delhi. Total plot Area 523.6 sq. yds. Free hold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow n persons, namely :-

Date: 15-5-1987

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) B. K. Paul, R. K. Paul & others, through attorney B. K. Paul & others, C-148, Greater Kallash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Rajinder Saigal S/o Shri Jit Ram Saigal, A1/149 Inderpuri, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.) /R-II./SR-III/9-86/121.— Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 23, Masjid Moth, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the reconsideration for such apparent consideration and these considerations are the consideration and these considerations are

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1857);

THE SCHEDULE

Plot No. 23, Masjid Moth, New Delhi Measuring 400 sq. vds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ratice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NFW DFLHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I A.C (Acq)/R-II/SR-III/9-86/124.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorphism having a foir market value of complete the second of the competent and Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No 34, Kailash Apartments, situated at Lala Lajpat Rai Road, New Delhi

fond more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market yalte of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 61-126GI/87

(1) Rekha Mohan W/o Rakesh Mohan Rocky Villa Mohan Meakin Road, Daliganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Mis. Asha Garg W/o Ravinder Garg Kishore House Asand Road, at present 14 Kailash Aprutments, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, measuring 1730 sq. ft. Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Road, New Delhi

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Amritlal Chemaux Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Akrutı, Retiwala Bldg.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

R. NO. 226-A, ACQUISITION RANGE-IC, AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II.37EF/M-70/87-88.—Whereas, 1, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 944.25 Square Mtrs of land situate off sitladevi Temple Rd., Mahim Bombay-16

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Pombay (n. 41228 29-10-1986

for an app rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

944.25 square meters of land situated off sitladevi Temple Road, Mahim Bombay-16 Final No. 397, TP-\$3, CS-764.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR II/37EE/41228/85-86 dated 29-10-1986.

> G. P. GUIRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Date : 5-6-1987 **Seal :**

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Prakash Sajanlal Choksi

(Transferor)

(2) Yusuf Abdulla Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

R. NO. 226, ACQUISITION RANGE-IC, AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th June 1987

Ref. No. AR.III.37/W.144/85-86.---Whereas, I. G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 3 on 3rd Fl. & Garage No. 3, "HERMES HOUSE
III", 7/7B Abdul Gaffarkhan Marg, Worli, Bombay

situated at Bombay

(and mere fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10884/17-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of, the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '~

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-uble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 3rd floor and Garage No. 3 'HERMES' House III 7/78 Abdul Gaffar khan Marg, Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10884/85-86 dated 17-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay

Date: 5-6-1987

FORM ITNS-

- (1) Mrs. Sarladevi C. Shah & Ors.
- (2) Mr. G. N. Jaisingh.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, R. NO. 226 AAYAKAR BHAVΛN, BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR III/37FF/W. 149/85-86.—Whereas, 1, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 4, Second Fl, Sca Glimpse World Hill Road, Abdul Gacar Khan Road, World, Bombay-18.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 10896/27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 4, 2nd floor, Sea Glimpse, Worli Hill Rond, Abdul Gaffar Khan Road, Worli, Bombay-18,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. 1/37EE/10896/85-86 dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-6-1987

Scal:

(1) M/s. Mansons Auto International.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kanakdhara Steel Pvt. Ltd.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IC, R. NO. 226 AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III/37EE/W. 147/85-86.--Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovtable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Industrial Gala at G-4 Neelam Centre Hind Cycle Road,

Worli, Bombay-400 018.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 10892/27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial Gala at G-4 Neelam Centre, Hind Cycle Road

Worl, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10892/85-86 dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authorn Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, pamely :-

Date: 5-6-1987

(1) M/s. Cozy Home Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohamed Seed Abdul Majid Khan & Shri Abdul Majid A. K. Khan. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, R. NO. 226 AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1987

Ref. No. AR.III/37EE/M-54/85-86.—Whereas, I, G. P. GUJRATI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11 on 5th Fl. in Bldg. "D" Luna Apartment" Plot No. 604 & 612, Lady Jamshedji Rd. Mahim, Bombay-400 016.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration which is less than the fair market value of the property as and that the consideration for such transfer as agreed to het-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the send Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 on 5th floor in Building 'D' Luma Apartment, Plot No. 604 and 612 Lady Jamshedn Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/39136-A/85-86 dated 13-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1987

(1) Shri Ramakant Waman Chavan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ТАХ АСТ, 1961 (43 ОГ 1961)

(2) S/Shri Krishna G. Sakhardande.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-IC, R. NO. 226 AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1987

Ref., No. AR. III/37ΕΓ/D-57/85-86 ---Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land adm. 577 sq. yds. (463.20 sq. rati) bearing No. 773 of TPS No IV Mahim City, C. S. No 1/347 (Part) at Ash Lane, Gokhale Rd, Dadat, B'bay, situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforevaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the said the date of the publication of this notice in the Official Comette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 557 Sy. yd (463.20 Sq. meter) bearing No. 773 of T.P.S. No. IV Mahim City C.S. No. 1/347 (part) at Ash Lane, Gokhale Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authhority, Bombay under Sr. No AR. II/37EE/40473/85-86 dated 24-11-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

5 5-1987 Date Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Makhinidevi Atmaram Marwah.

(Transferor)

(2) 1 Shri Hasmukh Shantilal Shah,

Shii Indrakumar Shantilal Shah,
 Smt. Shantaben S. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IC, R. NO. 226 AAYAKAR BHAVAN, **BOMBAY-20**

> Bombay, the 5th June 1987

Rof. No. AR. III/37EE/S-20/85-86.—Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horoinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, Admeasuring about 1300 Sq. ft. (Built up) on 2nd Fl. of Ram Nivas Bldg. No. 1, Plot No. 226, Sion Fast,

Bombay-400 022. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10862-A/13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13 Admeasuring about 1300 sq. ft. on 2nd floor of Ram Nivas Bldg. No. 1. Plot No. 226 Sipn (East) Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10862-A/85-86 dated 13-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Soal: ing persons, namely:

Date : 5-6-1987

FORM I.1.N.S.---

(1) Computronics India.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sunita Singhal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IC. R. NO. 226 AAYAKAR BHAVAN,

> BOMBAY-20 Bombay, the 5th June 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR. 111/37F1-/W. 148/85-86. --Whereas, I, G. P. GUJRATI,

G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30% Int. in Flat No. 109 (Duplex) on 9th & 10th Flat Samudra Mahal, Dr. Annie Besant Rd, Bombay-400 018

(as Co-owner). situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10894/7-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHLDULE

30% interest of flat No. 109 (Duplex) on 9th and floor at Samudra Mahal, Dr. Annic Besant Road, Worli, Bombay-18,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II / 37EE €10894 '85-86 dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 62-126GI/87

Date: 5-6-1987

Shri Amritlal Bhikabhai Shah Smt. Chandanben Amritlal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bina, Mehendra Shah Smt. Neeta Rajendra Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF-IC, R. NO. 226 AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Rei. No. AR. 111/37EE/P-24/85-86.-Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 2.1, Gurudeo Co-operative Hsg. Scty., Ltd. Plabhadevi, Bombay-400 025.

persons, namely :---

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 10871/14-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2.1, Gurudeo Co-op. Hsg. Society Ltd. Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10871/85-86 dated 14-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Date: 5-6-1987

Scal:

(1) M/s. Ramesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rustom B. Desai.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IC,

R. NO. 226 YAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III/37EE/D-34/85-86.—Whereas, I. G. P. GUJRATI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Family House, Flat No. K 2 Dadar, 793/794 Parsi Colony, Porphys 400 014

Bombay-400 014.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10895/27-10-1986

Bombay on 10895/27-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Family house, Flat No. K 2, Dadar, 793/794 parsi colony, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10985/85-86 dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Date: 5-6-1987

FORM I.T.N.S .--

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IC, R. NO. 226 AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III / 37EE / P-23 / 85-86 .-- Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Nos. 401 & 404 together with covered parking space nos. P-6 & P-7 in thhe building Nestle-1 at Pandurang Ludhkar Marg, B'bay-25, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10853/13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys on other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or we Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Scal Investments Ltd.

2. The Bombay Dyeing & Mrg. Co. Ltd.

(Transferce)

(2) Gujiat Co-op. Mill Marketing Federation Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 and 404 together with covered paiking space nos. P. 6 and P. 7 in the Building Nestle-1 at pandurang Budhkar Marg, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10853/85-86 dated 13-10-1986.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Date: 5-6-1987

FORM ITNS——— NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref No AR 1B/37G/22/86-87 — Whereas I,

P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

As per Schedule hereto
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay

on 12-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Natwarlal Dwarkadas Shroff as Manager and Karta of His Hindu Undivided Family consisting of himself (i) Shri Dilip Kumar Natwarlal Shroff (his son)

(ii) Smt. Meena Dilipkumar Shroff (wife of Dilip)
(iii) Km. Vibha Dilipkumar Shroff (Grand daughter)
(iv) Km Scema Dilipkumar Shroff (Grand daughter)
(v) Shri Daushal Dilipkumar Shroff (Grand son) (v) Shri Daushal Dilipkumar Shroff (Grand son) the last three being minors represented by Natwarlal Dwarkadas Shroff being the Guardian appointed by an Order dated 27th day of April, 1981, passed by the High Court of Bombay of the Fitst Part residing at Son Kamal, Walkeshwar, Bombay-400006.

2, Shri Bhagwandas Dwarkadas Shroff as Manager and Karta of his Hindu Undivided Family consisting of himself and (i) Suresha Anil Shroff (wife of late Anil) (ii) Tushar Anil (minor) grand son) (iii) Devand Anil Shroff (Minor) (Grandson) (iv) Nitin Bhagwandas Shroff (Son) (v) Nita Nitin Shroff (wife of Nitin) (vi) Premal Nitin Shroff (minor son of Nitin) (vii) Yashita Nitin Shroff (minor daughter of Nitin) The said Tushar, the said Devand, the said Premal and the said Yoshita—i.e parties (ii), (iii), (vi) and

and the said Yoshita—i.e parties (ii), (iii), (vi) and (vii) parts herein being minors represented by the said Bhawandas Dwarkadas Shroff being the guardian appointed by an Order dated 3rd day of April,

1981, passed by the High Court of Judicature at Bombay in Miscellaneous Petition No. 131 of 1981 of the Second Part residing at 220 Walkeshwar Road, Bombay-400006.

3. (a) Shri Madhavdas Dwarkadas Shroff 3. (a) Shri Madhavdas Dwarkadas Shroft and 3 (b) Mrs. Kusumben Madhavdas Shroff (Wife of Madhavdas) of the Third Part Residing at Nirwan, 95/D, Oomer Park, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026.
4. (a) Shri Natwarlal Dwarkadas Shroff and 4 (b) Shri Dilipkumar Natwarlal Shroff Being the executor and Trustees of the last Will and

Being the executor and Trustees of the last Will and Testament of late Sonabai Dwarkadas Shroff (the mother of the said Natwarlal) of the Fourth Part residing at Son Kamal, Welkeshwar, Bombay-400006.

5. Shri Dilip Natwarlal Shroff of the Fifth Part residing at Son Kamal, Walkeshwar, Bombay-400006.

(Transferor)

(2) I. Shri Jethalal Ladhuram Maniar,
 2. Shri Ravindra Jethalal Maniar,
 3. Shri Prakash Jethalal Maniar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

On or twords the North—By Sardar Vallabhai Patel Road and partly by Vithalbhai Patel Road
On or towards the South—By the property of Rai Bahadur P.B. Joshi, bearing C.S. No. 1352.
On or towards the East—By Benham Lane, and
On or towards the West—Partly by the property of Ranchoddas Bhavan, bearing C.S. No. 1354 and partly by the property of Yeshwant Ramchandra Nayak bearing C.S. No. 1355.
C.S. No. 1353 Girgaum Division Area 2145 sq. mts.

P. N. BANSAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB Bombay

Date: 6-5-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

> Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR.IB/37G/19/86-87.--Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

As per Schedule hereto

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as allo esand exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

S/Shri

(1) 1. Jivanji Hooscinbhai, 2. Taherbhai Abbashhai Karimji,

.. Mrs. Zainab Jewanjee Moriswalla and 4. Mrs. Razia Taher Currimji Trustees of Noorbhai Diwanji Moriswalla Charitable.

(Transferor)

S/Shrl

(2) 1. Fazelhoosein Hasanji 2. Abidali Safdarali, 3. Zakir Kasamali,

Nazarali Ahmedali,
 Bakirali Ahmedali,

6. Imran Essofally and7. Sugarabai I, Lokhandwala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situated at on the South side of Bhandari Street in the City and Island of Bombay and in the Registration District and Sub District of Bombay City and Suburbs which piece of land has been computed to contain total area of one thousand five hundred and forty one sq. yards or thereabouts equal to 1288.46 sq. metres and which is bounded on the North by Bhandari Street on the East by Narsi Natha Street on the South by the land the East by Narsi Natha Street on the South by the land of Bombay Municipal Corporation laid out as a service passage and on the West by Kazi Syed Street which said piece of land is known as Plot Nos. 15, 16 and 17 of the Mandyl Koliwada Estate of the Bombay Municipal Corporation as which said premises are assessed by the Collector of Land Revenue under New Survey Nos. 2395, 2396, 2397 and 2347 and Cadastral Survey No. 216 of Mandyl Division and are assessed by the Municipality under B Ward No. 1981, 1920, 1251—1255—57, 1921—1925 and 1972—1975, Street Nos. 27—25, 155—163, 428—438.

> P. N. BANSAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB

Date: 6-5-1987

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-JB, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR.IB/37G/12/86-87/5454.—Whereas, I, P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

As per Schedule hereto (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Ravindra Mulraj & Others, Trustees of Ravindra Mulraj Trust.
 - (2) M/s. Kamal and Company.

(Transferor)

(Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First - (being the description of the premises demised by Husiein Flias Rashid Ali Baig and Mr. M. Ishaq as Lessors to the Predecessors of the Assignors as set out in the Indenture of Lease dated 16th day of October, 1947).

All those piece or parcels of vacant Foras I and or ground situated at De'Lisle Road now Tulsi Pipe Line Road in the City and Suo Registration District of Bombay containing by City and Sub Registration District of Bombay containing by admeasurement 13237 sq. yards equivalent to 10895 square metics or thereabouts registered by the Collector of Land Revenue along with other land under New Nos. 11931, 11957 and 11994 New Survey No. 1/2641 and 2/2642 (Proposed Collector of Municipal Rates and Taxes under G Werd Nos. 2521 (2), 2521 (2AA), 2521 (2A) and 2526(2) and Street Nos. 33A-38, 38AA and 33H, and bounded on or towards the East partly by the property of the Lessors and partly Tulsi Pine Road on or towards the West by the property of R. M. D. Chambagwala. West by the property of R M. D. Chambagwala on or towards the South by the property of Haji Mahomed Haji Ahmed and others and on or towards the North by land belonging to the Municipality and Municipal drain.

Secondly-(being the description of the premises leased by the predecessors of the Assignors to the Assignees as set out in the Indenture of Lease dated 8th Augfiust, 1950).

All that piece or parcel of vacent Foras Land or ground situated at Delisle Road New Tulsi Pipe Line Road in the City and Sub-Registration District of Bombay containing by admeasurement 8246 or the properties of the properties o All that piece or parcel of vacent Foras Land or ground 23H and bounded on or towards the Fast partly by the monerty of Bombay Municipality, partly by the property of Hussein Elias and others and partly by Tulsi Pine Road on or towards the West by the property of FMD Chamon or towards the West by the property of FMD Chambagwala on or towards the South by the property of the said Hussein Flias and others leased to the Assignors and on or towards the North partly by land belonging to the Municipality and Municipal drain and partly by the property of the said Hussein Flias and others leased to the Assignors.

> P. N. BANSAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB Bombay

Data 6-5-1987 Scal:

No. F.7/2/87-E.I(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission on 13th December, 1987 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 80th Course and Naval Academy for the 2nd 10+2 (Executive Branch) Course commencing from July, 1988.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 360 (195 for the Army, 39 for Navy, 66 for the Air Force and 60 for the executive branch of Naval Academy).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 9 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme and syllabus of the examination (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy and Naval Academy and (d) guide lines for filling up the application form; are given in Appendices I, II, III and IV respectively.

2. Centres of Examination:—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal. Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONPD ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY. AT THEIR DISCRETION. ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 8(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will pormally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, be must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full instification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received, after 13th November 1987 will not be entertained under any chemistances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY:-

- (a) NATIONALITY: -- A candidate must be either: --
 - (i) a citizen of India, or
 - (ii) a subject of Bhutan, or
 - (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan rafugee who came over to India before the 1st Ianuary, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Rurma, Srl Lanka, the East African

countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formely Tanganyika and Zanzibar), Zambia. Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India. India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) AGE LIMITS, SEX AND MARITAL STATUS:—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1969 and not later than 1st January, 1972 are only eligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a university, which extract must be certified by the proper authority of the university or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificates. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the results of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporations, service records and the like will be accepted. The expression Matriculation 'Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Note 1—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SUPPLY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

Note 2—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN FXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—CANDIDATES MUST UNDERTAKE NOT TO MARRY UNTIL THEY COMPLETE THEIR FULL TRAINING. A CANDIDATE WHO MARRIES SUBSE-OUENT TO THE DATE OF HIS APPLICATION THOUGH SUCCESSFUL AT THIS OR ANY SUBSE-OUENT EXAMINATION WILL NOT BE SELFCTED FOR TRAINING. A CANDIDATE WHO MARRIES DURING TRAINING SHALL BE DISCHARGED AND WILL BE LIABLE TO REFUND ALL EXPENDITURE INCURRED ON HIM BY THE GOVERNMENT.

(c) FDUCATIONAL QUALIFICATIONS: —

- (i) For Army, Navy and Air Forc Wings of National Defence Academy—12th Class pass of the 10+2 pattern of School Education or equivalent conducted by a State Education Board or a University.
- (ii) For 10+2 Executive Branch Course at Naval Academy 2th Class pass of the 10-12 pattern of School Education or equivalent with Physics, Chemistry and Mathematics conducted by a State Education Board or a University.

Candidates who are appearing in the 12th Class under the 10+2 pattern of School Education or equivalent examination can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Matriculation and 10+2 or equivalent certificates in original to Army HQ Rtg 6(SP)(a) West Block JH, R.K Puram New Delhi-110066 and for Naval

Academy candidates to Naval Headquarters, R&R Section, 206 °C' Wing, Sena Bhawan, New Delhi-110011 by 3rd July, 1988 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies/photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 1.—Those candidates who have yet to qualify in the 42th Class or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the 12th class or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of the conduct of Board/University Examination delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE 2—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

4. FEE

(i) Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) through central recruitment fee stamps or crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE I.—Central Recruitment Fee Stamps (Not Postage Stamps) may be obtained from the Post Office and affixed on the first page of the application form in the space provided for the purpose. The stamps may be got cancelled from the issuing post office with the date stamp of the post office in such a manner that the impression of the cancellation stamp partially overflows on the application form itself. The impression of the cancellation stamp should be clear and distinct to facilitate identification of date and the post office of issue. Postage Stamps will in no case be acceptable in lieu of Central Recruitment Fee Stamps.

NOTE II—Candidates should write their name and address.

NOTE II.—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission-Fxamination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER THE FOLLOWING PARAGRAPH.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

(ii) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-63 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka

63-126GI/87

who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Cylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

- (iii) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned officers. Ex-Non Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.
 - (a) they are studying in the Military School (formerly known as King George's School)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
 - (b) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School, with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

NOTE:—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to temission of fee in terms of para 4(iii) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should however, satisfy themselves that student of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

- (iv) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and as not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the 10+2 or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the 10+2 or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
- (v) A 1cfund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in December, 1986 or May 1987 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the NDA and Naval Academy Examination December 1987 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th February, 1988

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

5. HOW TO APPLY: A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the application form published in the Newspapers and in the Employment News dated 27th June, 1987 in the Newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form and the attendance sheet neatly typewritten on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies as long as the format is exactly the same as published in the Newspapers and in the Employment News dated 27th June, 1987. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. Candidates should note that they should appear in the National Defence Academy and Naval Academy Examination for all the papers in the examination on the same admission certificate and with the same Roll Number, even if they may have received more than one admission certificate from the Commission. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as

"APPLICATION FOR NATIONAL DEFENCE ACADEMY and Naval Academy EXAMINATION, DECEMBER, 1987".

- (a) A candidate must send the following documents with his application:
 - (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Order/Central recruitment Fee Stamps or Indian Mission receipt for the prescribed fee (unless remission of fee is claimed).
 - (ii) Attendance Sheet (Published in the Newspapers and in the Employment News dated 27th June, 1987 duly filled in on foolscap size papers.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm x 7 cm. approx.) photograph of the candidate—one, pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (iv) One self--addressed post-card.
 - (v) Three self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms x 27.5 cms. size.
- (b) Candidates should note that only international form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.
- (c) All candidates, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this Examination.

Candidates, should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination their applications shall be rejected/candidatures shall be cancelled.

Candidates serving in the Armed Forces must submit their applications through their. Commanding Officer who will forward it to the Commission.

The applications of Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rastriya Indian Military College (previously known as Sainik School), Dehra Dun, Student of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik School Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

NOTE: APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE (UNLESS REMISSION OF FEE IS CLAIMED AS IN PARA 4 ABOVE) OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATE IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES, AND FEE REMISSION ETC. THEY SHOULD THEREFORE, ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION. WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS

FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL ELIGIBI-LITY CONDITIONS, THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY, THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE ARMY HEADQUARTERS SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MARCH, 1988:—

- 1. CERTIFICATE OF AGE.
- 2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALIFICATION.
- 3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE.
- 4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR FEE CONCESSION WHERE APPLICABLE.
- 5. IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE REQUIRED BY THE ARMY HEAD QUARTERS TO FURNISH SOME ADDITIONAL INFORMATION. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE ARMY HEAD-QUARTERS, AG'S BRANCH RTG 6(SP) (a) WEST BLOCK-3, WING-1 RAMAKISHNA PURAM NEW DELHI-110022 AT THAT TIME. ALL CANDIDATES CALLED FOR INTERVIEW MUST CARRY THEIR ORIGINAL MATRICULATION CERTIFICATES OR EQUIVALENT EXAMINATION CERTIFICATES TO THE SERVICES SELECTION BOARD (SSB). THOSE NOT IN POSSESSION OF THIS CERTIFICATE WILL NOT BE TESTED AT THE SSB. ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED BY THE CANDIDATES WHO QUALIFY AT THE SSB INTERVIEW SOON AFTER THE INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 6 BELOW.

CANDIDATES MAY NOTE THAT THEY SHOULD NOT APPLY TO THE U.P.S.C. FOR APPLICATION FORM, RULES, SYLLABUS ETC. THE APPLICATION FORM PRINTED ALONG WITH THIS ADVERTISEMENT SHOULD BE USED AS EXPLAINED ABOVE.

- 6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—
 - (i) obtaining support for his candidature by any means;
 - (ii) impersonating; or
 - (iii) procuring impersonation by any person; or
 - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
 - (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
 - (vii) using unfair means during the examination; or
 - (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
 - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
 - (x) harassing, doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination: or
 - (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
 - (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified

in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—
 - by the Commission, from any examination or selection held by them.
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS:

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission. Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before 10th August 1987 (the 24th August 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 10th August 1987 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be require to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 10th August 1987

NOTE:

- (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

8. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION/ ARMY HEADQUARTERS

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases:

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgements of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- (iii) Admission certificates, indicating the Roll Nos, will be issued to the candidates who are admitted to the examination and the Roll No. indicated therein will be the same as the Application Registration No. already communicated to the candidates in their Acknowledgement Cards.

No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct.

- (iv) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.
- (v) Candidate should note that the name in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.
- (vi) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

Important: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:

- 1. NAME OF THE EXAMINATION.
- 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- 3. APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER (OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- 4. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
- 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.
- N.B. (i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINA-TION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER. IT WILL BE

IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THERE-ON.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS OF THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS. A.G's BRANCH RTG. 6 (SP) (a), WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a), West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the ctll-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rtg 6 (SP) (a), West Block III, R.K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ, AG's Branch Rtg. 6(SP) (0), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by the Army HQ reach them in time. In case this is not done the responsibility of non-receip: of the joing instruction will rest with the candidate.

9. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTEVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES:—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy Wings of NDA and 10+2 Executive Branch of Naval Academy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy and Naval Academy should secure the minimum qualifying marks separately: (i) written examination and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (1) written examination. (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the Written examination, and the Services Selection Board Tests

in three separate lists—one for the Army and the Navy, the second one for the Air Force and the third for the Course at the Naval Academy. The names of candidates who qualify for all the Services and the Naval Academy will appear in all the three Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of Merit upto the number of vacancies available from the order of merit lists for the Army and Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force and the Executive Branch of Naval Academy upto the number of vacancies available from the order of merit list for the Naval Academy subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to all the three merit lists will be considered for selection from all the three Lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other lists.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect for admission to the Academy.

10. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy or Naval Academy but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy or Naval Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

11. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg. New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K.S. Roy Road, Calcutta-700001. The manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. K. KRISHNAN,
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

Appendix

THE SCHEME AND SYLLABUS OF EXAMINATION

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

Important Note

La Union Public, Service Commission in consultation with the Ministry of Defence have introduced recruitment to Executive Branch of the Naval Academy through the 10+2 (Academy Branch) course at the Naval Academy in the scheme of National Defence Academy Examination w.e.f. the Naval Academy will be the scheme for admission to the Naval Academy will be the same as in the case of Army, Navy and Air Force Wings of the National Defence Academy Examination except that a candidate for admission to Naval Academy should have passed the 12th Class of the 10+2 pattern of school education or equivalent examination with Physics, Chemistry and Maths.

2. Union Public Service Commission in consultation with the Ministry of Defence have simplified the previous Scheme of National Defence Academy Examination. The previous Scheme of the National Defence Academy Examination comprised five papers—2 of Mathematics, 2 of General Knowledge and 1 of English, each of two hours duration pread over a period of three days 'The new revised Scheme which has been introduced from National Defence Academy Examination, December, 1986 s a simplified one and consists of two papers—(i). Mathematics covering Maths 13 and, 11 of previous Scheme, and (ii) General Ability Test covering General Knowledge and the English of previous Scheme as perzectails given helow:—

. 1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks subjected to each subject will be as follows:—

Subject .	1. Duration	146 Max. Marsk
Mathematics	3 hours	→ 300
ignoral Ability Test	3.hours	600
		900

3. 2. THE PAPERS IN: ALL: THE SUBJECTS WILL CONSISTED TO BE SET OF THE PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

EaThet "Candidates of information Adminus" containing details representation to sobjective. That simulating example quescribes supplied to candidates, along with the Admission Certificate.

3. In the equition represents wherever necessary; questions involving the Metric System of Weights and Measures only the set.

- a 4. Gandidates must write the papers in their own hand. In me circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 5. The Commission thave, discretion to 1. fix a qualifying to marks in, any or all the subjects at the examination.
 - 6: The candidates are not permitted to use calculators or Mathematical or logarithmic tables for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside examination hall.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATON PAPER-IS MATRIMATICS MAINTIM Merks 300

Tribumer a martinistica a non-interesting and second second

Arithmatic

"Number Systems "Natural numbers, integers, Rational and "Reak-number, Fundamental, openation—addition, substruction, multiplication, division, Square roots Dacimal fractions.

Unitary method—time and distance; time and work. Percentages, applications to simple tand recompound interest, profit and loss, Ratio and proportion, variation. Elementary Number Theory, Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms.

. Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients, (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations to two unknown analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equation in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. Law of indices.

-Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar, traingles, (vi) Congurrance of medians, and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of its parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and their properties including tangents and normals, (ix) loci.

Trigonometry

Sine x, Cosine x; Tanent x when ${}^{*}\Theta^{*} \leq x \leq 90$.

Value of Sin x, Cos x and Tan x for x-0°, 30°, 45°, 50°, and 90° .

Simple trigonometrics identifies.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms jar charts pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

PAPER-II—GENERAL ABILITY TEST (Maximum Marks — 600)

Part 'A'-ENGLISH (Maximum Marks-200)

The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words. The syllabus covers various aspects like: Grammer and usage, vocabulary, comprehension and schesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

Part 'B'—GENERAL KNOWLEDGE (Maximum Marks— ' 400)

The question paper on General Knowledge will broadly cover the subjects; Physics, Chemistry, General Science, Social Studies, Geography and Gument Events.

The ayliabus given below is designed to indisate the score of these subjects included in this paper. The tonics mentioned are not to be recarded as exhaustive, and questions of topics of similar nature not specifically mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the subject.

Section 'A' (Physics)

Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects, Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibraim of bodies, Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound waves and their properties, Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refractions. Spherical mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet, Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Nonconductors, Ohms Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following :--

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraphs, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

Section 'B' (Chemistry)

Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide, Oxidation and Reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon-Different forms.

Fertilizers-Natural and Artificial.

Materials used in the preparations of substances like Soap, Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun-Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom, Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

Section 'C' (General Science)

Difference between the living and non-living.

Basis of Life-Cells, Protoplasms and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constitution of food, Balanced Diet.

The Solar System, Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

Section 'D' History, Freedom Movement etc.)

A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development,

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State, Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world, Renaissance Exploration and Discovery, War of American Independence, French Revolution, Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society

Concept of one World, United Nations, Panchsheel, Democracy. Socialism and Communism, Role of India in the Present world.

Section 'E' (Geography)

The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects,

Origin of Earth. Rocks and their classification; Weathering—Mechanical and Chemical, Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure, Planetary Winds, Cyclones and Anticyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate, Major Natural regions of the World.

Mineral and Power resources; location and distribution of agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

Section 'F' (Current Events)

Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including connected with cultural activities and sports

NOTE

Out of maximum marks assigned to part 'B of this paper questions on Sections 'A', 'B', 'C', 'D', 'E' and 'F' will carry approximately 25%, 15%, 10%, 20%, and 10% weightages respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALTY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basis intelligence. They will also be put to Group Test, such as group discussions, group planning, outdoor group tacks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interest in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY AND THE NAVAL ACADEMY

NOTE :—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STAN-DARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW :—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS.

CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporary unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution bodily defects of underweights.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cmt. for Navy and 162.5 cms. for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum accepted heights will be 5 cms. less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

HEIGHT/WEIGHT STANDARDS

			We	ight in Kg	š.	
Height in (without			15-16 - years	16-17 years	17-18 years	
152 .			41 .0	42 · 5	44 .0	
155 .			42 .0	43 · 5	45 · 3	
157 .			43 .0	45 .0	47 ⋅0	
160 .			45 ·0	46 · 5	48 ⋅0	
162 .			46 · 5	48.0	50.0	
165 ·			48 0	50·0	52 ⋅0	
167			49 0	51 .0	53 .0	
170 .		;	51 .0	5 2 · 5	55.0	
173 .		•	52 · 5	54 ⋅5	57 .0	
175 .			54 · 5	56 ·0	59.0	
178 .			56 ⋅0	58 ⋅0	61 .0	
180 .			58 • 5	60 .0	63.0	
183 .			61 .0	62 · 5	65 .0	

A+10% (\pm 6Kgs. for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broadbuilt as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

Note 1:—Height relaxation upto 2.5 cm (5 cm. for Navy may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.

NOTE 2:—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under:—

	Minimum	Maximum		
Leg Length	99.00	120 cms		
Thigh Length	-	64 ·00 cms.		
Sitting Height	81 ·50	96 00 cms		

On account of lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of his training in NDA.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch lower angle of the shoulder blades behind X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-ray of spine of candidates will not be carried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated. Minor congenital defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

FOR AIR FORCE

Spinal Conditions

- (f) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties;
 - (i) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint either with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life.
 - (ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition.
- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape local tenderness, if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only, X-ray of lumbosacial vertebrae (AP and Lateral views), is to be carried out.
- (h) Mild Kyphosis or Lordosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement, will not preclude acceptance.
- (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality of spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examinee referred for specialist's advice.
- (j) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force:
 - (i) Granulomatious disease of spine.
 - (ii) Arthritis/spondylosis.
 - (iii) Scoliosis more than 15 degree as measured by Cobb's Method.
 - (iv) More than mild Kyphosis/Lordosis.
 - (v) Spondylosthesis/spondylosis.
 - (vi) Herniated nucleus pulposus.
 - (vii) Compression fracture of Vertebra.
 - (viii) Scheurman's Disease.
 - (ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Circulatory deficit.
 - (x) Any other spinal abnormality, if so considered by the Specialist.
- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (1) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each car at a distance of 610 cms in quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat. Audiometric test will be done for AP. Audiometric loss should not exceed +10db in frequencies between 250 Hz and 4000Hz.
- (m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.

- (n) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs spleen. Any evidence of disease of internal of the abdomen will be a cause for rejection.
- (o) Unoperated hernjas will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.
- (p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (r) Any disease of skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (s) 'A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses. (For Navy 6/6, 6/9 without glasses and Air Force without glasses and Air Force without glasses and Air Force without glasses only). Myopia, should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night' blindness.

Vision standard for Naval candidates

Distant wision

6/6 6/9 Correctable to 6/6

Near Vision

N-5 each eye

Colour vision CPI by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye

Occular Mascle Balance Heteropheria with the Moddox Rod test must not exceed

(i) at 6 metres

Exophoria 8 prism dioptres Esophoria 8 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres

(ii) at 33 cm

Exophoria 16 prism dioptre Esophoria 6 prism dioptre Hyperphona 1 prism dioptre

for Air Force, the criteria are:-

Distance Vision

6/6 6/9 correctable

to 6/6

Near Vision Colour Vision N-5 each eye

CPI (MLT)

Manifest Hypermetropia

must not exceed 2 10

Myopia

Nil

Astigmatism

+ 0.75 D Cvl

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Moddox Rod must not exceed-

(i) at 6 metres

Exophoria 6 prism dioptres dioptres hyper/ydephoria 1 prism dioptre.

(ii) at 33 cms.

Exophoria 16 prism dioptre Esophoria 6 prism dioptre Hyper/Hyperphoria 1 prism

dioptre.

(iii) Binocular Vision

Must possess good bino-cular vision (fusion and sterwopsis with good amiplitude

and depth.)

(t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will

be acceptable. When 32 theth-me present the total dental points are 22. A candidate's hould not be suffering

(u) Routine ECG and FEG for Air Force Candidates must be within normal limits.

APPENDIX III

(BRIEF PARTICULARS OF THE SERVICES ETC.)

- Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign :-
 - (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tution, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Govern-
- 2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 75.00 p.m. If in any case a cadet's parents or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 75.00 p.m. for the 1st and 2nd years. Rs. 80.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 90.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs 500 00 p m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

- 3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:
 - (a) Pocket allowance for five months at

Rs. 75 ·00 per month

Rs. 375 ·00 >

(b) For items of colthing and equipment Rs. 650 ·00

Incidental Expenditure during 1

Semester

Rs. 150 00

Total

Rs. 1175 · 00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

(a) Pocket allowance for five months at

Rs. 75 00 per month

Rs. 375 ·00

(b) Foritems of clothing and equipment approximately

Rs. 475 .00

- 4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:
 - (1) PARSHURAM 'BHAU PATWARDHAN scholar-ship—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government imencial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and others Pre-commission training establishment subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parents' income remaining helow the prescribed limit. Cadets who are granted this acholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
 - (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Schoscholarships were awarded to two cadets who obtain Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an exserviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
 - (3) KAUR SINGH MEMORIAL Scholarship.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Khadakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College; and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.
 - (4) ASSAM GOVERNMENT Scholarship.—Two Scholarship will... be "awarded" to "the" cause ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 nor measurement is tenable for the duration of a cader's stay at the National Defense Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
 - (5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of
 Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of
 Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong
 to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis
 and are tenable for a period of three years subject
 to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy Cadets who are granted these
 Scholarships are not entitled to any other financial
 assistance from Government.
 - (6) KERALA GOVERNMENT Scholarships.—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.
 - (7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
 - (8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scholarships, rone for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of

- these scholarships will be awarded on the basis of ment-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be give not the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.
- (9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—
 Following categories of scholarships are awarded by
 the West Bengal Government to those cadets who
 are permanent residence of WEST BENGAL:—
 - (a) Category 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.
 - (b) Category 2.—The scholarship of a lumpsum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.
- (10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarships.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the 'overall 'order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This 'scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipts the Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMEN'T Scholar-ships—Four scholarship will be awarded to gadeta from HIMACHAL PRADESH. The value of each strictarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parents income is below. Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of fianancial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.
- (12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—
 The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of TAMIL NADU whose parents/guardians monthly income dos not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.
- (13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarship.—
 The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of course from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School, Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The value of the scholarship shall be Rs. 480/- (Rupees four hundred and eighty) each per annum.

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who joint NDA after completion of education other than at Sainik School. Bijapur/RIM College, Dehra Dun have been awarded.

(14) ALBERT EKKA Scholarship—The Government of Bihar has instituted at NDA 25 Merit Scholarship at Rs. 50/- per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650/- one time towards clothing and equipment. The cadet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or financial assistance from the Government. The application by an eligible cadet

can be made to the Commandant National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarship are obtainable from the Commandant, National Defence Academy KHADAKWASLA, Pune (411023).

- 5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects:—
 - (a) English;
 - (b) Mathematics;
 - (c) Science;
 - (d) Hindi,

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their Studies after the competitive examination.

Training

- 6. The selected candidates for the three services viz. Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./B.A. degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.
- 7. On passing out from the National defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadet to EFS BIDAR.
- 8. At the I.M.A. Army Codets are known as Gentlemen cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officer capable of leading infantry Sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being midically fit in "SHAPE".
- 9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Flectrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.
- 10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

Terms and Conditions of Services

Army Officers

(i) PAY

RANK	PAY SCALE				
2nd Lieut to Brigadiers	Rs. 2300-100-3900- 150-4200-EB-150- 5100				
Maj Gen. Lieut Gen VOACS/Army Commander Chief of the Army Staff	Rs. 5900-200-6700 Rs. 7300-100-7600 Rs. 8000 (Fixed) . Rs. 9000 (Fixed)				

In	addition	to	pay.	Rank	pay	will	also	be	given	2.9
under					-				_	

Capt			Rs. 200
Maj.			Rs. 600
Lt. Col	l.		Rs. 800
Col.			Rs. 1000
Brig.			Rs. 1200

(ii) Qualification, Pay and Grant

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain presembed qualification are entitled to lump sum grant of Rs. 2000/-, 3000/-, 5625/- or 7500/- based on the qualification held by them. Flying instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) Allowances

In addition to pay an officer at present receives the following allowances:

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 100/- p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance,—Married Officers posted to non-fam ly stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.
- (e) Outfit allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 3000/- Renewal outfit allowance Rs. 3000/- after every seven years of effective service.

Tree rauoils are provided to all officers.

(g) During last 6 months of training at the respective services institution prior to being Commissioned, the Trainees will get a fixed amount of Rs. 1500/p.m.

(iv) Posting

Army officers are liable to serve any where in India and abroad.

- (v) Promotion
- (a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks.

(i) By Time Scale and Minimum Service Limit

Lt-2 years of Commissioned service

Captain-6 years of commissioned service

Major-13 years of commissioned service

Lt Col. from Major if not promoted by selection—25 years of commissioned service.

(ii) By selection

Lt Col—16 years of commissioned service Col—20 years of commissioned service Brigadier—23 years of commissioned service Major Gen.—25 years of commissioned service Lt Gen.—28 years of commissioned service Gen—No restriction.

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies:—

Captain—3 years Major—6 years Lt Colonel-61 years

Col-81 years

Brigadier-12 years

Maj. General-20 years

Lt General-25 years.

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scales							
Acting Sub Liou	tenant	to	Commo	lore		Rs. 2300/- to 5100/-		
Real Admirel						Rs. 5900-200-6700/-		
Vice Admiral						Rs. 7300-100-7600/-		
VCNS/C-IN-C						Rs. 8000/- (Fixed)		
Admiral .						Rs. 9000/- (Fixed)		
(Chief of Nava)	Staff))						

Qualifications pay/grant is also admissible to-

Officer of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 2000/-, 3000/-, 5625/- of /300/- based on small fication held by them. Flying Navigator instructor categories A & B are authorised to qualification pay of Rs 100/- and 70/- p.m. respectively.

(ii) Allowances

- (a) Compensatory (City) Allowance, Dearness Allowances and interim relief are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 100/-
- (c) Expatriation Allowance when serving a shore ex-India or affoat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates very from Rs. 50/p.m. to Rs. 250/- p.m. depending on ranks.
- (d) Separation Allowance at the Rate of Rs. 140/- p.m. to married officers serving affoat during the period their ship away from its base port.
- (e) Outfit Allowance (Initial) Rs. 3500/- (Renewal) after 7 years service Rs. 3500/-.
- (f) Technical Pay Rs. 75/- to 350/- p.m.
- (g) Flying Pay (If selected for flying duties) Rs. 1200/- p.m.
- (h) Submarine Pay (if selected for submarine Arm) Rs. 1200/- p.m.
- (j) Free rations are provided to all officers.
- (k) Encashment of unavailed Annual Leave @ of 30 days per year for a maximum of 180 days on superannuation.

(iii)Promotlons

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks—

By time Scale

Sub Lt- 1 year

Lt.—3 years (subject to gain forefeiture of seniority).

Lt. Cdr.-8 years seniority as Lt

Car.—24 years commissioned service (if not promoted by selection).

By Selection Cmdr. Executive

Branch-2-8 years of seniority as Lt. Cdr.

Cmdr. Engineering

Branch-2-10 years seniority as Lt. Cdr.

Emdr. Electrical

Branch-2-10 years seniority as Lt. Cdr.

Capt-4 years seniority as Cdr.

Rear Admiral-No restriction.

Vice Admiral-No restriction.

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICERS

(i) PAY

Rank			 ,Pay Scales
Pilot Officerto Air Commodoro	<u>:</u>	•	. Rs. 2300/- to 5100/-
Air Vico Marshal			. Rs. 5900-200-6700/-
Air Marshal .			Rs. 7300-100-7600/-
Air Marshal .	- : •		. Rs. 8000/- (Fixed)
(VCAS, AOC-in-C8	Comn	aand)	
Air Chief Marshal			. Rs, 9000/- (Fixed)
(Chief of Air Staff)			

In addition to Pay, Rank pay will also be given as under:

Flight Lieutenant			Rs. 200/-
Squadron Leader			Rs. 600/-
Wing Commander			Rs. 800/-
Group Captain.			Rs. 1000/-
Air Commodore	-		Rs. 1200/-

Qualification Pay/Grant—Admissible to Flying Branch Officers Possessing certain prescribed qualification at the rate given below:—

Qualification Pay	•	•	Rs. 100 p.m. or Rs. 70/- p.m.
Cualification Grants			Rs. 7500/-
			Rs. 5625/-
			Rs. 3000/-
			Rs. 2000/-

(ii) Allowances

- (a) Compensatory (City) Allowance, Dearness Allowances and interim relief are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) Kt Maintenance Allowance at the rate of Rs. 100/- p.m.
- (c) Expatriation Allowance Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the

- Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor serving in the Country where IAF officers are required to move as body of troop.
- (d) Separation Allowance—Married Officers of the rank of Air Vice Marshal and above posted to Units/Formations located at non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.
- (e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 3000/-. Renewal outfit allowance Rs. 3000/- after every seven years of effective service.
- (f) Flying Pay:--
 - (i) Up to GP Capt-Rs. 1200/- p.m.
 - (ii) Above GP Capt Rs. 0900/- p.m.
- (g) Test Pilot Allowance—An additional amount equal to one third of the Flying Pay.
- (h) Free rations, are provided to all Officers.
- (j) During last six months of training at the respective service institutions prior to being commissioned the trainees may be paid fined amount of Rs. 1500/- p.m.

(iii) Promotions

Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substative promotion to higher ranks—

By Time Scale 9

- William (Officer-1 year commissioned service.
- () Fit (Lt. -- 5 gears Commissioned service.
- Sqn Ldr.—11 years commissioned service.
 - Wg. Cdr.—On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

- By Selection
 - Wg. Cdr.—16 years reckonable total commissioned service.
 - Gp. Cpt.—22 years reckonable total commissioned service.
 - Air Cmdr.—24 years reckonable total commissioned service.
 - Air Vice-Marshal—26 years reckonable total commissioned service.
 - Air Marshal--28 years reckonable total commissioned service.
- (b) Acting Promotion

The following are the minimum service limit required for acting promotion of officers.

- Flt. Lt.-2 years
- Sqn. Ldr.-5 years
- . Wg. Cdr.—6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.).
- Gp. Captain—8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.).
- Air Cdr-11th years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain).
- Air Vice-Marshal—15 years (After service of 5 years* in the ranks of Wg., Cdr., Gp. Capt and Air (Cdr.).
- Air Marshal-23 years,
- *Inclusive of broken period.
- Pension; grattiffy and casually pensionary award with he admissible in accordance with the rules of the state of the state
- 15. Leave
- ...Leave will be, admissible in according with the rules in force from time to time,